विद्याविनियोगाद्विकासः
IIM
AHMEDABAD

56वाँ

2017-18

वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT

संस्थापक प्रणेता

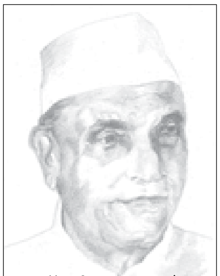
डॉ. जीवराज एन. मेहता

कस्तूरभाई लालभाई

डॉ. विक्रम ए. साराभाई

पूर्व अध्यक्ष

डॉ. जीवराज एन. मेहता

श्री प्रकाश टंडन

श्री एस.एल. किर्लोस्कर

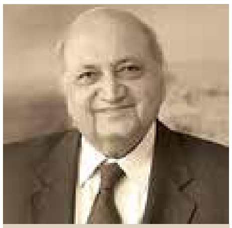
श्री केशव महिन्द्रा

श्री वी. कृष्णमूर्ति

श्री ए.पी. वेंकटेश्वरन

प्रोफेसर एस.के. खन्ना

डॉ. आई. जी. पटेल

श्री एन.आर. नारायण मूर्ति

डॉ.विजयपत सिंघानिया

श्री ए. एम. नायक

श्री पंकज पटेल

वर्तमान अध्यक्ष

श्री कुमार मंगलम बिड़ला

वर्तमान निदेशक

एर्रोल डिसूज़ा

पूर्व निदेशक

डॉ. विक्रम ए. साराभाई

प्रोफेसर रवि जे. मथाई

डॉ. सैम्युअल पॉल

प्रोफेसर वी. एस. व्यास

डॉ. आई. जी. पटेल

प्रोफेसर एन. आर. शेठ

प्रोफेसर पी. एन. खांडवाला

प्रोफेसर जहर साहा

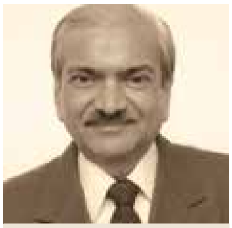
प्रोफेसर बकुल एच. धोलकिया

प्रोफेसर समीर के. बरुआ

प्रोफेसर आशीष नन्दा

56 वाँ

2017-18

वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
Indian Institute of Management Ahmedabad

विद्याविनियोगाद्विकासः
IIM
AHMEDABAD

अनुक्रमणिका

वर्ष का सिंहावलोकन		**5**
कार्यक्रम		**7**
1. स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम (पीजीपी)	7	
2. खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफ़एबीएम)	12	
3. कार्यपालकों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स)	13	
4. प्रबंधन में फेलो कार्यक्रम	16	
स्थानन	17	
दीक्षांत समारोह	21	
5. प्रबंधन में संकाय विकास कार्यक्रम	22	
6. कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	23	
अनुसंधान और प्रकाशन	24	
केस केंद्र	25	
अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह		**26**
1. नवप्रवर्तन, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र	26	
2. भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र	29	
3. कृषि प्रबंध केंद्र	32	
4. स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र (सीएमएचएस)	33	
5. सार्वजनिक प्रणाली समूह	34	
6. रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवप्रवर्तन केन्द्र	35	
7. जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक प्रणाली स्कूल	35	
अनुशासनिक विषय-क्षेत्र		**36**
1. व्यापार नीति	36	
2. संचार	37	
3. अर्थशास्त्र	38	
4. वित्त और लेखा	38	
5. मानव संसाधन प्रबंधन	40	
6. सूचना प्रणालियाँ	41	
7. विपणन	41	
8. संगठनात्मक व्यवहार	43	
9. उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके	44	
मान्यता और रैंकिंग		**46**
पूर्वछात्र गतिविधियाँ		**51**
संचार एवं डिजिटल विपणन		**58**
सहायता अनुदान		**59**
बुनियादी ढाँचे का विकास		**60**
राजभाषा कार्यान्वयन		**61**
कार्मिक		**62**
खेल एवं मनोरंजन गतिविधियाँ समिति (सारा)		**64**
छात्र गतिविधियाँ		**66**
विक्रम साराभाई पुस्तकालय		**79**
कल्याण गतिविधियाँ		**81**
परिशिष्ट		**85**

दृष्टि

उद्यमों के अग्रणियों को शिक्षण

✧ ✧ ✧

लक्ष्य

भारत और अन्य देशों को बदलने के लिए अनुसंधान एवं निर्माण पर आधारित वैश्विक महत्त्व के नए विचारों को उत्पन्न करने तथा प्रचार के माध्यम से जोखिम उठाने वाले ऐसे अग्रणी प्रबंधक तैयार करना जो संगठनों के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए प्रबंधकीय एवं प्रशासनिक प्रथाओं को बदल सकें।

✧ ✧ ✧

उद्देश्य

- प्रबंधन और उसके अंतर्निहित विषयों के लिए जो प्रासंगिक है ऐसे अनुप्रयुक्त और संकल्पनात्मक अनुसंधान के माध्यम से ज्ञान का सृजन करना, और इस ज्ञान का प्रकाशनों के माध्यम से प्रसार करना।

- संगठनों के सभी प्रकारों में प्रबंधन में कैरियर और संबंधित क्षेत्रों के लिए युवा पुरुषों एवं महिलाओं को तैयार करने के लिए शैक्षणिक सुविधाएँ स्थापित करना।

- प्रबंधन से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ प्रबंधन शिक्षकों और शोधकर्ताओं को विकसित करना।

- नवाचार और अत्याधुनिक प्रबंधन शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से अभ्यासरत प्रबंधकों के निर्णय निर्धारक कौशलों एवं प्रशासनिक क्षमता में सुधार करना और शिक्षा जारी रखने के लिए अवसर उपलब्ध कराना।

- परामर्शी सेवाएँ उपलब्ध कराना ताकि – क) संगठनों में निर्णय निर्धारक कौशलों एवं प्रक्रियाओं को, और ख) सार्वजनिक नीतियों की प्रभावशीलता को बढ़ाया जा सके।

- सार्थक सहयोग के माध्यम से अपनी क्षमताओं के निर्माण द्वारा अन्य प्रबंधन स्कूलों में प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार लाना।

- उपरोक्त उद्देश्यों में से किसी एक अथवा सभी के संदर्भ में संस्थान का संचालन और संबंधों का वैश्विकीकरण करना ताकि वैश्विक स्तर पर सम्मानित भारत में पूर्व-प्रख्यात प्रबंधन स्कूल के रूप में उभर सके।

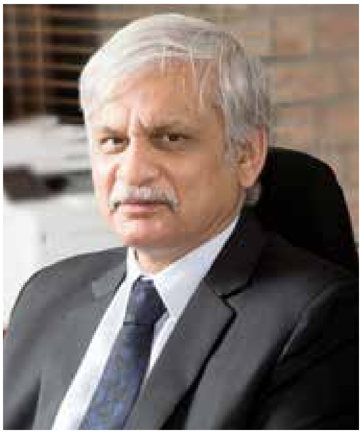

वर्ष का सिंहावलोकन

संस्थान का उद्देश्य समाज में प्रगतिशील और स्थायी प्रभाव डालने के दौरान प्रबंधन शिक्षा और अभ्यास की सीमाओं पर चलने वाले एक प्रमुख वैश्विक प्रबंध स्कूल के रूप में मान्यता प्राप्त करना जारी रखना है। संस्थान इस दृष्टि पर छात्रवृत्ति को बढ़ावा देने, उद्यमों के अग्रणियों को शिक्षित व पोषित करने, तथा नीति एवं अभ्यास जगत को प्रभावित करने के माध्यम से पहुँचता है।

संस्थान एक उच्च प्रदर्शन वाले काम के माहौल का समर्थन करता है और सहयोग तथा रचनात्मकता के अवसर प्रदान करते हुए संकायों की स्वायत्तता सुनिश्चित करता है। शोध और सम्मेलन के लिए वित्त पोषण की उपलब्धता और केस लेखन के लिए सहायता से संकाय सदस्य गुणवत्ता वाले प्रकाशनों की रचना पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनते हैं।

हम अपने संकायों, कर्मचारियों और पूर्वछात्रों के बीच सहयोग की हमारी संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए भी उत्सुक हैं। पिछले कुछ वर्षों से कैंपस में पुनर्मिलनों की संख्या में वृद्धि हुई है और पूर्वछात्र वित्त पोषण के मामले में संस्थान को वापस देने के लिए पूरी तरह से वचनबद्ध हैं, वे केस लेखन और परामर्श के अवसर प्रदान करते हैं, और अवसर मिलने पर हमारे छात्रों के साथ अपने मूल्यवान व्यावहारिक अनुभव साझा करते हैं।

छात्र कैंपस के विभिन्न क्लबों और अंतरसंस्थान टूर्नामेंटों में भागीदारी के माध्यम से उत्साहपूर्वक अपने अतिरिक्त पाठ्यचर्या के हितों में आगे बढ़ना जारी रखते हैं। उन्होंने प्रयास और स्माइल के माध्यम से समाज के कमजोर वर्गों के बच्चों के साथ संस्थान की सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा दिया है। छात्र विनिमय कार्यक्रम छात्रों को विश्व की प्रबंधन स्कूलों के साथ विभिन्न सांस्कृतिक व्यवस्थाओं में सीखने का अनुभव प्राप्त का अवसर प्रदान करते हैं।

छात्रों ने सितंबर 2017 के अंत में चार दिवसीय प्रबंधन संगोष्ठी 'द रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन' का औपचारिक अधिष्ठापन शुरू किया। इस समारोह में 22,000 पंजीकरण हुए और इसने देश में एक विशिष्ट प्रबंधन संगोष्ठी के रूप में जगह बनाई है।

हमारे संकाय विकास कार्यक्रम ने भारत में और विदेश में प्रबंधन शिक्षकों के व्यावसायिक विकास में योगदान देना जारी रखा है। छह महीने के सशस्त्र सेनाबल कार्यक्रम ने सेनाओं के सशक्त व्यवसायियों को उन्हें कॉर्पोरेट जगत में काम करने के लिए प्रवसन की सुविधा प्रदान करना जारी रखा है।

हमारे दीर्घकालिक कार्यक्रम - पीजीपी, पीजीपीएफ़एबीएम, पीजीपीएक्स, और एफ़पीएम लगातार बढ़ रहे हैं। पीजीपीएक्स में एक अनुभाग जोड़ा गया है। डॉक्टरेट कार्यक्रम, एफ़पीएम ने अपने पाठ्यक्रम प्रस्तावों की समीक्षा की है ताकि उन्हें अधिक समकालीन, प्रासंगिक और कठोर बनाया जा सके। हमने इस वर्ष ईपीजीपी कार्यक्रम (इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से प्रस्तुत पीजीपी) के पहले बैच की शुरू आत की है; इस कार्यक्रम में देश के 13 शहरों से 53 प्रतिभागी शामिल हुए हैं।

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में काफी वृद्धि हुई है और इनकी रैंकिंग में सुधार हुआ है। संस्थान ने ईलर्निंग मोड में कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों को फिर से शुरू किया है। पहले बैच में 115 प्रतिभागी थे और अब तक हमने पाँच कार्यक्रमों के माध्यम से 416 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया है।

संस्थान में हमारे बुनियादी ढाँचे की स्थिति एक मौजूदा चुनौती है। हमारा भव्य लुई काह्न भवन नाजुक स्थिति में हैं और हमने इसके लिए एक बहुवर्षीय नवीनीकरण और उन्नयन कार्यक्रम की कल्पना की है। विक्रम साराभाई पुस्तकालय और छात्रावास क्रमांक 15 के नवीनीकरण को पहले दौर की प्रक्रिया में लिया गया है और इससे सीखे गए मूल्यवान सबक अन्य इमारतों का नवीनीकरण करने में मदद करेंगे। कक्षा संकुल, छात्रावास, कर्मचारी तथा संकाय आवास, एक खेल संकुल, और जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल सहित नई परियोजनाओं के लिए योजनाएँ प्रगतिशाल हैं।

छात्र उद्यमिता कक्ष के साथ सीआईआईई ने हल्ट पुरस्कार के 8वें संस्करण की मेजबानी की। इस वर्ष का हल्ट पुरस्कार मापनीय और स्थायी सामाजिक उद्यमों के निर्माण पर केंद्रित है जो वर्ष 2025 तक एक करोड़ लोगों की जिंदगी को बदलने के लिए ऊर्जा का संचार करेगा। हल्ट पुरस्कार संयुक्त राष्ट्र के सहयोग से आयोजित एक स्टार्टअप उत्प्रेरक है और यह 5,000 से अधिक विश्वविद्यालयों की भागीदारी के साथ 106 देशों में फैली विश्व की सबसे बड़ी सामाजिक उद्यमिता प्रतियोगिता है।

यह बड़े सौभाग्य की बात है कि भारत के माननीय राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने आईआईएमए को राजभाषा कीर्ति पुरस्कार 2016-17 से सम्मानित किया है।

संस्थान ने पिछले वर्ष कई प्रतिष्ठित शिक्षाविदों और प्रसिद्ध हस्तियों का स्वागत किया। नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफ़ेसर एरिक मास्किन ने मैकेनिज्म डिज़ाइन पर एक व्याख्यान दिया। कनाडा के माननीय प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने संस्थान का दौरा किया और छात्रों से संवाद किया। अन्य जिन हस्तियों ने संस्थान का दौरा किया उनमें श्री सलिल शेट्टी, महासचिव, एमनेस्टी इंटरनेशनल, और डॉ. हसमुख अढिया, वित्त सचिव शामिल हैं।

छात्र विविधता कैंपस अनुभव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है क्योंकि यह सीखने के संवर्द्धन में योगदान देता है। शैक्षणिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में, पीजीपी में 32% गैर-इंजीनियर छात्र थे - 15 से अधिक वर्षों में ये आँकड़ा सबसे ज्यादा है। पीजीपीएफ़एबीएम में 45% गैर-इंजीनियर छात्र थे। लिंग विविधता के संदर्भ में, 2017 में पीजीपी कार्यक्रम में 28% छात्राएँ शामिल हुईं - जो वर्ष 2015 के 14% के आंकडे से आगे बढ़ा है। इसी प्रकार पीजीपीएफ़एबीएम कार्यक्रम में वर्ष 2017 में 50% छात्राएँ शामिल हुईं। इस वर्ष एफ़पीएम में स्नातक हुए छात्रों की संख्या में पुरुषों एवं महिलाओं का समान अनुपात था।

आईआईएम अधिनियम 2017 में अस्तित्व में आया है और यह आईआईएमों को राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के रूप में घोषित करता है और उन्हें डिग्री प्रदान करने का अधिकार प्रदान करता है। हम भारत सरकार के नियमों के प्रतिपादन की प्रतीक्षा कर रहे हैं जो इसकी रूपरेखा प्रदान करेंगे जिनके आधार पर हमारे नियम और अध्यादेश तैयार किए जाएंगे। यह अधिनियम संस्थान के कार्यकलापों को चलाने के लिए बोर्ड को स्वायत्तता देता है।

संस्थान निरंतर छात्रों और अधिकारियों के शैक्षणिक अनुभव में सुधार करने के लिए सतर्क है और प्रबंधन की कार्य प्रणाली को प्रेरित करता है। संस्थान ज्ञान के क्षितिज का विस्तार करने और उन स्थितियों में सुधार करने के लिए योगदान देना चाहता है, जिनके तहत व्यवसाय बढ़ते हैं और नागरिक जीवित रहते हैं। हमारे कर्मचारी, छात्र और संकाय एक समुदाय के रूप में सजग हैं कि हमारा काम अभी पूरा नहीं हुआ है और हमें अभी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम

वर्तमान में, संस्थान चार लंबी अवधि के शैक्षणिक कार्यक्रम चलाता है प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) (एमबीए के समकक्ष); खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफ़एबीएम) (एमबीए के समकक्ष); कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स); और प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम (एफ़पीएम) (पीएच.डी. के समकक्ष)।

1. स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम (पीजीपी)

प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) का 54वाँ बैच 395 छात्रों के साथ 19 जून, 2017 को शुरु हुआ। साल के अंत में, 393 छात्र दूसरे वर्ष में आगे बढे।

कार्यक्रम का दूसरा वर्ष 395 छात्रों के साथ, 8 जून, 2016 को शुरू किया गया। दूसरे वर्ष के अंत में, (डबल डिग्री सहित) 398 छात्र संतोषजनक शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करके स्नातक हुए।

इसके विवरण **परिशिष्ट क1** में दिए गए हैं।

श्रेणी के अनुसार छात्रों के विवरण इस प्रकार हैं

छात्र	सामान्य	एनसी-ओबीसी	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	दिव्यांग	कुल
प्रथम वर्ष	177	112	59	34	13	395
द्वितीय वर्ष	190	105	58	29	13	395

पूर्व-तैयारी (प्रीपरेटरी) कार्यक्रम

पूर्व-तैयारी कार्यक्रम उन छात्रों के लिए है, जो कार्यक्रम में प्रवेश लेने जा रहे हैं लेकिन उन्हें संचार एवं गणितीय कौशलों को मजबूत करने की आवश्यकता है। नियमित सत्र के शुरू होने से पहले, 07 जून से 17 जून, 2017 के दौरान आयोजित इस कार्यक्रम में तिरानवे छात्रों ने भाग लिया।

अभिविन्यास कार्यक्रम

नए छात्रों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम 21 से 23 जून, 2017 के दौरान आयोजित किया गया था। इसमें निदेशक, डीन (कार्यक्रम) और पीजीपी अध्यक्ष के द्वारा संबोधन के उपरांत, पीजीपी कार्यकारी समिति और कंप्यूटर तथा पुस्तकालय की सुविधाओं के साथ ही उनके उपयोग से संबंधित जानकारियों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम रखा गया था। केस तैयारी तथा केस पद्धति पर एक विस्तृत सत्र का भी आयोजन नए छात्रों के लिए किया गया था जिससे छात्र केसों से परिचित हो सकें जो उनके लिए एक प्रमुख शैक्षणिक साधन है।

ट्यूटोरियल

प्रथम वर्ष के कुछ पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षकों द्वारा ट्यूटोरियल की पेशकश की गई थी जिससे छात्रों को इस कार्यक्रम की आवश्यकताओं में मदद मिल सके।

पाठ्यचर्या

पीजीपी समीक्षा समिति द्वारा नवीनतम अनुसंधान के साथ तालमेल रखने के लिए समयसमय पर पाठ्यक्रम को संशोधित किया जाता है।

इस साल, प्रथम वर्ष के छात्रों ने तीन सत्रों से अधिक में फैले 35 अनिवार्य पाठ्यक्रम (23.80 क्रेडिट) लिए। दूसरे वर्ष में, छात्रों को

वैकल्पिक पाठ्यक्रम के न्यूनतम 19 क्रेडिट और अधिकतम 22 क्रेडिट पूरे करने थे।

दूसरे वर्ष के दौरान, कुल 140 पाठ्यक्रमों को वैकल्पिक रूप में पेश किया गया जिनमें से 15 वैकल्पिक पाठ्यक्रमों को पहली बार पेश किया गया था। चौदह पाठ्यक्रमों को 2 अनुभागों में पेश किया गया, 6 पाठ्यक्रमों को 3 अनुभागों में पेश किया गया था। एक सौ सोलह परियोजना पाठ्यक्रम भी पेश किए गए। वर्ष के दौरान समय सारिणी में 159 पाठ्यक्रमकक्षाएँ प्रबंधित करने की जरूरत पड़ी थी।

नए पाठ्यक्रम

दूसरे वर्ष में निम्नलिखित नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किए गए थे

- व्यवसाय विश्लेषिकी
- जनसमूह समन्वयन
- आर्थिक विकास नीति और विकास
- व्यवसाय की जीवंत कार्रवाई का अनुभव
- गैमिफिकेशन, प्रौद्योगिकी और अधिगम प्रेरणा
- शहरी परिवहन प्रबंधन में नवप्रवर्तन
- डिजिटल व्यवसाय का प्रबंधन
- स्वास्थ्य देखभाल उत्पाद और सेवाओं का विपणन
- बहुराष्ट्रीय कंपनियों की रणनीतियाँ और अंतर्राष्ट्रीय विस्तार विकल्प
- नए उत्पादों का निर्माण और विकास
- मात्रात्मक और एल्गोरिदमिक व्यापार
- रणनीतिक गठजोड़ और बौद्धिक संपत्तियों का मूल्यांकन
- विपणन में रणनीतिक मॉडल
- आपूर्ति श्रृंखला सोच मूल्य निर्माण और अनुकूलन
- परिवर्तनकारी सामाजिक आंदोलन

दोहरी डिग्री विनिमय कार्यक्रम और एक-सत्रीय विनिमय कार्यक्रम

संस्थान निम्नलिखित विश्वविद्यालयों के साथ स्नातकोत्तर स्तर पर दोहरी डिग्री विनिमय कार्यक्रम चला रहा है

- ईएससीपी-यूरोप बिजनेस स्कूल, फ्रांस
- ईएसएसईसी, सेडेक्स, फ्रांस
- यूरोपीय बिजनेस स्कूल (ईबीएस), ओस्ट्रिच-विंकेल, जर्मनी
- एचईसी प्रबंध स्कूल, पेरिस, फ्रांस
- बोकोनी विश्वविद्यालय, मिलानो, इटली
- कोलोन विश्वविद्यालय, जर्मनी

इस वर्ष के दौरान संस्थान से कुल तेरह द्वितीय वर्ष के छात्रों ने बोकोनी विश्वविद्यालय, ईएससीपी यूरोप, यूरोपीय बिजनेस स्कूल और एचईसी प्रबंध स्कूल के दोहरी डिग्री विनिमय कार्यक्रमों में भाग लिया। इसी समय, बोकोनी विश्वविद्यालय से आठ, एचईसी से दो, यूरोपीय बिज़नेस स्कूल से एक छात्र और ईएसएसईसी बिज़नेस स्कूल से एक छात्र ने पीजीपी के दूसरे वर्ष में दोहरी डिग्री विनिमय कार्यक्रम में हमारे संस्थान में भाग लिया।

एक सत्रीय विनिमय कार्यक्रम

पीजीपी के अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए और छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय

प्रदर्शन उपलब्ध कराने की दृष्टि से संस्थान कई अंतरराष्ट्रीय बिजनेस स्कूलों के साथ एक सत्रीय विनिमय कार्यक्रम के लिए सहयोग करता है।

आईआईएमए के एक सौ छत्तीस (127 पीजीपी 9 पीजीपी-एफ़एबीएम) छात्रों ने विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों में एक सत्र के लिए अध्ययन किया, जबकि 83 छात्र सहयोगी विश्वविद्यालयों से आईआईएमए में आए।

इसके विवरण **परिशिष्ट क2 और क3** में देखे जा सकते हैं।

छात्रवृत्तियाँ

संस्थान ने शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर एक बड़ी संख्या में छात्रवृत्तियाँ प्रदान की हैं। संस्थान व्यक्तिगत और संस्थानगत स्थापित कई पुरस्कारों के अलावा, जरूरत के आधार पर छात्रवृत्तियाँ भी प्रदान करता है।

उद्योग छात्रवृत्तियाँ

चालीस छात्रों को वर्ष के दौरान शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर उद्योग योग्यता छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई।

आदित्य बिड़ला छात्रवृत्तियाँ

आदित्य बिड़ला समूह ने पाँच छात्रों को प्रत्येक को 1,75,000/- रुपए की छात्रवृत्ति राशि के लिए चुना।

आईआईएमए की विशेष आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्तियाँ (एसएनबीएस)

संस्थान ने इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान 2,62,80,000 रुपए की आवश्यकता आधारित छात्रवृत्तियाँ प्रदान की। ये छात्रवृत्तियाँ 50,000/- रुपए से लेकर 2,45,000/- रुपए तक थी। इन छात्रवृत्तियों को प्राप्त करने वाले छात्रों का विवरण पाठ्यक्रम के अनुसार निम्न प्रकार है :

कार्यक्रम	छात्रों की संख्या	राशि (रु.)
पीजीपी-द्वितीय	101	1,38,60,000
पीजीपी-एफ़एबीएम-द्वितीय	18	26,15,000
पीजीपी-प्रथम	70	87,15,000
पीजीपी-एफ़एबीएम-प्रथम	8	10,90,000
कुल	**197**	**2,62,80,000**

उपर्युक्त में से, 31,33,000 रुपए पूर्वछात्र छात्रवृत्ति के माध्यम से दिए गए थे और 10,000 रुपए तारावती राम गोपाल मेहरा फाउंडेशन द्वारा दिए गए थे।

भारत सरकार - शीर्ष स्तर की शिक्षा के लिए केन्द्रीय क्षेत्र की छात्रवृत्ति योजना

अनुसूचित जाति - प्रथम वर्ष के छात्रों से प्राप्त पाँच आवेदनों को छह नवीकरण आवेदन पत्रों के साथ सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय को भेजा गया था। इन छात्रों के लिए अनुदान की प्रतीक्षा है। पिछले वर्ष के लिए प्राप्त छात्रवृत्तियों को संबंधित छात्रों में वितरित किया गया।

अनुसूचित जनजाति - प्रथम वर्ष के छात्रों से प्राप्त छह आवेदनों को दो नवीकरण आवेदन पत्रों के साथ जनजातीय मामलों के मंत्रालय को भेजा गया था। इन छात्रों के लिए अनुदान की प्रतीक्षा है।

दिव्यांग प्रथम वर्ष के छात्रों के चार आवेदनों को दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग में भेजा गया था। ये छात्रवृत्तियाँ इस विभाग द्वारा सीधे ही लाभार्थियों को भेजी गई थी।

अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय प्रथम वर्ष के छात्रों के चार आवेदनों को दो नवीकरण आवेदनों के साथ अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय को भेजा गया था। ये छात्रवृत्तियाँ इस मंत्रालय द्वारा सीधे ही लाभार्थियों को भेजी गई थी।

आईआईएमए निर्गमन छात्रवृत्तियाँ

पीजीपी 2015-17 बैच के दो छात्रों को, जिन्होंने 2017 में स्नातक होने पर उद्यमी बनने का विकल्प चुना था उन्हें मासिक रूप से प्रत्येक को 30,000 रुपए की वृत्ति निर्गमन छात्रवत्ति के रूप में प्रदान की गई। इनकी पहचान सीआईआईई द्वारा की गई थी और इन दोनों को तीन साल तक यह वृत्ति मिलना जारी रहेगा।

अन्य एजेंसियों द्वारा संस्थापित छात्रवृत्तियाँ

पीजीपी द्वितीय वर्ष के निम्नलिखित छात्रों को प्रति छात्र 1,50,000 रुपए की ओ.पी. जिंदल छात्रवृत्ति प्रदान की गई :

- डोरनाडुला रेवंत रेड्डी
- शत्रुघ्न सिंह भाटी

पीजीपी द्वितीय वर्ष के शत्रुघ्न सिंह भाटी को 1,00,000 रुपए की टी. थॉमस छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

निम्नलिखित छात्रों को उनकी शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए प्रति छात्र 1,00,000 रुपए की दुनिया वित्त छात्रवृत्ति प्रदान की गई :

- विदित गर्ग, पीजीपी प्रथम वर्ष
- पवित्रा देवी ए., पीजीपी प्रथम वर्ष
- पटेल विनित तुषार, पीजीपी द्वितीय वर्ष
- रितिका चौधरी, पीजीपी द्वितीय वर्ष

तारावती राम गोपाल मेहरा फाउंडेशन (टीआरएमएफ़) की 80,000 रुपए की छात्रवृत्ति पीजीपी प्रथम वर्ष के छात्र मोदी नील कमलेशकुमार को प्रदान की गई।

कई पीजीपी पूर्वछात्रों ने उदारता से जरूरतमंद छात्रों का समर्थन करने के लिए संस्थान में आर्थिक योगदान दिया है। जबकि निधि में से कुछ पूँजी का उपयोग एसएनबीएस के लिए तथा कुछ पूँजी का उपयोग एसएनबीएस पुरस्कृतों के लिए टॉप-अप छात्रवृत्तियों के रूप में किया गया।

नीचे दी गई तालिका में इन छात्रवृत्तियों का विवरण है :

प्रायोजक	राशि (रु.)	प्राप्तकर्त्ता	कक्षा / बैच
यूरोपा	1,00,000 1,00,000	शत्रुघ्न सिंह भाटी मोहित पाहूजा	पीजीपी-द्वितीय / 2016-18
एनआरएन अय्यर	1,00,000 1,00,000 1,00,000	अभय गोयल निशांत शाह निलय बंग	पीजीपी-द्वितीय / 2016-18
पेरी विश्वनाथ छात्रवृत्ति, 2001 की कक्षा	5,00,000 5,00,000	शुभम वार्ष्णेय दीपक आर.	पीजीपी-द्वितीय / 2016-18
पीजीपी 1983 (एमसीएम)	75,000 60,000 45,000	संघवी केविन परेश अभिनव संदीप गडिया गरिमा बी. माहेश्वरी	पीजीपी-द्वितीय / 2016-18

एसएनबीएस के साथ विलय की गई छात्रवृत्तियों का विवरण

प्रायोजक	राशि (रु.)	कक्षा / बैच
वारबर्ग पिंकस	16,80,000	पीजीपी-1 / पीजीपी-2 और एफ़एबीएम-1 / एफ़एबीएम-2
श्री अरुण नंदा	14,53,000	पीजीपी-1 / पीजीपी-2 और एफ़एबीएम-1 / एफएबीएम-2
तारावती राम गोपाल मेहरा फाउंडेशन	10,000	पीजीपी-1

इन सभी छात्रवृत्तियों के प्राप्तकर्ताओं के नाम **परिशिष्ट क4** में दिए गए हैं।

पुरस्कार

श्री एस. के. सेठ स्मृति पुरस्कार

यह पुरस्कार श्रीमती शांति शेठ द्वारा संस्थापित अपने पति स्व. श्री एस.के. शेठ, संस्थान के प्रथम पुस्तकालयाध्यक्ष की स्मृति में पीजीपी कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में उच्चतम ग्रेड अंक प्राप्त करने वाले एक छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार प्रखर बालासुब्रमणियन को दिया गया।

एस. उमापति पुरस्कार

यह पुरस्कार स्वर्गीय एस. उमापति के भाई द्वारा, किसी एक छात्र की शैक्षणिक उत्कृष्टता को पहचान दिलाने के लिए संस्थापित है, और यह संस्थान के साथ सहयोग की उनकी स्मृति में पीजीपी प्रथम वर्ष के श्रेष्ठ छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार प्रखर बालासुब्रमणियन को दिया गया।

सर्वश्रेष्ठ पीजीपी ऑलराउंडर के लिए कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार

कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार, स्वर्गीय श्री कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास के माता-पिता द्वारा किसी असाधारण छात्र के बहुमुखी प्रदर्शन को पहचान दिलाने एवं संस्थान के साथ श्रीनिवास की स्मृति में सम्मान के लिए स्थापित किया गया था। इस वर्ष, यह पुरस्कार दलाल प्रेरणा जवाहर को दिया गया।

शैक्षिक प्रदर्शन के लिए देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्वर्ण पदक

यह पुरस्कार, भारत के प्रथम राष्ट्रपति, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की स्मृति में कामधेनु फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया है। यह उस छात्र को दिया जाता है जो कार्यक्रम के दोनों वर्षों में सर्वोच्च ग्रेड अंक प्राप्त करता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार प्रखर बालासुब्रमणियन को दिया गया था।

महिला ऑल राउंडर पुरस्कार

पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता पुरस्कार, इस संस्थान के पूर्वछात्र श्री अरुण दुग्गल की पत्नी सुश्री रीता दुग्गल द्वारा एक असाधारण महिला छात्रा के ऑलराउंड निष्पादन को पहचान देने हेतु स्थापित किया गया था। इस वर्ष, यह पुरस्कार दलाल प्रेरणा जवाहर को दिया गया।

पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता स्वर्ण पदक क्वेजल फाउंडेशन द्वारा एक असाधारण महिला छात्रा के ऑलराउंड निष्पादन को पहचान देने हेतु स्थापित किया गया था। इस वर्ष, यह पुरस्कार दलाल प्रेरणा जवाहर को दिया गया।

श्रीमती जे. नगम्मा स्मृति पुरस्कार श्रीमती जे. नगम्मा की स्मृति में उनके पुत्र श्री प्रमोद कुंजू (पीजीपी 1999) द्वारा शैक्षणिक उत्कृष्ट ता को पहचान दिलाने के लिए स्थापित किया गया था। यह उस छात्र को दिया जाता है जो पीजीपी प्रथम वर्ष के कार्यक्रम में सर्वोच्च सीजीपीए (संचयी ग्रेड बिंदु औसत) अंक प्राप्त करता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार प्रखर बालासुब्रमणियन को दिया गया।

अन्य पुरस्कार

श्री जी.सी. मित्तल उद्यमिता आर्थिक सहायता श्री अंकित मित्तल (पीजीपी 2005) द्वारा उन छात्रों के लिए स्थापित किया गई थी जो स्वयं का उद्यम शुरू करना चाहते हैं। इस वर्ष, यह सहायता गौरव बागडे और सोमेश अग्रवाल को दी गई।

उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार श्री सुनील चैनानी (पीजीपी 1980) द्वारा स्थापित किया गया है। यह एक ऐसे छात्र को दिया जाता है जो खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार वैशाली सिंह को दिया गया था।

सजीव सिरपाल शैक्षणिक एवं सृजनात्मकता उत्कृष्टता पुरस्कार सुश्री कनक सिरपाल (1984) एवं उनके मित्रों द्वारा श्री सजीव सिरपाल (पीजीपी 1984) की स्मृति में छात्रों में शिक्षाविदों एवं सृजनात्मकता की पहचान करने के लिए दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार शिवानी गर्ग को दिया गया।

यूरोपाउद्योगछात्रवृत्ति(मेरिट-सह-साधनछात्रवृत्ति) श्री रघुनाथ नारायण (पीजीपी 1983) द्वारा स्थापित की गई थी। इस वर्ष, यह छात्रवृत्ति शत्रुघ्न सिंह भाटी और मोहित पाहूजा को दी गई थी।

एन.आर.एन. अय्यर छात्रवृत्ति (मेरिट-सह-साधन छात्रवृत्ति) श्री रघुनाथ नारायण (पीजीपी 1983) द्वारा स्थापित की गई थी। इस वर्ष, यह छात्रवृत्ति अभय गोयल, शाह निशांत मनीषभाई, और निलय बंग को दी गई थी।

आईआईएमएमैवरिक्स सहायता सीआईआईई द्वारा स्थापित की गई थी। इस वर्ष, यह सहायता गौरव बागडे, पवन कुमार, सोमेश अग्रवाल, वैभव सुराणा, श्रेहित करकेरा, रंजना श्रीवास्तव, और भानु हरीश गुर्रम को दी गई।

प्रवेश पीजीपी 2017-2019 बैच में शामिल हुए छात्रों का विवरण इस प्रकार से है :

श्रेणी	पुरुष	महिला	कुल
सामान्य	132	45	177
नॉन-क्रीमी ओबीसी	86	26	112
अनुसूचित जाति	39	20	59
अनुसूचित जनजाति	20	14	34
दिव्यांग	9	4	13
कुल	**286**	**109**	**395**

कैट 2017 का आयोजन 26 नवंबर 2017 को एक कंप्यूटर आधारित परीक्षा के रूप में किया गया था।

जून 2018 से शुरू होने वाले स्नातकोत्तर कार्यक्रम के लिए 1,87,683 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें विदेशी उम्मीदवार भी शामिल हैं। इस वर्ष के और पिछले वर्ष के तुलनात्मक आंकड़े इस प्रकार से हैं

	बैच 2017-2019				बैच 2018-2020			
श्रेणी	पुरुष	महिला	विपरीत लिंगी	कुल	पुरुष	महिला	विपरीत लिंगी	कुल
सामान्य	93656	47663		141319	93468	50693		144161
नॉन-क्रीमी ओबीसी	18462	6716	16	25194	19573	7614	19	27206
अनुसूचित जाति	9033	3619		12652	8657	3600		12257
अनुसूचित जनजाति	2327	1054		3381	2227	1085		3312
दिव्यांग	601	124		725	593	119		712
जीमैट / विदेशी भारतीय	21	6		27	21	8		29
अधिसंख्य कोटा	10	1		11	4	2		6
कुल	**124110**	**59183**	**16**	**183309**	**124543**	**63121**	**19**	**187683**
%	**67.71**	**32.29**	**0.01**	**100.00**	**66.36**	**33.63**	**0.01**	**100.00**

इसके विवरण **परिशिष्ट क 5** में दिए गए हैं।

2. खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एफ़एबीएम)

खाद्य, कृषि-व्यवसाय, ग्रामीण, तथा संबद्ध क्षेत्रों में संगठनों की चुनौतियों से निपटने के लिए युवा लोगों को गतिशील व्यावसायिक प्रबंधकों, अग्रणियों, तथा उद्यमियों के रूप में तैयार करने के लिए खाद्य एवं कृषि व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम बनाया गया है। इसकी शुरूआत के दिनों से ही, संस्थान ने अपने जनादेश के हिस्से के रूप में कृषि, खाद्य और अन्य विकासात्मक क्षेत्रों से संबंधित प्रबंधकीय मुद्दों को उठाया है।

उद्देश्य

बढ़ती हुई पर्यावरणीय चिंताओं एवं उच्चतम बाजारोन्मुख माहौल में चुनौतियाँ बढ़ने से कृषि खाद्य उद्योग नीतियों में परिवर्तन करने और उन परिवर्तनों का प्रबंधन करने के लिए जोशीले ढंग से प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता है। अभिनव कौशलों के साथ-साथ जो लोग इस उद्योग में कार्यरत हैं उन्हें प्रबंधकीय कौशलों की विभिन्नता, नीति पर्यावरण से परिचित होने, और एक रणनीतिक परिप्रेक्ष्य की जरूरत है। यह कार्यक्रम छात्रों को नेतृत्व और बदलावों के प्रबंधन के कठिन कार्य के लिए तैयार करता है। इस कार्यक्रम के उद्देश्य इस प्रकार से हैं

कृषि व्यवसाय के विशिष्ट संदर्भ में प्रबंधकीय निर्णय लेने और लागू करने के लिए एक सामाजिक उद्देश्य की भावना के साथ-साथ छात्रों को वैचारिक और पारस्परिक कौशल के साथ तैयार करना।

कृषि-व्यवसाय के क्षेत्र में छात्रों को सफल व्यावसायियों के रूप में परिवर्तित करने के लिए कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देना।

छात्रों को परिवर्तन के अनुकूल बनने में सक्षम बनाते हुए उनमें नेतृत्व क्षमता का विकास करना और जिन संगठनों में वे काम करते हैं वहाँ काम करने के लिए प्रेरित करना।

छात्रों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाना और उनमें व्यावसायिकता, अखंडता, नैतिकता, और सामाजिक प्रतिबद्धता के मूल्यों को बढ़ाना।

प्रवेश

संस्थान को वर्ष 19-2017 बैच में प्रवेश के लिए 1,27,966 आवेदन प्राप्त हुए। एक कठिन चयन प्रक्रिया के बाद, जिसमें सामान्य प्रवेश परीक्षा (कैट), समूह चर्चा, एवं साक्षात्कार शामिल थे, इस कार्यक्रम में 46 छात्रों को प्रवेश मिला।

इसके विवरण **परिशिष्ट ख1 और ख2** में दिए गए हैं।

तैयारी कार्यक्रम

चयनित छात्रों को उनके कृषि, गणित, संचार एवं कंप्यूटर कौशलों के ज्ञान को मजबूत करने हेतु 5 जून से 17 जून, 2017 तक चलाए गए प्रारंभिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कहा गया।

अभिविन्यास कार्यक्रम

नए बैच के लिए 21 से 23 जून, 2017 के दौरान एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पीजीपी-एफ़एबीएम कार्यकारी समिति के साथ बातचीत और संवाद हुए तथा संस्थान के प्रशासन, कंप्यूटर एवं पुस्तकालय सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों को केस-पद्धति शिक्षण से परिचित कराने के लिए केस-तैयारी तथा केस-चर्चा पर एक सत्र का आयोजन किया गया।

पीजीपी-एफ़एबीएम कार्यक्रम का दूसरा वर्ष (2016-18) 46 छात्रों के साथ, 07 जून, 2017 को शुरु हुआ। प्रथम वर्ष (2017-19) के अंत में, 46 छात्र प्रथम वर्ष से दूसरे वर्ष में पदोन्नत हुए।

इसके विवरण **परिशिष्ट ख3** में दिए गए हैं।

पाठ्यचर्या

इस कार्यक्रम का प्रथम वर्ष पीजीपी के साथ समान ही रहता है। छात्रों ने 34 अनिवार्य पाठ्यक्रम (23.30 क्रेडिट्स) लिए जो तीन सत्रों में थे। द्वितीय वर्ष में, कृषि व्यवसाय के विभिन्न पहलुओं को समाहित करते हुए छह क्षेत्र-विशेष अनिवार्य पाठ्यक्रम और 22 ऐच्छिक पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए गए। दूसरे वर्ष के छात्रों को न्यूनतम 17 क्रेडिट और अधिकतम 20 क्रेडिट लाना जरूरी था। उन्हें अन्य कार्यक्रमों के किसी भी सत्र में 3.5 क्रेडिट अंकों के लिए पंजीयन करने की अनुमति दी गई।

ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल

ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल का उद्देश्य छात्रों को ग्रामीणों के जीवन से संपर्क साधने, ग्रामीणों से बातचीत करना सीखने और ग्रामीण परिवेश, समाज, संस्थानों, एवं अर्थव्यवस्था से परिचित होने का एक मौका प्रदान कराना है। 30 मार्च से 8 अप्रैल, 2017 के दौरान इस ग्रामीण मॉड्यूल का पहला चरण आयोजित किया गया। छात्रों को आठ समूहों में विभाजित किया गया। दूसरा चरण 7 से 16 दिसंबर, 2017 के दौरान छह समूहों के साथ आयोजित किया गया था।

छात्रवृत्तियाँ

अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के सभी छात्रों को भारत सरकार की अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई। आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों की मदद करने के लिए, संस्थान ने आवश्यकता के आधार पर भी छात्रवृत्तियाँ प्रदान की।

पुरस्कार

श्री आर.सी. माथुर (पीएमए 1972 बैच) पुरस्कार सर्वोत्तम आल राउंडर पीजीपी-एफ़एबीएम छात्रा सुश्री ईनु शर्मा को दिया गया।

उपरोक्त पुरस्कार के अलावा, पिछले वर्ष दो अन्य पुरस्कार शुरू किए गए थे

- पीजीपी-एफ़एबीएम पूर्वछात्र गीता गर्ग (पीजीपी-एबीएम 2013-15) द्वारा स्थापित बैच ऑलराउंडर पुरस्कार।
- एसपीए पूर्वछात्र परमेश शाह, विश्व बैंक (एसपीए 1982) द्वारा स्थापित औद्योगिक छात्रवृत्ति (आई-स्कॉल)।

वर्ष 2017-18 के लिए ईनु शर्मा को दोनों पुरस्कार प्रदान किए गए।

विनिमय कार्यक्रम

पीजीपी-एफ़एबीएम के द्वितीय वर्ष के पाँच छात्रों को ईएसएसईसी एमएस एग्रीबिजनेस स्कूल भेजा गया और दो छात्रों को नार्वेजियन इकोनोमिक्स स्कूल, और अन्य दो छात्रों को अन्ताई इकोनोमिक्स एंड मैनेजमेंट कॉलेज, शांघाई जिआओ टॉंग युनिवर्सिटी भेजा गया और इन्होंने वहाँ सितंबर से दिसंबर 2017 तक का एक सत्र बिताया।

3. कार्यपालकों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स)

पीजीपीएक्स कार्यक्रम की शुरूआत 13 अप्रैल, 2017 से हुई। इस बैच में 115 छात्र (दो कक्षाओं में) हैं जिनमें 29 छात्राएँ शामिल हैं। इस बैच का औसत जीमैट स्कोर 700 है, औसत उम्र 32 वर्ष और 5 महीने तथा कार्यानुभव 8 वर्ष 6 महीने रहा जिसमें लगभग 2 वर्ष का अंतरराष्ट्रीय अनुभव भी शामिल है। पीजीपीएक्स बैच 2017-18 का प्रोफ़ाइल **परिशिष्ट ग1** में दिया गया है।

कार्यक्रम संरचना और पाठ्यक्रम

पाँच शैक्षणिक सत्रों में विस्तारित पीजीपीएक्स कार्यक्रम की संरचना इन छह खंडों में की गई है प्रेरण, घटकों का निर्माण, शीर्ष प्रबंधन की तैयारी, अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन, ऐच्छिक, और कैपस्टोन। नौ नए पाठ्यक्रम सहित तेईस मुख्य / अनिवार्य तथा 52 ऐच्छिक पाठ्यक्रमों की पेशकश इस अकादमिक वर्ष के दौरान की गई जिनमें पाँच नए पाठ्यक्रमों सहित 40 पाठ्यक्रम वास्तव में पढ़ाए गए थे।

इस वर्ष के दौरान पेश किए गए नए पाठ्यक्रमों की सूची **परिशिष्ट ग2** में दी गई है।

अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम

अंतरराष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम विदेशी संस्थानों में दो-सप्ताह का शैक्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है और 11 से 24 सितंबर, 2017 के दौरान पेश किया गया था। प्रतिभागियों ने समूहों में इस प्रकार यात्रा की :

- बोलोग्ना बिजनेस स्कूल (5 छात्र)
- हांगकांग का चीनी विश्वविद्यालय (29 छात्र)
- कैनफील्ड मैनेजमेंट स्कूल (6 छात्र)
- इकोले सुपरियर द कॉमर्स द पेरिस (ईएससीपी) (44 छात्र)
- आईआईएमए ईएमबीए इंटरनेशनल वीक (3 छात्र)
- आर्थर डी. लिटिल इंटर्नशिप, संयुक्त अरब अमीरात (1 छात्र)
- रोसनेफ्ट, वियतनाम में इंटर्नशिप (1 छात्र)
- एस.डी. इलेक्ट्रिक ऊर्जा कं. लिमिटेड इंटर्नशिप, कोरिया में इंटर्नशिप (1 छात्र)
- लुकास ग्रेजुएट बिजनेस स्कूल, सैन जोस स्टेट यूनिवर्सिटी (5 छात्र)
- वारविक बिजनेस स्कूल (20 छात्र)

पाठ्यक्रम आवश्यकताओं के अनुसार दो सप्ताह के निमज्जन कार्यक्रम की समानता के लिए छात्रों ने ईएमबीए कंसोर्टियम स्कूलों में भी एक सप्ताह की परियोजना पर भारतीय दूतावास, लंदन, भारतीय दूतावास-रोम, भारतीय दूतावास-वाशिंगटन डीसी, और भारतीय वाणिज्य दूतावास-सैन फ़्रांसिस्को में काम भी किया और निमज्जन कार्यक्रम में भाग लिया।

भारत में व्यापार करना

वारविक बिजनेस स्कूल से आए 16 विनिमय छात्रों के लिए इस मॉड्यूल का आयोजन किया गया था। इसमें ऐसे विषयों को समाहित किया गया :

- भारतीय संस्कृति का संक्षिप्त परिचय
- निम्न स्तर के लिए व्यापार रणनीतियाँ
- भारत में उद्यमिता
- भारत का इतिहास
- भारत और भारतीय उपभोक्ता
- भारतीय अर्थव्यवस्था
- भारतीय ऊर्जा क्षेत्र
- भारतीय वित्तीय प्रणाली
- भारतीय कानूनी प्रणाली
- भारत में पीपीपी (सार्वजनिक निजी साझेदारी)
- भारतीय वितरण प्रणाली को संभालना
- भारत और भारतीय ग्राहकों को समझना

कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, प्रतिभागियों ने अहमदाबाद में अरविंद लिमिटेड, जीवीके ईएमआरआई (108 एम्बुलेंस सेवा) केंद्र और सीआईआईई का दौरा किया।

एक अन्य मॉड्यूल ईएससीपी, पेरिस से आए 37 विनिमय छात्रों के लिए आयोजित किया गया था। इस मॉड्यूल में ऐसे विषय शामिल हैं :

- भारतीय संस्कृति
- भारतीय अर्थव्यवस्था
- भारतीय ऊर्जा क्षेत्र
- भारतीय वित्त प्रणाली
- भारतीय कानूनी प्रणाली
- भारतीय फार्मा क्षेत्र
- ध्यान
- निम्न स्तर के भाग्य के लिए रणनीतियाँ
- सामाजिक नीतियों के माध्यम से भारतीय समाज को आइना दिखाकर समझना

कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में, प्रतिभागियों ने गुजरात अंतरराष्ट्रीय वित्त टेक-सिटी कंपनी लिमिटेड (ग़िफ्ट सिटी), गाँधीनगर, अहमदाबाद में जीवीके ईएमआरआई (108 एम्बुलेंस सेवा) केंद्र, और हेवमोर का दौरा किया।

पीजीपीएक्स कार्यालय ने संस्थान में एक ईएमबीए इंटरनेशनल वीक भी आयोजित किया, जिसमें सात स्कूलों के 12 छात्रों ने भाग लिया। इस आयोजन का शीर्षक भारत में व्यवसाय करना रखा गया था और इसमें ऐसे विषय शामिल थे :

- भारत में सहकारी आंदोलन
- भारत में उद्यमिता
- भारत में विदेशी निवेश और कानूनी प्रणाली
- भारतीय सूक्ष्म अर्थशास्त्र
- भारतीय फार्मा एवं स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र
- भारत का परिचय राष्ट्रवाद, हालिया आर्थिक और राजनीतिक घटनाक्रम
- भारत में वित्तीय प्रणाली और व्यवसाय करने के लिए प्रभाव
- वितरण और रसद प्रणाली को समझना
- भारतीय संस्कृति और भारतीय उपभोक्ता को समझना

इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, प्रतिभागियों ने वाघ बकरी चाय समूह, ज़ाइडस कैडिला, अमूल डेयरी और सीआईआईई का दौरा किया। इन्होंने उद्योग जगत के अग्रणियों जैसे कि श्री गिरीश अग्रवाल, प्रमोटर-डायरेक्टर, डीपी कॉर्प लिमिटेड और सिनर्जीस हेल्थटेक के संस्थापक निदेशक श्रीहरि शिधये ने पैनल चर्चा के दौरान समय-समय पर भारत के विदेशी निवेशकों पर केंद्रित बातचीत भी की।

अकादमिक प्रदर्शन और छात्रवृत्तियाँ

सभी 115 पीजीपीएक्स छात्र सफलतापूर्वक स्नातक हुए। निम्नलिखित छात्रों को पुरस्कार दिए गए :

- पीजीपीएक्स टॉपर को स्वर्ण पदक - श्रीहरि सुमाइथंगी जानकीरमण
- शीर्ष छह छात्रों के लिए प्रत्येक को 30,000 रु. का नकद शैक्षिक मेरिट पुरस्कार श्रीहरि सुमाइथंगी जानकीरमण, अश्विनी अग्रवाल, सुमन कक्कर, मनस्वीन पांडेय, अपूर्व मांजरेकर, और सुनीता श्रीवास्तव
- श्री अरुण दुग्गल (अध्यक्ष - श्री राम कैपिटल लिमिटेड, आईआईएमए के आगंतुक संकाय और 1974-बैच के पूर्वछात्र) द्वारा प्रायोजित 1,00,000 रुपए का सर्वश्रेष्ठ उत्कृष्टता पुरस्कार अवि दत्त को दिया गया।
- शापूरजी पालोनजी उभरते सितारे शैक्षणिक योग्यता पुरस्कार श्रीहरि सुमाइथंगी जानकीरमण को दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता

पीजीपीएक्स कार्यक्रम ने फाइनेंशियल टाइम्स एफ़टी ग्लोबल एमबीए रैंकिंग-2018 में विश्व स्तर पर अपना सर्वश्रेष्ठ स्थान बनाए रखा। यह कार्यक्रम कैरियर प्रगति में विश्वभर में दूसरे स्थान पर तथा समग्र दृष्टि से 31वें स्थान पर रहा।

छात्र गतिविधियाँ

इस वर्ष कोनेक्सियन 2017 को द रेड ब्रिक समिट 2017 (टीआरबीएस) की पैनल चर्चा श्रृंखला का ब्रांड बनाते हुए ऊँचाइयों पर ले जाया गया। समग्र विषय - द नेक्स्ट फ्रंटियर था। इस अवसर पर हेल्थकेयर, आईसीटी स्पेस, परामर्शन, बैंकिंग, और ऊर्जा क्षेत्र के प्रतिष्ठित उद्योग विशेषज्ञ उपस्थित रहे थे। 29 सितंबर से 2 अक्टूबर 2017 के दौरान आयोजित इस चार-दिवसीय आयोजन में पैनलों को संस्थान के सम्मानित संकायों द्वारा नियंत्रित किया गया था। लगभग 20 से अधिक स्कूलों की उपस्थिति के साथ द रेड ब्रिक सम्मेलन में कोनेक्सियन ने उल्लेखनीय छाप छोड़ी। आगे चलकर, कोनेक्सियन सम्मेलन रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन का एक अभिन्न अंग होगा और पैनल चर्चाओं के लिए ब्रांड एंबेसडर कार्यक्रम के रूप में लोकप्रिय होगा।

पीजीपीएक्स पूर्वछात्र मिलन : एक्सप्रेशन 2017

एक्सप्रेशन 2017 एक मिल के पत्थर-सा समारोह बना रहा। इसने 2018 की कक्षा के सभी पीजीपीएक्स छात्रों को पूर्वछात्रों के साथ बंधन का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। इन दोनों दिनों में प्रोफ़ेसर रवीचं द्वारा लिए गए सत्र, पूर्वछात्रों के लिए मजेदार गतिविधियों एवं एक बड़े रात्रिभोज के रूप में चिह्नित रहे थे। कैंपस में कार्यपालकों के दूसरे बैच से लेकर ग्यारहवें बैच तक के प्रतिभागी उपस्थित रहे थे और उनका वर्तमान बैच ने गर्मजोशी से स्वागत किया था। भूतपूर्व बैचों ने कैंपस से लेकर उसके बाद तक के अपने जीवन सफर के अनुभवों को साझा किया, और उसके बाद उनकी मूल्यवान उद्योग अंतर्दृष्टि थी।

पीजीपीएक्स वक्ता श्रृंखला

वक्ता श्रृंखला पीजीपीएक्स छात्रों की एक पहल है जहाँ वरिष्ठ कंपनी अग्रणियों और प्रख्यात नागरिकों को छात्रों के साथ अपने अनुभवों को साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। समग्र कार्यक्रम पीजीपीएक्स छात्रों द्वारा आयोजित किया जाता है। इस वर्ष पंद्रह वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था। इनके विवरण **परिशिष्ट ग3** में दिए गए हैं।

वर्ष 2018-19 के लिए प्रवेश

पीजीपीएक्स 2018-19 के लिए कुल नौ सौ बीस आवेदन प्राप्त हुए (प्रथम दौर में 476, और दूसरे दौर में 447)। इनमें से साक्षात्कार के लिए 583 आवेदनों को लघुसूचीकृत किया गया (प्रथम दौर में 310 और दूसरे दौर में 273)। व्यक्तिगत साक्षात्कार का आयोजन अहमदाबाद, बेंगलुरू, दिल्ली, लंदन, नेवार्क में किया था और कुछ अंतरराष्ट्रीय उम्मीदवारों के साक्षात्कार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किए गए। 157 उम्मीदवारों को अंतिम प्रस्ताव दिए गए और 26 को प्रतीक्षा सूची में रखा गया जिनमें से 23 को आगे बढ़ाया गया। अंततः 23 छात्राओं सहित 138 उम्मीदवार (इसमें पिछले वर्ष के स्थगित 3 शामिल किए गए) इस कार्यक्रम से जुड़े। आठ उम्मीदवारों ने अपने प्रवेश को स्थगित करते हुए आगामी अप्रैल 2019 में शुरू होने वाले बैच में शामिल होने का निर्णय लिया।

4. प्रबंधन में फेलो कार्यक्रम

वर्ष 2018 में स्नातक हुए 16 छात्रों सहित, 365 छात्रों ने भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद फेलो की उपाधि प्राप्त की है। 46 प्रतिभागी शोध प्रबंध लिख रहे हैं और 49 अपना पाठ्यक्रम कार्य कर रहे हैं।

वर्ष 2017-18 में स्नातक हुए प्रतिभागियों के नाम **परिशिष्ट घ** में दिए गए हैं।

पुरस्कार

आईएफसीआई पुरस्कार

	शोध-प्रबंध का शीर्षक	पुरस्कार (रु.)
पवनीत सिंह (अर्थशास्त्र)	प्रशासन और आर्थिक विकास पर निबंध	50,000
सोनाली जैन (वित्त और लेखा)	भारतीय इक्विटी डेरिवेटिव्स मार्केट का अध्ययन	50,000

प्रोफ़ेसर तीरथ गुप्ता स्मारक पुरस्कार

	शोध-प्रबंध का शीर्षक	पुरस्कार (रु.)
विश्वजीत परिदा (विपणन)	रोडब्लॉक विज्ञापन में विज्ञापन प्रभावशीलता की एक प्रायोगिक जाँच	50,000
आशीष अर्गडे (खाद्य एवं कृषिव्यवसाय)	विकल्प निर्धारण और कृषिउत्पाद विपणन चैनलों का तुलनात्मक मूल्यांकन एक किसान का परिप्रेक्ष्य	50,000

प्रथम वर्ष में सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक प्रदर्शन के लिए चौधरी पद्मनाभन पंत पुरस्कार

- विशाल बंसल - 5,000 रु.
- अविजीत बंसल - 5,000 रु.

छात्रों द्वारा सम्मेलन / डॉक्टरल वार्ता / कंसोर्टियम में प्रतिभागिता / शोधपत्र प्रकाशन

सम्मेलन	
अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	30
अंतर्देशीय सम्मेलन	30
कुल सम्मेलन	60
कुल छात्रों ने भाग लिया	35
डॉक्टरेट वार्ता / कंसोर्टियम	
अंतर्राष्ट्रीय डॉक्टरेट वार्ता	05
अंतर्देशीय डॉक्टरेट वार्ता	04
कुल डॉक्टरेट वार्ता	09
कुल छात्रों ने भाग लिया	08
शोधपत्र प्रकाशन	
कुल प्रकाशित शोधपत्र	**14 (ए-4, बी-2, सी-5 और अन्य-3)**
शामिल छात्रों की कुल संख्या	12

पिछले 10 वर्षों के पीजीपी, पीजीपी-एफ़एबीएम, पीजीपीएक्स और एफ़पीएम छात्रों की संख्या के विवरण **परिशिष्ट ङ** में दिए गए हैं।

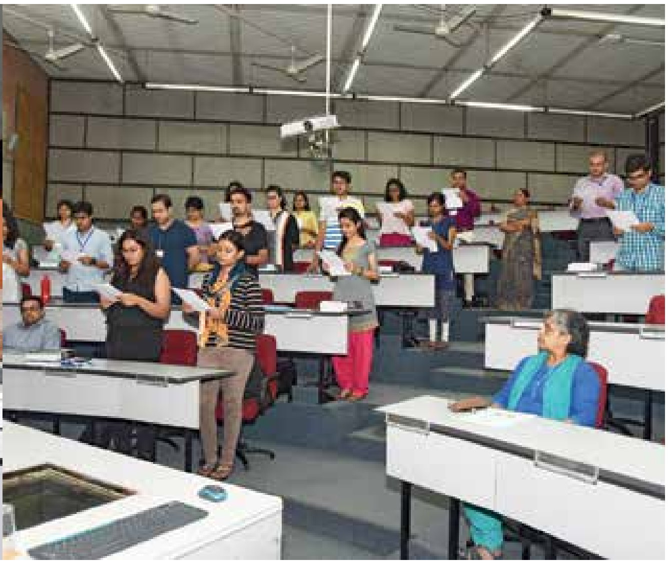

स्थानन

पीजीपी

प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) की कक्षा 2018 के लिए अंतिम स्थानन प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई थी। कई डोमेनों की कंपनियों ने अंतिम स्थानन में तीन कलस्टरों में भाग लिया, जिनमें 23 से अधिक साथी कंपनियों में छात्रों का स्थानन किया गया।

स्थानन प्रक्रिया

स्थानन प्रक्रिया दो चरणों में आयोजित की गई थी। पहला चरण पार्श्विक प्रक्रिया का था जिसमें कंपनियों ने पूर्व कार्यानुभव वाले छात्रों का साक्षात्कार लिया और उन्हें मध्य-स्तरीय प्रबंधकीय पदों की पेशकश की गई। 47 से अधिक कंपनियों ने प्रौद्योगिकी, बैंकिंग, परामर्श, सामान्य प्रबंधन, और विश्लेषिकी जैसे विविध क्षेत्रों में स्थानन किया। दूसरे चरण में, प्रस्तुत किए प्रोफ़ाइल के आधार पर सहकर्मी-समूहों में बाँटा गया और इन सहकर्मी समूहों को विभिन्न समूहों में परिसर पर आमंत्रित किया गया था। पिछले वर्षो की तरह, इस वर्ष भी छात्रों को उनके सपनों के अनुरूप, स्थानन के प्रस्ताव मिलने के बावजूद बाद वाले समूहों में अपनी पसंद की कंपनी में आवेदन करने की सुविधा उपलब्ध करायी गई। इस वर्ष 176 से

अधिक छात्रों नें अपने सपनों के लिए आवेदन किया था। छात्रों को नवाचार एवं ऊष्मायन उद्यमिता केन्द्र-सीआईआईई के मार्गदर्शन के तहत अपने उद्यमशील विचारों पर काम करने का भी अवसर मिला।

क्षेत्रीय अवलोकन

विभिन्न क्षेत्रों और भौगोलिक प्रदेशों से कंपनियाँ स्थानन प्रक्रिया में उपस्थित रही। प्रबंधन और आला परामर्श डोमेन में भर्तीकर्ता के रूप में अन्य सभी कंपनियों में एक्सेंचर स्ट्रेटेजी, ए.टी. कर्नी, बैन एंड कंपनी, मैकिन्से एंड कंपनी, मॉनिटर डेलॉइट, ओलिवर वाईमैन, और बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप शामिल थीं। निवेश बैंकिंग और बाजार स्थानों में प्रमुख नियोक्ताओं में बार्कलेज, सिटीबैंक, क्रेडिट स्वीस, ड्यूश बैंक, गोल्डमैन सैक्स, जे. पी. मॉर्गन, और स्टैंडर्ड चार्टर्ड शामिल थे। निजी इक्विटी और उद्यम पूँजी कंपनी-समूह में केदारा कैपिटल और मैट्रिक्स पार्टनर्स शामिल थे। बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा नियोक्ताओं में अमेरिकन एक्सप्रेस, बजाज फ़ाइनसर्व, फ़िनआईक्यू, फ़ुलरटोन, एचएसबीसी, और यश बैंक शामिल थे। बिक्री एवं विपणन के पदों के लिए नियमित नियोक्ता जैसे कि एचयूएल, नेसले, पीएंडजी, रेकिट बेंकिसर, और विप्रो कंज़्यूमर केयर अन्य सहित शामिल थे। सामान्य प्रबंधन समूह कंपनियों में आदित्य बिड़ला समूह, सी.के. बिड़ला, अरपीजी ग्रुप, और टाटा एडि्मनिस्ट्रेटिव सर्विसीज़ सहित अन्य शामिल थे। उपभोक्ता सेवा समूह-कंपनियों में एबीपी न्यूज़, एयरटेल, इन्डिगो, और स्टार टीवी शामिल थे। एंटरप्राइज़ टेक और कंज़ूमर टेक समूह कंपनियों में मैजिकपीन, माइक्रोसॉफ्ट, नायका, ओयो रूम्स और अपग्रेड सहित अन्य शामिल थे। जिन कंपनियों ने पार्श्विक स्थानन प्रक्रिया में भाग लिया उनमें

एडिडास जर्मनी, फ़्लिपकार्ट, एल.ई.के. कंसल्टिंग, लोढ़ा ग्रुप, माइक्रोसॉफ्ट, पार्थेनन, और विप्रो ग्लोबल शामिल थे।

शीर्ष भर्तीकर्ता

लगभग 125 कंपनियों ने स्थानन प्रक्रिया में 150 अलग-अलग भूमिकाओं के लिए भाग लिया। जिन कंपनियों ने परिसर में आकर सबसे अधिक पेशकश रखीं उनमें एक्सेंचर स्ट्रेटेजी, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, और अमेज़न शामिल थीं। एक्सेंचर स्ट्रेटेजी ने सर्वाधिक 18 पेशकश रखी और इसके बाद बीसीजी ने 14 तथा अमेजन ने 14 पेशकश रखीं। वैश्विक बैंकों में एचएसबीसी तथा जे.पी. मॉर्गन सबसे बड़े भर्तीकर्ता रहे जिन्होंने 5-5 छात्रों को चुना। बिक्री और विपणन के डोमेन में, एयरटेल ने सर्वाधिक-8 पेशकश रखीं, इसके बाद एचयूएल ने 5 पेशकश रखी। 7 पेशकशों के साथ टीएएस जनरल प्रबंधन सह-कंपनियों में सबसे बड़ी भर्तीकर्ता रही। माइक्रोसोफ़्ट ने 8 पेशकश विस्तारित की जो एंटरप्राइज़ टेक समूह-कंपनियों में सबसे बड़ा प्रस्ताव है। बीएफ़एसआई में, अमेरिकन एक्सप्रेस ने सर्वाधिक 8 पेशकश रखी, इसके बाद यश बैंक और फ़िनआईक्यू ने 6-6 पेशकश रखी। आईटी परामर्श में ईएक्सएल ने 8 सर्वाधिक पेशकश रखी।

पूरे देश में बी-स्कूल स्थानन में अधिक पारदर्शिता लाने के प्रयास में नियुक्ति प्रक्रिया के बारे में अधिक विवरण संस्थान द्वारा पेश किए गए भारतीय स्थानन रिपोर्टिंग मानकों (आईपीआरएस) के अनुसार एक लेखापरीक्षित रिपोर्ट में जारी किया जाएंगे।

अंतिम स्थानन विवरण

2016-2018 पीजीपी बैच के 388 छात्रों के लिए कुल 482 से अधिक स्थानन प्रस्ताव हुए थे।

पुराने संबंधों को मजबूत बनाना और नए लोगों के साथ नए संबंध बनाना

स्थानन प्रक्रिया को उद्योग जगत के साथ संबंध निर्माण और एक सहजीवी संघ बनाने के एक अवसर के रूप में देखा जाता है। मौजूदा नियोक्ताओं ने बड़ी संख्या में भर्ती के द्वारा ना केवल संस्थान के साथ संबंध निभाए हैं बल्कि, कई नई कंपनियों को भी भर्ती के लिए जोड़ा है। यह हमारे स्नातकों की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है।

पूर्व-नियुक्ति प्रस्ताव

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर और छात्रों के सपनों के आवेदनों के निर्णय के बाद, 112 पूर्व-स्थानन प्रस्ताव (पीपीओ) स्वीकार किए गए।

पार्श्व स्थानन

बैच के लगभग 50 प्रतिशत छात्र पार्श्व स्थानन के लिए योग्य थे और प्रौद्योगिकी, परामर्श, फार्मास्यूटिकल्स तथा विश्लेषिकी जैसे विविध क्षेत्रों से आई 47 से अधिक कंपनियों ने उनकी नियुक्ति की। पार्श्व स्थानन प्रक्रिया के माध्यम से सत्तासी छात्रों ने प्रस्ताव स्वीकार किए।

उद्यमिता

हाल के वर्षों में छात्रों के बीच आकर्षक नौकरी प्रस्तावों को अस्वीकार करके अपने उद्यम शुरू करने की प्राथमिकता बढ़ती दिखाई दे रही है। इस वर्ष भी छह पीजीपी छात्रों ने सीआईआईई के समर्थन से अपने स्वयं के उद्यम शुरू करने के लिए स्थानन प्रक्रिया से बाहर रहने का विकल्प चुना।

ऐसे उद्यमियों के उत्साह के जवाब में, स्थानन समिति ऐसे छात्रों को दो वर्ष का स्थानन अवकाश दे रही है। जिन छात्रों ने उद्यमिता के आधार पर स्थानन प्रक्रिया से बाहर रहने का विकल्प चुना है वे आगामी दो वर्षों में स्थानन सहायता प्राप्त करने के लिए पात्र रहेंगे।

ग्रीष्मकालीन स्थानन

ग्रीष्मकालीन स्थानन में 2017-2019 पीजीपी बैच के कुल 391 छात्रों ने भाग लिया।

पीजीपी-एफ़एबीएम

पीजीपी-एफ़एबीएम के लिए स्थानन प्रक्रिया सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई, 2018 के बैच में 46 छात्रों को खाद्य, कृषि व्यवसाय और संबद्ध क्षेत्रों में नौकरी के अवसर प्रदान किए गए थे।

क्षेत्र के विशिष्ट ज्ञान और प्रबंधकीय सक्षमता का विशिष्ट संयोजन पीजीपी-एफ़एबीएम कार्यक्रम द्वारा सुविधा प्रदान करता है जो उद्योग जगत के लिए अत्यंत मूल्यवान है। भर्तीकर्ताओं ने प्रतिभा के विस्तृत पूल का बेहतर उपयोग करने के लिए नए पदों का सृजन करके इसकी और पुष्टि की है। एफ.एम.सी.जी., कृषि आदान एवं सेवाएँ, खाद्य प्रसंस्करण, खाद्य एवं कृषि परामर्श, ई-कॉमर्स, बी.एफ.एस.आई., और समाज विकास जैसे क्षेत्रों से कुल 24 कंपनियों ने अंतिम स्थानन में भाग लिया और छात्रों को 50 प्रस्ताव दिए। गोदरेज समूह कंपनी और पीआई इंडस्ट्रीज़ शीर्ष नियोक्ता रहे जिन्होंने क्रमश आठ और पाँच छात्रों की नियुक्ति की।

इस प्रक्रिया में जैन इरिगेशन, केपीएमजी, ग्रोफ़र्स, आईटीसी एग्रि, वॉलमार्ट, लिवलश, और बेजिक्स जैसी नियोक्ता कंपनियों ने पहली बार भाग लिया। एडीएम, टीजीआई, पायोनियरिंग वेंचर्स, और जनरल मिल्स जैसे नियमित नियोक्ताओं ने अनेक प्रस्ताव देकर इस प्रक्रिया में अपने आत्म-विश्वास की पुष्टि की।

इस बैच के प्रति बहुराष्ट्रीय कंपनियों से लेकर लघु, मझौले उद्यमों और साथ-साथ आगामी स्टार्टअपों के विविध पूल के नियोक्ता आकर्षित हुए। इस वर्ष एक उल्लेखनीय तथ्य यह था कि सामाजिक और विकास क्षेत्र में काम करने के लिए छात्रों का झुकाव रहा।

स्थानन के बारे में अधिक जानकारी भारतीय स्थानन रिपोर्टिंग मानकों (आईपीआरएस) के अनुसार, एक लेखापरीक्षित रिपोर्ट में जारी की जाएगी।

पूर्व नियुक्ति प्रस्ताव

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर, 16 पूर्व-स्थानन प्रस्ताव आठ कंपनियों द्वारा पेश गए थे, जिनमें से 15 प्रस्ताव स्वीकार किए गए थे।

नए रिश्तों का निर्माण

उद्योग में कार्यक्रम की पहुंच को मजबूत बनाने के उद्देश्य से विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली नई कंपनियों को स्थानन के लिए आमंत्रित किया गया।

नए भर्तीकर्ता

- जैन इरिगेशन
- केपीएमजी
- ग्रोफ़र्स
- आईटीसी एग्रि
- वॉल-मार्ट
- लिवलश
- बेजिक्स

ग्रीष्मकालीन स्थानन (2017-19 बैच)

ग्रीष्मकालीन स्थानन सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ था। 45 छात्रों के बैच में से चालीस छात्रों ने संस्थान के माध्यम से स्थानन का विकल्प चुना और छात्रों की गुणवत्ता और खाद्य और कृषि व्यवसाय क्षेत्र के इस विशेष कार्यक्रम की प्रासंगिकता की अधिक पुष्टि करते हुए एक दिन से भी कम समय में उनका स्थानन हो गया था। एक छात्र ने सीआईआईई के साथ परियोजना के लिए स्थानन प्रक्रिया से बाहर रहने का विकल्प चुना।

पीजीपीएक्स

पीजीपीएक्स का स्थानन नवंबर माह से आवर्ती आधार पर शुरू हुआ था और प्रतिभागियों को मध्यम से लेकर वरिष्ठ स्तर के पदों के लिए चुना गया। पीजीपीएक्स स्थानन में प्रतिभागियों और संभावित नौकरी / भूमिका के बीच एक अच्छी उपयुक्तता सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

स्थानन के समय में कई क्षेत्रों से विविध पूल के नियोक्ता आकर्षित हुए। इस वर्ष की भर्ती सूची में कंपनियों के संगठन, परामर्श, बीएफ़एसआई क्षेत्र, आईटी, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल/हेल्थकेयर, विनिर्माण, और पहली बार के नियोक्ताओं सहित स्टार्टअप्स तक के भर्तीकर्ता शामिल थे।

जो कंपनियाँ स्थानन के लिए आई थी उनमें शामिल हैं - एक्सेंचर, परसिस्टेंट सिस्टम्स, इंडियन पॉटर्स एसोसिएशन, केईसी इंटरनेशनल, एप्पटस, जेन्सर, मैकिंसे, ओएनजीसी विदेश लिमिटेड, और मास्टरकार्ड।

एफ़पीएम

इस अकादमिक वर्ष की नियुक्ति के लिए 7 एफ़पीएम उम्मीदवार थे। ये इन विषय-क्षेत्रों से थे उत्पादन और मात्रात्मक तरीके (2), सार्वजनिक प्रणाली समूह (4), और अर्थशास्त्र (1)। उम्मीदवार अपने व्यापक अनुसंधान हितों और विशिष्ट पृष्ठभूमि के साथ गठबंधन और विशिष्ट भूमिकाओं की तलाश में थे। एक छात्र ऐसा प्रस्ताव प्राप्त करने में सक्षम रहा और शेष छात्र अभी भी उचित भूमिकाओं की तलाश में हैं।

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप मोर्चे पर, चार छात्रों को संस्थान में एक संकाय सदस्य के माध्यम से एकोले-आईआईएम-अहमदाबाद के सहयोग से एक प्रस्ताव मिला। एक छात्र एक सरकारी संगठन के साथ काम कर रहा है, एक निजी फर्म के साथ, और दूसरा गैर-लाभकारी संगठन के साथ काम कर रहा है।

चूँकि एफ़पीएम स्थानन के लिए संस्थागत प्रक्रिया मौजूद नहीं है, इसलिए एफ़पीएम स्थानन समिति एफ़पीएम छात्रों को बेहतर अनुसंधान उन्मुख भूमिकाओं में भाग लेने के लिए मदद करने के उद्देश्य से एक और सुव्यवस्थित स्थानन प्रक्रिया स्थापित करने का लक्ष्य बना रही है।

शहरों को जोड़ने की पहल

शहरों को जोड़ने की पहल सितंबर 2017 में आयोजित की गई जिसमें स्थानन समिति के छात्रों के साथ दो आईआईएमए संकाय सदस्यों ने नई दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद आदि शहरों का दौरा किया। इस पहल का उद्देश्य पीजीपी, पीजीपी-एफ़एबीएम और पीजीपीएक्स कार्यक्रमों के बारे में संस्थान के नियमित भर्तीकर्ताओं के बीच जागरूकता पैदा करना था।

उद्यमिता मेला - एक अवलोकन

स्थानन समिति ने, उद्यमिता सेल और नवप्रवर्तन, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई) के साथ सहयोग में 8 अक्टूबर, 2017 को एंत्रे फेयर 2017 का आयोजन किया। यह इस वार्षिक आयोजन का सातवाँ संस्करण था, जिसमें न केवल केम्पस के छात्रों की भागीदारी देखी गई बल्कि अहमदाबाद के और आसपास के अन्य कॉलेजों के छात्रों की भी भागीदारी देखी गई।

एंत्रे मेला 2017 को एक मंच के रूप में उद्यमशीलता की दुनिया में छात्रों को प्रवेश दिलाने के लिए देश के वर्तमान सबसे रोमांचक स्टर्टअपों में से कुछ के साथ इंटर्नशिप और नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करके डिजाइन किया गया। प्रतिभागियों के पास इन स्टार्टअप के संस्थापकों के साथ बातचीत करने और उनके सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों के बारे में बात करने का पर्याप्त अवसर था। इस संस्करण में 12 स्टार्ट अप उपस्थित रहे और इनमें ईस्वास्थ्य और फ़ीलजॉय जैसे युवा उपक्रमों की भागीदारी शामिल है। इस समारोह की शुरूआत उत्सव भट्टाचारजी (पीजीपी 2017) द्वारा द लाइफ ऑफ एन एंटरप्रेनर पर एक जीवंत चर्चा के साथ हुई थी। इसके बाद पिच-ए-थॉन हुआ जिसमें इन स्टार्टअपों ने कैंपस के भीतर और बाहर से आए विविध प्रतिभागियों को जोड़ा। छात्रों को इस सत्र के माध्यम से स्टार्टअप के बारे में एक बुनियादी विचार मिला और उन कंपनियों को चुनने में उनकी मदद मिली जिनसे वे शुरूआत करना चाहते थे। एंत्रे मेला 2017 का मुख्य आकर्षण निस्संदेह स्टार्टअप जॉब मेला था। एंत्रे मेला छात्रों को ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप्स, ऑफ़लाइन परियोजनाओं, पूर्णकालीन भूमिकाओं, और अनुभव साझा करने के लिए निष्पक्ष माध्यम के रूप में उपलब्ध हुआ।

एंत्रे मेला 2017 में जिन स्टार्टअपों ने भाग लिया वे इस प्रकार से हैं :

- ईस्वास्थ्य
- केयरएनएक्स
- होस्टेक
- ओपनफ़्युअल
- टेकनोलोजी माइंड्ज
- रिकल्टा सॉलुशन
- टाइट द नट
- विमुक्ति
- फ़ीलजॉय
- हेल्थचार्ट
- इन्जीनस
- पोशाक्यू

इसके विवरण **परिशिष्ट च** में दिए गए हैं।

दीक्षांत समारोह

संस्थान का तिरेपनवाँ दीक्षांत समारोह 24 मार्च, 2018 को आयोजित किया गया। इसमें द बोस्टन परामर्शन समूह के एशिया-पेसिफ़िक के अध्यक्ष डॉ. जन्मेजय सिन्हा ने दीक्षांत भाषण दिया। इस दीक्षांत समारोह में, 16 एफ़पीएम छात्रों को भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद की फेलो उपाधि से सम्मानित किया गया; 398 छात्रों को प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया गया; 47 छात्रों को खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया गया; और 115 छात्रों को कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया गया।

निम्नलिखित छात्रों को उत्कृष्ट शैक्षिक प्रदर्शन के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद पदक से सम्मानित किया गया

पीजीपी

- प्रखर बालासुब्रमण्यन
- अनुराग पोद्दार
- सौम्यो माधब मित्रा

पीजीपीएक्स

- श्रीहरि सुमाइथंगी जानकीराम

प्रखर बालासुब्रमण्यन

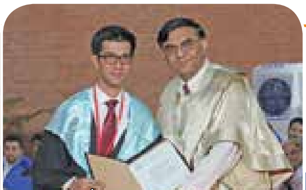

अनुराग पोद्दार

सौम्यो माधब मित्रा

श्रीहरि सुमाइथंगी जानकीराम

5. प्रबंधन में संकाय विकास कार्यक्रम

संकाय विकास कार्यक्रम (एफ़डीपी) 15 सप्ताह का एक आवासीय कार्यक्रम है, जो विशेष रूप से प्रबंधन शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्यों के लिए तैयार किया गया है। संस्थान ने विश्वविद्यालय शिक्षकों के कार्यक्रमों की एक श्रृंखला का परीक्षण करने के बाद, पहला एफ़डीपी कार्यक्रम 1979 में प्रस्तुत किया था। पिछले कुछ वर्षों में प्रबंधन शिक्षकों की उभरती हुई आवश्यकताओं को देखते हुए, एफ़डीपी की संरचना और पाठ्यक्रम का पुनर्गठन किया गया है।

39वाँ एफ़डीपी 05 जून से 23 सितंबर, 2018 के दौरान आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में बारह महिला शिक्षकों सहित कुल पच्चीस प्रबंधन शिक्षकों ने भाग लिया। बारह सदस्यों के पास प्रबंधन से संबंधित विभिन्न विषयों में डॉक्टरेट की उपाधि थी। ग्यारह स्व-प्रायोजित थे। ग्यारह स्व-प्रायोजित प्रतिभागियों को एपीजे ट्रस्ट और सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट द्वारा स्थापित कुल 51,686/- रु. की फेलोशिप प्रदान की गई थी। क्षेत्रीय प्रबंधन अध्ययन केंद्र शोध अनुदान उन प्रतिभागियों को दिया गया जिन्होंने गुजरात आधारित प्रासंगिक अनुसंधान अध्ययन में काम करने के लिए इच्छा जताई।

एफ़डीपी में विशेष रूप से ऐसे प्रबंध शिक्षकों के शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान कौशलों के उन्यन पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिनके पास अपने शिक्षण और शोध कौशल को बढ़ाने के पर्याप्त अवसर नहीं हैं। इस पाठ्यक्रम के तीन समूह पेश किए गए अनुशासन आधारित पाठ्यक्रम, मूलभूत पाठ्यक्रम, और एक ऐच्छिक का समूह। पहले समूह के पाठ्यक्रम में प्रबंधन रणनीति निर्माण तथा कार्यान्वयन, प्रबंधन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी, आर्थिक परिवेश एवं नीति, वित्तीय एवं लागत लेखा के मूलतत्व, कॉरपोरेट वित्त के मूलतत्व, विपणन, संगठनात्मक व्यवहार की समझ, गुणात्मक अनुसंधान के तरीके, सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण, मानव संसाधन प्रबंधन और संचालन प्रबंधन शामिल थे।

मूलभूत पाठ्यक्रमों का लक्ष्य विशिष्ट शैक्षणिक और अनुसंधान कौशलों पर रहा और इनमें प्रबंधन शिक्षकों के लिए संचार, अनुसंधान के तरीके तथा डिजाइन, और प्रबंधन शिक्षा में केस विधि शामिल थे।

निम्नलिखित के अनुसार ऐच्छिकों को तीन मुख्य विषय-क्षेत्रों से पेश किया गया :

- संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन संगठनात्मक व्यवहार में समकालीन विषय समकालीन मानव संसाधन प्रबंधन पर शिक्षण और अनुसंधान परिप्रेक्ष्य
- वित्त अनिवार्य लेखा पाठ्यक्रम अनिवार्य वित्त पाठ्यक्रम
- विपणन निचले स्तर तक के लिए व्यापार रणनीतियाँ
- उपभोक्ता व्यवहार अनुसंधान के तरीके
- विपणन मॉडल
- तंत्रिका विज्ञान और उपभोक्ता व्यवहार

इसके अलावा, ऐच्छिक पाठ्यक्रम के साथ प्रबंधन अनुसंधान तथा उन्नत सामरिक प्रबंधन के लिए उन्नत बहुविकल्पीय विश्लेषण का आयोजन किया गया था। प्रतिभागियों ने अरविंद मिल्स का एक क्षेत्र दौरा भी किया।

आईआईएमए का एफ़डीपी कार्यक्रम देश के सबसे पुराने कार्यक्रमों में से एक माना जाता है। एफ़डीपी पूर्वछात्र नेटवर्क में अब 835 सदस्य हैं, जिनमें नेपाल, बांग्लादेश, मालदीव, श्रीलंका, भूटान और इथियोपिया के 94 प्रबंधन शिक्षक शामिल हैं। पिछले कुछ वर्षों में हमारे एफ़डीपी पूर्वछात्र सदस्यों ने भारत और विदेशों में प्रबंधन शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

6. कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

वर्ष 18-2017 में संस्थान ने मुक्त नामांकन कार्यक्रम (ओईपी) के तहत 73 कार्यक्रम, अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) के तहत 140 कार्यक्रम और ई-लर्निंग कार्यक्रम के रूप में 5 कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इन कार्यक्रमों में सरकारी विभागों सहित निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों से कुल 7300 कार्यकारी अधिकारियों को आकर्षित किया। छह विषय-क्षेत्रों में आठ नए मुक्त नामांकन कार्यक्रम पेश किए गए।

कार्यक्रमों की पेशकश, प्रतिभागिता, और राजस्व के संदर्भ में एक प्रभावशाली वृद्धि हुई है। इसका असर फाइनेंशियल टाइम्स रैंकिंग 2017 में देखने मिला, जिसमें सीईपी 2016 के 74वें स्थान से 63वें स्थान पर पहुँच गया जबकि ओईपी 67 से बढ़कर 66 पर पहुँच गया।

मिश्रित शिक्षण मॉडल के तहत, एनआईआईटी और ह्यूजेस के माध्यम से ई-लर्निंग कार्यक्रमों के रूप में पाँच कार्यक्रम पेश किए गए हैं। 115 प्रतिभागियों के साथ अप्रैल 2017 में त्वरित सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम (एजीएमपी), 45 प्रतिभागियों के साथ अक्टूबर 2017 में सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन कार्यक्रम (एसएचआरएम), 128 प्रतिभागियों के साथ जून 2017 में वरिष्ठ प्रबंधन कार्यक्रम (एसएमपी), 52 प्रतिभागियों के साथ सितंबर 2017 में व्यापार वित्त में कार्यकारी कार्यक्रम (ईपीबीएफ), और 72 प्रतिभागियों के साथ जून 2017 में उन्नत व्यापार विश्लेषिकी में कार्यकारी कार्यक्रम (ईपीएबीए) शुरू हुआ।

इसके विवरण **परिशिष्ट छ** में दिए गए हैं।

अनुसंधान और प्रकाशन

इस संस्थान में अनुसंधान महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधि का गठन करता है। संस्थान द्वारा अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदान अन्य सहायता की मात्रा पर निर्भर करते हुए - बड़े, छोटे, या मूलधन के रूप में वर्गीकृत करके - प्रदान किया जाता है। प्रकाशन के विभिन्न प्रकार जैसे पुस्तकें, मोनोग्राफ़्स, जर्नल्स में लेख, केस इन अनुसंधान परियोजनाओं के ही परिणाम हैं।

इस वर्ष के दौरान, चार अनुसंधान परियोजनाओं और दो मूलधन परियोजनाओं को पूरा किया गया। तेरह अनुसंधान परियोजनाएँ और 14 मूलधन परियोजनाएँ शुरू की गई। इसके अलावा, 50 ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप परियोजनओं की शुरूआत की गई।

वर्ष के दौरान, शैक्षणिक समुदाय ने 8 पुस्तकें, और पत्रिकाओं में 109 लेख लिखे हैं। उन्होंने पुस्तकों में 16 अध्यायों का योगदान दिया, सम्मेलन में 128 शोधपत्र प्रस्तुत किए, और 24 आधारपत्र लिखे।

इसके विवरण **परिशिष्ट ज, झ और, ञ** में दिए गए हैं।

विकल्प: निर्णय निर्माताओं का जर्नल

विकल्प निर्णयकर्ताओं का जर्नल भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद का सहकर्मी-समीक्षित एक तिमाही प्रकाशन है। वर्तमान में इसके प्रकाशन के 43 वें वर्ष में; विकल्प को सेज पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित और विपणन किया गया है। इसे एक प्रमुख प्रबंधन पत्रिका के रूप में पहचाना जाता है, वह इसके मुश्किल व्यावहारिक अनुसंधान लेखों और अंकों में प्रतिबिंबित होता है जो व्यावसायियों के लिए प्रासंगिक हैं।

विकल्प के प्रकाशन अंकों में निम्नलिखित विशेषताओं का अनुसरण किया जाता है। परिप्रेक्ष्य उन उभरते मुद्दों और विचारों को प्रस्तुत करता है जो प्रबंधकों, प्रशासकों और नीति निर्माताओं से कार्रवाई या पुनर्विचार की माँग करते हैं। शोध लेख विश्लेषणात्मक लेख जो प्रबंधकीय मुद्दों के समाधान पर केंद्रित हों। टिप्पणियाँ एवं व्याख्याएँ प्रारंभिक शोध, साहित्य की समीक्षा, और प्रकाशित शोधपत्रों पर टिप्पणियाँ। शैक्षिक वार्ता एक समकालीन विषय पर चर्चा / बहस। केस प्रबंधन वास्तविक जीवन की स्थिति पर आख्यान, किसी व्यक्तिगत प्रबंधक द्वारा या किसी संगठन द्वारा रणनीतिक, कार्यात्मक या परिचालन स्तर पर किए गए निर्णय या कार्रवाई। निदान वास्तविक जीवन के प्रबंधकीय केस का विश्लेषण। विकल्प में पुस्तक समीक्षाएँ भी शामिल की जाती हैं।

विकल्प संपादकीय सलाहकार बोर्ड में विश्व स्तर पर पाठकों की एक विस्तृत श्रृंखला के बीच संवाद और वचनबद्धता प्रोत्साहित करने के लिए दुनिया भर के शीर्ष विश्वविद्यालयों के प्रमुख विद्वान शामिल हैं। दुनिया भर के शीर्ष प्रबंधन स्कूलों से तैयार एसोसिएट संपादकों की टीम, प्रबंधन विषयों की एक श्रृंखला का प्रतिनिधित्व करती है।

विकल्प ने अपने अंतरराष्ट्रीय पाठकों का तेजी से विस्तार किया है। इसकी सदस्यता का 27 प्रतिशत भाग संयुक्त राज्य अमेरिका से है। विकल्प के भौगोलिक प्रसार में पश्चिमी यूरोप और दक्षिण अमेरिका क्रमशः 13 प्रतिशत और 11 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं। पूरी विषय-वस्तु के डाउनलोड में पिछले वर्ष में 1,00,000 से अधिक की वृद्धि हुई है। 180 से अधिक देशों से विकल्प वेबसाइट के संपर्क की संख्या में भी लगातार वृद्धि होती रही है। भारत से बाहर, यूनाइटेड स्टेट्स, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया और मलेशिया में बड़ी संख्या में खाताधारक हैं।

पिछले वर्ष के दौरान, विकल्प को कुल 233 हस्त-लिखित रचनाएँ प्राप्त हुई जिनमें से 29 समीक्षा प्रक्रिया के विभिन्न चरणों में हैं। तीन वर्षों की अवधि में विकल्प की स्वीकार्यता दर लगभग 6.7 प्रतिशत रही है।

विकल्प का सेज के प्लेटफ़ॉर्म (http://vik.sagepub.com) पर एक ब्रांडेड होम पेज है जहाँ शोधकर्ता संग्रह की गई सामग्री सहित जर्नल की सामग्री खोजने में सक्षम हैं। विकल्प के पास फेसबुक और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर एक समर्पित, सक्रिय प्रोफ़ाइल है।

केस केंद्र

आईआईएमए का केस केंद्र केस लेखन और शिक्षण को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से शामिल है। यह केंद्र केस लेखकों को संपादकीय उपलब्ध कराने के साथ-साथ उन्हें वित्त पोषण में सहायता प्रदान करता है और विभिन्न पाठकों तक इनके वितरण का प्रबंधन करता है। केस केंद्र 4328 पंजीकृत विषयों का एक भंडार है जिसमें 2678 केस, 433 शिक्षण नोट्स, 1036 तकनीकी नोट्स, 83 अभ्यास, 4 अनुपूरक, 2 उरसंहार और 2 कार्य शामिल हैं। अप्रैल 2017 से लेकर मार्च 2018 तक केस केंद्र ने 104 विषयों का पंजीकरण किया जिनमें 49 केस, 48 शिक्षण नोट्स और 7 तकनीकी नोट्स शामिल हैं।

केस केंद्र आईआईएमए केसों को अन्य विभिन्न अन्य प्रबंधन संस्थानों, शिक्षकों, कॉर्पोरेट प्रशिक्षकों और व्यक्तियों को बेचने का संचालन भी करता है। वर्ष 2017-18 में, केस केंद्र ने 72 लाख रुपए से अधिक का राजस्व प्राप्त किया जिसमें गैर-अनुबंधीय उपयोगकर्ता और केस केंद्र के साथ वार्षिक अनुबंध वाले संस्थानों से प्राप्त राजस्व शामिल है।

केस केंद्र ने दुनिया भर में केस वितरण नेटवर्क को विस्तारित करने के उद्देश्य से हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग, आईवी पब्लिशिंग, द केस सेंटर-यूके (पहले ईसीसीएच के रूप में जाना जाता था) और सेज प्रकाशन के साथ वितरण साझेदारी की है। वर्ष 2017-18 में केस केंद्र ने हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग के माध्यम से 21 केस तथा शिक्षण नोट्स, द केस सेंटर (ईसीसीएच) के माध्यम से 29 केस तथा शिक्षण नोट्स, आईवी पब्लिशिंग के माध्यम से 22 केस तथा शिक्षण नोट्स और सेज प्रकाशन के माध्यम से 78 केस तथा शिक्षण नोट्स वितरित किए। हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग, द केस सेंटर (ईसीसीएच), आईवी पब्लिशिंग, और सेज प्रकाशन के माध्यम से पंजीकृत और वितरित आईआईएमए केसों का कुल भंडार क्रमश 54, 93, 55 और 258 है।

केस केंद्र ना केवल संस्थान के अंदर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी केस पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसने अन्य प्रबंध संस्थानों में केस विधि शिक्षण की शुरूआत को प्रोत्साहित करने के लिए केस विधि शिक्षण सेमिनार (सीएमटीएस) की पेशकश करने के लिए हार्वर्ड बिजनेस पब्लिशिंग के साथ सहयोग किया है। इस वर्ष दो केस विधि शिक्षण सेमिनार आयोजित किए गए थे, पहला 7-8 जुलाई, 2017 को सिम्बियोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट (एसआईबीएम) बैंगलोर में, और दूसरा 1-2 दिसंबर, 2017 को आईआईएमए में आयोजित किया गया था।

हर वर्ष केस केंद्र श्रेष्ठ केस को फिलिप थॉमस मेमोरियल केस पुरस्कार प्रदान करके केस लेखकों के प्रयासों को सम्मानित करता है। इस वर्ष यह पुरस्कार डॉ. अमरप्रीत सिंह घुरा और प्रोफेसर विजय शेरी चंद को उनके केस द अकाल अकादमियाँ के लिए दिया गया।

वर्ष 2017-18 में, केस केंद्र को संपादकीय कर्मचारियों की भर्ती और केस विकास में सहयोग के लिए पाँच साल की अवधि के लिए 1.07 करोड़ रुपए की धनराशि मिली।

हार्वर्ड बिज़नेस पब्लिशिंग के सहयोग में केस विधि अध्यापन संगोष्ठी (सीएमटीएस) का आयोजन, 1 से 2 दिसंबर, 2017

अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह

1. नवप्रवर्तन, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र

आईआईएम अहमदाबाद का नवप्रवर्तन, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई) भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग तथा गुजरात सरकार के सहयोग से स्थापित नवप्रवर्तन और उद्यमशीलता को बढ़ावा देने वाला एक अद्वितीय केंद्र है। सीआईआईई केन्द्र का संचालन सीआईआईई की पहलों के माध्यम से होता है, इसमें एक गैर-लाभकारी कंपनी और निवेशक, उद्यमी, नवप्रवर्तक, सेवा प्रदाता तथा पारिस्थितिकी तंत्र के अन्य हितधारक साथ मिलकर उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए करीबी से काम करते हैं।

सीआईईई की वर्ष 2002 से उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र में एक सक्रिय भूमिका रही है और स्वास्थ्य, ऊर्जा, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि जैसे अन्य विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय स्टार्टअपों की उद्यमशील भावना को पहचानने और पोषण करने में सर्वोपरि रहा है।

सीआईआईई ने वर्षों से भारत के उद्यमी परिदृश्य में बहु-आयामी भूमिका निभाई है। सीआईआईई की गहरी समझ ने बाजारों और उद्यमशीलता के पारिस्थितिकी तंत्र में उभरते हुए अंतराल की जरूरतों और अवसरों की गहरी समझ के लिए विभिन्न क्षेत्रों के सर्वश्रेष्ठ उद्यमियों को आकर्षित करने और समर्थन करने के लिए आवश्यक पहलों की रूपरेखा तैयार की हैं। सीआईआईई ने भागीदारों, मार्गदर्शकों और सलाहकारों का एक बेजोड़ नेटवर्क भी बनाया है, जो अपनी पहलों और स्टार्टअपों द्वारा गहराई से सहयोग कर रहे हैं। प्रारंभिक चरण के उद्यमों में मूल्यों को उजागर करने के लिए अपनी मान्यता और जनादेश को देखते हुए - सीआईआईई ने स्रोत, मूल और उचित अनुपात में उद्यमों के लिए मजबूत रिश्ते, कार्यक्रम और प्रक्रियाएँ विकसित की हैं।

वर्ष के दौरान सीआईआईई ने भारत इनोवेशन फंड को वीसी फंड के रूप में स्थापित करने के लिए सेबी की मंजूरी प्राप्त की है। इस कोष का पहला शेष जुलाई 2018 तक घोषित किया जायेगा।

छात्रों की सहभागिता

मौजूदा आईआईएमेवरिक्स कार्यक्रम जारी रखने के अलावा, सीआईआईई ने आईआईएमेवरिक्स की छत्रछाया में कुछ और पहलों का शुभारंभ किया। इनमें पहला हाल ही के पूर्वछात्रों के लिए शुरू किया गया ईआईआर कार्यक्रम था। यह कार्यक्रम आईआईएमेवरिक्स फैलोशिप की तर्ज पर हाल ही के पूर्वछात्रों को वित्तीय और अनुभवी परामर्शन सहायता प्रदान करता है। 30 से अधिक आवेदनों में से सतर्कता पूर्वक चयन के बाद पाँच ईआईआर कार्यक्रमों का चयन किया गया था। इनमें से एक ईआईआर स्टार्ट-अप को भी ईटी-पीओआई कार्यक्रम के तहत सीआईआईई की तरफ से मूलधन वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। सीआईआईई ने पीजीपी-2 छात्रों के लिए ई-लैब (व्यापार की जीवंत कार्रवाई का अनुभव) का शुभारंभ भी किया। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को कैंपस में एक छोटा सा व्यवसाय चलाकर उद्यमशीलता का प्रत्यक्ष ताज़ा दृष्टिकोण प्रदान करना है। सीआईआईई इस पाठ्यक्रम के लिए एक छोटा-सा मूलधन वित्तीय पोषण प्रदान करता है। सीआईआईई ने एंत्रे सेल को भी मैट्रिक्स और सीमेंस जैसे सहयोगियों के साथ जुड़कर मास्टरप्लान जैसे बड़े राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों के आयोजन के लिए समर्थन किया है। वर्ष 2018 में, सीआईआईई ने पूर्वछात्रों के स्टार्टअपों के लिए उत्प्रेरक कार्यक्रम शुरू किया है। सात स्टार्टअप इस कार्यक्रम का हिस्सा हैं और इन्हें गहन क्लिनिक आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है।

अनुसंधान और केस अध्ययन

पंजीकृत केस

- यादगार शादी (हार्वर्ड पब्लिशिंग द्वारा वितरण के लिए अनुशंसित)
- रयान अली सिंह
- बोटगो (पंजीकृत होने के लिए जमा किया गया)

लेखन में

- फ़्लेक्सीपल (प्रोफ़ेसर ए.के. जैन और और प्रोफ़ेसर अरुणा दिव्य के सहयोग से)
- ट्रैवलयारी (प्रोफ़ेसर अमित कर्ण के सहयोग से)
- एमएचएफ़सी (प्रोफ़ेसर अमित कर्ण के सहयोग से)
- रिमेटेरियल्स (प्रोफ़ेसर संदीप चक्रवर्ती के सहयोग से)
- उद्यमी क्यों उद्यम छोड़ देते हैं इस विषय पर छोटा केसलेट्स

अनुसंधान अध्ययन

- उद्यमी तर्क और वित्त पोषण सफलता इंडियन एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट कॉन्फ्रेंस, 2017 और डार्डेन 2018 के प्रभावशीलता सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया
- महिलाएँ और उद्यमिता पहचान परिप्रेक्ष्य
- ईलैब शिक्षण उद्यमिता में एक प्रयोग
- महिलाएँ और उद्यमिता - संचार परिप्रेक्ष्य लाभकारी सामाजिक उद्यमों की निरंतरता

- उद्यमियों पर सलाह देने का प्रभाव
- स्टार्टअप का संगठनात्मक डिजाइन
- उद्यमियों के मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल
- पिचों के माध्यम से अनुनय

पारिस्थितिक तंत्र विकास गतिविधियाँ

- इन्नोसिटी - गुजरात से उद्यमियों के लिए अनुकूलित और मांग आधारित ऊष्मायन समर्थन के साथ प्रयोग (एसएपी द्वारा समर्थित):

इस कार्यक्रम पर आधारित मॉडल क्षेत्रीय उद्यमियों का समर्थन करने के विपरीत लग रहा था क्योंकि यह मॉडल डोमेन विशेषज्ञों और स्टार्टअपों के साथ बातचीत को साल में एक बार या दो बार ही आयोजित करता है। चूँकि दोनों स्थानीय विशेषज्ञ और स्थानीय उद्यमी एक ही स्थान पर हैं, इसलिए वे विभिन्न मंचों पर एक दूसरे के साथ बातचीत करते हैं। इसके अतिरिक्त, अधिकांश कार्यक्रम आधारित समर्थन स्टार्टअप की परिपक्वता (एमवीपी, मूल, आदि) के किसी विशेष चरण पर लक्षित किया जाता है। इसके बजाए, परिपक्वता के विभिन्न चरणों में उद्यमियों को निरंतर समर्थन प्रदान करने की आवश्यकता थी।

इसे मान्यता देने के लिए, सीआईआईई ने मूल्य श्रृंखला के सभी चरणों में स्टार्टअपों के लिए साल भर कार्यक्रमों की एक श्रृंखला की पेशकश की। इनमें शामिल हैं

कार्यक्रम	स्टार्टअप का चरण	समर्थित स्टार्टअप
लॉन्च बोर्ड	आइडिया - पीओसी	98
पूर्व-उत्प्रेरक	पीओसी - एमवीपी	23
उत्प्रेरक	एमवीपी - मूल	07
पिच टाउन	एमवीपी और आरोही	07

सीआईआईई स्टार्टअपों के लिए एक पूर्ण स्टैक समर्थन के मूल्य प्रस्ताव को मान्यता देने में सक्षम था। साल के अंत में, ये कार्यक्रम पूरी तरह से बिखर गए थे और स्टार्टअपों की माँग के अनुसार www.innocity.in वेबसाइट के माध्यम से प्रस्तुत किये गए।

2017 में, सीआईआईई क्षेत्रीय उद्यमियों को समर्थन देने के लिए एक नए मॉडल को सफलतापूर्वक मान्यता देने में सक्षम था। वर्तमान में सीआईआईई निम्नलिखित संवेदनशील मुद्दों के माध्यम से असमूहीकृत और अनुकूलित समर्थन प्रदान करता है :

संवेदनशील मुद्दे	स्टार्टअप का चरण	आवृत्ति
इन्नोसिटी समारोह	सभी	साप्ताहिक
इन्नोसिटी बूस्टर	पीओसी - एमवीपी	एक बार हर 2 महीने में
इन्नोसिटी क्लीनिक	पीओसी बाद में मूल	मासिक रूप से
इन्नोसिटी पिच	पीओसी बाद में मूल	त्रैमासिक

बड़े राष्ट्रीय स्काउटिंग कार्यक्रम

बड़े राष्ट्रीय स्काउटिंग कार्यक्रमों ने सीआईआईई को राष्ट्रीय स्तर पर संस्थापकों के बड़े पारिस्थितिकी तंत्र तक पहुँचने और देश के कुछ बेहतरीन उद्यमियों के लिए निवेश करने में सक्षम बनाया है। वर्ष 2017 में, सीआईआईई ने दो ऐसे ही कार्यक्रम आयोजित किए और 10,000 से अधिक अनुप्रयोगों की पाइपलाइन बनाई।

- भारत नवप्रवर्तक विकास कार्यक्रम (आईआईजीपी 2.0) 2017 आईआईएमए और सीआईआईई ने संयुक्त रूप से लॉकहीड मार्टिन, टाटा ट्रस्ट्स और डीएसटी द्वारा प्रायोजित भारत नवप्रवर्तन विकास कार्यक्रम - 2.0 कार्यान्वित किया। इस कार्यक्रम में औद्योगिक और सामाजिक क्षेत्रों में आईपी संचालित नवाचारों के लिए स्काउट करने पर ध्यान दिया गया था। कार्यक्रम की विशिष्टता इस प्रकार हैं
- क्षेत्र : सामाजिक और औद्योगिक
- प्राप्त आवेदन : 1590
- लघुसूचीकृत आवेदन : 50
- संकायों द्वारा आईआईएमए बूटकैंप के नेतृत्व के दिन : 5 दिन
- प्रतिपालन दिन : 4 दिन
- अनुदान : शीर्ष 50 स्टार्टअपों को 25 और 26 जुलाई को नई दिल्ली में प्रतिष्ठित जूरी के एक पैनल में पहुँचाया गया और 10 स्टार्टअपों को प्रत्येक को 25 लाख रुपए का अनुदान मिला।
- एमआईटी टाटा सेंटर में निमज्जन शीर्ष 10 नवप्रवर्तनकों को एमआईटी में एक सप्ताह के लंबे निमज्जन कार्यक्रम के लिए चुना गया था।
- **इकोनॉमिक टाइम्स पावर ऑफ आइडियाज़ 2017 :** फेसबुक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), इकोनॉमिक टाइम्स (ईटी) और सीआईआईई की एक संयुक्त पहल पावर ऑफ़ आइडियाज़ विभिन्न क्षेत्रों में भारत के कुछ शीर्ष उद्यमियों के लिए नई प्रतिभाओं को खोजने और समर्थन करने के लिए भारत का सबसे बड़ा उद्यमशीलता मंच है। यह इस कार्यक्रम का चौथा संस्करण था। इस कार्यक्रम के शीर्ष 59 उद्यमियों को संस्थान में एक संकाय प्रेरित बूटकैम्प के माध्यम से पाँच दिनों के लिए प्रशिक्षित किया गया था। इस कार्यक्रम की विशिष्टताएँ इस प्रकार हैं :
- क्षेत्र : विभिन्न
- प्राप्त आवेदन : 9360
- लघुसूचीकृत आवेदन : 59
- संकायों द्वारा आईआईएमए बूटकैंप के नेतृत्व के दिन : 5 दिन
- प्रतिपालन दिन : 4 दिन
- अनुदान : 55 स्टार्टअपों को 2.2 करोड़ रुपए

- निवेश : 4 करोड़ रुपए (कुल 10 स्टार्टअपों के लिए प्रति स्टार्टअप 40 लाख रुपए)

पिच टाउन - शहर आधारित स्काउटिंग कार्यक्रम : बड़े राष्ट्रीय फ़नल के माध्यम से स्टार्टअप खोज के अलावा, सीआईआईई ने उच्च गुणवत्ता वाले स्टार्टअपों के लिए अलग-अलग शहरों में एक एंजेल संचालित स्काउटिंग कार्यक्रम का भी परीक्षण किया था। 2017 में, पिच चेन्नई और पिच अहमदाबाद में क्रमशः 7 और 8 आवेदन प्राप्त हुए। पिच शहरों ने एक ध्यान-केंद्रित स्काउटिंग कार्यक्रम को मान्यता दी। हालांकि, स्थानीय एंजेलों की भागीदारी ने वांछित होने के लिए बहुत कुछ छोड़ दिया।

ऊष्मायन समर्थन : सीआईआईई ने भीमावरम में इंजीनियरिंग कॉलेजों के वरिष्ठ संकायों तथा निदेशकों के लिए अल्पकालीन दो दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन करने के लिए अटल नवप्रवर्तन मिशन (एआईएम) और भारतीय स्टेप एवं व्यापार ऊष्मायन संघ (आईएसबीए) के साथ भागीदारी की।

अक्षय तथा क्लीनटेक क्षेत्र और इनफ़्यूज़ में गतिविधियाँ

इनफ़्यूज़ वेंचर फ़ंड ने सौर ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता, ऊर्जा विश्लेषिकी, और ग्रीन रसायन जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे 14 स्टार्टअपों का समर्थन किया है। मई 2017 में इनफ़्यूज़ की चार वर्षीय प्रतिबद्धता अवधि समाप्त हुई, जिसका अर्थ है कि फंड द्वारा कोई भी नया निवेश नहीं किया जा सकता है; हालांकि यह मई 2018 तक मौजूदा पोट 'फोलियो कंपनियों में फॉलो-ऑन निवेश जारी रख सकता है। इनफ़्यूज़ की सात पोर्टफोलियो कंपनियों ने नए या मौजूदा निवेशकों से निवेश के लिए जोर दिया, और इनमें से कुछ ने इनफ़्यूज़ में प्रतिभागिता की।

पोर्टफोलियो प्रमुखताएँ

इस वर्ष सीआईआईईआई पोर्टफोलियो कंपनियों में फंड जुटाने की गतिविधियों का प्रभुत्व रहा। लगभग छह कंपनियाँ बाहरी वीसीएफ, एंजेल फंड्स और निवेशक कंसोर्टियम से धन जुटाने में सफल रही। ये सौदे प्री-सीरीज़ ए से सीरीज़ डी तक के थे। इसमें कुछ सफलता पूर्वक प्रस्थान और एक प्रमुख अधिग्रहण थे। सीआईआईई की पहलों ने भी दो नई पोर्टफोलियो कंपनियों में निवेश किया जिनमें से एक 2016 में आयोजित स्वास्थ्य उत्प्रेरक की साथी-कंपनी थी। कुछ बाहरी सौदों जिनका मूल्यांकन होता है उनके साथ पावर ऑफ़ आइडिया 2017 बैच से 10 निवेश बंद करने के लिए सीआईआईई पहल सोच रही है।

ओएसिस स्टार्टअप की गतिविधियाँ

सामाजिक प्रभाव ऊष्मायन (इनवेन्ट)

प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) और अंतर्राष्ट्रीय विकास विभाग (डीएफ़आईडी), यूके ने विकास के लिए अभिनव वेंचर्स और प्रौद्योगिकियाँ कार्यक्रम (इनवेन्ट) शुरू किया है। स्टार्टअप ओएसिस आठ कम आय वाले राज्यों में, विशेष रूप से, राजस्थान और मध्य प्रदेश के इन क्षेत्रों में रहने वाले सामाजिक उद्यमियों का समर्थन करने के लिए इनवेन्ट का कार्यान्वयन कर रहा है। यह कार्यक्रम विलग्रो के साथ साझेदारी में चलाया जा रहा है और इसमें वित्तपोषण, ऊष्मायन-समर्थन, प्रतिपालन, क्षमता निर्माण, और नेटवर्किंग सहायता शामिल हैं। स्टार्टअप ओएसिस को तीन साल (2016 से 2019) की अवधि में निवेश के तहत लगभग 50 सामाजिक स्टार्ट अपों का ऊष्मायन (इनक्यूबेट) करना अनिवार्य है। यह ऊष्मायन पहले से ही वित्त पोषण के साथ 23 से अधिक स्टार्टअपों लिए प्रत्येक को 25 से 50 लाख रुपए वित्तपोषण मिला है और उसके अपने उत्प्रेरक कार्यक्रमों के माध्यम से 30 अन्य स्टार्टअपों का समर्थन कर रहा है।

सामाजिक उत्प्रेरक (इनवेन्ट)

सामाजिक उत्प्रेरक तीन महीनों का कार्यक्रम है जो सामाजिक प्रभाव उद्यमों का समर्थन करने के लिए, जो अपने सीखने की अवस्था को काफी हद तक मजबूत करते हुए और उन्हें निवेश के लिए तैयार करने के लिए अपने सही लाभ संगठन सामाजिक व्यापार प्रयास द्वारा पदचिह्न बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रथम सामाजिक उत्प्रेरक के सफल प्रक्षेपण के बाद, यह इनक्यूबेटर क्रमशः शिल्पकारी, पाककला और आजीविका तथा 'जयपुर-दिल्ली-एनसीआर लीन एक्सेलेरेटर' जैसे डोमेन विशिष्ट और निर्भर उत्प्रेरक कार्यक्रमों के माध्यम से मॉडल को बढ़ाने की योजना बना रहा है। पहले सामाजिक उत्प्रेरक कार्यक्रम के माध्यम से आठ स्टार्ट-अप समर्थित थे। अधिक जानकारी http://startupoasis.in/socialaccelerator/ यहाँ उपलब्ध हैं

कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहलें

उत्प्रेरक शीर्ष टीम स्टार्ट-अपों को उत्प्रेरित करने और भारत में विघटनकारी उद्यमिता को परिभाषित करने वाले पारिस्थितिक तंत्र को सक्षम करने के लिए संसाधनों को एकत्रित करके सीआईआईई के उद्देश्य के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है।

रणनीतिक पहलें

- **कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर)** भारत में कृषि-स्टर्टअपों को समर्थन करने के लिए पोर्टस्केप प्रदान करती है। डिस्टिक्ट होरीजन नामक एक अभिनव उर्वरक मशीनरी स्टार्टअप को प्रोटोटाइप परीक्षण में सहायता करने के लिए अनुदान दिया गया था। सीआईआईई एक या दो समान अनुदान के लिए कृषि-नवाचार में अधिक स्टार्ट-अप के लिए संरक्षण प्रदान कर रहा है।
- **जेपी मॉर्गन सीएसआर फिनटेक अध्ययन :** जेपी मॉर्गन ने निम्न और मध्यम आय (एलएमआई) वर्ग की वित्तीय जरूरतों और व्यवहार को समझने के लिए तथा फिनटेक

समाधान कैसे इन आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है यह समझने के लिए अनुसंधान अध्ययन का समर्थन किया।

भारत समावेशन पहल (बीआईआई) : बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन और माइकल और सुसान डेल फाउंडेशन द्वारा समर्थित गरीबों के लिए वित्तीय समावेशन, संपत्ति निर्माण, और गरीबों की आजीविका (गरीब भारतीय बाजार) के प्रति लक्षित अभिनव उद्यमी गतिविधियों के सार्वजनिक वस्तुओं का निर्माण करने और उन्हें बढ़ावा देने की दिशा में बीआईआई एक प्रयास है।

एचडीएफसी बैंक सीएसआर : जुड़ाव स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छ प्रौद्योगिकी में उभरते अभिनव स्टार्ट-अपों का समर्थन करना चाहता है। सीआईआईई और एचडीएफसी अनुदान सहायता प्राप्त करने के लिए संयुक्त रूप से सीआईआईई के पोर्टफोलियो (सीआईआईई उत्प्रेरक स्टार्टअपों सहित) में से स्टार्टअपों का चयन करेंगे।

2. भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र

संस्थान में भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र (आईजीपीसी) एक अग्रणी अनुसंधान और नीति केंद्र है। इस केंद्र की स्थापना विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की तरफ से दिए गए दान से तीन साल पहले की गई थी। स्वर्ण अनुसंधान केंद्र (गोल्ड रिसर्च सेंटर) की स्थापना की तर्ज पर, आईजीपीसी के सदस्य इसे भारत में और पूरे विश्व में एक मजबूत और पारदर्शी स्वर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए शोध आधारित नीति सिफारिशों के लिए एक तटस्थ इकाई के रूप में देखते हैं। आईजीपीसी के चार प्रमुख क्षेत्रों में अनुसंधान, नीति, जुड़ाव, और प्रशिक्षण हैं। आईजीपीसी नीति सिफारिशों के लिए बहु अनुशासनात्मक शोध करता है।

आईजीपीसी ने उद्योग जगत में अपनी छाप छोड़ी है और कुछ मील के पत्थर हासिल किए हैं। आईजीपीसी अब भारत के लिए एक व्यापक स्वर्ण नीति के निर्माण और कार्यान्वयन पर वित्त मंत्रालय को सलाह दे रहा है।

स्वर्ण और स्वर्ण बाजारों पर सम्मेलन

आईआईएमए में भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र (आईजीपीसी) ने 12 जनवरी, 2018 को स्वर्ण संबंधित मुद्दों पर नीति प्रासंगिक शोध पर एक सम्मेलन की मेजबानी की।

इस सम्मेलन में स्वर्ण और स्वर्ण बाजारों के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों, वैश्विक स्वर्ण के परिदृश्य पर एक प्रस्तुति, और भारत में स्वर्ण के लिए एक प्रभावी नीति और नियामक ढाँचे को डिजाइन करना विषय पर एक पैनल चर्चा का एक उद्घाटन सत्र शामिल था।

शेष सत्रों में स्वर्ण संबंधित अनुसंधान विषयों की एक श्रृंखला पर तकनीकी प्रस्तुतियाँ शामिल थीं। भारतीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के शिक्षाविदों द्वारा चौदह शोध पत्र प्रस्तुत किए गए थे। आईआईएमए संकायों और डॉक्टरेट छात्रों द्वारा आईजीपीसी द्वारा वित्त पोषित चार शोध अध्ययन इस सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए। इस सम्मेलन में उद्योग जगत के शोधकर्ताओं द्वारा दो शोधपत्र भी प्रस्तुत किए गए। इस सम्मेलन में अकादमिक और उद्योग जगत तथा मीडिया के कुछ पत्रकारों सहित लगभग पचास प्रतिनिधियों ने उपस्थिति दर्ज कराई।

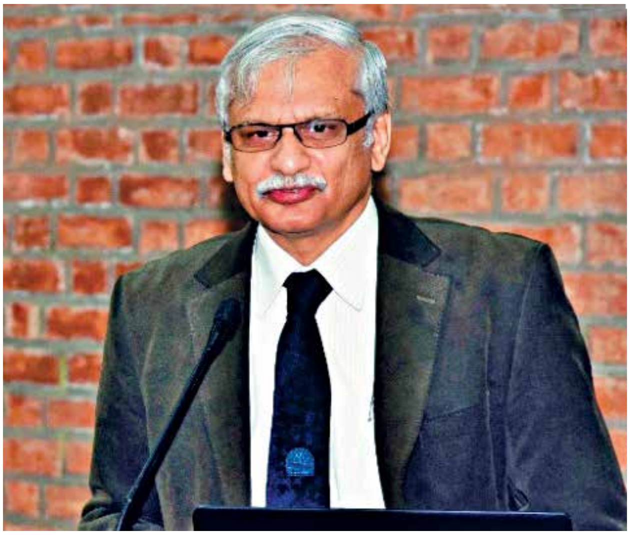

प्रोफ़ेसर एरोल डिसूज़ा, निदेशक आईआईएमए सम्मेलन में गणमान्य लोगों और प्रतिनिधि मंडल को संबोधित करते हुए

प्रोफ़ेसर अरविंद सहाय, प्रमुख आईजीपीसी, शोधकर्ताओं तथा प्रतिनिधि मंडल को संबोधित करते हुए

प्रोफ़ेसर अरविंद सहाय, प्रमुख आईजीपीसी, अहमदाबाद शाखा के पूर्वछात्रों को संबोधित करते हुए

सम्मेलन में प्रस्तुत शोधपत्रों की सूची

	शीर्षक	लेखक और सहबद्धता
1.	एक परिवर्तनकारी नीति के रूप में भारत में स्वर्ण मुद्रीकरण एक मिश्रित विधि विश्लेषण (डब्ल्यूपी)	प्रिया नारायणन, बालागोपाल गोपालकृष्णन, अरविंद सहाय, आईआईएमए
2.	घरों और पीढ़ियों में टिकाऊ संपत्तियों का वितरण एक गणितीय मॉडल	अनिंद्य चक्रवर्ती, आईआईएमए
3.	गोल्ड डेरिवेटिव्स मार्केट्स पर सीटीटी का प्रभाव अल्ट्रा-हाई फ्रीक्वेंसी क्रमिक प्रवाह और विक्रय डेटा पर आधारित विश्लेषण	जोशी जैकब, जयंत आर. वर्मा, आईआईएमए
4.	सेंट्रल बैंक रिजर्व में स्वर्ण वैश्विक जोखिम और चल निधि की भूमिका	बालागोपाल गोपालकृष्णन, संकेत महापात्रा, आईआईएमए
5.	स्वर्ण और भू-राजनीतिक जोखिम	डिर्क बॉर, यूडब्ल्यूए, पर्थ
6.	स्वर्ण और चांदी की अतिरिक्त अस्थिरता का एक अध्ययन	पार्थजीत कायल, एस. महेश्वरन आईएफ़एमआर, चेन्नई
7.	क्या विश्व स्वर्ण बाजारों में जानकारी फैलती है और उत्तोलन प्रभाव मौजूद है?	एस. मारिया इमानुवेल, डी. लाज़र एसजेआईएम बैंगलुरू और मैनेजमैंट स्कूल, पांडिचेरी
8.	भारत में स्वर्ण की आयात माँग के लचीलेपन का आकलन	परमिता मुखर्जी, विवेकानंद मुखर्जी, देबस्मिता दास, आईएमआई कोलकाता और जादवपुर विश्वविद्यालय
9.	स्वर्ण, स्वर्ण खदान स्टॉक और इक्विटी - विकसित बाजारों में उनके बचाव, विविधताकारक और सुरक्षित आश्रय गुणों की खोज	आरिफ बिलाह डार, मानस पॉल, नियति भंज, आईएमटी गाजियाबाद
10.	स्वर्ण वायदा बाजार मूल्यों के लिए मूल्य खोज की जाँच	सामना एम., सदर ए.आर., वाणिज्य विभाग केरल विश्वविद्यालय और वाणिज्य विभाग, एमएसयू तमिलनाडु
11.	भारतीय स्वर्ण बाजार की बहुआयामी मॉडलिंग।	पी. माली, भौतिकी विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, दार्जिलिंग
12.	स्वर्ण और अन्य बाजारों के बीच संबंध संरचनात्मक बदलावों के साथ एक समझौता दृष्टिकोण	शिवानी इंदर चोपड़ा, चितकारा बिजनेस स्कूल, चितकारा विश्वविद्यालय, पंजाब
13.	प्रतिफल और अस्थिरता फैलाव भारत की विमुद्रीकरण नीति का एक मूल्यांकन	शुभाशीष दे, अरविंद संपथ, आईआईएम कोझिकोड
14.	अनिश्चितता और भारतीय अर्थव्यवस्था के स्रोत	शुभाशीष डे, आईआईएम कोझिकोड
15.	भारतीय स्वर्ण की माँग और उपभोक्ता खरीद प्रतिरूप एक उद्योग परिप्रेक्ष्य	वैभव अग्रवाल, एमएमटीसी लिमिटेड
16.	एक जिज्ञासु अनुबंध स्वर्ण आधारित पेंशन उत्पादों के अति सूक्ष्म अंतर की खोज	साकेत हिशिकार, एसबीआई

व्यासपीठ पर गणमान्य लोग बाँए से दाँए - प्रोफ़ेसर सहाय - प्रमुख आईजीपीसी, प्रोफ़ेसर एर्रोल डिसूज़ा - निदेशक आईआईएमए, श्री जॉह्न रीड - मुख्य विपणन रणनीतिकार और श्री सोमसुंदरम पीआर - प्रबंध निदेशक (भारत) डब्ल्यूजीसी

प्रोफ़ेसर अरविंद सहाय, प्रमुख आईजीपीसी श्री जॉह्न रीड, मुख्य विपणन रणनीतिकार, डब्ल्यूजीसी का अभिवादन करते हुए

नीति निर्माताओं के साथ आईजीपीसी का जुड़ाव

आईजीपीसी के प्रमुख प्रोफ़ेसर अरविंद सहाय ने विभिन्न स्वर्ण नीतिगत मुद्दों पर बैंकों, सीपीटीसी, उपभोक्ताओं, ज्वैलर्स और रिफाइनरों, तुर्की मॉडल के अनुकरण, स्पॉट एक्सचेंज स्थापित करना, कराधान, प्रमाणीकरण, हॉलमार्किंग, आदि जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जीएमएस को सुधारने के रूप में डीईए वित्त मंत्रालय को अनुशंसाएँ दीं।

भारत को बदलने के लिए नीति आयोग की समिति की पहली बैठक में आईजीपीसी ने भागीदारी की थी। प्रोफ़ेसर जोशी जैकब ने पहली बैठक में भाग लिया। इसमें डब्ल्यूजीसी ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया और नीति आयोग को नीति परिवर्तनों पर सिफारिशें भेजीं।

उद्योग के शेयरधारकों के साथ जुड़ाव

आईजीपीसी ने 4 से 6 अगस्त, 2017 तक नई दिल्ली में शोध भागीदार के रूप में बुलियन फेडरेशन ग्लोबल कन्वेंशन में भाग लिया। प्रोफ़ेसर सहाय ने श्री टायलर गिलार्ड, सेक्टर प्रोजेक्ट्स प्रमुख, रिस्पॉंसिबल बिज़नेस कंडक्ट युनिट, ओईसीडी, पेरिस के सहयोग से पहली कार्यशाला का आयोजन किया।

आईजीपीसी ने 11 से 14 अगस्त, 2017 के दौरान अनुसंधान भागीदार के रूप में, गोवा में आयोजित इंटरनेशनल गोल्ड कन्वेंशन में भाग लिया।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलरी एसोसिएशन द्वारा 27 अप्रैल, 2017 को प्रस्तावित मूल्यवान धातु कूटसंख्या और भारत में एक मजबूत, पारदर्शी, कुशल स्वर्ण पारिस्थितिकी तंत्र की स्थापना में कैसे योगदान देती है और कैसे अलग हो जाती है विषय पर बैठक का आयोजन किया गया।

भारतीय जिम्मेदार खनिज सोर्सिंग (आईआरएमएस) कार्य समिति की स्वर्ण के लिए जिम्मेदार सोर्सिंग पर पहली बैठक 30 नवंबर, 2017 को नई दिल्ली में हुई।

भारतीय स्वर्ण एवं ज्वैलरी शिखर सम्मेलन जेम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) द्वारा आयोजित भारतीय स्वर्ण एवं ज्वेलरी शिखर सम्मेलन (आईजीजेएस) पहली बार नई दिल्ली में 1-2 दिसंबर, 2017 को हुआ था। इस आयोजन में कई प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने भाग लिया था और आईजीपीसी ने शोध भागीदार के रूप में भाग लिया था।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय बुलियन शिखर सम्मेलन आईजीपीसी ने मुंबई में 14-15 मार्च, 2017 को आयोजित आईआईबीएस5 में शोध भागीदार के रूप में भाग लिया।

आईजीपीसी के अंतरराष्ट्रीय पदचिह्न

एशिया प्रशांत मूल्यवान धातु सम्मेलन

आईजीपीसी ने एसबीएमए, इंटरनेशनल एंटरप्राइज सिंगापुर, फोरटेल बिजनेस सॉल्यूशंस और सीजीएसई द्वारा आयोजित 4 से 6 जून, 2017 को सिंगापुर में एशिया प्रशांत मूल्यवान धातु सम्मेलन (एपीपीएमसी) में भाग लिया।

इन्फिनिटी सम्मेलन

आईजीपीसी के सदस्य प्रोफ़ेसर संकेत महापात्रा ने 12 से 13 जून, 2017 को वालेंसिया, स्पेन में आयोजित इन्फ़िनिटी सम्मेलन में सेंट्रल बैंकों के स्वर्ण भंडार के निर्धारक पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

सार्वजनिक नीति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

सुश्री प्रिया नारायणन, एफ़पीएम छात्र ने 28 से 30 जून, 2017 को सिंगापुर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक नीति सम्मेलन में स्वर्ण की मुद्रीकरण नीति - एक परिवर्तनकारी नीति के रूप में भारत

में स्वर्ण मुद्रीकरण : एक मिश्रित विधि विश्लेषण विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

इसके विवरण **परिशिष्ट ट** में दिए गए हैं।

3. कृषि प्रबंध केंद्र

संस्थान में कृषि प्रबंध केंद्र (सीएमए) एक अंतर-अनुशासनात्मक अनुसंधान केंद्र है जो खाद्य, कृषि व्यवसाय, ग्रामीण और संबद्ध क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त, नीति तथा समस्या सुलझाने के अनुसंधान में लगा हुआ है। यह इन क्षेत्रों / विषय क्षेत्रों की शिक्षण, प्रशिक्षण तथा परामर्शन गतिविधियों में भी शामिल है। इस केंद्र में पाँच प्राथमिक और पाँच मुख्य संकाय सदस्य हैं।

अनुसंधान परियोजनाएँ

पूर्ण हुई अनुसंधान परियोजनाएँ

- किसानों के लिए निर्णय-उन्मुख सूचना प्रणाली किसान कॉल सेंटर (केसीसी), किसान ज्ञान प्रबंधन प्रणाली (केकेएमएस), किसान पोर्टल, और एम-किसान पोर्टल (अखिल भारतीय समन्वित अध्ययन - समन्वयन और समेकन) का एक अध्ययन
- किसानों के लिए निर्णय-उन्मुख सूचना प्रणाली : किसान कॉल सेंटर (केसीसी), किसान ज्ञान प्रबंधन प्रणाली (केकेएमएस), किसान पोर्टल, और एम-किसान पोर्टल गुजरात का एक अध्ययन

जो अनुसंधान परियोजनाएँ प्रगति पर हैं -

- कृषि-जैव विविधता के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के साथ मुकाबला शून्य स्थान से एक अवलोकन
- प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफ़बीवाई) का प्रदर्शन मूल्यांकन
- उत्पादन, बाजार और व्यापार भारत में दालों के उत्पादन को प्रभावित करने वाले कारकों का विश्लेषण
- मृदा स्वास्थ्य, पादप स्वास्थ्य, और मानव स्वास्थ्य।

अध्यापन

सीएमए के संकायों ने विभिन्न स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में अठारह पाठ्यक्रम पेश किए।

प्रबंधन में फेलो कार्यक्रम (खाद्य एवं कृषि व्यवसाय)

सीएमए ने प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम (खाद्य एवं कृषि व्यवसाय) में पाँच पाठ्यक्रमों की पेशकश की।

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

कृषि आदान विपणन, 15-20 जनवरी, 2018.

कृषि-आर्थिक नीति के संक्षिप्त विवरण और कृषि-आर्थिक चेतावनी

कृषि-आर्थिक नीति के संक्षिप्त विवरण

15 कृषि आर्थिक अनुसंधान केंद्र / इकाइयाँ (एईआरसी) महत्वपूर्ण निष्कर्षों और सिफारिशों को हाइलाइट करते हुए अनुसंधान के आधार पर नियमित रूप से नीति संक्षिप्त विवरण तैयार और प्रस्तुत करते हैं। इससे अनुसंधान की प्रासंगिकता और प्रभाव में वृद्धि होगी।

- **कृषि-आर्थिक नीति संक्षिप्त विवरण अंक 1 - सितंबर 2017. संकाय पूर्णिमा वर्मा, वसंत पी. गाँधी**
  - किसान कॉल सेंटर (केसीसी) किसानों के लिए एक निर्णयोन्मुख सूचना प्रणाली
  - पूर्वी उत्तर प्रदेश में डेयरी विकास
  - राजस्थान में दबावकृत सिंचाई नेटवर्क सिस्टम (पीआईएनएस) का अध्ययन
  - बिहार में उत्पादन, उत्पादकता और मृदा स्वास्थ्य पर नीम लेपित यूरिया (एनसीयू) का प्रभाव
  - किसान की आय दुगुनी करने के लिए संगठित खुदरा विकेताओं द्वारा प्रत्यक्ष खरीद
- **कृषि-आर्थिक नीति संक्षिप्त विवरण : अंक 2 दिसंबर 2017. संकाय : पूर्णिमा वर्मा, वसंत पी. गाँधी**
  - भारत में चावल बढ़ाने की प्रणाली (एसआरआई) के माध्यम से चावल की उत्पादकता और खाद्य सुरक्षा में वृद्धि
  - हिमाचल प्रदेश में बागवानी की संरक्षित खेती
  - मध्यप्रदेश में बंजर भूमि का पुनरुद्धार
  - गुजरात में दबावकृत सिंचाई नेटवर्क सिस्टम (पीआईएनएस)
  - तेलंगाना में किसानों की आत्महत्या
  - महाराष्ट्र में सोयाबीन उत्पादन : दोधारी तलवार
- **कृषि-आर्थिक नीति के संक्षिप्त विवरण : अंक 3 - फरवरी 2018. संकाय : पूर्णिमा वर्मा, वसंत पी. गाँधी**
  - बिहार और भारत में लिची का उत्पादन, विपणन और प्रसंस्करण
  - प्याज बाजारों में सरकारी हस्तक्षेप
  - मध्य प्रदेश में छोटे बाजरे के उत्पादन की समस्याएँ तथा संभावनाएँ और उनके मूल्यवर्धित उत्पाद
  - उत्तर प्रदेश में कृषि-क्लीनिक और कृषि-व्यापार केंद्र योजना
  - केरल में बंजर भूमि की समस्या को समझना
  - उत्तर प्रदेश में नील-गायों के कारण दालों की फसलों में कमी

कृषि आर्थिक चेतावनी

15 कृषि आर्थिक अनुसंधान केंद्र / इकाइयाँ (एईआरसी) नियमित रूप से देश के विभिन्न हिस्सों में कृषि, कृषि-आर्थिक और बाजार के माहौल का सावधानी से अवलोकन करती हैं, और उभरती हुई महत्वपूर्ण परिस्थितियों और कृषि अर्थव्यवस्था में उत्पन्न खतरों पर नियमित अलर्ट प्रदान करती हैं, तथा कार्रवाई के लिए सुझाव भी देती हैं।

- **कृषि आर्थिक चेतावनियाँ : अंक 1 - जुलाई 2017. संकायः रंजन घोष, वसंत पी. गाँधी**
  - बिहार में खतरे से नीचे मक्का बाजार
  - गुजरात में भारी वर्षा का खरीफ फसलों पर प्रभाव
  - किसान समर्थन मूल्य प्राप्त करने में असमर्थ हैं
- **कृषि आर्थिक चेतावनियाँ : अंक 2 - नवंबर 2017. संकाय : रंजन घोष, वसंत पी. गाँधी**
  - तमिलनाडु के सूखे क्षेत्र में श्रमिक कल्याण की आवश्यकता है
  - लागत बढ़ने पर केरल में नारियल के उत्पादन पर प्रभाव
  - विलुप्त होने के खतरे से जूझता भागलपुरी कतरनी धान
  - मूल्य अस्थिरता प्याज के किसानों को प्रभावित करती है
- **कृषि आर्थिक चेतावनियाँ : अंक 3 - जनवरी 2018. संकाय : रंजन घोष, वसंत पी. गाँधी**
  - महाराष्ट्र में किसानों की आत्महत्या
  - केरल में धान उत्पादक किसान सब्सिडी में फँसे
  - असम में दरंगगिरी केला मंडी खतरे में
- **कृषि आर्थिक चेतावनियाँ : अंक 4 - मार्च 2018. संकाय : रंजन घोष, वसंत पी. गाँधी**
  - मध्य प्रदेश में भावांतर भुगतान योजना (मूल्य अंतर भुगतान योजना) में कठिनाइयाँ
  - गुजरात में ई-एनएएम के लिए बाधाएँ
  - झारखंड में बंजर भूमि की समस्या

4. स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र (सीएमएचएस)

आईआईएमए-सीएमएचएस संगोष्ठी श्रृंखला

सीएमएचएस ने अगस्त 2014 में एक संगोष्ठी श्रृंखला शुरू की। वर्ष 18-2017 के दौरान निम्नलिखित संगोष्ठियों का आयोजन किया गया

- एक अनुकंपा संगठन का निर्माण विषय पर एक वार्ता डॉ. अरविंद श्रीनिवासन, सीएमओ, अरविंद नेत्र अस्पताल, चेन्नई द्वारा 14 दिसंबर, 2017 को आयोजित की गई।
- मिशनरी अस्पताल में एक नेतृत्व सफर; व्यावसायीकरण, मापनीयता और स्थिरता जुबली मिशन केस पर एक वार्ता डॉ बेनी जोसेफ, सीईओ, जुबली मिशन अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा 4 जनवरी, 2018 को आयोजित की गई।
- 18 जनवरी, 2018 को डॉ. दिगंबर चापके, डॉ. जी. गिरिधर, डॉ शारदा नंदराम, डॉ. प्रसून चटर्जी, डॉ. सोमा बोस द्वारा भारत में जेरियाट्रिक हेल्थ चुनौतियाँ और अवसर पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई जिसे प्रोफ़ेसर राजेश चंदवानी द्वारा नियंत्रित किया गया।
- सर्टूरो की खोज और विकास तपेदिक के लिए एक नई प्रतिरोधी दवा अभिनव का मूल्य दोहन पर डॉ. अनिल कौल, निदेशक, सीएसआईआर-आईएमटेक द्वारा 7 फरवरी, 2018 को एक वार्ता की गई।
- भारत में गुणवत्ता और सस्ती स्वास्थ्य देखभाल के लिए प्रौद्योगिकी नवाचार विषय पर डॉ. पुर्वीश परीख, डॉ. महेबूब बसदे, डॉ. आकाश गंजू, डॉ. भरत गढवी, डॉ. विवेक आर्य, श्री शालिंदर मधोक द्वारा 15 फरवरी, 2018 को पैनल चर्चा आयोजित की गई जिसे प्रोफ़ेसर राजेश चंदवानी द्वारा नियंत्रित किया गया। इसी चर्चा से आहार और मधुमेह के लिए प्रौद्योगिकी समाधान पर आगे काम किया गया।
- महिला अंगदाताओं की देखभाल और सम्मान विषय पर डॉ. मनोज गुंबर, कंसल्टेंट किडनी रोग विशेषज्ञ एवं प्रत्यारोपण चिकित्सक, अहमदाबाद द्वारा 9 मार्च, 2018 को आयोजन किया गया।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

तीसरे आईआईएमए अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रबंधन सेवाओं में प्रगति सम्मेलन (आईसीएएचएमएस 2017) 09 से 10 दिसंबर, 2017 के दौरान आयोजित किया गया था। इल सम्मेलन का उद्देश्य अग्रणी अकादमिक वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, चिकित्सकों, स्वास्थ्य देखभाल प्रशासकों, देखभाल प्रदाताओं और नीति निर्माताओं को एक साथ लाकर अत्याधुनिक अनुसंधान, नए विचार, बहस के मुद्दों और स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन के क्षेत्र में नवीनतम विकास को संबोधित करना था। वक्ताओं में शिक्षाविद, चिकित्सक, नीति निर्माता, आदि शामिल थे।

आईसीएएचएमएस 2017 के आधार व्याख्यान

- सुरिंदर सिंह, भारतीय जीवविज्ञान राष्ट्रीय संस्थान द्वारा भारत में जैव चिकित्सीय विकास के लिए पारिस्थितिक तंत्र।
- चोट का बोझ : भारत में उभरते सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दे विषय पर भारतीय स्पाइनल इंजेरीज सेंटर के ए.के. मुखर्जी द्वारा संबोधन।
- फार्मास्यूटिकल्स और इंटरमीडिएट्स, अतुल लिमिटेड के प्रभाकर चेबिय्याम, द्वारा स्वास्थ्य देखभाल मूल्य श्रृंखला।

- अनूप डागा, एआईआईएमएस, नई दिल्ली द्वारा अस्पताल और हेल्थकेयर प्रशासन / भारत में प्रबंधन शिक्षा बढ़ते क्षितिज।
- रवि गौर, ऑनक्वेस्ट द्वारा भारत में पैथोलॉजी लैब्स के भविष्य पर एक लघुचित्र।
- रोहन देसाई प्लेक्सएमड द्वारा डिजिटल चिकित्सकिय जुड़ाव की अगली सीमा।
- पीयूष कुमार सिन्हा, आईआईएम, अहमदाबाद द्वारा स्वास्थ्य देखभाल सुविधा के लिए ग्राहक केंद्रित व्यापार मॉडल।
- फलाक्सी मांजरेकर, हिन्दुजा अस्पताल द्वारा अस्पतालों में मरीज़ सुरक्षा सफल होने के लिए रणनीतियों के साथ नर्सों की जिम्मेदारी।

आईसीएएचएमएस 2017 में पैनल चर्चाएँ

- पुनरुत्थानशील भारतीय स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र के लिए नीतियों पर पैनल चर्चा, पैनल सदस्य : सुचेता बनर्जी कुरुंडकर नैदानिक विकास सेवा एजेंसी, एस. ईश्वर रेड्डी केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन (डीएससीओ), मुख्यालय, नई दिल्ली, एस.के. नंदा-अरविंद कुकरेती-प्रवीण अग्रवाल संयुक्त राष्ट्र बाल निधि।
- नवप्रवर्तन के माध्यम से भारतीय स्वास्थ्य देखभाल में बदलाव पर पैनल चर्चा, पैनल सदस्य : शीर्षेन्दु मुखर्जी - जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद विधेयक और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन - वेलकम ट्रस्ट। गगनदीप कंग - ट्रांसलेशनेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट, डीबीटी अनूप पी अंबिका - जेनप्रो लाइफ साइंसेज इंडिया प्रा. लिमिटेड

आईसीएएचएमएस 2017 में कार्यशालाएँ

- सुनील माहेश्वरी, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद द्वारा स्वास्थ्य देखभाल के व्यवसायियों का प्रबंधन।
- सुबीर सिन्हा, टाटा मेडिकल सेंटर द्वारा स्वास्थ्य देखभाल अनुसंधान में मेटा-विश्लेषण।

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- नैदानिक प्रयोगशाला प्रबंधन
- स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन के लिए डेटा विश्लेषण
- अस्पताल प्रबंधन

5. सार्वजनिक प्रणाली समूह

सार्वजनिक प्रणाली समूह (पीएसजी) सामरिक सार्वजनिक प्रबंधन, सार्वजनिक तथा सामाजिक नीति पर अत्याधुनिक अनुसंधान, प्रशिक्षण, और संगठनात्मक कार्य को संभालता है। इस समूह का उद्देश्य ऐसे अनुसंधान को बढ़ावा देना है जो सार्वजनिक प्रणालियों के प्रभावी प्रबंधन की अवधारणाएँ तथा सिद्धांत उत्पादित करेंगे और साथ-साथ नीति बनाने के आधार पर सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रियाओं को विद्वानों की तरह समझ एवं स्पष्ट अभिव्यक्ति प्रदान करेंगे। यह समूह प्रबंधन, सामाजिक विज्ञान, और मानविकी में व्यापक अनुशासनात्मक पृष्ठभूमि और विषयों को एकीकृत करता है।

संकायों के वर्तमान अनुसंधान हितों में दीर्घकालिक उत्सर्जन परिदृश्य और मॉडलिंग सहित ऊर्जा एवं जलवायु में परस्पर परिवर्तन, पर्यावरण एवं स्थिरता, वैश्विक पर्यावरण वार्ता और जोखिम मूल्यांकन; प्राथमिक, द्वितीयक, व तृतीयक स्वास्थ्य क्षेत्रों को समाहित करते हुए अस्पताल एवं स्वास्थ्य प्रणालियाँ; शहरी प्रबंधन, परिवहन एवं विमानन प्रबंधन, बुनियादी ढाँचे का विकास एवं पुनर्वास; सार्वजनिक वित्त, शिक्षा नीति, व सामुदायिक विकास; सार्वजनिक प्रणालियों में संचालन अनुसंधान, प्रभाव आकलन तथा दूरसंचार शामिल हैं। शैक्षणिक वर्ष 2017-18 के दौरान, पीएसजी संकायों ने निम्नलिखित पाठ्यक्रम और कार्यक्रम पेश किए।

पाठ्यक्रम

पीजीपी

मूल विषय

- व्यापार, पर्यावरण और स्थिरता
- सरकारी प्रणालियाँ और प्रक्रियाएँ
- व्यापार का सामाजिक सांस्कृतिक माहौल

वैकल्पिक विषय

- उड्डयन प्रबंधन
- कार्बन वित्त
- सुशासन और गरीबी में रहने वाले लोग
- अवसंरचना विकास और वित्त पोषण
- शहरी परिवहन प्रबंधन में नवाचार
- बुद्धिमत्तापूर्ण परिवहन प्रणालियाँ
- कॉर्पोरेट सामाजिक अनुत्तरदायित्व की जाँच
- ऊर्जा व्यवसाय प्रबंधन
- दूरसंचार उद्यमों का प्रबंधन
- हस्तकौशल, कल्पित कथा, और विपणन
- विकास के लिए भागीदारी रंगमंच
- संगठनों में सत्ता और राजनीति
- सार्वजनिक नीति
- एक नेटवर्क सोसायटी में व्यापार और मानव विकास को समझने के लिए गुणवत्तात्मक अनुसंधान के तरीके
- रेल परिवहन योजना और प्रबंधन
- सामाजिक उद्यमिता नवप्रवर्तक सामाजिक परिवर्तन
- भारतीय अर्थव्यवस्था में सामरिक सुधार और परिवर्तन

- परिवर्तनकारी सामाजिक आंदोलन
- शहरी अर्थशास्त्र और व्यापार माहौल

पीजीपी-एफ़एबीएम

- स्थायित्व प्रबंधन

एफ़पीएम

मूल विषय

- सार्वजनिक वित्त
- जन प्रबंधन
- सार्वजनिक नीति

वैकल्पिक विषय

- आर्थिक विकास और वृद्धि
- व्याख्यात्मक अनुसंधान के तरीके
- पर्यावरण प्रबंधन के लिए सार्वजनिक नीति उपकरण
- सामाजिक नीति अनुसंधान में मौलिक अनुमान के लिए मात्रात्मक तरीकों का उपयोग करना

पीजीपीएक्स

- अवसंरचना विकास और सार्वजनिक निजी भागीदारी
- सत्ता तथा राजनीति और सार्वजनिक नीति
- सामाजिक उद्यमिता नवप्रवर्तक सामाजिक परिवर्तन

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- बुद्धिमत्तापूर्ण परिवहन प्रणालियाँ
- नौवहन के लिए सामान्य प्रबंधन में कार्यक्रम

6. रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवप्रवर्तन केन्द्र

वर्ष 2017-18 के दौरान केंद्र ने शिक्षा में नवप्रवर्तन और शिक्षा में समस्याओं के लिए अभिनव प्रतिक्रियाएँ विषय पर अपना ध्यान केंद्रित करना जारी रखा। जारी 15 अनुसंधान परियोजनाओं का पोर्टफोलियो निम्नलिखित के इर्दगिर्द बनाया गया है : शिक्षक संचालित नवाचार और सार्वजनिक प्रणाली में व्यावसायिक विकास के लिए उनकी क्षमता; शिक्षक व्यावसायिक विकास के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग; स्कूल का माहौल; सार्वजनिक शिक्षा में विकेन्द्रीकृत शासन; और शिक्षा के अधिकार अधिनियम का कार्यान्वयन। कुछ अनुसंधान परियोजनाओं में एक मजबूत कार्य घटक है। उदाहरण के लिए, (जनवरी से मार्च 2017) स्कूल प्रशासन तथा नवप्रवर्तन पर गुजरात के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के साथ परीक्षण कार्यक्रम दूसरे दौर तक विस्तारित किया गया जो कि जुलाई 2017 में पूरा किया गया। इस दो महीने के लंबे ऑनलाइन विकास कार्यक्रम में लगभग 2000 प्रधानाचार्य शामिल थे। यह कार्यक्रम ऑनलाइन शिक्षण की केस विधि के अनुकूलन पर आधारित था और इसमें सोशल मीडिया मंच पर चर्चा भी शामिल थी। इस कार्यक्रम का मूल्यांकन किया गया है, और 2018-19 में इसे बढ़ाया जा रहा है।

वर्ष के दौरान, केंद्र के तीन सदस्य सामूहिक रूप से छह सहकर्मी-समीक्षा वाले लेख लाए और तीन सम्मेलन पत्र प्रस्तुत किए।

केंद्र ने परियोजना पाठ्यक्रमों के अलावा स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रमों में 13 पाठ्यक्रम पेश किए। इन पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक सिद्धांत, नीति विश्लेषण, शैक्षिक नवप्रवर्तन, अनुसंधान विधियाँ, और अन्य सामान्य विषयों को शामिल किया गया।

एक बदलते परिवेश में स्कूलों के लिए सामरिक नेतृत्व के 18वें संस्करण का आयोजन 2 से 7 अक्टूबर, 2017 के दौरान किया गया था। इसमें 56 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके अलावा, केंद्र सरकार के सदस्य, दिल्ली सरकार के विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए कार्यक्रमों की एक श्रृंखला भी शामिल थी।

आरजेएमसीईआई प्रबंधन में डॉक्टरेट फेलो कार्यक्रम के तहत शिक्षा में नवप्रवर्तन और प्रबंधन वर्ग भी प्रदान करता है। 2017 में तीन छात्र इस कार्यक्रम में जुड़े, जिसे छात्रों की कुल संख्या नौ तक हो गई। तीन छात्रों के पहले बैच की वर्ष 2019 में स्नातक होने की उम्मीद है।

7. जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक प्रणाली स्कूल

जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक प्रणाली स्कूल (जेएसडब्लू-एसपीपी) निर्माण में उत्कृष्टता का केंद्र है। जेएसडब्लू समूह से समर्थन के साथ हाल ही में स्थापित, यह स्कूल नीति निर्धारण और डिज़ाइन, नीति विकल्प और नीति प्रभाव के उभरते भारतीय अनुभव पर अत्याधुनिक शोध के माध्यम से सार्वजनिक नीति के ज्ञान के बारे में विशिष्ट योगदान देना चाहता है। राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए निम्न क्षेत्रों में अनुसंधान और शिक्षण कार्यक्रमों की योजना बनाई जा रही हैं: कृषि; सामाजिक नीति; अवसंरचना; शासन और विनियमन; ऊर्जा और पर्यावरण।

स्कूल में प्रारंभिक कार्य को 2016-17 के दौरान एक संचालन समिति द्वारा अंजाम दिया गया था, और पहली कार्यकारी समिति का गठन मई 2017 में किया गया था। इस स्कूल ने लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी के साथ सार्वजनिक नीति पर केस अध्ययन विकसित करने के लिए एक समझौता किया है। इसने वर्ष 2017-18 के दौरान आयोजित दो संगोष्ठियों के साथ एक तिमाही अनुसंधान संगोष्ठी श्रृंखला भी शुरू की है।

अनुशासनिक विषय-क्षेत्र

संस्थान में नौ अनुशासनिक क्षेत्र हैं व्यापार नीति, संचार, अर्थशास्त्र, वित्त एवं लेखा, मानव संसाधन प्रबंधन, सूचना प्रणाली, विपणन, संगठनात्मक व्यवहार तथा उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके। कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों की पेशकश के अलावा, पीजीपी, पीजीपी-एफएबीएम, एफपीएम, पीजीपीएक्स, ईपीजीपी, एफडीपी, सशस्त्र सेनाबल कार्यक्रम में विभिन्न अनिवार्य एवं ऐच्छिक पाठ्यक्रम भी साथ में पेश किये जाते हैं।

1. व्यापार नीति

व्यापार नीति विषय-क्षेत्र के संकाय प्रतिस्पर्धी और कॉर्पोरेट रणनीतियों, डिजाइन सोच, उद्यमशीलता, नवाचार, नेतृत्व, व्यापार के कानूनी पहलू, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रबंधन, और कार्रवाई अनुसंधान क्षेत्रों के शिक्षण और अनुसंधान में रुचि रखते हैं।

पीजीपी

पाठ्यक्रम

अनिवार्य

- व्यापार के कानूनी पहलू
- रणनीतिक प्रबंधन
- रणनीति कैपस्टोन

ऐच्छिक

- व्यापार एवं बौद्धिक संपदा
- व्यापार कराधान
- व्यापार, सरकार और कानून
- क्षमता, सामर्थ्य और कॉर्पोरेट रणनीति
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- उद्यमिता और नई उद्यम योजना
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार विवाद समाधान
- नेतृत्व दृष्टि, अर्थ, और वास्तविकता
- विविध संगठनों का प्रबंधन
- प्रौद्योगिकी और नवाचार का सामरिक प्रबंधन
- उभरते बाजारों की रणनीति
- वैश्विक संगठन संदर्भ को समझना

पीजीपी द्वितीय वर्ष के लिए नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम

- बहुराष्ट्रीय कंपनियों की रणनीतियाँ और अंतर्राष्ट्रीय विस्तार विकल्प
- रणनीतिक गठजोड़ और बौद्धिक संपत्तियों का मूल्यांकन

पीजीपी-एफएबीएम

इस विषय-क्षेत्र ने शैक्षणिक वर्ष 2017-18 में पीजीपी-एफएबीएमा के दूसरे वर्ष के लिए खाद्य और कृषि-व्यापार अंतर्राष्ट्रीय रणनीतियाँ तथा संगठन पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम पेश किया।

एफपीएम

अनिवार्य

- कार्रवाई अनुसंधान प्रणालीविज्ञान में उन्नत संगोष्ठी
- अंतर्राष्ट्रीय सामरिक प्रबंधन
- सामरिक प्रबंधन I
- सामरिक प्रबंधन II
- रणनीति और नवप्रवर्तन

ऐच्छिक

- उन्नत रणनीति और नवाचार
- कॉर्पोरेट शासन प्रणाली
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- उद्यमिता पर संगोष्ठी

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- व्यवसाय अनुकार कार्य - कैपस्टोन
- कॉर्पोरेट शासन प्रणाली
- नेतृत्व मूल्य और नैतिकता
- व्यापार के कानूनी पहलू
- विलय और अधिग्रहण
- रणनीतिक प्रबंधन

ऐच्छिक

- नई और छोटी कंपनियों का प्रबंधन
- सामरिक निष्पादन
- परिवर्तनकारी नेतृत्व और संगठनात्मक प्रभाव

एफडीपी

- उन्नत रणनीति प्रबंधन
- प्रबंधन शिक्षा में केस विधि
- नीति निर्माण और कार्यान्वयन

एएफपी

- व्यापार विवाद समाधान
- उद्यमिता
- अग्रणी व्यावसायिक सेवा कंपनियाँ
- व्यापार के कानूनी पहलू
- रणनीतिक प्रबंधन

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- अनुबंध प्रबंधन
- संगठनों में उद्यमिता पैदा करना
- रणनीति निष्पादन का अनुशासन
- विदेश में व्यवसाय करना
- पारिवारिक व्यवसाय संगठन, रणनीतियाँ, अंतरराष्ट्रीयकरण और उत्तराधिकारी
- नवप्रवर्तन, कॉर्पोरेट रणनीति और प्रतिस्पर्धात्मक प्रदर्शन
- अग्रणी व्यावसायिक सेवा कंपनियाँ
- 21 वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व
- विकास के लिए रणनीतियाँ
- अंतरराष्ट्रीय बाजारों में जीतने के लिए रणनीतियाँ
- रणनीति कार्यान्वयन
- परिवर्तनकारी नेतृत्व
- प्राधिकरण, संगठन, रणनीतियों और संबंधितता की राजनीति पर कार्य सम्मेलन
- युवा उद्यमी कार्यक्रम

अनुसंधान और प्रकाशन

सदस्यों की अनुसंधान में रुचि के विषयों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार रणनीति और प्रतिस्पर्धी रणनीतियाँ, नवाचार और उद्यमिता, बौद्धिक संपदा अधिकार, अंतर्राष्ट्रीयकरण, क्षमता विकास, और व्यापार के कानूनी पहलुओं से संबंधित मुद्दे शामिल हैं। इस विषय-क्षेत्र के संकायों के लेख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं तथा विश्व के प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में आधारपत्र प्रस्तुत किए हैं।

2. संचार

पाठ्यक्रम

पीजीपी/पीजीपी-एफ़एबीएम

अनिवार्य

- प्रबंधकीय विश्लेषण और संचार
- साक्षात्कार और प्रस्तुतियों पर कार्यशाला
- लिखित विश्लेषण और संचार

ऐच्छिक

- कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा का संचार
- टीम और नेतृत्व प्रभावशीलता के लिए संचार कौशल
- टीम और नेतृत्व प्रभावशीलता के लिए संचार कौशल (फिर से)
- मुश्किल संचार
- मुश्किल संचार (फिर से)
- अंतरसांस्कृतिक संचार क्षमता
- प्रबंधकीय संचार I
- प्रबंधकीय संचार II
- मीडिया और समाज अर्थशास्त्र, राजनीति, नैतिकता, और समूह संचार की तकनीकें
- संगठनात्मक संचार
- प्रेरक संचार
- डिजिटल युग में सामरिक संचार
- अग्रणियों के लिए सामरिक वार्ता कौशल

एफपीएम

- प्रबंधन शिक्षकों के लिए संचार (प्रथम वर्ष) नया - सत्र III
- प्रबंधन शिक्षकों के लिए संचार (द्वितीय वर्ष) पुराना - सत्र IV

पीजीपीएक्स

- प्रबंधन संचार (मूल विषय)
- प्रेरक प्रबंधक (वैकल्पिक)

ईपीजीपी

- प्रबंधकीय संचार I
- प्रबंधकीय संचार II

एफडीपी

- प्रबंधन शिक्षकों के लिए संचार

परियोजना पाठ्यक्रम

- आंतरिक शेयरधारकों के कॉर्पोरेट उत्तरदायित्व

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- लोगों को साथ लेकर : धारणा द्वारा प्रबंधन
- जीतने की कगार : अग्रणियों के लिए संचार रणनीतियाँ

3. अर्थशास्त्र

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- वृहत् अर्थशास्त्र एवं नीति
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र

ऐच्छिक

- आर्थिक विकास नीति और वृद्धि
- खाद्य गुणवत्ता का अर्थशास्त्र
- खुशी का अर्थशास्त्र
- संगठन का अर्थशास्त्र
- रणनीति का अर्थशास्त्र
- कार्य प्रणाली और अनुप्रयोग
- पाँच शताब्दियों में व्यवसाय और अर्थशास्त्र के लिए हिचहाइकर की मार्गदर्शिका
- भारतीय अर्थव्यवस्था और वर्तमान समाज
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार सिद्धांत और नीति
- अंतरराष्ट्रीय वित्त के मुद्दे
- विकासशील देशों में श्रम बाजार
- भारत का वृहत् अर्थशास्त्र एक अनुप्रयुक्त परिप्रेक्ष्य
- प्रबंधकीय अर्थमिति
- बड़े बदलाव
- मौद्रिक सिद्धांत और नीति
- वैश्विक संगठनात्मक संदर्भ की समझ व्यवसाय नीति विषय-क्षेत्र के साथ संयुक्त पाठ्यक्रम
- विश्व अर्थव्यवस्था : व्यवसाय, सरकार और नीति

एफपीएम

अनिवार्य

- उन्नत सूक्ष्म अर्थशास्त्र
- अर्थमिति
- सूक्ष्म आर्थिक विश्लेषण

ऐच्छिक

- उन्नत डेटा विश्लेषण
- उन्नत वृहत् अर्थशास्त्र
- आर्थिक विकास और वृद्धि (व्यवसाय नीति विषय-क्षेत्र के साथ संयुक्त पाठ्यक्रम)
- सार्वजनिक वित्त सार्वजनिक प्रणाली समूह विषय-क्षेत्र के साथ संयुक्त पाठ्यक्रम
- टाइम्स श्रृंखला विश्लेषण एक पाठ्यक्रम
- अर्थमिति व्यापार इतिहास
- उन्नत वृहत् अर्थशास्त्र में विषय स्पष्टता और नेटवर्क
- सूक्ष्म आर्थिक विश्लेषण
- उन्नत सूक्ष्म अर्थशास्त्र
- रणनीति का अर्थशास्त्र

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- कंपनियाँ और बाजार
- मुक्त अर्थव्यवस्था वृहत् अर्थशास्त्र

ऐच्छिक

- अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र और राजनीतिक माहौल
- वर्तमान समय में भारतीय अर्थव्यवस्था का वृहत् अर्थव्यवस्था निष्पादन

एफडीपी

- अर्थशास्त्र मॉड्यूल

4. वित्त और लेखा

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- कॉर्पोरेट वित्त
- लागत प्रबंधन एवं नियंत्रण प्रणालियाँ
- वित्तीय बाज़ार
- वित्तीय रिपोर्टिंग एवं विश्लेषण

ऐच्छिक

- वैकल्पिक निवेश और बचाव निधि
- संपत्ति समर्थित सुरक्षा
- व्यावहारिक वित्त

- बिटकॉइन और ब्लॉकचेन
- वित्तीय मॉडलिंग
- वित्तीय विवरण विश्लेषण
- कंपनियों का वित्तपोषण
- नियत आय प्रतिभूति-दरें
- धोखाधड़ी जोखिम आकलन और सुशासन तंत्र
- वायदा, विकल्प व जोखिम प्रबंधन
- अंतर्राष्ट्रीय वित्त में समस्याएं
- वित्तीय संस्थानों का प्रबंधन
- विलय, अधिग्रहण, एवं कॉर्पोरेट पुनर्गठन
- सूक्ष्मवित्त प्रबंधन
- आधुनिक निवेश एवं पोर्टफोलियो प्रबंधन
- स्थांतरित मूल्य निर्धारण के सिद्धांत
- मात्रात्मक और एल्गोरिदमिक व्यापार *
- वित्त में प्रसंभाव्य कलन
- बैंकिंग का सामरिक परिदृश्य
- संरचित उत्पाद
- व्यापार रणनीतियाँ
- कंपनियों का मूल्यांकन

*अकादमिक वर्ष में नए ऐच्छिक शुरू किये गए

एफपीएम

- परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण (मुख्य)
- उभरते बाजारों में कॉर्पोरेट वित्तपोषण
- व्युत्पन्न मूल्य निर्धारण (ऐच्छिक)
- अनुभवजन्य परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण (मुख्य)
- लेखा परीक्षा और कॉर्पोरेट प्रशासन में अनुभवजन्य अनुसंधान (मुख्य)
- गणितीय वित्त (ऐच्छिक)
- अनुभवजन्य लेखा अनुसंधान में संगोष्ठी पाठ्यक्रम (मुख्य/ऐच्छिक)
- कॉर्पोरेट वित्त में संगोष्ठी पाठ्यक्रम (मुख्य)
- व्यवहार वित्त में संगोष्ठी (वैकल्पिक)

पीजीपीएक्स

- कॉर्पोरेट वित्त (अनिवार्य)
- वित्त कार्यप्रणाली का प्रभावी प्रबंधन (वैकल्पिक)
- वित्तीय बाजार (अनिवार्य)
- वित्तीय रिपोर्टिंग और विश्लेषण (अनिवार्य)
- वित्तीय विवरण विश्लेषण (वैकल्पिक)
- संगठनात्मक कार्यनिष्पादन के लिए प्रबंधन नियंत्रण और मैट्रिक्स (अनिवार्य)
- निजी इक्विटी वित्त (वैकल्पिक)
- सामरिक लागत प्रबंधन (अनिवार्य)
- सामरिक जोखिम प्रबंधन (वैकल्पिक)

ईपीजीपी

- कॉर्पोरेट वित्त
- लागत एवं नियंत्रण प्रणालियाँ
- वित्तीय बाजार
- वित्तीय रिपोर्टिंग एवं विश्लेषण

एफडीपी

- अनिवार्य वित्त पाठ्यक्रम
- अनिवार्य लेखाकरण पाठ्यक्रम
- वित्तीय लेखाकरण के मूल सिद्धांत, लागत लेखाकरण के मूल सिद्धांत, कॉरपोरेट वित्त के मूल सिद्धांत

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- उन्नत कॉर्पोरेट वित्त
- कॉर्पोरेट हेजिंग और डेरिवेटिव्स
- रणनीतिक व्यापार निर्णय के लिए वाणिज्यिक और वित्तीय कौशल का विकास
- व्यापार वित्त में कार्यकारी कार्यक्रम
- व्यापार का वित्तीय विश्लेषण
- निवेश निर्णय और व्यवहार वित्त
- विलय, अधिग्रहण और पुनर्गठन
- सामरिक लागत प्रबंधन

अन्य विषय-क्षेत्रों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में इस विषय-क्षेत्र के संकायों द्वारा पढाया गया और विभिन्न संस्थानों में परामर्श सेवाएँ प्रदान की गई।

अनुसंधान

वर्ष के दौरान इस विषय-क्षेत्र के संकाय सदस्यों द्वारा कई अनुसंधान परियोजनाएँ शुरू की गई।

सम्मेलन

- इस विषय-क्षेत्र ने जनवरी 2017 के दौरान संस्थान में जर्नल ऑफ़ अकाउंटिंग, ऑडिटिंग, एंड फाइनेंस (जेएएएफ) और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी) के सहयोग से एक लेखा संगोष्ठी का आयोजित किया, जिसका शीर्षक 'जेएएएफ संगोष्ठी' था।

5. मानव संसाधन प्रबंधन

क्षेत्र के संकाय सदस्यों ने संस्थान के सभी कार्यक्रमों (मुख्य, नम्य-मुख्य और वैकल्पिक पाठ्यक्रम) में शिक्षा दी। मानव संसाधन प्रबंधन से जुड़ी गतिविधियों के अलावा, क्षेत्रीय सदस्य एफ़पीएम/पीजीपीएक्स आयोजित पाठ्यक्रमों, व्यवसाय नीति तथा विपणन विषय-क्षेत्रों और सार्वजनिक प्रणाली समूह दवारा प्रस्तुत वैकल्पिक विषय-क्षेत्रों में भी पढ़ाने में संलग्न रहे। ये सदस्य विविध केंद्रों की अकादमिक तथा प्रशासनिक भूमिकाओं वाली दोनों प्रकार की गतिविधियों में भी शामिल रहे।

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- मानव संसाधन प्रबंधन 1
- मानव संसाधन प्रबंधन 2
- कार्यस्थल गतिशीलता और कर्मचारी सामूहिक प्रबंधन (फ्लेक्सी कोर)
- प्रतिभा और योग्यता प्रबंधन (फ्लेक्सी कोर)

ऐच्छिक

- व्यापार कायापलट और संगठनात्मक परिवर्तन
- व्यापार और समाज
- लोग खेल खेलते हैं मानव संसाधन प्रबंधन का मनोविज्ञान
- सेवा क्षेत्र में मानव संसाधन प्रबंधन
- कार्यस्थल गतिशीलता और कर्मचारी सामूहिक प्रबंधन (फ्लेक्सी कोर)
- सेवा क्षेत्र में कंपनियों का प्रबंधन
- ंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबंधन के लिए व्यक्तिगत योग्यताएँ
- सामरिक विकल्प, आचरण और नैतिकता भगवत गीता से सबक
- प्रतिभा और योग्यता प्रबंधन (फ्लेक्सी कोर)

एफ़एबीएम

- विश्लेषण एवं क्षमता निर्णाण

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन
- आंतरिक प्रतिभा और नेतृत्व का विकास
- मानव संसाधन लेखा परीक्षा-सामरिक मा.सं.प्रबंधन के लिए आधार तैयार करना
- प्रबंधकीय प्रभावशीलता
- प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के लिए कार्यनिष्पादन प्रबंधन
- सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन
- 21 वीं सदी में प्रतिभा प्रबंधन

एफपीएम

अनिवार्य

- मानव संसाधन प्रबंधन में मूल पाठ्यक्रम
- रोजगार संबंध प्रबंधन में अनुसंधान की नींव I
- मानव संसाधन प्रबंधन में अनुसंधान की नींव I

ऐच्छिक

- रोजगार संबंध प्रबंधन में अनुसंधान की नींव II
- मानव संसाधन प्रबंधन में अनुसंधान की नींव II
- अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबंधन
- मानव संसाधन प्रबंधन में गुणात्मक तरीके
- मानव संसाधन प्रबंधन में मात्रात्मक तकनीकें

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन

ऐच्छिक

- व्यापार कायापलट और संगठनात्मक परिवर्तन
- भारत में मानव संसाधन के तरीके : एक व्यवसायी का परिप्रेक्ष्य
- सेवा क्षेत्र में कंपनियों का प्रबंधन
- मोल भाव प्रयोगशाला
- भगवत गीता से सबक : प्रबंधकों की समस्याएँ (नया)

ईपीजीपी

- मानव संसाधन प्रबंधन 1
- मानव संसाधन प्रबंधन 2

एफडीपी

- मानव संसाधन प्रबंधन (मुख्य)
- समकालीन मानव संसाधन प्रबंध अनुसंधान पर परिप्रेक्ष्य (वैकल्पिक)

एएफपी

- स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन
- मानव संसाधन प्रबंधन

अनुसंधान

इस विषय-क्षेत्र के संकायों सदस्यों ने अपनी रुचि के क्षेत्रों में केस लेखन, शिक्षण सामग्री विकास और अनुसंधान में योगदान दिया। ये

सदस्य संस्थान में और संस्थान के बाहर भी शोधकर्ताओं के साथ अंतर अनुशासनात्मक अनुसंधान के लिए सहयोग में शामिल हैं।

इस विषय-क्षेत्र ने संस्थागत सहयोग के लिए भी एनटीपीसी स्कूल ऑफ बिजनेस (एनएसबी) को संरक्षण देने की एक प्रक्रिया शुरू की है। यह वैश्विक ऊर्जा क्षेत्र में अनुसंधान, नीति तैयार करने और शिक्षण की दिशा में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में एनएसबी बनाने के लिए एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है।

6. सूचना प्रणालियाँ

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- इंटरनेट - सक्षम व्यवसाय
- प्रबंधकीय कंप्यूटिंग
- सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से व्यापार को बदलना

ऐच्छिक

- विशाल डेटा विश्लेषिकी
- ई-गवर्नेंस में परामर्शन दृष्टि से कार्यान्वयन तक
- डाटा माइनिंग एवं व्यापार ज्ञान
- निर्णय निर्धारण के लिए डेटा दृश्यावलोकन
- विकास के लिए डिजिटल समावेशन
- इंटरनेट अर्थव्यवस्था के लिए रणनीतियाँ

एफपीएम

- काल्पनिक ज्ञान
- डाटा खनन एल्गोरिदम एवं अनुप्रयोग
- डाटा संरचनाएं और प्रोग्रामिंग
- डाटाबेस प्रबंधन प्रणालियाँ
- इंटरनेट और दूरसंचार नीति तथा विनियमन के लिए उभरती रूपरेखाएँ
- एफपीएम प्रेरण अवधि के दौरान एक्सेल कार्यशाला
- सूचना प्रणाली के लिए रूपरेखा
- नेटवर्क और वितरण सिस्टम
- प्रणाली विश्लेषण और डिजाइन

पीजीपीएक्स

- ई-गवर्नेंस में परामर्श
- निर्णय लेने के लिए डेटा विजुअलाइजेशन
- इंटरनेट अर्थव्यवस्था के लिए रणनीतियाँ

ईपीजीपी

- प्रबंधकीय कंप्यूटिंग
- सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से व्यवसायों को बदलना

एफडीपी

- प्रबंधन के लिए आईटी

सशस्त्र सेनाबल कार्यक्रम

- एमआईएस और प्रबंधकीय कंप्यूटिंग

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- विशाल डेटा विश्लेषिकी
- आईटी परियोजनाओं का प्रबंधन
- सीआईओ (मुख्य सूचना अधिकारियों) के लिए सामरिक आईटी प्रबंधन
- दृश्य व्यापार ज्ञान

7. विपणन

वर्ष 2017-18 में विपणन क्षेत्र ने संस्थान में शिक्षण, अनुसंधान, परामर्श गतिविधियों और शैक्षिक प्रशासन के प्रति महत्वपूर्ण योगदान दिया। अग्रणी व्यावसायियों प्रशिक्षुओं द्वारा अनुभवों को बाँटने के माध्यम से क्षेत्र के पाठ्यक्रम और कार्यक्रमों को बढ़ाया गया। उद्योग जगत के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने इस विषय-क्षेत्र के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अपने अनुभव साझा किए।

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- व्यापार अनुसंधान के तरीके
- विपणन-1
- विपणन-2
- विपणन-3

वैकल्पिक

- विज्ञापन और बिक्री संवर्धन प्रबंधन
- व्यवसाय से व्यवसाय तक विपणन
- उपभोक्ता व्यवहार
- ग्राहक आधारित व्यापार रणनीतियाँ
- नवप्रवर्तन, जीवंत
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश (संयुक्त रूप से अर्थशास्त्र क्षेत्र के साथ प्रस्तुत)
- उपभोक्ता मूल्य वितरण प्रबंधन
- डिजिटल व्यवसाय प्रबंधन

- लक्जरी व्यवसाय प्रबंधन
- ओमनी रिटेल का प्रबंधन
- बाजार अनुसंधान और सूचना प्रणालियाँ
- उच्च प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन की दुनिया में विपणन प्रबंधन
- स्वास्थ्य सेवा उत्पादों और सेवाओं का विपणन
- मोबाइल विपणन अनिवार्यताएँ
- तंत्रिका विज्ञान और उपभोक्ता व्यवहार
- नए उत्पादों का निर्माण और विकास
- मूल्य निर्धारण
- सांकेतिकता मीडिया और ब्रांड संचार के लिए रणनीतियाँ
- रणनीतिक विपणन
- विपणन में रणनीतिक मॉडल

एफपीएम

- विपणन में व्यवहारिक विज्ञान के अनुप्रयोग
- ओमनी रिटेल का प्रबंधन
- विपणन रणनीति
- विपणन सिद्धांत और समकालीन मुद्दे
- तंत्रिका विज्ञान, व्यवहार सिद्धांत और विपणन अनुप्रयोग
- गुणात्मक विधियाँ
- विपणन प्रबंधन में व्याख्या संगोष्ठी
- विपणन में प्रायोगिक तरीकों पर संगोष्ठी
- विपणन में मात्रात्मक मॉडलों पर संगोष्ठी
- संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग
- ब्रांड और ब्रांडिंग के सिद्धांत

पीजीपीएक्स

- उपोभोक्ता मूल्य आकलन और सृजन
- उपभोक्ता मूल्य वितरण और प्रबंधन
- ओमनी रिटेल का प्रबंधन
- उच्च प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन की दुनिया में विपणन प्रबंधन
- स्वास्थ्य सेवा उत्पादों और सेवाओं का विपणन
- मूल्य निर्धारण
- विपणन डेटा विश्लेषिकी के तरीकों पर संगोष्ठी

एफडीपी

- निम्न स्तर तक के लिए व्यवसाय रणनीतियाँ
- उपभोक्ता व्यवहार अनुसंधान के तरीके
- विपणन का मुख्य पाठ्यक्रम
- विपणन मॉडल
- तंत्रिका विज्ञान और उपभोक्ता व्यवहार

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- विपणन निर्णयों के लिए उन्नत डेटा विश्लेषण
- व्यवसाय से व्यवसाय तक विपणन
- ग्राहक आधारित व्यापार रणनीतियाँ
- ग्राहक संबंध प्रबंधन
- ब्रांडों का विकास और प्रबंधन
- बिक्री बल प्रदर्शन सुधार
- लाभ के लिए मूल्य निर्धारण

विषय-क्षेत्रीय संकाय अन्य क्षेत्रों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल रहे और विभिन्न संस्थानों को परामर्श सेवाएँ प्रदान की।

अनुसंधान और संगोष्ठियाँ

इस विषय-क्षेत्र के सदस्यों ने विभिन्न विषयों पर अनुसंधान किए। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं / पुस्तकों और कई प्रकाशित पत्रों में प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने निष्कर्षों को साझा किया तथा सम्मेलनों और कार्यशालाओं में प्रस्तुतियाँ दी। अनुसंधान का ध्यान उपभोक्ता व्यवहार, ब्रांडिंग, विज्ञापन, बिक्री संवर्धन, खुदरा बिक्री, सूचना उत्पादों और सेवाओं, पिरामिड तल, और सेवा केंद्रित रणनीति जैसे विषयों पर केंद्रित था। इन पद्धतिशास्त्रों में दोनों - गुणात्मक और उन्नत मात्रात्मक तकनीकें शामिल थीं।

केस विधि और केस अनुसंधान

केस विधि विपणन में एक महत्वपूर्ण शिक्षण पद्धति रही है। इस विषय-क्षेत्र ने वर्ष के दौरान,7 केस, 8 शिक्षण नोट्स और 1 तकनीकी नोट प्रकाशित किया।

अनुसंधान परियोजनाएँ

- पैकेज आकारों के लिए बीओपी ग्राहकों की प्राथमिकता को समझना (प्रोफेसर आनंद कुमार जायसवाल द्वारा अनुसंधान परियोजना)
- उपभोक्ता खोज, खपत और उत्पाद की ऑनलाइन समीक्षा (प्रोफेसर अरुणा दिव्या टी. द्वारा मूलधन परियोजना)
- मूल्य निर्धारण सदस्यता आधारित उत्पाद और सेवाएं वित्तीय सहायता के लिए प्रस्तुत (प्रोफेसर अरुणा दिव्या टी. द्वारा मूलधन परियोजना)
- हिंसक-विनोदी विज्ञापन हिंसा संतुलन की एक समारोह के रूप में अपील (प्रोफेसर अक्षया विजयलक्ष्मी द्वारा मूलधन परियोजना)

- स्टोर के अंदर जुड़ाव और अंतिम खरीद की मंशा पर सह-दुकानदार के प्रभाव को समझना (प्रोफेसर अक्षय विजयलक्ष्मी द्वारा मूलधन परियोजना)

परामर्शन और स्वनिर्धारित कार्यक्रम

विषय-क्षेत्र के सदस्यों ने कई संगठनों को परामर्श सेवाएँ प्रदान की और कई संगठनों के अधिकारियों के लिए अनुकूलित कार्यक्रमों की पेशकश की। परामर्श कार्यों में ग्राहक मूल्य की समझ और स्थापन, व्यवसाय विकास, नेतृत्व कौशल, ब्रांड प्रबंधन, रणनीतिक योजनाओं का निर्माण, सामरिक कार्यान्वयन योजना विकसित करने और खुदरा बिक्री रणनीति के लिए कार्यान्वयन योजना जैसे विषय शामिल थे। संगठनों के मध्य और वरिष्ठ स्तर के प्रबंधकों के लिए सात अनुकूलित कार्यक्रम पेश किए गए।

प्रयासों से लाभान्वित उद्योगों में दूरसंचार, फार्मास्यूटिकल, लॉजिस्टिक, एफएमसीजी इंफ्रास्ट्रक्चर, शामिल हैं।

8. संगठनात्मक व्यवहार

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- व्यक्तिगत गतिशीलता
- प्रेरण 1
- पारस्परिक और समूह प्रक्रियाएँ
- संगठनात्मक गतिशीलता

ऐच्छिक

- संगठनात्मक परिवर्तन सह-निर्माण
- समकालीन भारतीय कार्यस्थलों
- उत्तम काम और विविधता
- भूमिकाओं और पहचान में अन्वेषण (ए)
- भूमिकाओं और पहचान में अन्वेषण (बी)
- कॉर्पोरेट नीतियों पर लैंगिक नजर
- उच्च प्रदर्शक टीमें एक यात्रा
- कॉर्पोरेट सामाजिक गैर-जिम्मेदारियों की जाँच
- संगठनों में जटिल गतिशीलता का प्रबंधन
- संगठन में सत्त और राजनीति
- कार्यस्थल पर सृजनात्मक स्व-पहचान

एफपीएम

- उन्नत सूक्ष्म संगठनात्मक व्यवहार
- मात्रात्मक सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में उन्नत तकनीकें
- सूक्ष्म संगठनात्मक व्यवहार की मूल बातें
- संगठनात्मक व्यवहार में आदर्श और परिप्रेक्ष्य
- अनुसंधान का क्राफ्टिंग और प्रकाशन
- गुणात्मक अनुसंधान के तरीके डाटा इकट्ठा करना और विश्लेषण करना
- संगठनात्मक संरचना और प्रक्रियाएँ
- संगठनात्मक सिद्धांत और इसके सामाजिक संदर्भ
- साइकोमेट्रिक्स और आकलन के सिद्धांत
- मनोविज्ञान 1
- मनोविज्ञान 2
- संरचनात्मक समीकरण मॉडलिंग

पीजीपीएक्स

- नेतृत्व कौशल
- संगठनात्मक व्यवहार 1 : मॉड्यूल 1
- संगठनात्मक व्यवहार 2 : मॉड्यूल 2
- अभिविन्यास

ईपीजीपी

- कैंपस मॉड्यूल
- संगठनात्मक व्यवहार 1 सूक्ष्म (अनिवार्य)
- संगठनात्मक व्यवहार 2 वृहद (अनिवार्य)

एफडीपी

- उन्नत बहुविकल्पीय विश्लेषण
- गुणात्मक अनुसंधान के तरीके
- संगठनात्मक व्यवहार के लिए विशेष मॉड्यूल
- संगठनात्मक व्यवहार को समझना

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- कॉरपोरेट थिएटर : स्टोरीटेलिंग और फिल्म निर्माण के माध्यम से रचनात्मक क्षमता का विकास
- पेशेवर महिलाओं के बीच नेतृत्व क्षमताओं और संभावनाओं का विकास
- पारस्परिक प्रभावशीलता और टीम निर्माण
- नेतृत्व और परिवर्तन प्रबंधन

कई क्षेत्रीय संकाय सदस्यों ने इस अवधि के दौरान विभिन्न संगठनों में कई कंपनी के अनुकूलित कार्यक्रमों और अन्य व्यावसायिक परामर्श सेवाएँ भी पेश की।

9. उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- नम्य-मूल - विनिर्माण संचालन प्रबंधन
- नम्य-मूल - सेवा संचालन प्रबंधन
- संचालन प्रबंधन 1 एवं 2
- मात्रात्मक तरीके 1 ए
- मात्रात्मक तरीके 1 बी
- मात्रात्मक तरीके 2

ऐच्छिक

- डेटा विश्लेषण के उन्नत तरीके
- डेटा विश्लेषण की बेयसियन पद्धति
- व्यापार विश्लेषिकी
- भीड़ समन्वय
- धीमी और तीव्र प्रणालियाँ, रणनीति, तथा बाधाएँ
- व्यवसायकर्मी के लिए पूर्वानुमान तकनीक
- संगठनात्मक व्यवहार के प्रबंधकीय अनुप्रयोग
- संचालन रणनीति
- राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण
- डेटा विश्लेषण में सांख्यिकीय तरीके
- आपूर्ति श्रृंखला सोच मूल्य निर्माण और अनुकूलन
- निर्णय लेने की कला और शिल्प
- परियोजनाएँ क्यों असफल होती हैं? अनिश्चितता, जटिलता और परियोजनाओं में जोखिम

पीजीपी-एफ़एबीएम

- खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन

एफपीएम

अनिवार्य

- प्रबंधन में उन्नत संभावना
- रेखीय बीजगणित
- संचालन प्रबंधन
- संचालन अनुसंधान

ऐच्छिक

- उन्नत अनुकूलन तकनीकें
- ग्राफ और नेटवर्क पर एल्गोरिदम
- व्यावहारिक बहुभिन्नरूपी विश्लेषण
- व्यावहारिक प्रतिगमन विश्लेषण
- व्यावहारिक सांख्यिकीय अनुमान
- संचालन प्रबंधन के लिए खेल सिद्धांत
- बड़े पैमाने पर अनुकूलन
- हेरिस्टिक्स के साथ समस्या का हल
- क्यूइंग मॉडल
- सांख्यिकी 2
- स्टोकास्टिक प्रक्रियाएँ
- प्रणाली विश्लेषण और अनुकरण
- समय श्रृंखला विश्लेषण

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- डेटा का विश्लेषण
- माँग को पूरा करने के लिए संचालन डिजाइनिंग
- निर्णयों के लिए मॉडलिंग
- सेवा स्तरों को स्थापित करना और वितरित करना

ऐच्छिक

- व्यापार विश्लेषिकी
- धीमी और तीव्र प्रणालियाँ, रणनीति, तथा बाधाएँ
- रसद प्रबंधन
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- जोखिम को समझना और आकलन करना

ईपीजीपी

- संचालन प्रबंधन 1
- संभाव्यता सांख्यिकी 1

एफडीपी

- संचालन प्रबंधन
- सांख्यिकी विश्लेषण

सशस्त्र सेनाबल कार्यक्रम

- व्यापार सांख्यिकी और अनुसंधान के तरीके
- निर्णय मॉडलिंग
- रसद और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- संचालन प्रबंधन
- परियोजना प्रबंधन

अनुसंधान

रसद एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, बंदरगाह संचालन, गोदाम डिजाइन, सेवा प्रणाली डिजाइन, सुविधा स्थान, राजस्व प्रबंधन, स्टोकास्टिक अनुकूलन, बड़े पैमाने पर अनुकूलन, अपघटन तकनीक, नेटवर्क अनुकूलन और मेटा-हेरिस्टिक्स, नेटवर्क विश्वसनीयता, द्विस्तरीय अनुकूलन, संचालन-विपणन मिलन बिंदु पर खेल सैद्धांतिक मॉडल, वित्त में सांख्यिकीय मॉडलिंग, विरल आंकड़ों के विश्लेषण, सर्वेक्षण पद्धति और सांख्यिकीय अनुमान ऐसे विषय-क्षेत्र हैं जहाँ क्षेत्रीय संकायों ने प्रकाशनों के माध्यम से योगदान दिया है।

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- प्रबंधन में उन्नत विश्लेषिकी
- निर्णय निर्धारण में कला और शिल्प
- संचालन प्रबंधन के डिजाइन की बुनियादी बातों
- रसद प्रबंधन
- विनिर्माण रणनीति
- परियोजना प्रबंधन
- रेस्तरां प्रबंधन
- राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण
- जोखिम मॉडलिंग और प्रबंधन
- सामरिक विश्लेषिकी मात्रात्मक डेटा विश्लेषिकी और व्यवसाय तथा विपणन में उसके अनुप्रयोगों पर कार्यक्रम
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- विनिर्माण पर शीर्ष प्रबंधन कार्यशाला
- परियोजनाओं में अनिश्चितता, जटिलता और जोखिम
- गोदाम डिजाइन और प्रबंधन

मान्यता और रैंकिंग

रैंकिंग और सर्वेक्षण

संस्थान ने वर्ष के दौरान रैंकिंग के लिए 15 राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय बी-स्कूल सर्वेक्षणों में भाग लिया। संस्थान ने सभी प्रमुख और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में शीर्ष स्थान बनाए रखना जारी रखा। हालिया अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में आईआईएमए का स्थान यह दर्शाता है कि संस्थान के कार्यक्रम और छात्र उच्च गुणवत्ता वाले हैं और वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ हैं।

एफ़.टी. कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2017 (अनुकूलित एवं मुक्त कार्यक्रम)

संस्थान को फाइनेंशियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2017 (अनुकूलित कार्यक्रम) 63वें स्थान पर रखा गया था। पिछले साल की रैंकिंग की तुलना में संस्थान 11 स्थान आगे बढ़ा है। आईआईएमए को फाइनेंशियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2017 (मुक्त कार्यक्रम) में एक स्थान आगे बढ़ते हुए 66वाँ रैंक मिला है।

प्रबंध में एफ़टी मास्टर्स रैंकिंग 2017

संस्थान को प्रबंधन में एफ. टी. (फाइनेंशियल टाइम्स) मास्टर्स रैंकिंग 2017 में वैश्विक रूप से 95 पूर्वानुभव एमबीए स्तर के कार्यक्रमों में इक्कीसवें स्थान पर रखा गया था। आईआईएमए के स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रम (पीजीपी) को पाँच मानदंडों वर्तमान वेतन (यूएस डॉलर), भारित वेतन (यूएस डॉलर), तीन महीने में रोजगार प्राप्त और डॉक्टरेट संकाय और कंपनी इंटर्नशिप रैंक पर पहला स्थान मिला जबकि इसे करियर सेवा रैंक में तीसरा स्थान मिला।

एफ़.टी. वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2018

आईआईएमए के पीजीपीएक्स को फाइनेंशियल टाइम्स (एफ़टी) वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2018 में शीर्ष 100 बी-स्कूलों में इकत्तीसवाँ स्थान मिला। संस्थान डॉक्टरेट संकायों के मानदंडों में प्रथम स्थान पर रहा, और पीजीपीएक्स कार्यक्रम कैरियर प्रगति रैंक में दूसरे स्थान पर रहा और वर्तमान वेतन (यूएस डॉलर) और भारित वेतन (यूएस डॉलर) में सातवें स्थान पर रहा।

क्यूएस वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2018

आईआईएमए के पीजीपीएक्स कार्यक्रम को 232 स्कूलों में से क्यूएस (क्वेक्वारेल्ली साइमंड्स) वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2018 में 49वाँ स्थान मिला, इसका पहला संस्करण माना गया है।

आईआईएमए एशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड क्षेत्रीय रैंकिंग में 7वें स्थान पर रहा। आईआईएमए ने दूसरे क्रम के क्षेत्रीय रैंक के साथ वैचारिक नेतृत्व में मजबूत प्रदर्शन दिखाया।

प्रोफ़ेसर शैलेष गाँधी, डीन (कार्यक्रम) 5 अप्रैल, 2017 को माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी के हाथों अवॉर्ड स्वीकार करते हुए

प्रबंधन में क्यूएस मास्टर्स रैंकिंग 2018

आईआईएमए का पीजीपी कार्यक्रम प्रबंधन रैंकिंग में क्यूएस मास्टर्स 2018 के अपने पहले संस्करण में 121 स्कूलों के बीच 23वें स्थान पर रहा। इसने प्रबंधन के लिए पूर्वछात्रों के परिणाम सूचक में 100 में से 91.5 स्कोर के साथ अच्छा प्रदर्शन किया है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय का राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ़)

आईआईएमए प्रबंधन (अनुसंधान और शिक्षण संस्थानों) श्रेणी में प्रथम स्थान पर और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ़) के दूसरे संस्करण की समग्र श्रेणी में 17वें स्थान पर था।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय सर्वेक्षण

संस्थान ने शिक्षा क्षेत्र के विकास के लिए सूचित नीतिगत निर्णय निर्धारण और शोध बढ़ाने के लिए मंत्रालय के प्रयासों का समर्थन करने हेतु मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार द्वारा उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण के 8वें संस्करण में भाग लिया।

इसके विवरण **परिशिष्ट ठ** में दिए गए हैं ।

अंतर्राष्ट्रीय मान्यता

आईआईएमए की अंतरराष्ट्रीय रणनीति के हिस्से के रूप में और वैश्विक स्तर पर अपने ब्रांड और दृश्यता को मजबूत करने के दृष्टिकोण के रूप में अंतरराष्ट्रीय मान्यता का लक्ष्य रखा जाता है। मान्यता एक विस्तृत और गहन प्रक्रिया है जो **आईआईएमए द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए अपनाई जाती है कि यह उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करने में अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करता है।**

इक्विस पुनः मान्यता

आईआईएमए को यूरोपीय प्रबंधन विकास फाउंडेशन (ईएफ़एमडी) द्वारा वर्ष 2015 में अगले पाँच वर्षो के लिए पुनः मान्यता दी गई थी। आईआईएमए भारत में पहला ऐसा प्रबंधन स्कूल था, जिसे पाँच साल के लिए मान्यता प्राप्त करने के लिए, अधिकतम विस्तार मिला है जिसके लिए इक्विस किसी संस्थान को मान्यता देता है। **इससे पहले 2008 में, आईआईएमए इक्विस मान्यता प्राप्त करने वाला भारत का पहला बिजनेस स्कूल था।**

बाहरी और सार्वजनिक जुड़ाव

आईआईएमए ने इस वर्ष के दौरान विदेशी संस्थानों / अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के कई उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के साथ उच्च शिक्षा में पहलों का समर्थन करने के लिए द्विपक्षीय वार्ताओं की मेजबानी की और संबंध बनाए। कुछ महत्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडलों में शामिल हैं:

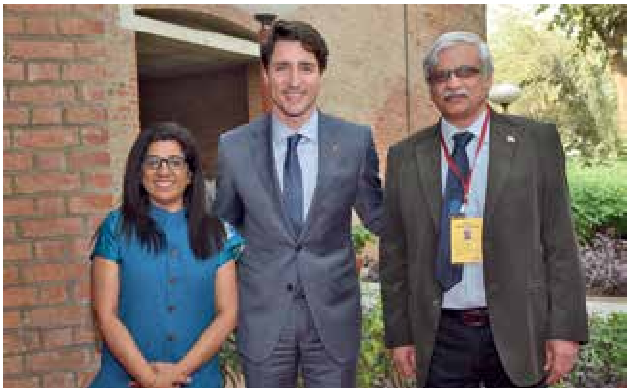

19 फरवरी, 2018 को द राइट ओनरेबल जस्टीन ट्रूडो, प्रधान मंत्री, कनाडा का दौरा

प्रोटोकॉल दौरे

- 19 फरवरी, 2018 को कनाडा के माननीय प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो।
- 1 अक्टूबर, 2017 को सुश्री पूनम महाजन, संसद सदस्य, नई दिल्ली।

उच्च आयोग / वाणिज्य दूतावास / राजदूत

- श्री मार्टेन स्त्रुईजवेनबर्ग, रॉटरडैम के वाइस मेयर, साथ में अर्नोउड मोलेनार, मुख्य समुत्थानशक्ति अधिकारी, कॉर्जन गेब्राड, मुख्य रेज़िलियेन्स अधिकारी, रोएन हान्सेन्स, रॉटरडैम पार्टनर्स, रोलेंट सित्वस्त, अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार, जेमीन्ते रॉटरडैम, मिशीएल बियरकेन्स, आर्थिक मामलों के प्रमुख, भारत में न्यूज़ीलैंड दूतावास, नई दिल्ली, और श्री अमलान बोरा, व्यापार एवं निवेश आयुक्त, नीदरलैंड व्यापार सहायता कार्यालय (एनबीएसओ) अहमदाबाद में 23 नवंबर, 2017 को।
- 12 जनवरी, 2018 को महामहिम श्री नादीर पटेल, भारत में कनाडा के उच्चायुक्त, साथ में श्री जॉर्डन रीव्स - कनाडा के महावाणिज्यदूत ।

1 अक्टूबर, 2017 को पूनम महाजन, सांसद, नई दिल्ली का दौरा

श्री अजित सिंह, कोंसुल जनरल प्रोफ़ेसर एर्रोल डिसूज़ा, निदेशक आईआईएमए के साथ संवाद करते हुए

- 22 फरवरी, 2018 को सिंगापुर के महावाणिज्यदूत श्री अजीत सिंह।

सम्मानित आगंतुक

संस्थान ने इस वर्ष के दौरान निम्नलिखित सम्मानित आगंतुकों और विदेशी संस्थानों के प्रतिनिधियों का स्वागत किया :

- 19 अप्रैल, 2017 को कॉंग्रेशनल अनुसंधान सेवा, संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रतिनिधिमंडल (अवर सचिव, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली)
- 15 जून, 2017 को आपदा प्रबंधन के वरिष्ठ अधिकारी जम्मू-कश्मीर
- 17 जुलाई, 2017 को श्री सलील शेट्टी, महासचिव, एमनेस्टी इंटरनेशनल
- 25 जुलाई, 2017 को डॉ. मीरान सी बोरवनकर, महानिदेशक, पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो, नई दिल्ली।
- 19 सितंबर, 2017 को डॉ. अमिताभ डे, निदेशक, राजीव गाँधी भारतीय प्रबंध संस्थान, शिलांग
- 30-31 अक्टूबर, 2017 को डॉ. मार्कस ब्रेम प्रौद्योगिकी म्यूनिख विश्वविद्यालय के कृषि अर्थशास्त्र विभाग के पूर्वछात्रों के साथ, जर्मनी के कैंपस फ्रीइजिंग-वेइन्स्टेनहान, जर्मनी
- 3 नवंबर, 2017 को फ्रेंच मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के एक समूह के साथ सीएनआरएस (सेंटर नेशनल डे ला रिकेर्चे वैज्ञानिक) में किंग्स इंडिया इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च डायरेक्टर में प्रोफेसर क्रिस्टोफ़ जैफ्रेलॉट सीनियर रिसर्च फेलो सीईआरआई-साइंसेज, पेरिस और भारतीय राजनीति और समाजशास्त्र के प्रोफेसर
- 19 जनवरी, 2018 को श्री सौरभ कुमार राय, आईआरएस, संयुक्त आयकर आयुक्त

विदेशी संस्थानों के प्रतिनिधि

- 27 अप्रैल, 2017 को प्रोफ़ेसर मिचिको मिउरा मत्तौश, प्रोफ़ेसर, सम्मानित प्रोफ़ेसर और जापान के हिरोशिमा विश्वविद्यालय से अंतरराष्ट्रीय विकास और सहयोग (आईडीईसी) से प्रोफ़ेसर शिनजी कनिको।
- 19 जुलाई, 2017 को ब्रिटेन के एडिनबर्ग बिजनेस स्कूल, यूके विश्वविद्यालय से रणनीति में चांसलर के फेलो डॉ. विंस्टन क्वोन।
- 9 अक्टूबर, 2017 को ईएससीपी यूरोप, फ्रांस से प्रोफ़ेसर ज्योति गुप्ता।
- 10 नवंबर, 2017 को सुश्री लारिसा वूड, क्षेत्रीय प्रमुख, भारत, वित्त एवं प्रबंधन के फ्रैंकफर्ट स्कूल, साथ में सुश्री गिरिजा जोशी, सूचना अधिकारी, डीएएडी, जर्मन शैक्षणिक विनिमय सेवा, पुणे और देवी के. अरंड, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, विदेशी भाषा विभाग (रानाडे संस्थान), पुणे।
- 2 फरवरी, 2018 को प्रोफ़ेसर जूलिया बलोगुन, डीन, लिवरपूल प्रबंधन स्कूल विश्वविद्यालय साथ में प्रोफ़ेसर टेरी मैकनल्टी, प्रोफ़ेसर प्रबंधन और कॉर्पोरेट प्रशासन और एसोसिएट हेड ऑफ स्कूल (इंटरनेशनल), डॉ सुप्रिया गारिकिपति, इंटरनेशनल डेवलपमेंट में रीडर और प्रोफ़ेसर स्यू ब्रिजवॉटर, कार्यकारी शिक्षा निदेशक और यूके में लिवरपूल विश्वविद्यालय से खेल व्यापार केंद्र के निदेशक।

समुदायों तक पहुँच

हाईस्कूल के छात्रों के लिए आईआईएमए में ओपन डे

- संस्थान ने छात्र-प्रबंधित सामान्य प्रबंधन तथा नेतृत्व प्रकोष्ठ (जीएमएलसी) के सहयोग से हाईस्कूल के छात्रों के लिए 26 नवंबर, 2017 (रविवार) को ओपन डे के चौथे संस्करण का आयोजन किया जिसका उद्देश्य स्थानीय समुदाय के साथ जुड़ना तथा सहयोग बढ़ाना था।
- अहमदाबाद के विभिन्न विद्यालयों के नौवीं से लेकर बारहवीं कक्षा तक के लगभग 450 छात्रों ने 24 से अधिक स्कूल शिक्षकों के साथ इस कार्यक्रम का लाभ उठाया।
- यह कार्यक्रम विचार और व्यापार निर्माण पर समूह गतिविधियों के माध्यम से स्कूल के बच्चों को प्रेरित करने के लिए डिज़ाइन किया गया था और उन्हें विविधता और समावेशन जैसे सामाजिक रूप से प्रासंगिक मुद्दों के साथ पेश किया गया था। इस कार्यक्रम ने उन्हें प्रोफ़ेसर राकेश बसंत, डीन (पूर्वछात्र और बाहरी संबंध), संकाय सदस्यों और आईआईएमए छात्रों से बातचीत करने का अवसर प्रदान किया।

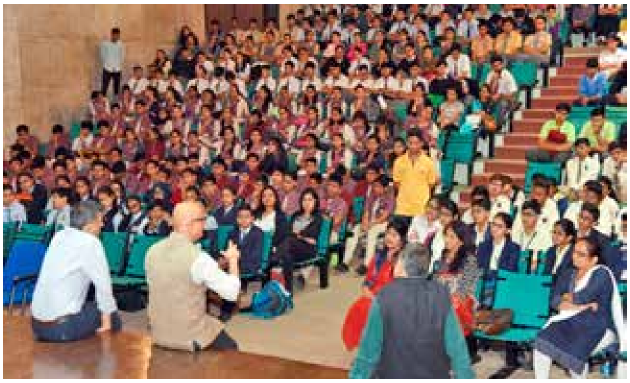

आईआईएमए में ओपन दिवस कार्यक्रम के चौथे संस्करण में स्कूल के बच्चों के साथ आईआईएमए संकायों का परस्पर संवाद

अध्ययन दौरे

प्रत्येक वर्ष संस्थान आगंतुकों को कैंपस दौरों और अध्ययन यात्राओं के लिए सक्षम बनाता है। यह उन्हें संस्थान की गतिविधियों की एक व्यापक समझ उपलब्ध कराने और इसके स्थापत्य वैभव की सराहना का अवसर प्रदान करने का अवसर प्रदान करता है। वर्ष 2017-18 के दौरान, संस्थान का दौरा करने वाले करीब 7700 आगंतुक आए, जिसमें विदेशी नागरिक, सरकारी अधिकारी और कॉर्पोरेट क्षेत्र, शिक्षा क्षेत्र, सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारी, व्यवसायी और छात्र शामिल थे।

आईआईएमए का दौरा करने वाले कुछ अध्ययन समूह / संस्थानों में शामिल हैं:

- 23 अगस्त, 2017 को सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली के केंद्र सरकार के अधिकारी।
- 15 दिसंबर, 2017 को रक्षा प्रबंधन महाविद्यालय, सिकंदराबाद के वरिष्ठ अधिकारी
- 18 जनवरी, 2018 को बैंक ऑफ बड़ौदा की विदेशी शाखाओं, एपेक्स अकादमी, गाँधीनगर के वरिष्ठ अधिकारी
- 24 जनवरी, 2018 को डीआईजीपी, ग्रुप सेंटर सीआरपीएफ, गाँधीनगर के कार्यालय के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा अकादमी, माउंट आबू से राजपत्रित अधिकारी

आईआईएमए का दौरा करने वाले शैक्षणिक संस्थानों में कुछ अध्ययन समूहों में शामिल हैं :

इंजीनियरिंग और वास्तुकला संस्थान

- सीएएडी- चेन्नई आर्किटेक्चर एवं डिज़ाइन अकादमी, चेन्नई
- जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
- रॉयल आर्किटेक्चर स्कूल, गुवाहाटी
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की
- डेक्कन योजना एवं आर्किटेक्चर स्कूल, हैदराबाद
- विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नागपुर
- आर.वी. आर्किटेक्चर कॉलेज, बैंगलुरू
- बलवंत शेठ आर्किटेक्चर स्कूल, एनएमआईएमएस युनिवर्सिटी, मुंबई
- योजना एवं आर्किटेक्चर स्कूल, भोपाल
- गेटवे आर्किटेक्चर एवं डिज़ाइन कॉलेज, सोनीपत, हरियाणा
- मालविया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर
- गोवा आर्किटेक्चर कॉलेज, पणजी
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रायपुर
- चंडीग़ढ विश्वविद्यालय, मोहाली
- सीईपीटी विश्वविद्यालय, अहमदाबाद

प्रबंधन और वाणिज्य संस्थान

- उदयभानसिंहजी क्षेत्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान (यूआरआईसीएम), गाँधीनगर
- डॉ. नारायण प्रबंध संस्थान समूह, हैदराबाद
- एम.एस. विश्वविद्यालय, वडोदरा
- राष्ट्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, गाँधीनगर
- श्री जे. एच. भालोडिया महिला कॉलेज, राजकोट
- एमआईटी विश्व शांति विश्वविद्यालय, पुणे
- बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान, पश्चिम बंगाल
- गरवारे वाणिज्य कॉलेज, पुणे
- अशोक व्यवसाय एवं कम्प्यूटर अध्ययन केंद्र, नासिक
- गोविंद गुरु आदिवासी विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा, राजस्थान
- मीठीबाई आर्ट्स महाविद्यालय, मुंबई
- प्रबंध अध्ययन संस्थान, चिपलुन, महाराष्ट्र

व्यावसायिक संस्थान

- पश्चिम भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट छात्र संघ, औरंगाबाद
- अपोलो नर्सिंग संस्थान, गाँधीनगर
- कृषि इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी कॉलेज, गोधरा
- कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरू
- तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयंबटूर

अंतर्राष्ट्रीय छात्र समूह

- खुल्ना विश्वविद्यालय, बांग्लादेश
- कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके
- किंग्स्टन विश्वविद्यालय, लंदन
- सिटी आर्किटेक्ट्स स्कूल, कोलंबो, श्रीलंका
- बीआरएसी विश्वविद्यालय, ढाका, बांग्लादेश
- टेकनिकल यूनिवर्सिटी, डेल्फ़्ट, नीदरलैंड्स
- शाहजलाल विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सिलेत, बांग्लादेश
- वियेना तकनीकी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रिया
- बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रस अल खैमाह, संयुक्त अरब अमीरात
- आईयूएवी आर्किटेक्चर विश्वविद्यालय, वेनिस, इटली
- कार्लस्रू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जर्मनी
- वास्तुकला विभाग, मिंग चुआन विश्वविद्यालय, ताइवान

पूर्वछात्र गतिविधियाँ

पूर्वछात्र कार्यालय विभिन्न मंचों के माध्यम से पूर्वछात्रों के साथ गहरे संबंध स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहता है।

आईआईएमए अल्युम्नस पत्रिका

पहली बार अल्युम्नस नाम के तहत 1969 में यह पत्रिका प्रकाशित हुई थी, अलुमनी पत्रिका आईआईएमए परिसर और इसके पूर्वछात्रों के बीच एक सेतु का काम करती है। पाठकों के साथ गहरे संबंध बनाते हुए, इसके 50 वर्ष पूरे होने पर इस पत्रिका का विमवियन नाम से फिर से शुभारंभ किया गया है।

इस पत्रिका का एक ई-संस्करण भी वीडियो, पॉडकास्ट, चित्रों, अपडेट और विभिन्न प्रकार के लेखों के साथ लॉन्च किया गया है। यह पत्रिका जून, अक्टूबर और फरवरी में, वर्ष में तीन बार प्रकाशित की जाती है। इस पत्रिका के पिछले अंकों का डिजिटलीकरण किया गया है और विमवियन के एक संग्रह खंड में उपलब्ध रखा गया है।

आईआईएमए पूर्वछात्र पोर्टल

23 मार्च, 2018 को संस्थान ने 1969 बैच के पूर्वछात्रों की उपस्थिति में, गहरी भागीदारी तथा जुड़ाव के लिए आईआईएमए पूर्वछात्र पोर्टल लॉन्च किया। इसने पूर्वछात्र वेबसाइट को अपग्रेड करने के लिए आईआईएमए पूर्वछात्र पोर्टल पर अल्मा-कनेक्ट के साथ सहयोग किया। यह विचारों और अधिगम के संवाद और आदान-प्रदान को आगे बढ़ाने के लिए छात्रों तथा संकाय क्लब को एकीकृत करने में सक्षम रहा है। इस पोर्टल के माध्यम से संस्थान मौजूदा संबंधों को मजबूत बनाने और नए संबंधों का निर्माण करके सभी पूर्वछात्रों के बीच मूल्यवान संवाद की उम्मीद रखता है।

पूर्वछात्र पहचान पत्र

सन् 2012 में पूर्वछात्र पहचान पत्र की एक नूतन अवधारणा पेश की गई थी। इस वर्ष के दौरान, 869 पहचान पत्र जारी किए गए।

रजत जयंती पुनर्मिलन

सन् 1993 (1991-1993) के पीजीपी बैच का रजत जयंती पुनर्मिलन 22-24 दिसंबर, 2017 के दौरान आयोजित किया गया था। लगभग 100 से अधिक पूर्वछात्रों ने अपने परिवारों के साथ मिलन समारोह में भाग लिया था। यह मिलन समारोह मजेदार, मनोरंजन और दोस्ती के नवीनीकरण से भरपूर था। मिलन समारोह के दौरान, 1993 बैच को शिक्षा देने वाले संकाय सदस्यों को सम्मानित किया गया। 1994 पीजीपी बैच (1992-1994) के लिए अगले रजत जयंती पुनर्मिलन समारोह के आयोजन की योजना 22-24 दिसंबर, 2018 की है।

अन्य पुनर्मिलन

रजत जयंती और स्वर्ण जयंती पुनर्मिलन के अलावा, निम्नलिखित पुनर्मिलनों का आयोजन किया गया:

कक्षा	बैच	पुनर्मिलन	दिनांक से	दिनांक तक	पूर्वछात्रों की संख्या
संस्थान में पुनर्मिलन					
2002 की कक्षा	2000-2002	15 साल	08.12.2017	10.12.2017	70
1988 की कक्षा	1986-1988	30 साल	15.12.2017	17.12.2017	60
1997 की कक्षा	1995-1997	20 साल	21.12.2017	21.12.2017	35
2007 की कक्षा	2005-2007	10 साल	29.12.2016	31.12.2017	80
2008 की कक्षा	2007-2008	10 साल (पीजीपीएक्स)	30.12.2017	01.01.2018	40
आईआईएमए के बाहर पुनर्मिलन					
1983 की कक्षा	1981-1983	35 साल	15.12.2017	18.12.2017	64
1997 की कक्षा	1995-1997	20 साल	22.12.2017	23.12.2017	65

वर्ष 2017-18 के दौरान, कुल 514 पूर्वछात्रों ने उनके बैच के पुनर्मिलन समारोह में भाग लिया।

स्वर्ण जयंती दीक्षांत समारोह : चौथे बैच की उपस्थिति (1969)

53वें बैच (2016-18) ने 24 मार्च, 2018 को स्नातक की उपाधि प्राप्त की। पिछले साल, संस्थान ने स्वर्ण जयंती दीक्षांत समारोह के लिए तीसरे पीजीपी बैच (पीजीपी 1968) को आमंत्रित किया था। इसे परंपरा बनाते हुए, संस्थान ने इस दीक्षांत समारोह अवसर पर चौथे पीजीपी बैच (पीजीपी 1969) को आमंत्रित किया। पीजीपी 1969 बैच के अट्ठाईस पूर्वछात्रों ने इस समारोह में भाग लिया। संस्थान ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्होंने 23 मार्च, 2018 को दीक्षांत समारोह के अवसर पर छात्रों को शैक्षिक तथा अन्य प्रदर्शनों के लिए विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए।

मुंबई में महिला पूर्वछात्रों का मिलन

संस्थान ने 18 फरवरी, 2018 को मुंबई में महिला पूर्वछात्रों का एक मिलन समारोह आयोजित किया जहाँ कॉर्पोरेट जीवन में महिलाओं की भागीदारी से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

पूर्वछात्र शैक्षणिक संबंध जोड़ना

पूर्वछात्रों द्वारा प्रासंगिक क्षेत्रों में कई वैकल्पिक पाठ्यक्रमों / अतिथि व्याख्यानों की पेशकश की गई थी

प्रेरणा श्रृंखला

संस्थान ने आईआईएमए प्रेरणा श्रृंखला नामक एक साल की वक्ता श्रृंखला शुरू की है। इस श्रृंखला के माध्यम से, संस्थान अत्यधिक प्रतिष्ठित व्यक्तियों को आमंत्रित करने की उम्मीद रखता है, जिन्होंने अपरंपरागत माध्यम से या उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के माध्यम से उत्कृष्ट भविष्य का लक्ष्य रखा और जो छात्रों की वर्तमान पीढ़ी को प्रेरित कर सकते हैं।

इस श्रृंखला की शुरूआत हर्ष भोगले तथा अनीता भोगले द्वारा 10 जनवरी, 2018 को पहले सत्र के साथ की गई थी जिसमें उन्होंने बताया कि स्पोर्टिंग चैंपियन क्या करते हैं, क्या चीज़ उन्हें विजेता टीम बनाती है, एक अच्छा नेतृत्वकर्ता कौन है, क्यों केवल कुछ टीमें और व्यक्ति जीतते रहते हैं जबकि अन्य कुछ समय के लिए ही जीतते हैं और फिर हार जाते हैं।

28 फरवरी, 2018 को, प्रेरणा श्रृंखला के दूसरे सत्र में, रूपा कुडवा ने उद्देश्यों से प्रेरित नवप्रवर्तनकों को उन व्यवसायों का निर्माण करने की आवश्यकता व्यक्त की जो उनके जीवन को बेहतर बनाने के अवसर पैदा करते हैं। सुश्री कुडवा ने उन बाधाओं का भी उल्लेख किया जिसका सामना नेक्स्ट हाफ बिलियन (एनएचबी) अपनी डिजिटल यात्रा में करते हैं जैसे कि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन करने के लिए आत्मविश्वास की कमी, एनएचबी के सामाजिक / सांस्कृतिक संदर्भ में यूजर इंटरफेस अनुकूलित नहीं होना, और महिलाओं द्वारा इंटरनेट का उपयोग करने में संकोच। उन्होंने इन बाधाओं को दूर करने के लिए जनसाधारण को इसे पूरा करने वाले नवप्रवर्तकों की आवश्यकता को रेखांकित किया।

विशेष रुचि समूह

पूर्वछात्रों से जुड़ाव बढ़ाने के लिए, संस्थान ने पूर्वछात्रों के बीच विशेष रुचि समूह बनाने की योजना बनाई है। इसका उद्देश्य उन गतिविधियों को करना है जो इन समूहों के सदस्यों को मूल्य प्रदान कर सकते हैं और कैंपस में सीखने के अवसर पैदा कर सकते हैं। कुछ क्षेत्र / स्थान जिनमें पूर्वछात्रों ने रुचि दिखाई है वे निम्नलिखित थे :

- कृषि-टेक, कृषि व्यवसाय (खाद्य सहित)
- संचार, मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र
- कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी और स्थायित्व
- डेटा विश्लेषिकी
- डिजिटल विपणन
- शिक्षा
- ऊर्जा, विशेष रूप से स्वच्छ ऊर्जा
- उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र (उद्यमी, नवप्रवर्तक, वीसी, पीई, सलाहकार इत्यादि)
- स्वास्थ्य क्षेत्र (व्यापक रूप से परिभाषित सभी स्तरों पर निवारक और उपचारात्मक स्वास्थ्य सेवा प्रावधान सहित निदान, चिकित्सा उपकरण, नीति निर्धारण / कार्यान्वयन, दवा विकास से संबंधित गतिविधियाँ, स्वास्थ्य शिक्षा इत्यादि)
- अवसंरचना और परिवहन

- सार्वजनिक नीति (सभी क्षेत्रों में नीति निर्माण और कार्यान्वयन)
- जमीन जायदाद
- खेल प्रबंधन / व्यापार
- प्रौद्योगिकी (चीजों का इंटरनेट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन, आभासी / संवर्धित वास्तविकता आदि)

पूर्वछात्रों से निधियाँ

विकास कार्यालय अपनी व्यक्तिगत क्षमता से बैच के हिस्से के रूप में, और साथ-साथ उनके संगठनात्मक / कॉर्पोरेट संबंधों के माध्यम से पूर्वछात्रों से धनराशि संग्रह के लिए समन्वय करता है। वर्ष 2017-18 के दौरान, कुल 29.17 करोड़ रु. की निधि अर्जित की गई। व्यक्तिगत तौर पर पूर्वछात्रों द्वारा श्रेणीवार प्रमुख योगदान; पूर्वछात्रों के बैच; और कॉर्पोरेट / संगठन नीचे सूचीबद्ध हैं।

हम पीजीपी 1981 की पूर्वछात्र दंपत्ति राधा और संजीव चड्ढा के विशेष योगदान (2.5 करोड़ रु. सीआर-5 के लिए); ओरिएंटल चैरिटेबल फाउंडेशन / टेक्नो इलेक्ट्रिक एवं इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड (पीजीपी 1974 के पूर्वछात्र पी पी गुप्ता द्वारा स्थापित) के छात्रावास डी-6 के लिए 3.5 करोड़ रु. के योगदान; सुकुमार श्रीनिवास (पीजीपी 1983 पूर्वछात्र) के छात्रावास डी-18 के लिए 3.5 करोड़ रु. के योगदान; ज़ाइडस कैडिला द्वारा छात्रावास डी-3 के लिए 3.5 करोड़ रु. (पंकज पटेल की अध्यक्षता; पूर्व अध्यक्ष आईआईएमए और आईआईएमए बोर्ड के वर्तमान सदस्य) के योगदान; सीआर-1 के लिए आरबीएल बैंक के 2.5 करोड़ रु. (पीजीपी 1981 के पूर्वछात्र विश्ववीर आहूजा की अध्यक्षता) आदि के योगदान / प्रतिबद्धताओं का विशेष रूप से उल्लेख करना चाहते हैं। इसके अलावा, वर्ष 2015-16 में हस्ताक्षरित एमओयू के अनुसार जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल के लिए वर्ष के दौरान 10 करोड़ रुपए प्राप्त हुए थे।

साथ ही अन्य अद्वितीय योगदान / वचनबद्धताएँ भी थी। इनमें आईआईएमए संकाय क्लब के लिए पीजीपी 2007 बैच द्वारा 50 लाख रुपए का वित्तपोषण; पूर्वछात्र-संकाय दंपत्ति दीप्ति और सुभाष भटनागर द्वारा कार्मिक मनोरंजन क्लब के लिए 50 लाख रुपए; आईआईएमए अनुसंधान एवं प्रकाशन कार्यालय के लिए 1996 बैच द्वारा 1 करोड़ रुपए; और आईआईएमए केस सेंटर के लिए पिछले साल पीजीपी 2001 बैच द्वारा दिया गया 1.07 करोड़ रुपए का योगदान शामिल है ।

बैच अभियान में व्यक्तिगत योगदान (आशीष गुप्ता-पीजीपी 2002) के लिए 1 करोड़ रुपए की लंबी छलांग देखी गई; 1982 बैच के दो पूर्वछात्रों ने प्रत्येक की तरफ से 50 लाख रुपए (पीयूष गुप्ता और सनी वर्गीस) का योगदान दिया। वर्ष के दौरान, पूर्वछात्रों बैचों से प्राप्त योगदान 9.47 करोड़ रुपए की धनराशि के रूप में उल्लेखनीय रूप से बढ़ा।

योगदान का विवरण नीचे दिया गया है।

क्रमांक	नाम	बैच	धनराशि (रु. में)
पूर्वछात्रों से व्यक्तिगत योगदान			
1	संजीव चड्ढा / राधा चड्ढा	1981	25,474,148
2	सुकुमार श्रीनिवास	1983	17,500,000
3	प्रोफ़ेसर दीप्ति और सुभाष भटनागर		3,000,000
4	दीप कालरा, मेकमाईट्रिप (इंडिया) प्रा. लिमिटेड	1992	2,000,000
	कुल		**47,974,148**

बैच समन्वय के माध्यम से समर्थित व्यक्तिगत योगदान			
1	स्वामीनाथन राघवन	1982	500,000
2	मुथुकृष्णन रामास्वामी	1982	637,510
3	एस.पी. कोठारी	1982	653,156
4	राजीव गुप्ता	1982	700,000
5	पीयूष गुप्ता	1982	5,000,000
6	सनी वर्गीस	1982	5,000,000
7	वीरुपक्षण कुमारस्वामी	1983	500,000
8	आर. शिवदास	1983	500,000
9	अरविंद तिवारी	1983	500,000
10	अमित कुमार	1983	500,000
11	ललित अग्रवाल और अमिता अग्रवाल	1983	500,000
12	सुरेश कुमार	1983	644,774
13	रंजन और वीणा दामोदर	1983	645,000
14	संजय वोहरा	1983	650,000
15	माला मॉरिस और इयान मॉरिस	1983	892,800
16	राजन स्वरूप	1983	1,000,000
17	हेमा रविचंदर	1983	1,000,000
18	सुदीप नंदी	1983	1,000,000
19	श्रीजीत मिश्रा	1987	500,000
20	हरि राजगोपालाचारी	1987	645,000
21	केतन जसुभाई शाह	1993	500,000
22	श्रीधर राजगोपालन	1993	500,000
23	ऋषिकेश टी. कृष्णन	1993	500,000
24	वेंकट कृष्णन	1993	500,000

क्रमांक	नाम	बैच	धनराशि (रु. में)
25	आशीष गोयल	1993	500,000
26	दीपिका बाल	1993	500,000
27	चक्रवदनुला वेंकटेश्वर सरमा	1993	500,000
28	वेंकटेश गणेशन	1993	630,693
29	गौतम कुमार	1993	1,500,000
30	रवि पोखरियाल	1993	1,500,000
31	रमेश मंगलेश्वरन	1993	2,500,000
32	अजय गर्ग	1996	500,000
33	बद्रीनाथ वीरघंट वेंकट पार्थसारथी	1996	500,000
34	वेंकटराघवन सहस्रनामन	1996	500,000
35	अजय यादव	1996	506,196
36	दीपक गोयल	1997	499,875
37	नवीन ताहिलयानी	1997	500,000
38	रुचिरा जेटली	1997	500,000
39	वेंकटेश बाबू रामनाथन	1997	500,000
40	बद्रीनाथ रामनाथन	1997	500,000
41	प्रणय मेहरोत्रा	1997	500,000
42	सौरभ बेनीवाल (शामीलि सिन्हा)	1997	631,010
43	अमिता चेब्बी	1997	650,000
44	पवन मेहरा	1997	750,000
45	संदीप गुप्ता और सोनिया नागराजन	1997	2,500,024
46	सनकुरु सुरेश सुबुद्धि	2002	500,000
47	श्रुति सूद	2002	600,000
48	विकास गुप्ता और मुकेश गुप्ता	2002	1,500,000
49	धीरज पोद्दार	2002	2,500,000
50	आशीष गुप्ता	2002	10,000,000
51	कृति देसाई	2007	500,000
52	पल्लव जैन	2007	500,000
53	अश्विन बालासुब्रमण्यम	2007	1,000,000
54	राहुल मम्मन	2007	1,000,001
55	कुमार गौरव	2007	1,800,000
	कुल		**61,036,039**

क्रमांक	नाम	बैच	धनराशि (रु. में)
कॉर्पोरेट्स के माध्यम से योगदान			
1	जेएसडब्ल्यू आईपी होल्डिंग्स प्रा. लिमिटेड		100,000,000
2	कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड		17,500,000
3	टेक्नो इलेक्ट्रिक एंड इंजीनियरिंग कं. लिमिटेड / ओरिएंटल चैरिटेबल फाउंडेशन		15,000,000
4	आरबीएल बैंक लिमिटेड		12,500,000
5	हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड		4,000,000
	कुल		**149,000,000**
	कुल योग		**258,010,187**

छात्रवृत्तियाँ और पुरस्कार

वर्ष के दौरान पूर्वछात्रों द्वारा स्थापित निम्नलिखित छात्रवृत्तियाँ / पुरस्कार दिए गए थे

मार्टी मन्नारिया गुरुनाथ उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार

यह पुरस्कार प्रोफेसर मार्टी सुब्रह्मणियम (पीजीपी 1967-69) द्वारा श्री मार्टी मन्नारिया गुरुनाथ की स्मृति में स्थापित किया गया है। प्रति वर्ष यह पुरस्कार एक संकाय सदस्य को उस दीक्षांत समारोह में स्नातक हुए पीजीपी बैच के अध्यापन के लिए दिया जाता है। इस वर्ष 50,000/- रुपए का यह पुरस्कार प्रोफेसर सरल मुखर्जी को दिया गया।

आईआईएमए पूर्वछात्र वीवीईएफ़ उत्कृष्ट शोधकर्ता पुरस्कार

यह पुरस्कार विद्या वर्धिनी शिक्षा प्रतिष्ठान द्वारा स्थापित किया गया है, जो आईआईएमए के पूर्वछात्रों द्वारा संचालित सैक्शन 25 कंपनी के नाम से जाना जाता है। यह पुरस्कार किसी एक संकाय को दिया जाता है जो अपने स्थायी अनुसंधान योगदान और / अथवा सबसे अलग प्रकृति के महत्वपूर्ण अनुसंधान के लिए पहचाने गए हों। इस वर्ष 2 लाख रुपए का यह पुरस्कार प्रोफेसर देबजीत रॉय को दिया गया।

फिलिप थॉमस मेमोरियल रणनीति-सार्वजनिक प्रणाली केस पुरस्कार

यह पुरस्कार प्रोफेसर ऋशिकेश टी. कृष्णन (एफ़पीएम 1996) द्वारा श्री फिलिप थॉमस (पीजीपी-1966) की स्मृति में स्थापित किया गया है। प्रति वर्ष यह पुरस्कार रणनीति/व्यवसाय नीति तथा सार्वजनिक प्रणाली के क्षेत्र के केस लेखक(कों) को दिया जाता है। इस वर्ष 50,000/- रुपए का यह पुरस्कार प्रोफ़ेसर विजय शेरी चंद को दिया गया।

सजीव सिरपाल अकादमिक तथा रचनात्मकता उत्कृष्टता पुरस्कार

यह पुरस्कार श्री सजीव सिरपाल (पीजीपी 1984) की स्मृति में सुश्री कनक सिरपाल (पीजीपी 1984) और उनके मित्रों द्वारा स्थापित किया गया है। यह पुरस्कार पीजीपी छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन और रचनात्मकता में उत्कृष्टता की पहचान के लिए दिया जाता है। सुश्री शिवानी गर्ग (पीजीपी 2018) को 2 लाख रुपए का यह पुरस्कार दिया गया।

श्री जी. सी. मित्तल उद्यमशीलता सहायता

अंकित मित्तल (पीजीपी 2005) द्वारा स्थापित 2 लाख रुपए की यह सहायता उन स्नातक छात्रों के लिए है जो स्थानन प्रक्रिया से बाहर रह कर अपना उद्यम स्थापित करना चाहते हैं। इस वर्ष, गौरव बागडे (पीजीपी 2018) और सोमेश अग्रवाल (पीजीपी 2018) प्रत्येक को एक-एक लाख का यह पुरस्कार दिया गया।

1. उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार श्री सुनील चैनानी (पीजीपी 1980) द्वारा स्थापित 50,000/ रुपए का यह पुरस्कार संस्थान के छात्रकाल के दौरान खेल में सर्वांगीण प्रदर्शन में उत्कृष्टता को पहचान दिलाने के लिए दिया जाता है। 50,000/- रुपए का यह उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार सुश्री वैशाली सिंह (पीजीपी 2018) को दिया गया।

2. श्रीमती जे. नगम्मा स्मृति पुरस्कार श्री प्रमोद कुंजु (पीजीपी 1999) द्वारा स्थापित यह 15,000/- रुपए की पुरस्कार राशि अकादमिक रूप से अच्छे प्रदर्शन करने वाले पीजीपी छात्र को प्रथम वर्ष समाप्त होने पर दी जाती है। श्री प्रखर बालासुब्रमणियन (पीजीपी 2018) ने यह पुरस्कार प्राप्त किया।

3. श्रीमती शारदा भंडारी और श्री पी.के. रथ छात्रवृत्तियाँ यह छात्रवृत्ति श्रीमती शारदा भंडारी तथा श्री पी.के. रथ की स्मृति में श्री समीर भंडारी (पीजीपी 1989) द्वारा पीजीपी द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए पाँच वर्ष के लिए स्थापित की गई है जो उच्चतर शिक्षा के अधिवक्ता थे। इस वर्ष श्री अभय गोयल (पीजीपी 2018) को यह 1 लाख रुपए की छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

4. रितु बंगा उद्योग छात्रवृत्ति यह छात्रवृत्ति सुश्री रितु बंगा (पीजीपी 1981) द्वारा पाँच वर्ष के लिए स्थापित की गई है। श्री प्रखर बालासुब्रमणियन (पीजीपी 2018) को 1 लाख रुपए की यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

5. अजय बंगा उद्योग छात्रवृत्ति यह छात्रवृत्ति श्री अजय बंगा (पीजीपी 1981) द्वारा पाँच वर्ष के लिए स्थापित की गई है। श्री हर्ष अरोड़ा (पीजीपी 2018) को 1 लाख रुपए की यह छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

6. एसआरके पुरस्कार यह पीजीपीएक्स संकाय पुरस्कार श्री रामकृष्ण एक्सपोर्ट्स प्रा. लिमिटेड द्वारा स्थापित किया गया है। प्रोफ़ेसर रवींद्र धोलकिया को यह पुरस्कार (2017-18) प्रदान किया गया।

7. मदन मोहनका अनुसंधान प्रकाशन पुरस्कार यह संकाय पुरस्कार तेग इंडस्ट्रीज के श्री मदन मोहनका (पीजीपी 1967) द्वारा स्थापित किया गया है। इस साल प्रोफ़ेसर चिन्मय तुम्बे को यह पुरस्कार प्रदान किया गया।

युवा पूर्वछात्र सफलता पुरस्कार (वाईएएए)

पूर्वछात्र प्रकोष्ठ द्वारा युवा पूर्वछात्र सफलता पुरस्कार उन युवा अग्रणियों को पहचान दिलाने के लिए की गई एक पहल है जिन्होंने दूसरों को प्रभावित और प्रेरित किया है। यह पुरस्कार पूर्वछात्र-वर्तमान छात्रों के संबंधों को बढ़ाता है और परिसर में छात्रों को पूर्वछात्रों की उपलब्धियों के बारे में पता करने में और उनके द्वारा प्रेरित होने में मदद करता है। यह पुरस्कार तीन श्रेणियों में दिया जाता है कॉर्पोरेट लीडर; उद्यमिता; और सामाजिक सेवा / लोक सेवा / अकादमिक / साहित्य / प्रदर्शन कला / राजनीति / खेल।

वर्ष 2017 में निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्तकर्ता थे :

पूर्वछात्र का नाम	पदनाम और संगठन	श्रेणी
राहुल अग्रवाल	मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक लेनोवो इंडिया	कॉर्पोरेट अग्रणी
सुधीर सीतापति	कार्यकारी निदेशक और सीसीवीपी रिफ्रेशमेंट्स, दक्षिण एशिया हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, मुंबई	कॉर्पोरेट अग्रणी
तुलसी नायडू	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ज्यूरिख बीमा समूह, यूके	कॉर्पोरेट अग्रणी
सुचरिता मुखर्जी	मुख्य कार्यकारी अधिकारी आईएफ़एमआर होल्डिंग्स	उद्यमिता
यशीष दहिया	सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी,पॉलिसीबाज़ार	उद्यमिता
कार्तिकेय मिश्रा	कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट पूर्व गोदावरीआंध्र प्रदेश सरकार	लोक सेवा
रोहन चंद ठाकुर	उपायुक्त शिमला हिमाचल प्रदेश	लोक सेवा

सिंक्रॉनी

सिंक्रॉनी एक पारंपरिक कार्यक्रम है जो छात्र प्रकोष्ठ के समन्वय में आयोजित किया जाता है। इसका उद्देश्य नए आने वाले छात्रों का स्वागत करना और उन्हें जोशपूर्ण पूर्वछात्र समुदाय और संस्थान की विरासत का हिस्सा बनाना है। इसके अतिरिक्त, यह प्रतिष्ठित पूर्वछात्रों, उनकी असमान्य उपलब्धियों और आज जहाँ है उस जगह पर संस्थान को बनाने में अद्वितीय योगदान का जश्न मनाने का एक कार्यक्रम भी है।

मई में सिंक्रॉनी 2017 का आयोजन भारत में और विदेश के 13 शहरों में वर्तमान और आने वाले बैचों को अपने वरिष्ठों के अनुभवों से सीखने और उनकी सफलता की कहानियों से प्रेरित होने के लिए किया था। कई पूर्वछात्रों, पहले के बैचों तथा वर्तमान पीढ़ियों ने संस्थान में बिताए लम्हों को याद करके और इंटर्न एवं फ्रेशर्स को ज्ञान के शब्द सुनाए। प्रोफ़ेसर आशीष नंदा (निदेशक) चेन्नई में सिंक्रॉनी के मुख्य अतिथि थे। लंदन में सिंक्रॉनी 2017 का आयोजन अखिल आईआईएम पूर्वछात्रों के संयोजन के साथ किया गया था। श्री राहुल अग्रवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, लेनोवो (इंडिया) और पीजीपी 1996, बैंगलुरू में सिंक्रॉनी के मुख्य अतिथि थे। छात्रावास की कहानियाँ, परिसर की बातें, चुटकुले और बहुत सारी सलाहें अलग-अलग शहरों की सिंक्रॉनी बैठकों में जानने को मिले।

शाखा गतिविधियाँ

इस वर्ष के दौरान अहमदाबाद, जयपुर, मुंबई, बैंगलोर, चेन्नई, हैदराबाद, भुवनेश्वर , दुबई, पुणे, सिंगापुर और लंदन आदि में स्थित कई शाखाओं ने विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की।

ए-लीग गतिविधियाँ

ए-लीग अहमदाबाद-गाँधीनगर समूह में 15 शैक्षणिक संस्थानों का एक सहयोगी मंच है। ए-लीग अकादमिक और अतिरिक्त पाठ्यचर्या गतिविधियों के माध्यम से छात्रों, शोधकर्ताओं, संकायों और कर्मचारियों के बीच आपसी शिक्षण और सहयोग की सुविधा प्रदान करने का प्रयास करता है। ए-लीग का गठन निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ किया गया था :

- सहयोग और पुरस्कृत उद्यमी प्रयास के अवसर पैदा करके अहमदाबाद में छात्र समुदाय में उद्यमिता को बढ़ावा देना।
- ए-लीग की दृश्यता बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यक्रमों और गतिविधियों के माध्यम से ए-लीग जैसे स्थानीय उद्यमी छात्र नेटवर्क को मजबूत और विस्तारित करना।
- युवा व्यक्तियों के बीच कैरियर विकल्प के रूप में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने हेतु भारतीय स्टार्टअप के लिए अहमदाबाद में मौजूद बहुआयामी विशेषज्ञता का लाभ उठाना।

महत्वपूर्ण पहल

इस वर्ष छात्र समुदाय को उत्प्रेरित करने के लिए एसएपी और सीआईआईई के माध्यम से एरिबा टेक्नोलॉजीज (एटीपीएल) की साझेदारी के तहत कई पहलों को देखा गया। इनमें एक प्रौद्योगिकी मंच का निर्माण, और स्टार्टथॉन, हैकथॉन, व्याख्यान श्रृंखला, नवाचार वार्ता, और कार्यशालाओं सहित विभिन्न समारोहों / कार्यक्रमों की मेजबानी करना शामिल था। एक वेबसाइट (http://a-league.org) सितंबर 2017 में लॉन्च की गई थी। ए-लीग संस्थानों द्वारा तीन हैकथॉन आयोजित किए गए थे। एक पाठ्यक्रम, 2-लैब पीजीपी 2 के हिस्से के रूप में व्यापार को जीवंत अनुभव किया, जिसमें चार संस्थानों के 33 छात्रों ने भाग लिया। रैड़ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन (29 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2017) के हिस्से के रूप में कृषि में आईसीटी के उपयोग, एक स्थायी उद्यम का निर्माण कैसे करें , और डिजाइन सोच पर तीन कार्यशालाएँ आयोजित की गई थी।

स्टार्टअप कैसे शुरू करें (एचटीएसएएस) 2.0 - व्याख्यान श्रृंखला

स्टार्टअप कैसे शुरू करें (एचटीएसएएस) एक व्याख्यान श्रृंखला है जिसे 2016 में अनुभवी उद्यमियों से सीखने और अनुभव साझा करने के दृष्टिकोण के साथ शुरू किया गया था। इस वर्ष, एचटीएसएएस व्याख्यान श्रृंखला का दूसरा अवसर स्टार्टअप सेक्टर कवरेज विषय पर था और विभिन्न क्षेत्रों के सात प्रमुख उद्यमियों ने इसमें भाग लिया। एचटीएसएएस 2.0 को बड़ी संख्या में दर्शकों द्वारा देखा गया था क्योंकि इस सत्र का वेबिनार के माध्यम से लाइव प्रसारण किया गया था।

नवप्रवर्तन वार्ता

नवप्रवर्तन वार्ता ए-लीग के तहत सीआईआईई द्वारा आयोजित वार्ता की एक श्रृंखला है, जो नई प्रौद्योगिकियों और नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए छात्रों के लिए एक मंच प्रदान कर रही है। इसका उद्देश्य सुलभ अग्रणी मुख्य प्रौद्योगिकियों और क्षेत्रों में विशेषज्ञों के बीच चर्चा, बातचीत और विनिमय के लिए सभी ए-लीग छात्रों को एक मंच प्रदान करना है।

स्टार्टथॉन

स्टार्टथॉन 27 जनवरी से 17 मार्च, 2018 के दौरान पाँच सप्ताह का लंबा आवासीय कार्यक्रम था। यह ए-लीग कॉलेजों के छात्रों के लिए पेश किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य उन्हें यह महसूस कराना था कि स्टार्ट-अप कैसे शुरू होता है और इस कार्यक्रम को व्यवसाय के पाँच पहलुओं में बाँटा गया था।

बाहरी साझेदारी विभाग की गतिविधियाँ

बाहरी साझेदारी विभाग सभी बाहरी संस्थाओं से संबंध तथा परिष्कृत संलग्नता रखता है और स्वदेशी एवं अंतरराष्ट्रीय दोनों प्रयासों को समेकित करता है।

अंतरराष्ट्रीय

मौजूदा साझेदारी : संस्थान ने छह विश्वविद्यालयों के साथ दोहरी उपाधि के लिए साझेदारी की है, और 79 विश्वविद्यालयों के साथ एकल सत्रीय विनिमय कार्यक्रमों के लिए साझेदारी की है। पीजीपी-एफ़एबीएम भागीदारी में चार विश्वविद्यालय शामिल थे। पीजीपीएक्स छात्र विनिमय के लिए छह साझेदार विश्वविद्यालय थे। नौ संस्थानों के साथ संस्थान की ऐसी व्यापक साझेदारी है जिनमें छात्र / संकाय विनिमय, अनुसंधान सहयोग इत्यादि शामिल हैं।

नई छात्र विनिमय साझेदारी / सामान्य समझौता ज्ञापन (संकाय सहयोग सहित)

संस्थान ने इकोले द मैनेजमेंट द नॉर्मंडी (फ्रांस), विटवाटर्सरैंड विश्वविद्यालय (जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका), टिलबर्ग विश्वविद्यालय (नीदरलैंड), और हिरोशिमा विश्वविद्यालय (जापान) के साथ संबंध स्थापित किए हैं। अंत:विषय केंद्र हेर्जलिया (इज़राइल) के साथ बातचीत चल रही है। जारी चर्चाओं में टेंपल विश्वविद्यालय में फॉक्स स्कूल ऑफ बिजनेस के साथ कार्यकारी एमबीए साझेदारी, और नैन्यांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (सिंगापुर) के साथ पीजीपीएक्स छात्रों के लिए अंतरराष्ट्रीय तन्मयता छात्र विनिमय भी शामिल हैं।

अन्य

अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ संलग्नताओं में शामिल थे :

- **फ्रांसीसी व्यापार समूह का दौरा** - फ्रांसीसी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (आईएफसीसीआई, सीसीआई फ्रांस - इंद) का प्रतिनिधित्व करते हुए।
- **लिवरपूल स्कूल ऑफ मैनेजमेंट विश्वविद्यालय से एक टीम का दौरा** संकायों के साथ संभावित सहयोग के विस्तृत क्षेत्रों का पता लगाने के लिए दौरा। इस दौरे में 12 संकाय सदस्यों के साथ दो दिनों की विधिवत प्रस्तावित बैठकें शामिल थी।

स्माइल

स्माइल, वाघ बकरी समूह और अहमदाबाद नगर निगम द्वारा समर्थित छात्रों की मध्यस्थता से स्थापित श्रेष्ठतम शिक्षण की एक पहल है जो आईआईएमए की समुदायिक पहुँच परियोजना है। यह हेरिटेज परिसर के सामने स्थित ज्ञान शक्ति मार्ग पुल के नीचे स्थापित की गई है। इसमें वस्त्रापुर, रणुजा नगर, जोधपुर गाँव और मेमनगर क्षेत्र के आसपास रहने वाले गरीबों के वंचित बच्चे शिक्षा के लिए आते हैं।

इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य वंचित बच्चों को प्राथमिक शिक्षा प्रदान करना है जो जीवन की बुनियादी आवश्यकताओं और शिक्षा से वंचित हैं। केंद्र न केवल शिक्षा के लिए काम करता है, लेकिन बच्चों के समग्र विकास के लिए कार्यक्रमों / संगोष्ठियों का भी संचालन करता है और उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा देता है। शिक्षकों और समन्वयकों के साथ स्वयंसेवकों का एक समूह नियमित रूप से स्कूल और समुदाय का दौरा करते हैं ताकि अधिकतम बच्चे स्माइल की सेवाओं का लाभ ले सकें। स्कूलों के दौरों और सामुदायिक दौरों से स्माइल को और इसकी टीम को स्कूल के शिक्षकों तथा बच्चों के माता-पिता से जुड़ने में मदद मिलती है जो बच्चे के विकास में एक प्रमुख भूमिका निभाते हैं। वर्ष के दौरान, स्माइल ने कई संस्थागत समरोहों जैसे कि दिवाली, नवरात्रि, क्रिसमस और रचनात्मकता विकसित करने के लिए ग्रीष्मकालीन शिविर, स्वास्थ्य जाँच, पतंगबाजी, आनंद मेला और अन्य गतिविधियाँ आयोजित की थी। इनमें से कई गतिविधियाँ स्थानीय संगठनों के साथ साझेदारी में थी। स्माइल में 105 छात्र हैं। आईआईएमए के छात्र स्वयंसेवी एक टीम बनाते हैं जो समन्वयक के मार्गदर्शन में गतिविधियों का समन्वय करती है।

छात्र विनिमय कार्यक्रम : अपने छात्रों में अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के विकास की निरंतर खोज में, संस्थान अपने व्यापक रूप से स्वीकृत छात्र विनिमय कार्यक्रम प्रदान करता है। सामान्य विनिमय के लिए छह महाद्वीपों में, 80 बिजनेस स्कूलों के साथ संस्थान के साझेदारी समझौते हैं। इसमें दोहरी उपाधि कार्यक्रम के लिए छह बिजनेस स्कूलों के साथ साझेदारी भी है।

वर्ष 2017-18 के दौरान, संस्थान ने विभिन्न देशों के लगभग 31 अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों के 95 विनिमय छात्रों (12 डबल डिग्री छात्रों सहित) की मेजबानी की थी। संस्थान की तरफ से, 149 छात्रों ने (13 डबल डिग्री छात्रों सहित) ने विभिन्न देशों के अंतर्राष्ट्रीय भागीदार संस्थानों का दौरा किया। पहली बार, पीजीपी द्वितीय वर्ष के एक पूर्ण नेत्रहीन छात्र ने एक सत्रीय विनिमय व्यवस्था में भाग लिया।

संस्थान ने अपनी पहुँच को विस्तारित करने और वैश्विक पहलों का विस्तार करने के लिए 1 से 21 जुलाई, 2017 तक अपना दूसरा समर स्कूल लॉन्च किया। तेरह स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों (हमारे साथी स्कूलों में से छह) ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

इसके विवरण **परिशिष्ट ड** में दिए गए हैं ।

संचार एवं डिजिटल विपणन

मीडिया परिवर्धन

- संस्थान द्वारा अठहत्तर प्रेस विज्ञप्तियाँ दी गईं और इक्कीस प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित किए गए। संस्थान को 89 विभिन्न विशिष्ट मीडिया चैनलों में दिखाया गया।
- संस्थान ने मासिक ओपी-ईडी महत्त्वपूर्ण लेख के लिए - आईआईएमए का दृष्टिकोण के लिए मिंट के साथ सहयोग किया। वर्ष 2017-18 के दौरान तेरह संकायों के लेख मिंट में प्रकाशित किए गए हैं।
- संस्थान ने दैनिक भास्कर के साथ एक मासिक कॉलम - आईआईएमए से परिप्रेक्ष्य के लिए सहयोग किया।
- संकायों, छात्रों और पूर्वछात्रों के व्यक्तिगत साक्षात्कार की 45 से अधिक कहानियाँ मीडिया में प्रकाशित की गई थीं।
- संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट पर संस्थान के सभी महत्वपूर्ण समाचार प्रकाशित किए जाते हैं।

डिजिटल विपणन / सोशल मीडिया

संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों के आधिकारिक सोशल मीडिया खाते / पृष्ठों की पुष्टि की गई है। पेज सत्यापन और सहभागिता गतिविधि में वृद्धि के परिणामस्वरूप, फेसबुक पेज विश्व के शीर्ष बिजनेस स्कूलों के बीच तीसरे स्थान पर है। लिंक्डइन पेज भारत के शीर्ष बिजनेस स्कूलों में प्रथम स्थान पर रहा है। वर्ष 2017-18 में, फेसबुक पेज में 147,000 अनुगामियों की वृद्धि हुई और ट्विटर पेज पर 73,384 अनुगामियों ने वृद्धि दर्ज की गई।

आईआईएमए के समग्र सोशल मीडिया चैनलों ने पूरे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में प्रथम स्थान हासिल किया है। इस वर्ष के दौरान एक आधिकारिक इन्स्टाग्राम खाता लॉन्च किया गया और इसे कायम रखा गया था। इस खाते में संस्थान के नवीनतम समारोहों और जीवन को प्रदर्शित किया जाता है। दीक्षांत समारोह 2018 का लाइव स्ट्रीम फेसबुक और यूट्यूब चैनल पर किया गया था और इसे 29,674 बार देखा गया। पिछले एक साल में, आधिकारिक आईआईएमए यूट्यूब चैनल के 5257 ग्राहक बने और इसे 209,005 से अधिक दर्शकों द्वारा देखा गया।

पॉडकास्ट

ऐप्पल आईट्यून्स और साउंडक्लाउड पर एक आधिकारिक पॉडकास्ट चैनल लॉन्च किया गया था। इस चैनल पर संकायों के दृष्टिकोण और उनके विचारों को डिजिटल प्रारूप में उनकी आवाज में प्रसारित किया जाता है। चौदह संकाय सदस्यों ने कई विषयों पर वार्ता की। इस पॉडकास्ट चैनल का आईट्यून्स पर कुल 67,589 श्रोताओं ने और साउंडक्लाउड पर 17,227 श्रोताओं ने लाभ उठाया।

सहायता अनुदान

वर्ष 2017-18 के दौरान, इस संस्थान ने गैर-योजना (नियमित) एवं योजना (नियमित) के अंतर्गत, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से कोई भी सहायता अनुदान प्राप्त नहीं किया।

बुनियादी ढाँचे का विकास

संस्थान ने वर्ष 2017-18 में बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए त्रि-आयामी रणनीति मौजूदा बुनियादी ढाँचे का उन्नयन, लुइस काह्न की इमारतों का संरक्षण और मरम्मत, और बुनियादी ढाँचे को बढ़ाने के लिए नवनिर्माण का पालन किया है।

डॉर्म - 15 के उन्नयन काम पूरा हो गया है। विक्रम साराभाई पुस्तकालय की मरम्मत से संबंधित निर्माण कार्य 31 मार्च, 2018 को पूरा हो गया था। शेष काम वर्ष 2018 के अंत तक पूरा होने की संभावना है।

संस्थान ने दो वर्ष पहले बुनियादी ढाँचे के विस्तार की परियोजना की शुरुआत की थी। इसकी प्रक्रिया विभिन्न स्तरों जैसे कि आर्किटेक्ट्स को सूचीबद्ध करना, सूचीबद्ध आर्किटेक्ट्स को परियोजनाओं का आवंटन करना, सभी हितधारकों की आवश्यकताओं के अनुरूप डिजाइन को अंतिम रूप देना, ड्राइंग तथा निविदा विनिर्देश तैयार करना इत्यादि से गुजरी है। आगामी परियोजनाओं की स्थिति इस प्रकार है :

भवन का नाम	आर्किटेक्ट	स्थिति
नव परिसर में जेएसडब्ल्यू सार्वजनिक नीति स्कूल	आरएमए आर्किटेक्ट्स	डिजाइन को अंतिम रूप दिया गया है, निर्माण अनुमति के लिए अहमदाबाद नगर निगम में प्रस्तुत किए जाने वाले कागजात और निविदा 24 फरवरी, 2018 को अपलोड किए गए हैं। इन्हें जमा करने की अंतिम तिथि 27 मार्च 2018 थी।
नव परिसर में छात्रावास	एआरसीओपी	डिजाइन को अंतिम रूप दिया गया है, निविदाएँ तैयार की जा रही हैं।
नव परिसर में खेल संकुल	एचसीपी डिजाइन योजना और प्रबंधन	डिजाइन को अंतिम रूप दिया गया है, निविदाएँ तैयार की जा रही हैं, एएमसी की अनुमति के लिए दस्तावेज जमा कर दिए हैं।
मुख्य परिसर में संकाय आवास	एआरसीओपी	डिजाइन को अंतिम रूप दिया गया है, निविदाएँ तैयार की जा रही हैं।
नव परिसर में अकादमिक ब्लॉक	एचसीपी डिजाइन योजना और प्रबंधन	डिजाइन को अंतिम रूप दिया गया है, निविदाएँ तैयार की जा रही हैं।
मुख्य परिसर में कर्मचारी आवास	एआरसीओपी	डिजाइन को अंतिम रूप दिया गया है, निविदाएँ तैयार की जा रही हैं।

राजभाषा कार्यान्वयन

संस्थान राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार अपने आधिकारिक कार्य में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति जिसका नेतृत्व निदेशक द्वारा किया जाता है, संस्थान में राजभाषा नीतियों के संवैधानिक प्रावधानों को लागू करने की रणनीतियों के निर्णय लेती है। संस्थान में अलग से एक हिंदी अनुभाग है। वर्ष के दौरान, भारत सरकार के राजभाषा अधिनियम के तहत, राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए नियमों, आदेशों / निर्देशों का सुचारू रूप से कार्यान्वयन करने की दिशा में अथक प्रयास किए गए।

संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगति की समीक्षा और निगरानी करने के लिए, निदेशक की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकें आयोजित की गईं। इसके परिणामस्वरूप, वर्ष 2016-17 के लिए संस्थान को उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए भारत के राष्ट्रपति द्वारा सबसे प्रतिष्ठित सम्मान राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से 14 सितंबर, 2017 को सम्मानित किया गया। इस वर्ष के दौरान, संस्थान को राजभाषा के उत्कृष्ट कार्यान्वयन के लिए 8 अगस्त, 2017 को अहमदाबाद नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), अहमदाबाद द्वारा भी सम्मानित किया गया था।

संस्थान ने 14 सितंबर से 28 सितंबर, 2017 के दौरान राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के लिए हिंदी पखवाड़ा मनाया। इसका उद्घाटन 14 सितंबर, 2017 को हिंदी दिवस के जश्न के साथ किया गया था। इस हिंदी पखवाड़े के दौरान, हिंदी निबंध, हिंदी कविता पाठ, हिंदी शब्द ज्ञान, हिंदी सामान्य ज्ञान, हिंदी अंताक्षरी और हिंदी सुलेख जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। इन प्रतियोगिताओं में 150 से अधिक हिंदी भाषी और गैर-हिंदी भाषी कर्मचारी सदस्यों ने भाग लिया। समापन दिवस पर, नकद पुरस्कार और प्रमाणपत्र वितरित किए गए थे। विक्रम साराभाई पुस्तकालय में विभिन्न विषयों पर उपलब्ध हिंदी पुस्तकों की एक प्रदर्शनी 21 सितंबर, 2017 को आयोजित की गई थी। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री और माननीय गृह मंत्री के संदेशों की प्रतियाँ सभी नोटिस बोर्डों पर प्रदर्शित की गई थीं।

हिंदी में नोटिंग और ड्राफ्टिंग पर तीन हिंदी कार्यशालाएं और हिंदी सॉफ्टवेयर के कामकाजी ज्ञान पर एक कार्यशाला आयोजित की गई जिनमें 110 कर्मचारी सदस्यों ने भाग लिया। हिंदी के प्रसिद्ध वक्ताओं ने इन कार्यशालाओं में व्याख्यान दिए।

हिंदी पत्रिका प्रतिबिंब का सातवाँ संस्करण फरवरी 2018 में प्रकाशित किया गया था और सभी आईआईएम, आईआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, संबंधित मंत्रालयों, शासी निकाय सदस्यों और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) के सभी 130 सदस्यों को इसकी प्रति भेजी गई थी।

कार्मिक

वर्ष 2017-18 के दौरान, सात नए संकाय सदस्यों ने संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया। तीन संकाय सदस्यों ने त्यागपत्र दिया और एक संकाय सदस्य का कार्यकाल पूर्ण हो गया इक्कीस नए कर्मचारियों ने संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया। सात कर्मचारियों ने त्यागपत्र दिया और एक कर्मचारी का रोजगार बंद कर दिया गया। तीन संकाय सदस्य और बारह कर्मचारी सदस्य सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त हुए। दो कर्मचारी सदस्यों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का लाभ उठाया।

दस संकाय सदस्यों को अनुपस्थिति की छुट्टी के लिए मंजूरी दी गई थी और छह संकाय सदस्य अपनी अनुपस्थिति छुट्टी समाप्त होने पर फिर से संस्थान से जुड़ गए हैं।

कर्मचारियो की संख्या के विवरण **परिशिष्ट ढ9** में उपलब्ध हैं।

उच्चतम पारिश्रमिक प्राप्तकर्ता संकाय

निम्नलिखित पाँच संकाय सदस्यों ने वर्ष 2017-18 के दौरान उच्चतम पारिश्रमिक अर्जित किया :

- प्रोफ़ेसर सुनील माहेश्वरी
- प्रोफ़ेसर बिजू वर्की
- प्रोफ़ेसर नेहारिका वोहरा
- प्रोफ़ेसर संजय वर्मा
- प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय

संस्थान की विभिन्न गतिविधियों में इनके योगदान **परिशिष्ट ढ10** में दिए गए हैं।

अधिकारी एवं कर्मचारी विकास गतिविधियाँ

वर्ष के दौरान, अधिकारियों और कर्मचारी सदस्यों सहित 72 कर्मचारियों को अहमदाबाद प्रबंधन एसोसिएशन तथा अन्य प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रायोजित किया गया। अड़तीस अधिकारियों ने संस्थान के कार्यकारी शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित तीन-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। कंप्यूटर प्रशिक्षण अकादमी के माध्यम से अंग्रेज़ी संचार तथा कंप्यूटर कौशल पर कर्मचारी सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया था।

संस्थान ने कई कर्मचारियों को प्रायोजित करना जारी रखा जो विभिन्न पाठ्यक्रमों में आगे बढ़ना चाहते थे।

कर्मचारियों को पुरस्कार / सम्मान

वर्ष के दौरान, दो संकाय सदस्यों प्रोफ़ेसर गौतम दत्ता और प्रोफ़ेसर परविंदर गुप्ता तथा नौ कर्मचारियों - सुश्री अर्चना प्रेमकुमार , श्री बुधाभाई एस. वाघेला, श्री दिलीप एम. परमार, श्री हरेंद्र जे. वाढेर, श्री हरीश के. राठोड, सुश्री हेतल जे. शाह, श्री जयंतीलाल एस. प्रजापति, श्री मनोज पी. पटेल, और श्री पलटूराम आर. कोरी - को 20 साल की सेवा पूरी करने पर पुरस्कार दिए गए। दीर्घकालीन सेवा पुरस्कार श्री बचुभाई जे. परमार, श्री भरत ए. पटेल, सुश्री हिमा बी. सोनी, श्री के.टी. पॉली, श्री एम.ए. मिसरवाला, श्री मोहन संतपुरकर, सुश्री नीना बदलानी, श्री ओमप्रकाश आर. अहलूवालिया, श्री पी.वी. वेंकटकृष्णन अय्यर, श्री रामसिंह आर. पटेल, और सुश्री सरला नायर को सेवानिवृत्त होने पर दिए गए। डॉ. आर.आर. जोशी, मेडिकल ऑफिसर को संस्थान में उनकी दीर्घकालीन सेवा के लिए विशिष्ट सेवा पुरस्कार दिया गया था।

स्वास्थ्य चर्चा

गुजरात गौरव दिवस

गुजरात गौरव दिवस के अवसर पर, संस्थान ने पैरामाउंट हेल्थ सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और यूनिसन इंश्योरेंस ब्रोकिंग सर्विसेज

प्रा. लिमिटेड के सहयोग से 17 अप्रैल, 2018 को निम्नलिखित विषयों पर स्वास्थ्य चर्चा का आयोजन किया :

- डॉ. अदिति शर्मा, एमडीएस (ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जन), सिर एवं गले का ऑन्कोलॉजी, शेल्बी अस्पताल, अहमदाबाद द्वारा तंबाकू के उपयोग के कारण मौखिक और मैक्सिलोफैशियल स्वास्थ्य समस्याएँ और इसके उपचार।
- डॉ. फाल्गुनी अय्यर - एमडी, चिकित्सा, कंसल्टेंट फिजिशियन जीवनशैली मध्यस्थ और एचआईवी विशेषज्ञ, शेल्बी अस्पताल, अहमदाबाद द्वारा तपती गर्मी गर्मी से संबंधित लक्षण, समस्याएँ और रोकथाम।

गुजरात गौरव दिवस के आयोजन के लिए संस्थान को कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, अहमदाबाद, सुश्री अवंतिका सिंह औलक द्वारा सराहना पत्र प्रदान किया गया।

स्वास्थ्य देखभाल वार्ता एवं नेत्र जाँच शिविर

आई केयर हॉस्पिटल, अहमदाबाद के सहयोग से, संस्थान ने 1 जनवरी, 2018 को डॉ. शशांक राठोड द्वारा नेत्र देखभाल पर एक सत्र की मेजबानी की। एक नेत्र जाँच शिविर का आयोजन 5 जनवरी, 2018 को किया गया था, जिसमें समुदाय के 60 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया था। इस नेत्र जाँच शिविर के लिए स्माइल के पच्चीस बच्चों को भी आमंत्रित किया गया था।

एनपीएस पर जागरूकता सत्र

राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) पर कर्मचारियों के प्रश्नों और मुद्दों के लिए एक सत्र 14 जुलाई, 2017 को आयोजित किया गया था। इस सत्र को एनएसडीएल के श्री भवानी सिंह ने संबोधित किया था। ऐसा ही एक सत्र भारतीय शेयर होल्डिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के सहयोग से 30 जनवरी, 2018 को भी आयोजित किया गया था। इन सत्रों में 50 से अधिक कर्मचारियों ने भाग लिया था।

स्वच्छ भारत मिशन

संस्थान ने 1 सितंबर, 2017 से 15 सितंबर, 2017 तक स्वच्छता पखवाड़ा और 15 सितंबर, 2017 से 2 अक्टूबर, 2017 तक स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा मनाया। समुदाय ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया था। इसमें स्वच्छता अभियान के परिणामस्वरूप व्यापक परिवर्तन (व्यवहार और विकास) के बारे में एक संवाद और चर्चा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यप्रणाली और स्वच्छ भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की आवश्यकता पर विचार करना था।

इस कार्यक्रम में एक पेंटिंग प्रतियोगिता, परिसर में सफाई अभियान, एक वाद-विवाद प्रतियोगिता, सफाई शपथ और एक निबंध लेखन प्रतियोगिता शामिल थे।

पूर्व कर्मचारी मिलन समारोह

संस्थान ने 12 दिसंबर, 2017 को पूर्व कर्मचारियों के साथ मिलन समारोह का आयोजन किया। इस समारोह के दौरान, पूर्व कर्मचारियों ने निदेशक और संस्थान के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने अपने सेवाकाल की पुरानी यादों को साझा किया।

फास्ट ट्रैक पदोन्नति की शुरूआत

कर्मचारियों को उत्साहित और प्रेरित करने के लिए, संस्थान ने ग्रुप सी के कर्मचारियों के लिए फास्ट ट्रैक पदोन्नति की शुरुआत की। इस पदोन्नति योजना के तहत, ग्रुप सी के जिन कर्मचारियों ने ग्रुप सी में पाँच साल पूरे किए हैं वे योग्य माने गए थे। नौ कर्मचारियों ने चयन प्रक्रिया को पूरा किया और उन्हें ग्रुप बी में पदोन्नत किया गया।

7वें केंद्रीय वेतन आयोग के वेतनमान का कार्यान्वयन

संस्थान ने सभी स्थायी कर्मचारियों के लिए 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग के वेतनमानों को लागू किया। 23 फरवरी, 2018 और 28 फरवरी, 2018 को एक संक्षिप्त विवरण प्रदान किया गया था। इन सत्रों को मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने संबोधित किया था।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत, वर्ष के दौरान 361 आरटीआई आवेदन और 49 प्रथम अपील प्राप्त हुई और इनके जवाब दिए गए। महीनेवार विश्लेषण निम्न प्रकार है:

महीना	आरटीआई आवेदन	प्रथम अपील
अप्रैल 2017	40	3
मई 2017	49	6
जून 2017	26	2
जुलाई 2017	24	2
अगस्त 2017	38	5
सितंबर 2017	31	4
अक्टूबर 2017	18	11
नवंबर 2017	17	1
दिसंबर 2017	23	1
जनवरी 2018	31	3
फरवरी 2018	21	3
मार्च 2018	43	8
कुल	**361**	**49**

कार्मिक विवरण **परिशिष्ट ढ** में दिए गए हैं।

खेल एवं मनोरंजन गतिविधियाँ समिति (सारा)

परिसर में खेल गतिविधियों की देखभाल सारा समिति द्वारा की जा रही है। एक नाममात्र के सदस्यता शुल्क का भुगतान करके कोई भी कर्मचारी सारा का सदस्य बन सकता है।

संस्थान के परिसर में निम्नलिखित खेल सुविधाएँ हैं :

आउटडोर	दो टेनिस कोर्ट
	एक बास्केटबॉल कोर्ट
	वॉलीबॉल कोर्ट
	फुटबाल का मैदान
इनडोर (खेल संकुल)	दो बैडमिंटन कोर्ट्स
	दो टेबल टेनिस कोर्ट
	एक स्क्वाश रूम
	एक स्नूकर रूम

समुदाय के लिए योग कक्षाएँ फिटनेस सेंटर के पास योग कक्ष में आयोजित की जाती हैं। शाम को योग कक्षा के अलावा, अगस्त 2017 से सुबह में एक और बैच शुरू किया गया है क्योंकि समुदाय के अधिक सदस्यों ने योग कक्षाओं में शामिल होने में रुचि दिखाई है।

सारा समुदाय के सदस्यों और छात्रों को टेनिस कोचिंग भी प्रदान करती है।

वार्षिक खेल दिवस

सारा समिति ने सभी समुदाय सदस्यों के लिए 21 जनवरी, 2018 को वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया। इसमें सैक रेस, धीमी साइकल दौड़, नींबू और चम्मच दौड़, तीन पैर वाली दौड़, संगीत कुर्सी, पिगी बैंकिंग इत्यादि जैसे खेल आयोजित किए गए थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, सारा समिति ने 21 जून, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया था। इस आयोजन में समुदाय के सदस्यों ने भाग लिया था।

नए जिम उपकरणों का उद्घाटन

संस्थान के जिम में जनवरी 2018 में 36,37,000 रुपए के निम्न नए उपकरण शामिल किए गए :

- रोइंग मशीन
- क्रॉस ट्रेनर
- प्रीचर बेंच
- शरीर संरचना के साथ स्केल वजन
- लेग कर्ल / लेग एक्सटेंशन नवपरिसर
- प्लेट्स
- हाई पुली (लेट पुल डाउन)
- ट्रेडमिल (स्टैलियन) 4 संख्या
- शोल्डर प्रेस (सेलेक्टराइज़्ड)
- ओलंपिक रॉड
- मल्टी जिम
- रिकंबंट बाइक
- अपराइट बाइक
- फ़ंक्शनल ट्रेनर
- ईजेड रॉड
- डम्बेल्स

छात्र गतिविधियाँ

एबेकस विश्लेषण क्लब

इस वर्ष में समुदाय के भीतर और बाहर गणित / पहेलियाँ और विश्लेषिकी में रुचि बढ़ाने के लिए नई पहलें देखी गई। पीजीपी प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए वार्षिक प्रथम पहेली प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ, जिसमें पहेली को तीन घंटों में सुलझाना शामिल था, इससे वर्ष की शुरू आत की गई।

एबेकस द्वारा आयोजित नॉटिलस, राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन ट्रेज़र हंट प्रतियोगिता है, जिसमें देश भर से लगभग 1000 लोगों ने भाग लिया। माइंडबेंड के 10 प्रकरणों के साथ तीन घंटों की मैराथोन पहेली समाधान का आयोजन एबेकस नाइट्स ने किया जो एक ऑनलाइन द्विमासिक प्रश्नोत्तरी श्रृंखला है। रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन के साथ साझेदारी में एबेकस ने ब्लिट्जक्रीग नामक एक राष्ट्रव्यापी रणनीति और अनुकरण कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें 1000 से अधिक लोगों की भागीदारी देखी गई। दो ऑनलाइन कार्यक्रमों में शतरंज टूर्नामेंट, एक पोकर टूर्नामेंट और एक रुबिक की क्यूब कार्यशाला का भी आयोजन एबेकस ने किया।

विशेलेषिकी मोर्चे पर, एबेकस ने एनालिटिक्स एरिना लॉन्च किया, जो एक व्याख्यान सत्र और ब्लॉग है जिसमें विशेलेषिकी केसों को हल करने की व्यवस्थित प्रक्रिया शामिल है। विशेलेषिकी डोमेन में समुदाय की जागरू कता बढ़ाने के लिए वक्ताओं को भी आमंत्रित किया गया था। एबेकस ने कई समाधानात्मक सत्र भी आयोजित किए।

शैक्षणिक परिषद

शैक्षणिक परिषद संस्थान में सभी शैक्षणिक गतिविधियों की केंद्र बिन्दु है। यह परिषद छात्रों और संकाय के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करती है, यह छात्रों के मामलों को प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत करती है और शैक्षिक नीति-निर्माण की प्रक्रिया में भाग लेती है।

शैक्षणिक परिषद द्वारा कार्यान्वित की गई प्रमुख पहलों में से एक पहल नीलामी की बोली प्रक्रिया के पोर्टल का उन्नयन थी और इसकी लोड हैंडलिंग क्षमता 400 छात्रों तक बढ़ाना थी। कार्यक्रम में रह गई त्रुटियों से निपटने हेतु संघर्ष शीट में परिवर्तन किए गए थे। परिषद ने एक्सेल फाइलों को उपलब्ध कराया ताकि छात्रों को उनके सीजीपीए को विभिन्न ग्रेडों से गणना करने में मदद मिल सके। पीजीपी कार्यालय द्वारा आधिकारिक रैंकों की घोषणा किए जाने तक छात्रों के लाभ के लिए अनुमानित रैंक पेश करने के लिए इसे संशोधित किया गया था।

संस्थान की शैक्षणिक प्रणाली में निरंतर सुधार के लिए आवश्यक पाठ्यक्रम प्रतिक्रियाएँ देने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करने हेतु, परिषद ने पुरस्कार के रूप में बोली अंक देने की एक प्रणाली शुरू की। संकाय सदस्यों के लिए मिड स्लॉट फीडबैक की भी व्यवस्थित की गई थी।

पूर्वछात्र एवं बाह्य संबंध समिति (एईआरसी)

क्लब / प्रकोष्ठ के रूप में समिति के कार्यरत होने पर, छात्रनेतृत्व वाली पूर्वछात्र एवं बाह्य संबंध समिति ने ना केवल पूर्वछात्रों के साथ संपर्क बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है, बल्कि एलीग के साथ अहमदाबाद में और अहमदाबाद के आसपास स्थित 14 कॉलेजों के संघ के साथ भी संबंध बनाए हैं। 36 सदस्यों (17 पीजीपी प्रथम और 19 पीजीपी द्वितीय) के साथ, एईआरसी ने अखिल भारतीय आईआईएमए पूर्वछात्र मिलन से लेकर गतिविधियों का आयोजन किया, अप्रैल और मई 2017 में सिंक्रोनी का आयोजन किया। दुनिया भर के 10 शहरों में आयोजित सिंक्रोनी में 2019 में आने वाले बैच की भागीदारी में वृद्धि देखी गई, और इसने उन्हें अपने वरिष्ठों और पूर्वछात्रों से परिचित होने में मदद की। एईआरसी ने वक्ता सत्रों की संरचना की और आईआईएमए प्रेरणा श्रृंखला के लिए सहयोग किया। अपनी प्रकाशन गतिविधियों के एक हिस्से के रूप में, एईआरसी ने छात्रपूर्वछात्र न्यूज़लेटर टाइडिंग्स के चार अंकों का प्रकाशन किया, जिनमें प्रोफेसरों, छात्रों और पूर्वछात्रों के समान रूप से लेख शामिल थे।

बीटा - वित्त एवं निवेश क्लब

बीटा क्लब ने रोमांचक समारोहों की एक श्रृंखला के माध्यम से, फिनोमिना 2017 के साथ नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत की, जिसमें रोमांचक समारोहों की एक श्रृंखला के माध्यम से व्यापार और मूल्यांकन प्रतियोगिताएँ शामिल थीं। बीटा ने सेबी पंजीकृत प्रशिक्षकों और एक निजी सलाहकार के साथ व्यक्तिगत वित्त में सत्र आयोजित किए ताकि छात्रों को उनकी निजी संपत्ति का निवेश करने और उसका प्रबंधन करने के महत्व को समझने में मदद मिल सके।

छात्र और बीटा पूर्वछात्र जिन दो संकेत गतिविधियों को भविष्य में देखना चाहते हैं वे स्थानन के तीन महीने पहले शुरू की गई हैं - बीटा डेली और मार्केट कॉमेंटरी। छात्रों को वित्त में इंटर्नशिप और नौकरियों के लिए तैयार करने के लिए कॉर्पोरेट वित्त और ब्लूमबर्ग के लिए कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। एक मूल्य निवेश कार्यशाला पहली बार आयोजित की गई जिसने छात्रों को निवेश की

इस शैली के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वित्त में मौजूदा लोकप्रिय विषयों पर समुदाय के विभिन्न वर्गों में चर्चा को बढ़ावा देने के लिए मासिक अड्डा सत्र आयोजित किए गए थे। एक्सचेकर, जो एक बहुलंबवत राष्ट्रीय प्रतियोगिता है, उसका आयोजन टीआरबीएस में किया गया ताकि कॉलेजों में वित्त में सर्वोत्तम रूप से दिमाग लगाने के लिए एक साथ प्रतिस्पर्धा और प्रदर्शन किया जा सके। बीटा ने टीम के सदस्यों को इस क्षेत्र में रुचि बढ़ाने के लिए विभिन्न रोचक और ऑफबीट विषयों पर ब्लॉग लिखने के लिए प्रोत्साहित किया। बीटा ने खातों, वित्तीय बाजारों, लागत और कॉर्पोरेट वित्त विषयों के लिए समय-समय पर समाधानात्मक सत्र आयोजित किए।

कैओस - आईआईएमए का सांस्कृतिक समारोह

संस्थान के वार्षिक सांस्कृतिक समारोह कैओस 2018 का 23वाँ संस्करण 25 से 28 जनवरी, 2018 के दौरान आयोजित किया गया था और इसने प्रसिद्ध कार्यक्रमों के द्वारा स्वागत करते हुए राहत प्रदान की। भारत के सबसे बड़े और सबसे लोकप्रिय सांस्कृतिक समारोहों में से एक, कैओस के नवीनतम अवतार में पाँच सौ से अधिक कॉलेजों की भागीदारी के साथ 70,000 से अधिक दर्शक उपस्थित रहे। इस महोत्सव ने पहले से कहीं अधिक दर्शकों और मीडिया का ध्यान आकर्षित किया, और वन प्लस और स्कोम जैसे पसंदीदा प्रायोजकों को आकर्षित किया तथा मुख्य प्रायोजक बुकमाईशो रहा। लगातार दूसरे वर्ष के लिए, कैओस ने अपनी असाधारण गुणवत्ता और मानकों के साथ आईएसओ 9001:2008 प्रमाणित समारोह के रुतबे को बरकरार रखा।

दर्शकों के पसंदीदा प्रोनाइट्स ने यूट्यूब सुपरस्टार - सुश्री शर्ली सेटिया, अग्नी द्वारा उत्साही बैंड प्रदर्शन, बेनी दयाल के एक शानदार प्रदर्शन, हिंदी बॉलीवुड और इंडी गानों के लिए अंतिम रात्रि में सलीम-सुलेमान की लोकप्रिय जोड़ी के उत्साही प्रदर्शन सहित मनोरंजन शामिल किया गया था। क्राई (सीआरवाई) के सहयोग से, अभियान नामक जन वित्तसहयोग प्रतियोगिता का आयोजन वंचित बच्चों की सहायता के लिए किया गया। कैओस 2018 में सबके लिए कुछ ना कुछ था। इस वर्ष, कैओस में संगीत, साहित्य, प्रश्नोत्तरी, कला, नृत्य और नाटक के सर्वश्रेष्ठ 50 से अधिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया गया।

कैओस में नुक्कड़-नाटक, मोनोएक्टिंग प्रतियोगिता, मंचनाटक, एकल एक्ट, लघु फिल्म, ग्रुप डांस प्रतियोगिता और ब्लीज़ड्र्स ऑफ रॉक, बैंड प्रदर्शन प्रतियोगिता जैसे प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों का भी दिखाया गया। लैन गेमिंग, पोकर नाइट और ड्रम सर्किल के लिए बैटलग्राउंड जैसे रोमांचक अनौपचारिक कार्यक्रमों को इसमें जोड़कर ज्यादा आकर्षक बनाया गया था और प्रतिभागियों को इस समारोह से जोड़ा गया। मिस एवं मिस्टर कैओस, मॉडलिंगसहप्रतिभा प्रदर्शन में पश्चिमी भारत के कई परिसरों से भागीदारी देखी गई। हमेशा की तरह, फैशन परेड ने अपने स्वयं के और शहर के आसपास के संस्थानों के छात्रों की मॉडलिंग प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कैओस 2018, अपनी घोषणा के अनुसार ही रहा लेकिन यह पूरे जीवनभर के लिए इसके प्रतिभागियों को यादें दे गया।

कंप्यूटर केंद्र समिति

कंप्यूटर केंद्र समिति उन क्लबों में से एक थी जिसने परिसर में आने से पूर्व नए आने वाले बैच के साथ संवाद किया। इस समिति ने उन्हें आवश्यक दस्तावेजों, आगमन पर मिलने वाली सुविधाओं, और कई अन्य प्रोटोकॉलों की प्रभावी जानकारी साझा करने के लिए एक मंच प्रदान किया।

समिति ने एचपी और मैक लैपटॉप, एमएस ऑफिस और विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम के लिए थोक सौदे आयोजित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। समिति ने परिसर में नेट कनेक्टिविटी में सुधार लाने की दिशा में कदम उठाया और जिन 230 से अधिक छात्रों को कनेक्टिविटी की समस्या थी उन्हें उनके कमरों में राउटर उपलब्ध कराए। राधिका और एसमार्ट के क्षेत्रों में बेहतर नेटवर्क कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए वहाँ जियो वाईफाई राउटर स्थापित किए गए। परिसर में सीआईआईईई-इनक्यूबेटेड स्टार्टअप फ्री कॉपी के सहयोग से ऑनलाइन प्रिंटिंग सुविधा लॉन्च की गई, जिसमें छात्र सभी छात्रावास प्रिंटरों पर स्मार्टफोन से भी प्रिंट ले सकते हैं। इनकी स्थापना का कार्य जारी है और वर्तमान अथवा अगले शैक्षिक वर्ष तक जारी रहेगा। इसके अलावा, कंप्यूटर केंद्र समिति एसएबी में स्थापित प्रिंटर के रखरखाव के लिए उत्तरदायी था।

आरबीआई दिशानिर्देशों के अनुसार पेटीएम ऐप के विस्तारित उपयोग के लिए अनिवार्य कदम उठाने के एक हिस्से के रूप में सीसीसी ने दो पेटीएम केवाईसी ड्राइवों का आयोजन किया। समिति ने एक प्रमाणित नैतिक हैकर श्री शंकरराज सुब्रमण्यम द्वारा आयोजित डिजिटल इंडिया जागरूकता पर एक वक्ता सत्र का भी आयोजन किया। इसके अतिरिक्त, क्लब ने वेबसाइटों और पोर्टलों का एक सेट भी पेश किया - एक समर्पित बैच-डेटा पोर्टल, एसएसी शिकायत पोर्टल, आईआईएमए छात्रों के स्टार्टअप टेस्टिफाई के सहयोग से भोजन आदेश ऐप, और एक ही जगह पर सारे समाधान के लिए सीसीसी वेबसाइट जिसे समग्र छात्र समुदाय द्वारा उपयोग में लिया जा सकता है।

परामर्श क्लब

परामर्श क्लब ने 32 सदस्यों के साथ एक समारोहपूर्ण वर्ष बिताया। छात्रों, संकायों, पूर्वछात्रों और उद्योग व्यवसायियों के बीच बातचीत के मार्ग प्रदान करने के अंतर्निहित उद्देश्य के साथ, क्लब ने आंतरिक और बाहरी फोकस के साथ समारोहों की देखभाल की।

आंतरिक ध्यान-केंद्रित कार्यक्रमों में प्रतियोगिताएँ, कार्यशालाएँ और स्थानन की तैयारी शामिल थी। क्लब ने स्ट्रेटगोस के साथ शुरुआत की, जो अंतरआईआईएम केस प्रतियोगिता है और यह अपने पहले कार्यक्रम के रूप में शुरू हुई जिसमें 50 से अधिक टीमों की भागीदारी देखी गई जो बड़ी सफलता थी। स्थानन की तैयारी के हिस्से के रूप में, आईआईएमए केसबुक, परामर्श 360, पैनोरामा रिपोर्ट्स लिखी गई और संकलित की गई। इसके अतिरिक्त, छात्रों को साक्षात्कार प्रक्रिया से परिचित कराने के लिए मेन्टरशिप कार्यक्रम और मॉक साक्षात्कार शुरू किए गए।

बाहरी गतिविधियों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया जिनमें पूर्वछात्रों के साथ जुड़ाव और सोशल मीडिया संलग्नता शामिल थीं। क्लब ने रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन के सहयोग से अपनी राष्ट्रीय केस-अध्ययन प्रतियोगिता 'आर्मागेडन' आयोजित की जिसमें पूरे भारत की व्यावसायिक-स्कूलों से 300 से अधिक टीमों की भागीदारी देखी गई। क्लब ने कपड़ा मंत्रालय के साथ भी परियोजनाएँ शुरू कीं।

सांस्कृतिक और सामाजिक मामलों की समिति (कल्टकॉम)

सांस्कृतिक और सामाजिक मामलों की समिति जिसे कल्टकॉम भी कहा जाता है, परिसर में सभी मजेदार कार्यक्रमों और उत्सवों को आयोजित करने और परिसर को जीवित रखने के लिए ज़िम्मेदार है। स्वागत सप्ताह, प्रतिभा-नाइट, गरबा, होली, दिवाली, क्रिसमस, पोंगल, लोहड़ी, या गणेश चतुर्थी हो, कल्टकॉम ने संस्थान की संस्कृति को सफलतापूर्वक बनाए रखा है।

टी-नाइट के तीन दिनों के दौरान परिसर में यह वातावरण समिति को आगामी ग्रीष्मकालीन स्थानन के लिए तैयार करता है। इन प्रमुख त्यौहारों के अलावा, कल्याण समिति की मदद से स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और संस्थान दिवस मनाए गए।

सार्वजनिक वक्ता क्लब (इलोकन्स)

सार्वजनिक वक्ता क्लब, इलोकन्स का लक्ष्य एक ऐसा मंच प्रदान करना है जहाँ समुदाय के सभी सदस्य सार्वजनिक वक्तृत्व कला सीखने और अभ्यास करने के लिए एक साथ आ सकते हैं। इलोकन्स द्विसाप्ताहिक सत्र आयोजित करता है जिसमें पूर्वतैयार भाषण, वादविवाद, आशुभाषण और शब्द खेल जैसी गतिविधियाँ शामिल हैं। विभिन्न पृष्ठभूमि के लोग इन सत्रों में भाग लेते हैं और एक दूसरे के साथ दोस्ताना, अधिगम उन्मुख वातावरण में अपने अनुभव और विचार साझा करते हैं।

इलोकन्स ने सात सार्वजनिक वक्तृत्व सत्र और 60 से अधिक नकली समूह-चर्चाएँ आयोजित की। अपनी नियमित गतिविधियों के अलावा, इलोकन्स ने रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन के दौरान जस्ट-ए-मिनिट सत्र का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न कॉलेजों के छात्रों की भागीदारी देखी गई। कैओस के दौरान, इलोकन्स ने एक संसदीय बहस का आयोजन किया जिसने पूरे गुजरात से कॉलेजों के प्रतिभागियों को आकर्षित किया था। इस कार्यक्रम को राजस्थान सरकार द्वारा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए की गई प्रमुख पहल आईस्टार्ट द्वारा प्रायोजित किया गया था। इलोकन्स ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला नेतृत्व सोसायटी के सहयोग से एक सत्र आयोजित किया।

उद्यमिता प्रकोष्ठ

एंत्रे सेल समुदाय के भीतर उद्यमशीलता को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। इस वर्ष की शुरूआत एक सरल, चरण-दर-चरण अनुरूपित गेम यंग सीईओ के साथ हुई, जिसने 50 टीमों को बिजनेस मॉडलिंग, बीप्लान सिमुलेशन और पिचिंग तक सभी तरह के मूल विचारों से उद्यमी मानसिकता विकसित करने में मदद की। इसी तरह के कार्यों के साथ, वार्षिक व्यवसाय-योजना प्रतियोगिता मास्टरप्लान में पूरे देश से 400 से अधिक स्टार्टअप देखे गए, जिनमें से लगभग 15 स्टार्टअप रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन के पहले संस्करण के दौरान प्रसिद्ध निवेशकों के साथ सहयोग कर रहे थे।

इस साल एक 'स्टार्ट-अप कैसे शुरू करें' श्रृंखला का दूसरा सीजन, 'सेक्टर स्वीप्स - व्हाट्स हॉट' विषय के साथ, विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध उद्यमियों को सुनने के लिए, दुनिया भर के संस्थानों से परिसर में और ऑनलाइन दोनों से बड़ी संख्या में दर्शकों को देखा गया। मैनेजमेंट क्लिनिक पहली बार शुरू किया गया था, जिसमें छात्रों ने स्टार्ट-अपों तथा एसएमई के साथ काम किया ताकि उन्हें आने वाली चुनौतियों का समाधान करने की विधि का निदान और संरचना का बोध हो सके। स्टार्ट-अप मेनिया, मावेरिक स्पीक्स, एंत्रे फेयर, और वेंचर मेनिया जैसे समारोहों और पहलों ने छात्रों को उद्यमिता का अनुभव लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

समान अवसर छात्र समिति (ईओएससी)

इस समिति का गठन वर्ष 2017-18 में कुछ बुनियादी ढाँचे के विकास के साथ परिसर के आवश्यक क्षेत्रों में रैंप डालकर परिसर तक आसानी से पहुँचने के लिए विशेष क्षमताओं वाले छात्रों की सहायता और सुविधा के लिए किया गया था। समिति ने एक छात्र सहायता कक्ष शुरू किया जो छात्रों को उनकी शिक्षा से संबंधित विषयों के लिए पीओसी के रूप में दूसरे वर्ष के छात्रों को असाइन करके अपने शिक्षाविदों में विकलांग (पीडब्ल्यूडी) छात्रों की सहायता कर सकता है। इसके अलावा, प्रकाशन विभाग से सामग्रियों की सॉफ्टकॉपी व्यवस्थापन, परीक्षाओं के लिए समर्थन प्रदान किया गया था।

अन्य ईओएससी सदस्यों के साथ आउटरीच सेल के सदस्यों ने जनवरी 2018 में 'विजन इन द डार्क' नामक एक कार्यक्रम शुरू किया था, जिन छात्रों को बहुत कम दिखता हो या दिखता ही नहीं हो, उनके प्रति समुदाय को संवेदनशील बनाने के लिए विभिन्न मुद्दों पर आयोजित किया गया।

इक्विपोइज़ : अर्थशास्त्र क्लब

इक्विपोइज़ ने इक्विज़िटिव प्रश्नोत्तरी के साथ शुरू आत की, जो पीजीपी प्रथम वर्ष का अर्थशास्त्र और खेल सिद्धांत के प्रथम पुनरावर्तन का प्रारंभिक कार्यक्रम होता है। इसके बाद ट्रेडमार्क कार्यक्रम, अर्थशास्त्र अड्डा आयोजित किया गया था। अड्डा 1.0 ने एयर इंडिया के निजीकरण पर ध्यान केंद्रित किया, जबकि अड्डा 2 आगामी और संभावित रूप से खेल बदलने वाली ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी पर था और अड्डा 3 बड़ी एनपीए समस्या पर था जो भारत की बैंकिंग प्रणाली को प्रभावित कर रही है। सभी अड्डों में बड़े पैमाने पर प्रतिभागियों की उपस्थिति देखी गई, प्रतिभागियों ने अंतर्दृष्टिपूर्ण और विचार-विमर्श करने वाले बिंदुओं के साथ गहन चर्चा की।

इक्विपोइज़ ने 3 फिल्मों का प्रदर्शन किया जिनकी कहानियाँ आर्थिक सिद्धांतों और वैश्विक आर्थिक इतिहास में ऐतिहासिक क्षणों पर आधारित थीं, जैसे कि 2008 की यूएस मॉर्टगेज सिक्योरिटीज क्राइसिस।

क्लब के न्यूजलेटर मुतातीस मुतांदीस का प्रकाशन प्रत्येक सत्र में किया गया था और छात्रों के लिए अर्थशास्त्र की समझ में योगदान करने का एक शानदार तरीका था। क्लब के सदस्यों ने पूरे साल कई मजेदार और सूचनात्मक लेखों का योगदान दिया और न्यूजलेटर की वंशावली में वृद्धि की। आमोद-प्रमोद और खेलों के अलावा, इक्विपोइज़ ने माइक्रो और मैक्रोइकॉनॉमिक्स के लिए नियमित समाधानात्मक सत्रों को आयोजित करके उनकी शैक्षिक जिम्मेदारियों को भी बरकरार रखा। दोनों स्थाननों से पहले नवीनतम घटनाओं पर दिए गए विवरण के साथ समाचार सत्रों का आयोजित किया गया था। यह वर्ष गेम थ्योरी स्ट्रैटज़ेनिथ पर एक मजेदार गेम के साथ समाप्त हुआ, जिसे भारतीय गेम थ्योरी सोसाइटी के सहयोग से आयोजित किया गया था; और सोशल आउटरीच प्रोग्राम, जिसका उद्देश्य गृहव्यवस्थापन और सुरक्षा कर्मचारियों को उनके लाभ के लिए उपलब्ध कई सरकारी योजनाओं के बारे में शिक्षित करना था।

विनिमय परिषद

प्रत्येक वर्ष हर नए सत्र के छात्रों के लिए एक सप्ताह का नमस्ते इंडिया नामक एक मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इन गतिविधियों में एक रू ढिबद्ध परत तोड़ता सत्र, कैंपस टूर, हेरिटेज वॉक, साबरमती आश्रम दौरा, मूवी नाइट, स्वागत रात्रिभोज, विनिमय जश्न, फुटबॉल मैच आदि शामिल थे। ट्रेवल बाइबिल हमारे सभी सहयोगी विश्वविद्यालयों की जानकारी को मजबूत करने के लिए एक प्रयास रूपी पहल थी, इसमें छात्रों के व्यक्तिगत अनुभव साझा किये गए और जूनियर बैचों के लिए इस डेटा को पहुँचाया गया। एक्सचेंज शिविर पारंपरिक एक्सचेंज फेयर के पुनर्निमाण का एक प्रयास था।

इनके अलावा, स्नातक हो रहे छात्रों के लिए साझेदार विश्वविद्यालयों के साथ विनिमय रिक्तियों की बातचीत करने, विनिमय रैंकों को जारी करने, युरैल पास, फॉरेक्स, बीमा, आईएसआईसी कार्ड, अवरुद्ध खातों इत्यादि के लिए थोक सौदों को लाना, आदि सहयोगी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग के लिए अन्य शीर्ष बीस्कूलों के साथ परिषद की नियमित गतिविधियाँ और सुरक्षित यात्रा के लिए सुझावों के सत्र एलेन के साथ आयोजित किए गए थे। आने वाले छात्रों के लिए, परिषद ने दोस्तों के आवंटन के लिए पहचान कराई और पाठ्यक्रम बोली-प्रक्रिया प्रणाली का पुनर्गठन किया। परिषद ने अरविंद मिल्स और अमूल फैक्ट्री के औद्योगिक दौरे के लिए भी व्यवस्था की ताकि वे यह समझ सकें कि भारत में व्यवसाय कैसे काम करते हैं।

एफ़एबीएम समिति

समिति ने कृषि व्यवसाय में इंटरनेट पर सामान (आईओटी) पर एक वार्ता के लिए डॉ. शिवकुमार, आईबीएम निदेशक को आमंत्रित किया, जिसमें लगभग 100 से अधिक दर्शक थे। इस स्पीकर सत्र ने वर्तमान पीढ़ी के लिए कृषि व्यवसाय में इंटरनेट पर सामान (आईओटी) पर बहुत अच्छी जानकारी प्रदान की। दिसंबर 2017 में आयोजित अगले स्पीकर सत्र में सुश्री दिव्या अखिलेश ने 'कनेक्टिंग किसान डिजिटली' विषय पर एक वार्ता प्रस्तुत की।

इस समिति का मुख्य उद्देश्य कॉर्पोरेट जगत् में एफ़एबीएम की दृश्यता में सुधार करना है। समिति ने खाद्य और कृषि क्षेत्र से संबंधित जानकारी और घटनाओं को पोस्ट करना शुरू कर दिया है। जनवरी 2018 में, श्री भूषण ने खरीद और आपूर्ति श्रृंखला पर चर्चा की।

संकाय छात्र संवाद (एफएसआई) प्रकोष्ठ

यह वर्ष एफ़एसआई के लिए एक महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक वर्ष था, जिसमें पीजीपी प्रथम वर्ष (जीवन पर बोधपाठ) और पीजीपी द्वितीय वर्ष (भविष्य पर नजर) के लिए प्रोफ़ेसर आशीष नंदा की विदाई में और उनकी अमूल्य अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए उनके अनाधिकारिक सत्रों से शुरूआत की गई। इस वर्ष के दौरान प्रोफ़ेसर विश्वनाथ पिंगाली, प्रोफ़ेसर सुनील माहेश्वरी और प्रोफ़ेसर चिन्मय तुम्बे के साथ अन्य अनाधिकारिक सत्र आयोजित किए गए।

30 से अधिक संकाय सदस्यों और इसमें 200 छात्र प्रतिभागियों के साथ संकाय छात्र परामर्श कार्यक्रम इस साल भी जारी रहा। एफ़एसआई ने 10 सितंबर को वार्षिक शिक्षक दिवस का जश्न मनाया, जिसमें फुटलूज़, म्यूजिक क्लब और आईआईएमएक्ट्स जैसे क्लबों ने संकाय सदस्यों और उनके परिवारों के साथ भाग लिया। यह वर्ष छात्रों और संकायों की मिश्रित टीमों के बीच गली क्रिकेट के अनौपचारिक खेल के साथ समाप्त हुआ।

वार्षिक खेल दिवस 21 जनवरी, 2018 को सारा समिति के समन्वय में मनाया गया। इसमें प्रोफ़ेसरों, कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों, साथ ही साथ छात्रों में से 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस समारोह के दौरान कई खेल आयोजित किए गए। एफ़एसआई ने इसका समापन पीजीपी द्वितीय और पीजीपी प्रथम वर्ष के बैचों के साथ वार्षिक रात्रिभोज से किया।

फ़िनेस

ललित कला क्लब फ़िनेस, छात्रों और समुदाय को कला के आनंद को महसूस करने, परिसर में कुछ नया सीखने और रंगों की खूबसूरती बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करता है।

फिनेस ने, दो दिवसीय कला उत्सव आर्ट मेला के एक हिस्से के रूप में ऑफलाइन और ऑनलाइन प्रतियोगिताओं के साथ-साथ कार्यशालाओं और चित्रकला पार्टी की एक श्रृंखला की मेजबानी की। रहस्य बॉक्स प्रतियोगिता ने बड़ी संख्या में प्रतिभागियों को आकर्षित किया। परिसर को थोड़ा और रंगीन एवं आनंददायक बनाने की अपनी खोज में, फिनेस ने समुदाय के लिए मंडला कला, क्विलिंग से लेकर चारकोल स्केचिंग तक कई कला कार्यशालाओं का आयोजन किया। सोशल मीडिया चैनलों के माध्यम से, फ़िनेस समुदाय को सुंदर कला और शिल्प कार्यों के निर्माण के लिए खुद ही बनाएँ के वीडियो की एक श्रृंखला शुरू की। समुदाय के सदस्यों से शिल्पकृतियों को एकत्र किया और उनमें से सर्वश्रेष्ठ को मासिक गैलरी की शिल्पकृतियों में प्रदर्शित किया गया।

स्ट्रिंग आर्ट में हमारे राष्ट्रीय नेताओं को चित्रित करने वाली कला संस्थान के स्वतंत्रता दिवस समारोह के एक हिस्से के रूप में रखी गईं थी। फ़िनेस ने समुदाय के सदस्यों के लिए स्वच्छ भारत चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की।

खाद्य एवं कृषि व्यवसाय (एफ़एबी) प्रकोष्ठ

जागरूकता से लेकर कार्यशालाओं तक, वक्ता सत्रों से लेकर प्रश्नोत्तरी तक और पैनल चर्चाओं से लेकर समूह चर्चाओं तक के लिए किए जाने वाले अभियान से, खाद्य एवं कृषि व्यवसाय क्लब, अपने तरीके से, परिसर की वर्णात्मक कहानी में भोजन और कृषि व्यवसाय डोमेन के लिए जगह बनाने के लिए परिश्रमपूर्वक काम कर रहा है। वर्ष की शुरूआत संस्थान के भोजनालय में खाद्य अपशिष्ट के खिलाफ एक संवेदीकरण अभियान चलाकर की गई थी, जिसमें छात्र भोजनालय में पोस्टर लगाए गए और इस तथ्य के महत्व के बारे में लोगों को जागरूक किया कि खाद्य का अपशिष्ट कम से कम किया जाना चाहिए। गंभीर मुद्दों के प्रति जागरूकता पैदा करके बदलाव लाने के लिए यह हमारा छोटासा प्रयास था। एफ़एबी क्लब की अगली पहल ऑनलाइन क्विज़ थी जो साल भर आयोजित की गई थी और इसमें आईआईएमए समुदाय से बड़ी भागीदारी देखी गई।

एफ़एबी ने टीआरबीएस (जो वार्षिक प्रबंधन समारोह है) के सहयोग से एनसीडीईएक्स कार्यशाला आयोजित की जिसमें पूरे भारत के छात्रों ने भाग लिया। 16 अक्टूबर, 2017 को, एफ़एबी ने विश्व खाद्य दिवस को छात्र भोजनालय में मनाया जहाँ समुदाय ने बड़ी संख्या में भाग लिया। एफ़एबी न्यूज़लेटर के निरंतर परिसंचरण ने एफ़एबी को साल भर परिसर में इस क्षेत्र के बारे में जागरूकता पैदा करने में मदद की।

फुटलूज़

फुटलूज़ ने वर्ष के शुरूआत पीजीपी द्वितीय वर्ष और पीजीपी प्रथम वर्ष के बिग बैंग प्रदर्शन में विभिन्न प्रकार के गीतों के साथ नए साल का स्वागत किया। यह उन कुछ कार्यक्रमों में से एक था जिसका पूरे छात्र समुदाय ने स्वागत किया और न सिर्फ सदस्यों को बल्कि उत्साही दर्शकों के सामने अपने नृत्य कौशल का प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। अगली गतिविधि स्वतंत्रता दिवस समारोह थी जिसमें पीजीपी प्रथम और पीजीपी द्वितीय वर्ष के दोनों फुटलूज़ सदस्यों ने पहली बार अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए आरजेएम सभागार के मंच को हिलाकर रख दिया। शिक्षक दिवस पर, फुटलूज़ , आईआईएमएक्ट्स और म्यूजिक क्लब ने संकायों को सम्मान अर्पित करने के लिए एफ़एसआई के साथ सहयोग किया। बॉलीवुड शैली डांस का प्रदर्शन करते हुए पीजीपी प्रथम वर्ष द्वारा एक नृत्य प्रस्तुति की गई थी।

इसके बाद, हमने टीआरबीएस के रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन में पीजीपी प्रथम और पीजीपी द्वितीय छात्रों द्वारा किए गए बॉलीवुड और हिप-हॉप प्रदर्शनों से शानदार प्रस्तुति की। हर साल की तरह, फुटलूज़ ने संस्थान के स्थापना दिवस की शान में आयोजित समारोह में प्रदर्शन किया। कैओस में पहली बार फुटलूज़ ने प्रतिभागिता की। दर्शकों से खचाखच भरे एलकेपी प्रांगण में सभी ने अपनी अपनी टीमों को जोरों-शोरों से उत्साहित किया क्योंकि

प्रत्येक ने मंच पर टीम ने अपना नृत्य प्रस्तुत किया था। सबसे अच्छा प्रदर्शन फ्लैश मोब्स का था, जो कैओस टीम के सहयोग से था और समुदाय के सदस्यों ने कई कॉलेजों और अल्फा वन मॉल, अहमदाबाद में भाग लिया था। कल्टकॉम के सहयोग से फुटलूज़ ने होली के अवसर पर एक रंगारंग प्रदर्शन किया था।

उद्योग पारस्परिक क्रिया मंच (एफ़आईआई)

टीम ने फरवरी में स्थानन के दौरान भर्ती करने वालों की सहायता से शुरू आत की और उसके बाद सितंबर तक कई क्षेत्रों का पता लगाना जारी रखा। साथ ही, यह सुनिश्चित करने के लिए कि परियोजनाओं की आपूर्ति पंजीकृत टीमों की संख्या से अधिक हो, टीम ने स्रोत परियोजनाओं के लिए कई चैनलों का उपयोग किया। पहली बार, एफ़आईआई ने केवल एफ़पीएम के लिए कुछ परियोजनाएँ शुरू करने का फैसला किया, और नौ परियोजनाएँ विशेष रूप से प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए की। कुल मिलाकर, एफ़आईआई टीम ने चयन के लिए 55 परियोजनाएँ बैच के समक्ष प्रदान की हैं। इस साल एफ़आईआई ने आठ सरकारी परियोजनाओं को भी अनुबंधित किया जो अब तक सबसे ज्यादा हैं। इसके अलावा, छात्रों को साल भर विभिन्न राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने के अवसर प्रदान किए गए।

सामान्य प्रबंधन एवं नेतृत्व प्रकोष्ठ (जीएमएलसी)

जीएमएलसी ने एक रणनीति खेल के साथ अपने परिचालन शुरू किए जहाँ प्रथम वर्ष के दो छात्रों की टीमें एकदूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा कर रही थीं। इस कार्यक्रम की काफी सराहना हुई थी। ट्रेड और बीयॉन्ड विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई थी। इसके तुरंत बाद, एक एसओपी / एचआरक्यू सत्र आयोजित किया गए जिनमें छात्रों को आने वाले स्थानन अवसर के लिए एसओपी और एचआरक्यू लिखने के सुझाव दिए गए थे। एक जेन मैन नाइट का भी आयोजन किया गया था जिसमें दूसरे वर्ष के छात्रों ने अपने इंटर्नशिप अनुभव के बारे में पिछले साल का संक्षिप्त विवरण दिया था। 'द राउंडटेबल' शीर्षक के तहत पहला जीएमएलसी न्यूजलेटर लॉन्च किया गया। स्थानन तैयारी के लिए, क्लब ने 22 कंपनियों के लिए अपनी कंपनी को जानिए दस्तावेज तैयार किए। मुक्त दिवस (ओपन डे) का आयोजित किया गया था और इसमें अहमदाबाद के स्कूलों के छात्रों की भागीदारी देखी गई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को आईआईएमए छात्र जीवन के बारे में एक दिन का एहसास कराना था। परिसर में लगभग 500 छात्र आए थे।

हेरिटेज क्लब

अपनी गतिविधियों के माध्यम से, यह क्लब शहर के समृद्ध हेरिटेज स्थापत्यों की खोज को सुविधाजनक बनाने का प्रयास करता है। हर साल की तरह, हेरिटेज वॉक पूरे साल आयोजित किए गए। इन वॉक की योजना एक कथा के रूप में की गई थी जो शहर के विभिन्न हिस्सों से होकर गुजरती है, जैसे कि नाइट फ़ूड वॉक, जिसमें सिद्दी सैयद मस्जिद (जहाँ से संस्थान ने अपने लोगो का प्रतीक चिह्न लिया है), जामा मस्जिद को शामिल किया गया और माणिक चौक में स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया गया। इफ्तार वॉक और रथयात्रा फोटो वॉक जैसे त्यौहारों के मजे लेने के उत्सव वॉक ने विविध, समृद्ध, और राजस्थानी तथा गुजराती संस्कृति के अपने तरह के मेलमिलाप का स्वाद दिया। उत्तरायन (पतंग त्यौहार) के दौरान पतंग उड़ाने से इस उत्सव की अवधि के दौरान पतंग कारीगरों के जीवन की एक झलक मिली। क्लब ने अहमदाबाद ड्रम सर्किल के साथ एक कार्यक्रम जनवरी में आयोजित किया, और इसमें सौ से अधिक लोगों की भागीदारी देखी गई।

आईआईएमए सांस्कृतिक एवं नाट्य सोसाइटी (आईआईएमएक्ट्स)

यह वर्ष बेहद उपयोगी साबित हुआ क्योंकि आईआईएमएक्ट्स को वचनबद्धता और उत्साह के प्रतीक के रूप में देखा जाने लगा। पहली शैक्षिक अवधि वरिष्ठ छात्रों के वर्ष के पहले नाटक, ययाती की लुभावनी कहानी के साथ संपन्न हुई। साल का अगला नाटक ब्लैक कॉमेडी था, जो कि अपनी तरह के नाटकों में से एक था, जिसने नवांगतुक छात्रों को क्लब के वरिष्ठ छात्रों के साथ बातचीत करने और मित्रता का मौका दिया क्योंकि यह नवांगतुक छात्र अभिनेताओं का पहला नाटक था। अगली श्रृंखला में शिक्षक दिवस पर एफएसआई क्लब के सहयोग से एक नाटक था। लघु कॉमेडी नाट क ने संस्थान के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने के लिए एक विदेशी जाति के दिलचस्प परिदृश्य को प्रस्तुत किया, जिसमें संकायों ने छात्रों की भूमिका निभाई और ऐसे ही छात्रों ने संकायों के सामने उनकी भूमिका निभाई। छात्रों के लिए यह एक शानदार अनुभव रहा जिसमें प्रोफ़ेसर छात्रों के साथ खुलकर व्यवहार कर रहे थे।

वीडियोग्राफी विभाग इस साल काफी सक्रिय रहा है, आईआईएमएक्ट्स ने 'एवरीथींग इज़ कनेक्टेड' विषय पर छः मिनट की प्रयोगात्मक फिल्म टिक टॉक बनाकर इंडिया फिल्म प्रोजेक्ट द्वारा 48 घंटे की फिल्म निर्माण प्रतियोगिता में भाग लिया। आईआईएमएक्ट्स आईआईएमए के सांस्कृतिक महोत्सव कैओस के दौरान दो प्रोडक्शनों के साथ आगे बढ़ा, जिसमें नवांगतुक छात्र टीम द्वारा एक नुक्कड़ नाटक, तू अकेला है प्रस्तुत किया गया जो मानसिक स्थिति और अवसाद से पीड़ित लोगों के अनुभवों को निरू पित करता था और सीनियर छात्र टीम द्वारा बाकी इतिहास को प्रस्तुत किया गया। इस नाटक में अस्तित्ववाद और वैवाहिक भय के बारे में एक कथा प्रस्तुत की गई थी।

सलमान खान फिल्म्स द्वारा एक फिल्म (लवरात्रि) के लिए कास्टिंग रिकॉर्डिंग सत्र फरवरी के दौरान आईआईएमए समुदाय को इस तरह के बड़े उत्पादन में कार्य करने का अवसर प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया था। सीनियर छात्रों ने अंतिम नाटक के साथ

मंच पर अपनी अलविदा अभिव्यक्ति दिखाई, और टीम के नए छात्र उनके पहले चरण के नाटक हैप्पी फ़िनरल टू यू! नाटक के साथ आए। यह एक अंग्रेजी कॉमेडी था, जिसकी कथा एक जीवन से तंग आ चुके 50 वर्षीय व्यक्ति के आस-पास घूमती है और उसकी पत्नी उसके लिए अपरंपरागत जन्मदिन की पार्टी की योजना बनाती है जो मंच पर खलबली मचाती है।

आईआईएम एली

यह वर्ष 22 और 23 जुलाई, 2017 को एलजीबीटीक्यू सम्मेलन के साथ शुरू हुआ। यह एक फ़ोटोबूथ सत्र और फिल्म स्क्रीनिंग सत्र था जिसमें श्री श्रीधर रंगायन परिसर पर कशिश फिल्म समारोह लेकर आए थे। इसमें मिंगल के श्री उदयन धर जैसे अतिथि वक्ता थे जिन्होंने कार्यालयों में एलजीबीटीक्यू अनुकूलन नीतियों के महत्व के बारे में चर्चा की थी। हमसफ़र ट्रस्ट के संस्थापक श्री अशोक राव कवि द्वारा प्रस्तुत एक अन्य वक्ता सत्र का भी आयोजन किया गया। आईआईएम एली अगली बार साराहाह पर गए ताकि लोग समलैंगिक समुदाय के लिए अपने विचारों और टिप्पणियों को प्रदर्शित करके बेहतर जगह बनाने के लिए जानकारी ले सकें। एसपीसीडीसी के साथ आयोजित एक सदस्य संवेदीकरण कार्यक्रम, दो अतिथि वक्ताओं, जेसिका लिन ने एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति के रूप में अपनी जीवनयात्रा के बारे में बात की, और देवदत्त पटनायक ने छात्रों के साथ संवाद किया।

टीआरबीएस के दौरान हरीश अय्यर के एक सत्र में धारा 377 को चर्चा में शामिल किया गया था। क्लब ने व्हाट इफ आई हैड टू कम आउट नामक एक कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें प्रतिभागियों को खुद को समलैंगिक समुदाय से संबंधित किसी व्यक्ति के रूप में कल्पना करने के लिए कहा गया और वर्णन लिखने को कहा गया कि दुनिया उन्हें कैसे महसूस कर सकती है। एक अन्य कार्यक्रम 'इंद्रधनुष के रंग' में समलैंगिक साहित्य, कविता, कला, संगीत और सिनेमा पर चर्चा की गई। 'अभिव्यक्ति' में लोगों को मानव अधिकारों के बारे में लिखने के लिए विश्व मानवाधिकार दिवस मनाया गया। क्लब ने आईआईएम एली ब्लॉग भी शुरू किया और परिसर में सुधार और परिसर को संवेदनशील बनाने के लिए दो ऑनलाइन क्विज़ आयोजित की गई। परिसर में अतिथि वक्ताओं में लैबिया से चयनिका शाह और शाल्स महाजन शामिल थे और हमसफर ट्रस्ट से होशैंग मर्चेट, और कोनिनीका रॉय शामिल थे।

साहित्यिक संगोष्ठी डेस्क (एलएसडी)

साहित्यिक संगोष्ठी डेस्क ने नई पहलों के साथ एक बेहद सफल वर्ष देखा। वर्ष को नवांगतुक छात्रों के लिटविक कार्यक्रम के साथ ध्वजांकित किया गया था जो एक ऐसा कार्यक्रम है जो आने वाले बैच को अपनी विभिन्न साहित्यिक संभावनाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। परिसर के भीतर एक बहस संस्कृति का निर्माण करने के लिए, एलएसडी ने स्वच्छ भारत और आधार परियोजना जैसे विभिन्न प्रकार के प्रस्तावों के साथ नियमित संसदीय और अध्यक्षीय बहस का आयोजन किया। बहस कैलेंडर की हाइलाइट स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित संकायछात्र बहस थी। इस बहस में प्रोफ़ेसर आशीष नंदा और प्रोफ़ेसर अजय पांडे ने 'इस घर में एक असफल लोकतंत्र पर एक समृद्ध लोकतंत्र को वरीयता मिलेगी' मुद्दे पर एक छात्र टीम का प्रतिनिधित्व किया।

एलएसडी को निहिलांत 2018 में अपनी शानदार जीत के द्वारा देश में सबसे प्रतिष्ठित कॉलेज क्विजिंग टूर्नामेंट में अपने योगदान पर बहुत गर्व है। आईआईएमए टीमों ने 20 से अधिक अन्य आईआईएमों और आईआईटियों के 370 प्रतिभागियों के बीच अपनी सर्वोच्चता को पहचान दिलाई। एलएसडी सदस्यों ने टाटा क्रूसिबल 2018 में भी उपविजेता के रूप में अपनी उपस्थिति को चिह्नित किया। एलएसडी के लेखन कक्ष ने विभिन्न लेखों और कहानियों के माध्यम से ब्लॉग को पुनर्जीवित किया। इसके अलावा, लिट-ए-रैली और अन्य कार्यक्रमों के दौरान सशक्त रचनात्मक लेखन प्रतियोगिताएँ और वर्ड गेम्स बेहद सफल रहे। छात्रों के आउटगोइंग बैच के लिए वार्षिक पुस्तक प्रकाशित करके एलएसडी ने शैक्षणिक वर्ष का समापन किया।

सिनेमा-और-डिजाइन (एमएडी) क्लब

अपने अध्ययन समूह के साथ संबंध भावनात्मक रोलरकोस्टर की तरह हो सकते हैं। इन भावनाओं का फिल्मांकन करने के लिए, एमएडी क्लब एक लघु फिल्म के रूप में 'ईमानदार अध्ययन समूह' की अवधारणा के साथ आगे बढ़ा। इसमें प्रारंभिक दिनों से शुरू एक सामान्य अध्ययन समूह की कहानी दिखाई गई है, और कैसे असाइनमेंट्स को बीमारी में या स्वास्थ्य के माध्यम से, पीपीटी में और जूस में गुजरते हुए पूरा किया गया यह बताया गया था। स्क्रिप्टिंग टीम के साथ कई चर्चाओं के बाद सात दृश्यों के लिए स्क्रिप्ट को अंतिम रूप दिया गया था। चुनाव क्यूतियापा वीडियो जारी किया गया दिसंबर आते ही, और छात्रावास गलियारों में 'फ़ोगिंग' सामान्य बन जाता है और 'पिचिंग' द्वारा बदल दिया जाता है, परिसर में कई पीओआर के लिए दावेदारों में से एक चौंकाने वाली सारणी के रूप में वोट के लिए प्रचार करने के लिए अपने दैनिक राउंड पर चलते हैं। रेट्रो बॉलीवुड और कॉमिक्स के बारे में दो ऑनलाइन क्विज़ के अलावा, एमएडी टीआरबीएस 2017 क्विज़ वर्ष 2017-18 में एमएडी द्वारा आयोजित प्रमुख ऑफलाइन क्विज़ था।

शैक्षणिक वर्ष का पहला स्क्रीनिंग कार्यक्रम गेम ऑफ़ थ्रोन्स के बहु प्रतीक्षित सत्र प्रीमियर की स्क्रीनिंग के साथ शुरू हुआ। यह वर्ष कैओस सप्ताहांत के दौरान बाहूबली श्रृंखला की स्क्रीनिंग जैसे समान कार्यक्रमों के साथ जारी रहा, 'मोना लिसा स्माइल' (डब्लूएलएस के सहयोग से) और कई स्पोर्ट्स स्क्रीनिंग्स (मैनचेस्टर सिटी-लिवरपूल और मैनचेस्टर यूनाइटेड-लिवरपूल के साथ जारी

रहा। एक वृत्तचित्र 'एन दिनो मुजफ्फरनगर' की स्क्रीनिंग में सह-निदेशक मीरा चौधरी की उपस्थिति को दर्शकों ने चिह्नित किया।

मीडिया प्रकोष्ठ

पिछले शैक्षणिक वर्ष में मीडिया सेल का काम आने वाले बैच के एक आधिकारिक फेसबुक समूह द्वारा बोर्डिंग के साथ शुरू हुआ। आने वाले बैच को एक स्वागत पुस्तिका और स्वागत वीडियो के माध्यम से आगे क्या आएगा उसका आस्वादन कराया गया था। पिछले एक साल में, मीडिया सेल के आकर्षण, बुद्धि और विनोद अपने ब्रिक इन द वॉल न्यूज़लेटर के माध्यम से छात्र निकाय के दरवाजे तक पहुँच गए। फरवरी के प्रारंभ में 50 प्रेस विज्ञप्तियों का रिकॉर्ड स्थापित किया गया। मीडिया सेल ने कैंपस पर सामग्री तैयार करने की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 'द राइटिंग ऑन द वॉल' पहल के साथ अपना काम जारी रखा।

मार्गदर्शन प्रकोष्ठ

मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के लिए यह एक अद्‌भुत वर्ष रहा। इस वर्ष में पीजीपी में मेंटर बनने के लिए आवेदनों की संख्या में बड़ी वृद्धि हुई जो (230 से अधिक पीजीपी) पिछले साल उनके परामर्शदाताओं के साथ अच्छे अनुभवों की भावना से बढ़ी थी। इस साल आने वाले बैच में इस प्रकोष्ठ ने 117 परामर्शदाता (80 से आगे वृद्धि) आवंटित किए। परामर्श कार्यक्रम के अलावा, प्रकोष्ठ ने एचआरक्यू और अन्य तत्वों के संबंध में ग्रीष्मकालीन स्थानन प्रक्रिया की तैयारी के लिए अन्य क्लबों के साथ कई कार्यशालाएँ भी आयोजित कीं, जिनमें रॉय चार्ल्स एडिंगटन द्वारा आयोजित प्रमुख सत्र शामिल है।

भोजनालय (मेस) समिति

भोजनालय समिति परिसर में ताजा और स्वास्थ्यप्रद भोजन के प्रावधान को सुनिश्चित करने के लिए ज़िम्मेदार रही और इसके लिए साप्ताहिक / द्वि-साप्ताहिक लेखा परीक्षाओं को इसने अंजाम दिया। समिति की सहायता से छात्र भोजनालय में एक नए खाद्यविक्रेता ने शुरू आत की और पारंपरिक हार्वर्ड डिनर के साथ पीजीपी द्वितीय वर्ष के छात्रों ने पीजीपी प्रथम वर्ष के छात्रों का आईआईएमए के परिसर जीवन में महाभोज के साथ स्वागत किया। भोजन की बर्बादी का ध्यान रखने के लिए भोजनालय में वजन करने की मशीन रखी गई ताकि अपव्यय को कम किया जा सके। ताजा फल, उबले हुए अंडे, ढोकला और उपमा जैसे स्वस्थ विकल्पों को कक्षाओं के बाहर कक्षा के बीच ब्रेक में प्रस्तुत किया गया। दो नए अनुबंध जारी किए गए; हेरिटेज कैंपस में टीपॉस्ट और दूसरा एसएबी क्षेत्र में वाइसिस एंड स्पाइसिस। टीपोस्ट विभिन्न प्रकार की चाय, कॉफी, और अन्य पेय पदार्थ प्रदान करता है। यहाँ हांडवो, थेपला, भाखरी जैसे गुजराती व्यंजनों की भी पेशकश होती है। वाइसिस एंड स्पाइसिस में आईआईएमए समुदाय के लिए घर का बना भोजन और विशेष रूप से थाली परोसी जाती है।

यह वर्ष सफल स्थानन सत्र के अवसर पर आउटगोइंग बैच को बधाई देने के लिए संकाय छात्र संवाद युक्त दो रात्रिभोज समारोह और एक बैच रात्रिभोज के साथ समाप्त हुआ।

संगीत क्लब

इस वर्ष की शुरू आत परंपरागत कार्यक्रम 'आग़ाज़ 2017' के साथ हुई जिसमें क्लब के दूसरे वर्ष के छात्र सदस्यों ने शानदार प्रदर्शन के साथ नए बैच का स्वागत किया। अगला कार्यक्रम 'हाई होप्स' था, जो प्रथम वर्ष के छात्र सदस्यों द्वारा किया गया, जो फिर से अत्यंत सफल कार्यक्रम रहा था। क्लब ने स्वतंत्रता दिवस पर कुछ सदाबहार देशभक्ति गीतों के साथ देशभक्ति की भावना को फैलाया। परिसर में ओणम उत्सव के समय क्लब की तरफ से काफी संगीत प्रदर्शन देखा गया। इसके बाद, कामधेनू फाउंडेशन द्वारा प्रयास के बच्चों के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में क्लब ने भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रदर्शन किया। क्लब के संगीत प्रदर्शन के माध्यम से आईआईएमए के पूर्व निदेशक प्रोफ़ेसर आशीष नंदा के लिए विदाई समारोह आयोजित किया। क्लब ने शिक्षक दिवस पर संकायों को आदर अर्पित करने के लिए एफएसआई के साथ सहयोग करके प्रदर्शन किया। अगला कॉन्सर्ट जैसा प्रदर्शन मैनेजमेंट फेस्ट - रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन 2017 के दौरान लोकप्रिय लुई कान प्लाजा में आयोजित किया गया था - जिसने पूरे शहर से दर्शकों को आकर्षित किया था।

निशे

विपणन क्लब निशे ने खचाखच भरे दर्शकों के समक्ष गूगल द्वारा डिजिटल मार्केटिंग सत्र के एक कार्यक्रम से वर्ष का समापन किया। परिसर में पीजीपी प्रथम वर्ष छात्रों के आगमन को सभी नवांगतुक छात्र क्विज़ ब्रेकिंग द ब्रांड द्वारा मनाया गया, जो ब्रांड प्रबंधन पर आधारित थी और प्रतिभागियों को विपणन दुनिया में ब्रांडों की शक्ति की एक झलक प्रदान की गई। पीजीपी प्रथम वर्ष के छात्रों को भी चक्रव्यूह में मजा आया, यह समय निर्धारित गतिविधि है जो टी-नाइट का मुख्य आकर्षण है। निशे के प्रमुख न्यूज लेटर में, थ्रू लुकिंग ग्लास ने छात्र समुदाय के अंतर्दृष्टिपूर्ण लेख, रोमांटिक, मज़ेदार विपणन तथ्यों के साथ प्रकाशित हुए।

ऑप्टिमा : संचालन क्लब

ऑप्टिमा ने संचालन प्रबंधन ज्ञान केंद्र के रूप में कार्य करते हुए प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों के वक्ता सत्रों की मेजबानी की जैसे कि डॉन कॉलहैन, ऑपरेशंस एंड टेक्नोलॉजी के प्रमुख, सिटी बैंक; जयपुर रग्स के संस्थापक नंद किशोर चौधरी; और श्रीजीत ऋषिकेश, ज़ूम कार के ऑपरेशंस उपाध्यक्ष। यह क्लब एक परामर्श कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को सलाह देने के लिए परिश्रमपूर्वक काम कर रहा है। विभिन्न संस्थानों में होने वाले समारोहों को साझा करने के लिए एक अखिल भारतीय बीस्कूल नेटवर्क विकसित किया गया है। पीजीपी प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए शिक्षाविदों

के समर्थन में, ओप्समेनिया नामक एक ऑनलाइन क्विज़ की श्रृंखला आयोजित की गई, साथ ही साथ ओएम पाठ्यक्रमों के लिए आरईएम भी आयोजित किए गए।

छात्र समुदाय के लिए एक लाइव क्विज़ शो, ओप्सपति और सिमुलेशन गेम आयोजित किए गए थे। क्लब ने मासिक समाचार पत्र में ताजा घटनाओं और विभिन्न क्षेत्रों में आपूर्ति श्रृंखला के विकास को भी साझा किया। इस क्लब ने केपीएमजी के संरक्षण के तहत व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त सिक्स सिग्मा ग्रीन बेल्ट कार्यक्रम की सुविधा प्रदान की। इस क्लब ने भारत में सभी लोकप्रिय बीस्कूलों के लिए टीआरबीएस टीम के सहयोग से एक केस स्टडी प्रतियोगिता, ओपस्ट्रक्ट का आयोजन किया।

पैनेसिया

पैनेसिया, स्वास्थ्य सेवा क्लब ने आईआईएमए समुदाय का शारीरिक कल्याण सुनिश्चित करने और स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए छात्रों का समर्थन करने के उद्देश्य से गतिविधियाँ आयोजित की। परिसर में आने से पहले पीजीपी प्रथम वर्ष बैच के साथ एक दस्तावेज़ साझा किया गया था। इस दस्तावेज में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, संपर्क सूत्र (चिकित्सालय, फ़ार्मेसी, एम्बुलेंस इत्यादि), प्रशासन द्वारा छात्र कल्याण के लिए किए गए उपायों और कुछ प्रचलित बीमारियों के खिलाफ छात्रों द्वारा लिए जाने वाले निवारक उपायों का विस्तृत विवरण था। आईआईएमए समुदाय को स्वास्थ्य देखभाल के मुद्दों के बारे में संवेदनशील बनाने के लिए, 'समग्र स्वास्थ्य और कल्याण' विषय पर मिकी मेहता द्वारा एक व्याख्यान सत्र आयोजित किया गया था। क्लब ने आईआईएमए समुदाय को स्वास्थ्य से संबंधित आपातकालीन परिस्थितियों के लिए बेसिक लाइफ सपोर्ट पर एक त्वरित सत्र और शेल्बी अस्पताल के साथ प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण आयोजित किया। समुदाय के लिए उच्च स्वास्थ्य मानकों को सुनिश्चित करने के लिए, एक निशुल्क नेत्र जाँच शिविर आयोजित किया गया। अहमदाबाद में स्वाइन फ्लू फैलने के कारण, पूरे समुदाय के लिए मेडप्लस के सहयोग से एक टीकाकरण अभियान आयोजित किया गया था। अपनी क्विज़ श्रृंखला और समाचार पत्रों के माध्यम से, पैनेसिया क्लब ने स्वास्थ्य देखभाल उद्योग में मौजूदा रुझानों के साथ छात्रों को अद्यतन रखने में मदद की। पैनेसिया ने डीएटीआरआई के सहयोग से रक्त स्टेम सेल दान पर जागरूकता सत्र आयोजित किया, जिसके बाद इच्छुक दाताओं का पंजीकरण किया गया था। क्लब ने ब्रोशर और दाता कार्ड के माध्यम से अंग दान के बारे में शतायू द्वारा जागरूकता अभियान की सुविधा प्रदान की। जीसीआरआई और रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से दो बार रक्तदान शिविर आयोजित किए गए, जिनमें समुदाय की बड़ी संख्या में भागीदारी देखी गई।

पर्स्पेक्टिव (परिप्रेक्ष्य)

वर्ष 2017-18 की शुरूआत आईआईएमए समुदाय से जुटने वाली भीड़ के साथ फोटों से छात्र भोजनालय की फोटोगैलेरी की सजावट के साथ हुई। फोटोग्राफी में उत्साही लोगों को उनके फोटोग्राफी कौशल को अगले स्तर तक ले जाने में मदद करने को लक्षित, क्लब पर्स्पेक्टिव ने फोटोग्राफी डेमिस्टिफाइड का आयोजन किया, जो आधारभूत फोटोग्राफी कार्यशाला है जिसमें डीएसएलआर चलाना, एक्सपोजर त्रिकोण और मोबाइल फोटोग्राफी जैसे पहलुओं को शामिल किया गया।

डीएसएलआर चलाना सीखने के लिए अनौपचारिक माहौल प्रदान करने पर ध्यान देने के साथ, पर्स्पेक्टिव ने कार्यशालाओं की एक नई श्रृंखला शुरू की रविवारीय डीएसएलआर। एक नई कार्यशाला लाइट ग्राफिटी को अच्छी सराहना मिली। यह कैकर्स, मनोहर रोशनी, और लेजर रोशनी के उपयोग के साथ लंबे एक्सपोजर शॉट्स से बनी थी। पर्स्पेक्टिव ने प्रतिभागियों की स्मृति बनाए रखने के लिए परिसर में विभिन्न छात्र गतिविधियों की विस्तृत सूचना देना जारी रखा। व्यावसायिक स्टूडियो रोशनी और तकनीकों का उपयोग करके आने वाले विनिमय छात्रों के लिए औपचारिक रेड ब्रिक्स फोटो पर क्लिक करने की ज़िम्मेदारी ली। छात्र भोजनालय की गैलरी को फिर से सजाया गया और रविवारीय डीएसएलआर का एक और सत्र आयोजित किया गया था।

जैसे ही विनिमय छात्र तीसरे सत्र में वापिस आए, विषादसी छाई रही और कॉर्प-डीएस – और परिप्रेक्ष्य क्लब ने समुदाय की यादें बनाए रखने में मदद की जिसने 25 से अधिक छात्रावासों में 'छात्रावास फोटोशूट' को समन्वयित करके यादों को फिर से जीवित किया।

उत्पाद प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी क्लब

उत्पाद प्रबंधन प्रौद्योगिकी क्लब ने पिछले साल कई गतिविधियाँ शुरू की हैं। यह एक करियर क्लब के रूप में, उत्पाद प्रबंधन पर ध्यान देने के साथ प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कैरियर को बढ़ावा देने और हाइलाइट करने के लिए कार्य करता है। लंदन स्थित फेसबुक के एक वरिष्ठ उत्पाद प्रबंधक ने कैरियर के रूप में उत्पाद प्रबंधन के बारे में बात की। नेक्स्ट एजुकेशन के सहसंस्थापक एवं मुख्य कार्यरकारी अधिकारी बीयास रहलान ने शुरूआत करने और शिक्षा स्टार्टअप चलाने की चुनौतियों के बारे में चर्चा की। फेसबुक के निदेशक संदीप भूषण टीआरबीएस के एक हिस्से के रूप में एक अन्य प्रमुख वक्ता थे। पीजीपी प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष और पीजीपीएक्स छात्रों के लाभ के लिए माइक्रोसॉफ्ट, मीडियानेट और गूगल जैसी कंपनियों द्वारा व्याख्यान सत्र और कार्यशालाएँ आयोजित की गई।

क्लब ने पूरे साल कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें तकनीक विषयकेन्द्रित क्विज़ श्रृंखला (ऑफलाइन और ऑनलाइन) 'टेक्नोमेनिया', पीएम लाइव नामक एक राष्ट्रीय स्तर का टीआरबीएस कार्यक्रम, जिसमें मौलिक उत्पाद प्रबंधन कौशल को परीक्षित किया गया और टेक इमेजिनेशन नामक एक तकनीकी विचारधारा प्रतियोगिता सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। पीएम लाइव ने पूरे देश की बी-स्कूलों के छात्रों की भागीदारी को आकर्षित किया। क्लब ने प्रासंगिक पाठ्यक्रमों (जैसे आईईबी) के लिए उपचारात्मक सत्र आयोजित करके अकादमिक तैयारी में भी सहायता की है।

प्रकृति : आईआईएमए का प्रकृति एवं निरंतरता क्लब

प्रकृति पर्यावरण संबंधी चिंताओं के साथ-साथ संवेदनशीलता के माध्यम से संसाधनों के निरंतर प्रबंधन के बारे में प्रकृति की भावना का प्रचार करने के लिए है। इस क्लब ने आईआईएमए समुदाय के साथसाथ बाहरी समुदाय को भी शामिल करने पर ध्यान केंद्रित किया है। इस क्लब ने ऊर्जा बचाने के लिए छात्रावासों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा पर एक प्रस्तुति याने डॉर्म एनर्जी वॉर्स जैसी गतिविधियों को आयोजित किया, एडॉप्ट-ए-सैपलिंग ड्राइव (एक पौधा-दत्तक-लें अभियान) में छात्रों को आग बढ़ाने एवं पोषित करने के लिए 100 पौधे निःशुल्क वितरित किए गए, और गीर वन का दौरा किया जिसमें लगभग 30 छात्रों को प्रकृति से जुड़ने का अवसर मिला। क्लब ने एक साइकल यात्रा करके साबरमती रिवरफ्रंट का दौरा आयोजित किया। इस क्लब ने रीड्यूस-रीयूजरी-सायकल ड्राइव (कम उयोग-पुनः उपयोग अभियान) आयोजित किया जिसमें पुराने कपड़ों और नोटबुकों का संग्रह शामिल था और उन्हें गूँज एनजीओ को दान किया गया था। क्लब ने पक्षियों के बारे में जागरू कता बढ़ाने के लिए परिसर के अंदर पक्षी वॉक की पहल की थी। कुल मिलाकर, क्लब ने हितधारकों के दैनिक जीवन के आचरण में छोटे व्यवहारिक परिवर्तनों के प्रति मार्ग प्रशस्त करने और पर्यावरण की तरफ जवाबदेही बढ़ाने में अपनी भूमिका निभाई।

प्रयास : आईआईएमए की एक सामाजिक पहल

प्रयास सन् 2003 में 10 बच्चों से शुरू हुआ था जिसकी संख्या बढ़कर आज 110 बच्चों (कक्षा 1 से कक्षा 12 तक) तक हो गई है। यह उनकी स्कूल फीस प्रायोजित करता है और उन्हें शाम को पूरक कक्षाएँ प्रदान करता है जिसके लिए इसने पाँच शिक्षकों को नियुक्त किया है। प्रयास का उद्देश्य कथन वंचित बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अच्छा बचपन प्रदान करना है। प्रयास ने पूरे साल कई गतिविधियों का आयोजन किया। इसने फिनेस के सहयोग से कला और शिल्प पर दो कार्यशालाओं का आयोजन किया। बच्चों ने फ़ुटलूज़ की सहायता से स्वतंत्रता दिवस पर नृत्य प्रस्तुत किया। प्रयास के बच्चों ने अहमदाबाद स्थित एनजीओ अप्रोच द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के लिए भी नृत्य प्रदर्शन किया । जूनियर और वरिष्ठ बच्चों ने कैओस 2018 में एक शानदार नृत्य प्रदर्शन किया।

उपहार देने वाले सप्ताह (जॉय ऑफ़ गिविंग) की खुशी अक्टूबर के पहले सप्ताह में प्रयास के बच्चों के साथसाथ आईआईएमए समुदाय द्वारा पूर्ण उत्साह के साथ मनाई गई थी। एक 'इच्छा वृक्ष' (विश ट्री) समारोह का आयोजन किया गया था जहाँ प्रत्येक बच्चे की इच्छाएँ आईआईएमए समुदाय के किसी व्यक्ति द्वारा पूरी की गई थीं। आईआईएमए में एक दिन मुख्य रूप से धनराशि इकट्ठा करने का समारोह था जिसमें अहमदाबाद के अन्य कॉलेजों के छात्रों ने आईआईएमए के छात्र जीवन को एक दिन में अनुभव करने के लिए भाग लिया था।

प्रयास ने अभिभावक देवदूत कार्यक्रम शुरू किया जिसमें एक व्यक्ति एक बच्चे की एक साल की शिक्षा प्रायोजित कर सकता था। इसने हर महीने प्रायोजक को बच्चे की विस्तृत रिपोर्ट के कार्ड प्रदान किए। इस गतिविधि में कुल 66 प्रायोजक शामिल हुए।

सार्वजनिक नीति क्लब

सार्वजनिक नीति क्लब ने संस्थान में नीतिगत मुद्दों की बेहतर समझ के लिए अनुकूल वातावरण विकसित करने के उद्देश्य से पूरे वर्ष कई गतिविधियों का आयोजन किया और इस प्रकार छात्र समुदाय को नीतिगत मामलों के बारे में अधिक जानकारी देने में मदद की। सबसे महत्वपूर्ण गतिविधियों में से एक पीवीसीएचआर के सहयोग से निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें छात्रों से सक्रिय भागीदारी देखी गई।

सार्वजनिक नीति के क्षेत्र में प्रख्यात व्यक्तित्वों में से दिलनवाज़ वरियावा, आईआईएमए पूर्वछात्रा, प्रोफ़ेसर एस.पी. कोठारी, दिग्गज शैक्षिक विद्वान, प्रोफ़ेसर हर्ष मंदर, पूर्व आईएएस, तथा सुश्री गौरी त्रिवेदी, पूर्व अधिकारी, तथा अन्य के साथ वक्ता सत्र की एक श्रृंखला आयोजित की गई थी। वक्ताओं ने आईआईएमए समुदाय के साथ अपने अनुभव साझा किए और उन मामलों पर प्रकाश डाला जो सार्वजनिक डोमेन में नहीं थे। इस क्लब ने विभिन्न महत्वपूर्ण नीति निर्णयों (अड्डा) पर चर्चा आयोजित की जिसमें छात्रों, अधिकारियों, तथा साथ ही संकाय सदस्य भी शामिल थे।

सत्ता, रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन के सहयोग से इस क्लब द्वारा आयोजित एक प्रमुख कार्यक्रम था जिसमें देश भर से आए प्रतिभागियों को देखा गया। इसकी अध्यक्षता जीएनएलयू और आईआईएमए के प्रोफेसरों ने की थी। इसमें सार्वजनिक नीति के मुद्दों से संबंधित केस प्रतियोगिताएँ शामिल थी और इन प्रतियोगिताओं में उत्साही भागीदारी देखी गई। क्लब द्वारा प्रकाशित मासिक समाचार पत्र पॉलिसी रीव्यू में वर्तमान घटनाओं और सार्वजनिक नीति के मुद्दों की प्रासंगिकता पर विचार व्यक्त करने वाले लेख शामिल थे।

शेयर

शेयर ने ज्ञान साझा करने के लिए एक मंच के रूप में शुरू आत की, और अब बड़े पैमाने पर इसकी वृद्धि हुई है, अब यह एक थिंक टैंक, एक कॉर्पोरेट प्रशिण केंद्र, एक सामाजिक नेटवर्क और नवप्रवर्तक परामर्शन संगठन के बीच एक मिश्रण के रूप में काम कर रहा है। शेयर अपने सदस्यों को प्रशिक्षित करता है और उन्हें 15 से अधिक देशों के छात्रों के साथ बातचीत करने के अवसर प्रदान करता है। शेयर - आईआईएमए, वैश्विक शेयर के प्रमुख चैप्टरों में से एक है।

पिछले साल, शेयर ने 'आईबैच' प्रतियोगिता (अंतरराष्ट्रीय बैच) की शुरूआत की, जिसमें 300 से अधिक वैश्विक छात्रों की भागीदारी देखी गई। संस्थान के छात्रों ने इस 6 महीने लंबे समारोह में सक्रिय रूप से भाग लिया। वे शेयर वैश्विक कार्यक्रम में सुधार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं।

पिछले सितंबर में वालेओ के लिए एक वरिष्ठ सदस्य को कैंपस राजदूत के रूप में चुना गया था। वरिष्ठ सदस्य दल ने इस वर्ष दो वैश्विक परामर्श परियोजनाएँ भी शुरू कीं, एक भवननिर्माण क्षेत्र में और दूसरी स्वचालित क्षेत्र में। वरिष्ठ टीम के एक सदस्य को शेयर वर्ल्ड सेमिनार के लिए चुना गया है जो कि कैम्ब्रिज में आयोजित होने वाली है। पूरे एशिया में नए शेयर चैप्टरों को सलाह देने के लिए योजनाएँ बनाई गई हैं और इससे समुदाय को पूरी दुनिया में मजबूती से बढ़ने में मदद मिलेगी।

स्माइल

स्माइल को इस प्रतिवेदन में अन्य स्थान पर भी शामिल किया गया है; स्माइल के छात्र स्वयंसेवक केंद्र का दौरा करते हैं और कमजोर छात्रों के लिए सुधारात्मक शिक्षा में शामिल होते हैं और बच्चों के समग्र विकास के लिए पाठ्येतर गतिविधियों का आयोजन करते हैं। अकादमिक टीम ने अपनी अवधारणाओं और अकादमिक क्षमताओं में सुधार करने में छात्रों की सहायता के लिए भाषा बाधाएँ और कम अकादमिक क्षमता जैसे मुद्दों पर संघर्ष किए। अधिकांश सदस्यों ने हर सप्ताह कम से कम दो घंटे व्यतीत करके छठवीं से बारहवीं कक्षा तक के बच्चों को पढ़ाया। बच्चों के कौशल में सुधार करने के लिए, कंप्यूटर कक्षाएँ पेश की गईं। फ़िनेस के सहयोग से क्विलिंग और फ़ुटलूज़ के सहयोग से नृत्य कार्यशाला जैसी पाठ्येतर गतिविधियाँ वर्ष भर आयोजित की गईं। स्माइल टीम ने स्माइल की पहल के बारे में जागरू कता बढ़ाने के लिए वस्त्रापुर क्षेत्र में तथा उसके आसपास के समुदायों से मुलाकातों का आयोजन किया। क्षेत्रीय दौरे नियमित रूप से आयोजित किए जाते थे जिनमें स्वयंसेवकों ने छात्र परिवारों से मुलाकात की और शिक्षा के महत्व पर बल दिया। निम्नस्तर तक परियोजनाओं पर काम करने की एक नई पहल इन समुदाय मुलाकातों की अंतर्दृष्टि के परिणामस्वरूप उभर आई। इस पहल के तहत, विभिन्न स्वसहायता समूहों की पहचान की गई और उन्हें अपनी व्यावसायिक दक्षता और कारोबार में सुधार करने के तरीके पर निर्देशित किया गया। इन परियोजनाओं में से कुछ को आगे के विकास के लिए सीआईआईई के पास भी भेजा गया था। स्माइल ने रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन के दौरान महिला पैचवर्क समिति के लिए एक स्टाल का आयोजन किया।

खेल समिति

स्पॉर्ट्सकॉम ने परिसर में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण के साथ अपना वर्ष शुरू किया। जूनियर-सीनियर छात्रों के बीच खेल टूर्नामेंट यलगार वर्ष का पहला कार्यक्रम था, जिसने इस वर्ष नई ऊंचाइयाँ हासिल की क्योंकि इस बार छह नए खेलों को जोड़ा गया था। कबड्डी, महिला फुटबॉल, हॉकी और खोखो सहित नए खेलों ने खेलोत्सव में अतिरिक्त उत्साह बढ़ाया, जबकि आने वाले बैच की तैयारी करते समय भी आगामी समारोहों में वे उनकी भूमिका के अनुसार शामिल हो सकेंगे। संस्थान ने अपना पहला पोकर टूर्नामेंट भी देखा, जिसने पोकर मुकाबलों के बीच अद्वितीय उत्साह व्यक्त किया। परिसर में क्रिकेट, बैडमिंटन और फुटबॉल जैसे खेलों के लिए आईआईएमए प्रीमियर लीग (आईपीएल) नामक अपनी पहली लीग भी देखी गई। आईपीएल ने नीलामी और खेलों के दौरान प्रबंधकों और खिलाड़ियों के रूप में छात्रों द्वारा उत्साहजनक भागीदारी देखी गई। इस बार स्पोर्ट्सकॉम द्वारा आयोजित एक अन्य ऐतिहासिक आयोजन 1983 बैच के पूर्वछात्रों बनाम 2016 एवं 2017 के बैचों के बीच क्रिकेट मैच था। स्पोर्ट्सकॉम ने एक खेल सीखें नामक एक पहल भी की, जो आईआईएमए समुदाय के उन सदस्यों पर केंद्रित थी, जो नए खेल सीखने के उत्सुक और इच्छुक हैं, और इस प्रकार परिसर में एक खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के अपने दृष्टिकोण पर यह क्लब कायम रहता है।

स्टारगेजर्स

एक विशेष रुचि समूह में स्टारगेजर्स जो शौकिया खगोल विज्ञान को बढ़ावा देता है और ब्रह्मांड विज्ञान, विज्ञान कथा, अंतरिक्ष तकनीक, भौतिकी, और दर्शन पर आधारित नवीन और रोमांचक समारोहों का आयोजन करता है। लोगों को प्रकाश प्रदूषण के बारे में जागरू क करने और परिसर से दिखाई देने वाले विभिन्न खगोलीय पिंडों के बारे में बताने के लिए रात्रि आकाश दर्शन के सत्र आयोजित किए गए थे। दूरबीन को चलाने पर आयोजित कार्यशालाओं ने समुदाय के सदस्यों को टेलीस्कोप को संभालने का प्रायोगिक अनुभव दिया और बृहस्पति, शनि और शुक्र जैसे ग्रहों की पहचान करने का स्वयं अनुभव किया।

क्लब ने अहमदाबाद की तुलना में कम प्रकाश प्रदूषण वाले शहर जैसलमेर का एक खगोल भौगोलिक दौरा आयोजित किया। टीआरबीएस के दौरान वक्ता के रूप में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान

संगठन के अध्यक्ष ए.एस. किरण की उपस्थिति से इस क्लब ने अपने आपको सम्मानित महसूस किया। स्टारगेजर्स ने खगोल विज्ञान के साथ ही भौतिकी में रुचि लेने के लिए प्रयास के बच्चों को इसरो में ले जाने की योजना भी बनाई और निष्पादित की। आईआईएमए समुदाय के लिए न्यूजलेटर प्रकाशित किए गए थे, और चंद्रमा पर धमाके के साथ उतरने के विषय पर एक अंतरिक्ष रणनीति खेल आयोजित किया गया।

सिनर्जी

वर्ष 2017 में सिनर्जी एक मानव संसाधन प्रबंधन विशेष रुचि समूह से शुरू किया गया था। सिनर्जी ने पीजीपी प्रथम वर्ष छात्रों के लिए मानव संसाधन प्रश्नोत्तरी प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। इस कार्यक्रम में 150 से अधिक छात्रों की उपस्थिति देखी गई। इस सत्र के बाद दिलचस्पी रखने वाले पीजीपी प्रथम वर्ष छात्रों के लिए एचआरक्यू सलाहकार सत्र आयोजित किए गए। जून 2017 में इसका एक फेसबुक पेज लॉन्च किया गया था, और एचआर और रणनीति के वर्तमान रुझानों पर अपडेट करने के लिए लेख, वीडियो और पोस्ट साझा किए गए थे।

कार्मिक क्विज़ श्रृंखला का आयोजन वर्ष 2017-18 के दौरान मानव संसाधन और संगठनात्मक व्यवहार में अकादमिक के साथसाथ सामान्य ज्ञान को ताज़ा करने के लिए किया गया था। आयन में एक एसोसिएट पार्टनर द्वारा परिवर्तन प्रबंधन पर एक कैरियर कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इस सत्र ने परिवर्तन के प्रबंधन और लोगों के परिप्रेक्ष्य से व्यापार परिवर्तन को देखने पर अंतर्दृष्टि प्रदान की। एक कॉर्पोरेट अनुकार कार्यशाला कॉर्पिज़्म का आयोजन राजा शेखर रेड्डी, अभिनव समाधान और उद्यमशीलता (इन्नोव) के संस्थापक और 1994 बैच के पूर्वछात्र द्वारा कैओस के दौरान किया गया था। इनडोर और आउटडोर गतिविधियों की एक श्रृंखला के माध्यम से, प्रतिभागियों को एक टीम में काम करते हुए, नेतृत्व शैली, और कॉर्पोरेट जगत में काम करने पर आने वाली चुनौतियों की बारीकियों से अवगत कराया गया।

टेडएक्स आईआईएम अहमदाबाद (रेड डॉट)

आईआईएमए का टेडएक्स एसआईजी रेड डॉट, विचारकों का एक समुदाय है जिसका लक्ष्य संबद्ध योजनाओं और विचारों के साझाकरण को सुविधाजनक बनाना है। प्रमुख कार्यक्रम टेडएक्सआईआईएम अहमदाबाद शिखर सम्मेलन है, जो विमवियन वार्ता जैसे वर्ष भर के समारोहों द्वारा समर्थित है।

क्लब ने एक नई पहल के तहत एक मेलथ्रेड शुरू किया - 'वाल्ट की तरफ से टेडएक्स कथन' जिसके तहत एक चुनिंदा टेडएक्स वीडियो पर सुझाव देने वाला एक ईमेल हर रविवार को आईआईएमए समुदाय को भेजा गया था। इसके अतिरिक्त, टेडएक्सआईआईएम अहमदाबाद के फेसबुक पेज पर 'टेड कोट्स' नामक एक नई पहल शुरू की गई। इसमें दुनिया भर के पिछले टेड कार्यक्रमों के लोकप्रिय उद्धरण शामिल होंगे।

छात्र गतिविधियाँ :

- छात्र पैनल चर्चा - वर्ष के दौरान दो पैनल चर्चाएँ आयोजित की गईं। पहली 21 अगस्त, 2017 को आयोजित की गई थी। 'क्या तनाव से नवप्रवर्तन कार्य कम हो जाते हैं?' विषय पर चर्चा के लिए 15 आवेदनों में से आठ प्रतिभागियों का चयन किया गया था। दूसरी पैनल चर्चा 28 नवंबर, 2017 को आयोजित की गई थी। इसका विषय था, क्या एक औपचारिक शैक्षिक डिग्री किसी व्यक्ति की सफलता के लिए आवश्यक है?
- विमवियन वार्ता - एक टेडएक्स कार्यक्रम के आसपास मॉडल की हुई, विमवियन वार्ता आईआईएमए के छात्र समुदाय से विचारों और दर्शन को बाहर लाने का उद्देश्य रखती है। पीजीपी, एफ़पीएम, पीजीपीएक्स और एएफ़पी कार्यक्रमों से 32 आवेदन प्राप्त हुए थे। यह कार्यक्रम 2 राउंडों में आयोजित किया गया था।

मार्च 2018 : परिसर में गैर-टेड गतिविधियों के संचालन के दौरान स्वतंत्र रूप से आयोजित टेडएक्स कार्यक्रम आयोजित करने के मुद्दों के लाइसेंसिंग के कारण, पदाधिकारी को पदभार सौंपने के साथ, क्लब के नाम परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू की गई थी। इसे रेड डॉट के रूप में फिर से नामित किया गया है, जिसे टेड ब्रांड के सहयोग से व्यक्त किया गया है।

रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन

आईआईएम अहमदाबाद की प्रमुख प्रबंधन संगोष्ठी का उद्घाटन संस्करण द रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन (टीआरबीएस) 29 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2017 के दौरान किया गया था। टीआरबीएस ने पूर्ववर्ती बिग फोर इनसाइट, कॉनफ़्लुअन्स, अमेथॉन और कोन्नेक्सियन्स को समेकित करने का भव्य प्रयास किया। यह आयोजन 'चुनौती, नवप्रवर्तन, पुनःपरिभाषित' के विषय के इर्दगिर्द किया गया था। मुख्य प्रायोजक टाटा ट्रस्ट और सहयोगी प्रायोजकों में मोतीलाल ओसवाल, यूरोपीय संघ और सीआईआईई रहे। टीआरबीएस में 20 व्यावसायिक प्रतियोगिताएँ, 14 कार्यशालाएँ, 21 वक्ता सत्र और पैनल चर्चाएँ, कई अन्य गतिविधियाँ, प्रदर्शन, और प्रदर्शनियाँ शामिल थी जिनमें सभी आयु वर्गों को आकर्षित किया, और पूरे देश से 20,000 से अधिक लोगों की उपस्थिति समापन तक देखी गई।

संचालकों और पैनलिस्टों ने व्यवसाय जगत के राजनेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पत्रकारों में से दिग्गजों को शामिल किया। इनमें संस्थान के पूर्वछात्र, मेकमाईट्रिप के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीप कालरा; आर.एस. सोढ़ी, प्रबंध

निदेशक, अमूल; नाबार्ड अध्यक्ष डॉ. हर्ष कुमार भानवाला; पूनम महाजन, संसद सदस्य, मुंबई उत्तर मध्य; इसरो के अध्यक्ष डॉ. ए. एस. किरण कुमार, सागरिका घोष, पत्रकार और समाचार एंकर शामिल थे।

20 बेजोड़ प्रतियोगिताओं के लिए 22,000 पंजीकरण के साथ व्यापार प्रतियोगिताओं में एक बड़ी सफलता मिली थी। प्रतिभागियों ने 18 लाख रुपए के नकद पुरस्कारों के लिए इसमें पंजीकरण कराया। इन कार्यक्रमों में वित्त, विपणन, संचालन, उत्पाद प्रबंधन और उद्यमशीलता सहित प्रबंधन के सभी विस्तृत श्रेणियाँ शामिल थी। इनमें जीवंत समाधान खोज निकालने के लिए सामाजिक मुद्दे ('परिवर्तन'), एक करोड़ रुपए तक के मूलधन पूँजी वाली व्यापार योजना (मास्टर प्लान), कोटलर कोंड्रम, विपणकों के लिए सबसे बड़ी चुनौती शामिल थी। चार दिनों में आपूर्ति श्रृंखला, उत्पाद प्रबंधन, शेयर बाजार, विज्ञापन और विपणन, खेल सिद्धांत, सामाजिक उद्यम और संचालन के क्षेत्रों में चौदह कार्यशालाएँ आयोजित की गईं थीं। अमेज़ॅन, ओ एंड एम, उबेर, पेप्सी, मैड ओवर मार्केटिंग, एनसीडीईएक्स, मोतीलाल ओस्वाल जैसी कंपनियों के सहयोग से आयोजित इन कार्यशालाओं ने अन्यों के बीच देश हर भाग से 4,200 से अधिक पंजीकरण आमंत्रित किए। विपणन मेला कलाइडो में 25 से अधिक डिजाइनरों को अपनी कला और शिल्प प्रदर्शित करते हुए देखा गया। अंतरमग्न छिपी हुई कला इस विपणन मेले में थी, जिसमें 5 टीमों ने टाइम्स नाउ, अल्फा मॉल और अन्य लोगों के साथ लाइव परामर्श परियोजनाओं के लिए बाजार अनुसंधान आयोजित किए।

इस साल टीआरबीएस द्वारा उठायी गई प्रमुख पहलों में से एक इनोवेशन प्लेग्राउंड की शुरुआत थी। यह स्वास्थ्य देखभाल, कृषि तकनीक और स्थायी विकास में 27 जमीनी नवप्रवर्तनों को एक साथ लाया, जिसमें पेड़ों के लिए रोबोटिक स्प्रेयर, तत्काल किडनी परीक्षण 2 रुपए में, और पोर्टेबल ईसीजी प्रणाली शामिल है। टाटा ट्रस्ट, यूरोपीय संघ, नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन, सृष्टि, और जीआईएएन ने इस सपने को रास्ता दिखाने में संस्थान के साथ भागीदारी की। इसे 1 लाख रुपए के नकद पुरस्कार के साथ सामाजिक नवप्रवर्तक के लिए व्यापारयोजना प्रतियोगिता द्वारा परिपूर्ण किया गया था।

उत्सव में एक और आयाम लाते हुए, गाँधीजी के जन्मदिन की पूर्वसंध्या पर प्रसिद्ध नाटक 'युगपुरुष महात्मा के महात्मा' का मंचन किया गया था। टीआरबीएस स्पेशल सभी दिनों में लाइव रहा था, जिसने दर्शकों को संगीत प्रदर्शन, नृत्य गीतों, बिंगो, विज्ञापन प्रतियोगिताओं, और बहुत कुछ के साथ पूरी तरह से उत्साहित किया।

स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में अपने उत्कृष्ट योगदान के लिए जागरूक रूरल हेल्थकेयर फाउंडेशन को टीआरबीएस सोशल इंपैक्ट पुरस्कार प्रदान किया गया था। टीआरबीएस 2017 देश में एक विशिष्ट प्रबंधन संगोष्ठी होने के नाते, अपनी दृष्टि पर खरा उतरा था।

महिला नेतृत्व सोसायटी

महिला नेतृत्व सोसाइटी का उद्देश्य महिलाओं के नेतृत्व को समर्थन और विशिष्ट रूप से दर्शाना तथा नेतृत्व में विविधता की आवश्यकता के बारे में जागरूकता विकसित करना है।

सोसाइटी ने एक बातचीत सत्र शुरू किया, जो एक छात्र-नेतृत्व वाली चर्चा है जिसका उद्देश्य कार्यस्थलों के संदर्भ में संगठनों और भर्ती के तरीकों पर लैंगिक गतिशीलता जैसे महिलाओं द्वारा सामना किए जा रहे मुद्दों पर चर्चा करना है। वर्ष के दौरान कई प्रतिष्ठित वक्ताओं की मेजबानी की गई जैसे कि आईआईएमए के पहले पीजीपी बैच की पूर्वछात्रा दिलनवाज़ वरियावा, देवलीना मजूमदार, मानव संसाधन प्रमुख, संगठन शिष्टता, मासिक धर्म के पहले दिन के अवकाश की विवादास्पद नीति के बारे में संगठन की शिष्टता के बारे में जानना।

वर्ष के दौरान, सोसाइटी ने प्रेरणादायक आईआईएमए श्रृंखला भी शुरू की - न्यू यॉर्क के नागरिकों पर आधारित एक ऑनलाइन आईआईएमए फोटो स्टोरी पहल जिसका उद्देश्य छात्रों, प्रोफेसरों या कर्मचारियों में परिसर पर उनकी प्रेरणादायक कहानियों को उजागर करना था। वर्ष के दौरान, सोसाइटी के न्यूज़लेटर फ़ुल फ्रंटल के तीन संस्करण जारी किए गए।

रेड ब्रिक शिखर सम्मेलन के सहयोग से वार्षिक प्रबंधन सम्मेलन, महिला नेतृत्व सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य भाषण संसद सदस्य, पूनम महाजन द्वारा दिया गया था। महिला दिवस के लिए, सोसाइटी ने महिलाओं को एक संदेश भेजकर परिसर की असाधारण महिलाओं को पहचानने के लिए एक परिसरव्यापी पहल का आयोजन किया था। सुदृढ़ महिला नेतृत्व वाली फिल्में भी दिखायी गयी थीं। महिला नेतृत्व सोसायटी की टीम ने अहमदाबाद में एक बालिका अनाथालय, सैयद सुल्तान अहमद मुस्लिम यतीमखाना का भी दौरा किया था।

विक्रम साराभाई पुस्तकालय

विक्रम साराभाई पुस्तकालय, सेवाओं की विस्तृत श्रृंखलाओं के माध्यम से सूचनाओं को सर्वाधिक विस्तृत संभव पहुँच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और इसकी सेवाओं की श्रेणी में यह प्रतिबद्धता दिखाई देती है। इसकी वेबसाइट http://www.iima.ac.in/library/ विभिन्न ऑनलाइन डेटाबेसों के साथ जुड़ी हुई है, जो इस संस्थान के अंदर नेटवर्क किए हुए किसी भी कम्प्यूटर से उपलब्ध है। इसने अपने संसाधनों तक पहुंचने के लिए एक एंड्राइड ऐप भी लॉन्च किया है। इसने हाल ही में अपने उपयोगकर्ताओं के लिए ईबुक रीडर लेंडिंग सेवा शुरू की है। यह पुस्तकालय, सदस्यों की आवश्यकता के अनुसार दोनों प्रकार की सामग्रियों (मुद्रित व अमुद्रित) तक पहुँच एवं इलैक्ट्रॉनिक संसाधनों की प्राप्ति, सुनियोजन, पुनर्प्राप्ति, रखरखाव करने के अपने प्रयासों में किसी तरह की कोई कसर नहीं छोड़ता है।

संसाधन

विवरण	वर्ष 2017-18 के दौरान जोड़ी गई मदों की संख्या	31.03.2018 को मदों की संख्या
पुस्तकें	2,555	1,96,795
पत्रिकाओं के जिल्दबंद भाग	1,045	52,805
आधारपत्र	-	2,624
शोध प्रबंध	16	364
परियोजना प्रतिवेदन	95	2,282
शैक्षणिक वीडियो कैसेट	-	128
सीडी / डीवीडी	64	2527
जर्नल के लिए वर्तमान सदस्यता	48	19,815
समाचार पत्र	-	2,580
वापस ली गईं पुस्तकें	-	2000

ई-संसाधन

पुस्तकालय के पास अपने उपयोगकर्ताओं के समक्ष नवीनतम जानकारी प्रदान करने के लिए अनेक कंपनियों और उद्योगों के डेटाबेस, ग्रंथसूची संबंधी डेटाबेस और ई-जर्नल्स मँगाने के लिए उपभोक्ता सदस्यता है।

कंपनी और उद्योग

एसीई इक्विटी (ऑफलाइन), एसीई नॉलेज एंड रिसर्च, एसीई म्यूचुअल फंड (ऑफ़लाइन), ब्लूमबर्ग, कैपिटलाइन (ऑफ़लाइन), कैपिटलाइन (ऑनलाइन), सीएमआईई - पीएसीई, सीएमआईई - प्रोवेस डीएक्स, सीएमआईई - प्रोवेस आईक्यू, कम्पस्टैट (उत्तरी अमेरिका विश्वविद्यालय पैकेज), कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी, क्रिसिल रिसर्च, सीआरएसपी (सुरक्षा मूल्य अनुसंधान केंद्र), डीआईओएन इनसाइट, ईएमआईएस इंटेलिजेंस (आईएसआई इमर्जिंग मार्केट्स (एशिया)), यूरोमोनीटर पासपोर्ट, फ्रॉस्ट एंड सुलिवान ग्रोथ पार्टनरशिप सर्विसेज, गार्टनर, इंडियन बोर्ड, इंफ्रालाइन कोयला क्षेत्र, इनफ़्लाइन - तेल और गैस क्षेत्र, इनफ़्लाइन - विद्युत क्षेत्र, संस्थागत शेयरधारक सेवा (आईएसएस), मार्केटलाइन एड्वांटेज, मूडीज एनालिटिक्स बैंकफोकस, नैसकॉम सदस्य निर्देशिका, सीकएडगर, स्टेटिस्ता, थॉमसन रॉयटर्स ईकॉन, थॉमसन रॉयटर्स एलपीसी, ट्रेसएक्सएन, वेंचर इंटेलिजेंस एम एंड ए डील डेटाबेस, वेंचर इंटेलिजेंस प्राइवेट इक्विटी डील डेटाबेस, वेंचर इंटेलिजेंस रियल एस्टेट डील डेटाबेस, डब्ल्यूएआरसी (वर्ल्ड एडवर्टाइज़िंग रिसर्च सेंटर), और डब्लूआरडीएस।

अर्थशास्त्र और सांख्यिकी

सीईआईसी डेटाबेस, सीएमआईई - कैपएक्स, सीएमआईई - कैपएक्स डीएक्स, सीएमआईई -कॉमोडिटीज़, सीएमआईई - आर्थिक आउटलुक, सीएमआईई - उद्योग आउटलुक, सीएमआईई -भारतीय राज्य, सीएमआईई ट्रेड डीएक्स, डेटास्ट्रीम, जिला मेट्रिक्स, डीएसआई डेटा सेवा एवं सूचना, ईपीडब्ल्यूआरएफ़ आर्थिक और बाजार समीक्षा एवं अनुसंधान, ईपीडब्लूआरएफ़ इंडिया टाइम सीरीज़, इंडियास्टैटडॉटकॉम, और एमआईसीए इंडियन मार्केटिंग इंटेलिजेंस ।

डेटासेट्स

एएसआई - यूनिट स्तर डेटा (1974-2015), सीडीपी ग्लोबल डेटासेट, भारत की जनगणना -सीडी (1991, 2001 एवं 2011), दैनिक वर्षा डेटा - अहमदाबाद स्टेशन (1975-2006 एवं 2012), 10 स्टेशनों के लिए दैनिक सतह डेटा (भारत) (2004-2011), डीजीसीआईएस मासिक समय श्रृंखला डेटा (जनवरी 2002 से अगस्त 2017), भारत का जिला जीडीपी (2001-2002 से 2015-2016), जिला वार मासिक वर्षा डेटा (1901-2010), आईएमएस एंटी टीबी-डेटा, मौसम संबंधी डेटा (अहमदाबाद

एवं गांधीनगर) (2014-2016), मासिक भूतल डेटा (1961-2014), एनएसई - सीएम एवं एफ़एओ (1999-2018), एनएसएस डेटा (राउंड नं. 51-71) (1994-2014), और यूसीएलए -लोपकी दिवालियापन अनुसंधान डेटाबेस।

विधिक

एआईआर आपराधिक कानून (1950-2017), एआईआर हाईकोर्ट (1950-2017), एआईआर प्रिवी काउंसिल (1900-1950), एआईआर सुप्रीम कोर्ट (1950-2017), कुल्वर मध्यस्थता कानून, लेक्सिसनेक्सिस अकादमिक, और वेस्टलॉ इंडलॉ (भारतीय कानून) सहित

अनुसंधान सहायता उपकरण / डेटाबेस

साहित्यिक चोरी से बचना, सीओएस पत्रों को आमंत्रित किया, ईबीएससीओ अमेरिकी डॉक्टरेट शोध प्रबंध, 1933 - 1955, ईबीएससीओ रिसर्च स्टार्टर्स - व्यवसाय, ग्रामरली, प्रोक्वेस्ट शोध प्रबंध एवं पूर्ण शोध पाठ मानविकी और सामाजिक विज्ञान संग्रह, सेज अनुसंधान पद्धति ऑनलाइन, और स्किवल वित्तपोषण (संस्थागत वित्तपोषण), स्कोपस ।

समाचार पत्र और पत्रिकाएँ

बिजनेस स्टैंडर्ड अख़बार अभिलेख (1997 के बाद), एफ़टी आर्काइव (1888-2010), एफ़टीडॉटकॉम, इंडिया बिजनेस इनसाइट (आईबीआईडी), मैग़जतर, न्यूयॉर्क टाइम्स / एनवाईटाइम्सडॉटकॉम, प्रेसरीडरडॉटकॉम, प्रोक्वेस्ट एबीआई / इनफ़ॉर्म (डेटलाइन, ग्लोबल, व्यापार और उद्योग) (1971 - वर्तमान), प्रोक्वेस्ट टाइम्स ऑफ़ इंडिया आर्काइव (1838 से 2008), दी इकोनोमिस्ट (1997 के बाद), दी इकोनोमिस्ट हिस्टोरिकल आर्काइव 1843-2014, वॉल स्ट्रीट जर्नल, इब्स्को न्यूज़पेपर सोर्स प्लस, इब्स्को न्यूज़वायर, और इब्स्को रीजनल बिज़नेस न्यूज़।

ई-पुस्तकें

बिज़नेस एक्स्पर्ट प्रेस ई-बुक्स, ईबुकसेन्ट्रल (ईब्रेरी पूर्ण शैक्षणिक), ईबीएससीओ ईपुस्तक संग्रह, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ईलाइब्रेरी, ओईसीडी कृषि एवं खाद्य, ओईसीडी आईलाइब्रेरी (शिक्षा), टेलर एंड फ्रांसिस ई-पुस्तकें, विश्व बैंक ई-लाइब्रेरी, और विश्व ई-बुक लाइब्रेरी।

ई-जर्नल्स

एबीआई / इन्फॉर्म कंप्लीट (डेटलाइन, वैश्विक, व्यापार और उद्योग) (1971 - वर्तमान), अकादमिक सर्च प्रीमियर, एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी, बिजनेस सोर्स कंप्लीट, ईबीएससीओ > ईबीएससीओहोस्ट वेब, एमरेल्ड इनसाइट, विशेषज्ञ अंतर्दृष्टि आलेख, आईईईई एक्सप्लोर, आईजीआई ग्लोबल, इंडियन जर्नल्स डॉट कॉम, इनफ़ॉर्म्स पब्सऑनलाइन, जेएसटीओआर, नेचर : अंतर्राष्ट्रीय

साप्ताहिक जर्नल ऑफ साइंस, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, प्रोजेक्ट एमयूएसई, प्रोक्वेस्ट इकॉनलिट, प्रोक्वेस्ट साइकार्टिकल्स, सेज जर्नल, साइंस डायरेक्ट (एल्सवियर), स्प्रिंगर लिंक, टेलर एंड फ्रांसिस ऑनलाइन, और विले ऑनलाइन लाइब्रेरी।

अन्य डेटा

विश्व बैंक डेटा, ब्रिटानिका का विश्वकोष, और पावर लिंगो एफ़एक्स25

विशेष खोज उपकरण

आंतरिक उपयोगकर्ताओं के लिए ईबीएससीओ डिस्कवरी, ईबीएससीओ ए टू जेड, और रिमोटएक्स

सेवाएँ

- संचलन
- पठन सुविधा
- ईमेल चेतावनी सेवा
- संदर्भ और सूचना
- स्कैनिंग
- डेटाबेस खोज सेवा
- दस्तावेज़ वितरण
- अंतरपुस्तकालयी ऋण
- फोटोकॉपी
- अनुक्रमण और ग्रंथसूची
- सारांशकरण
- उन्मुखीकरण कार्यक्रम
- सूचना साक्षरता कार्यक्रम
- ऑनलाइन सार्वजनिक सुविधा कैटलॉग
- वर्तमान जागरू कता सेवा
- अनुसंधान सहायता
- ई बुक रीडर उधारदायी सेवा

प्रकाशन

यह पुस्तकालय वर्ष 1998 से दो त्रिमासिक सूचना बुलेटिन प्रकाशित कर रहा है

- प्रबंधन में वर्तमान विषयवस्तु : विपणन
- प्रबंधन के वर्तमान सूचकांक : विपणन

इस पुस्तकालय ने शोधकर्ताओं को व्यवसाय / प्रबंधन संबंधित अनुसंधान की सहायता / सुविधा के लिए निकमैन (राष्ट्रीय प्रबंध सूचना केन्द्र) की सदस्यता देना शुरू किया है।

कल्याण गतिविधियाँ

वार्षिक स्वास्थ्य जाँच

कल्याण समिति द्वारा अप्रैल से जुलाई 2017 के दौरान कोलंबिया एशिया अस्पताल, अहमदाबाद में संस्थान के 35 वर्ष या उससे अधिक आयु के स्थायी कर्मचारियों के लिए उनके जीवनसाथी के साथ सामान्य स्वास्थ्य जाँच का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य जाँच का लाभ कुल 382 कर्मचारियों ने अपने जीवनसाथी के साथ उठाया।

आईआईएमए समुदाय के बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन कक्षाएँ

कल्याण समिति ने 8 मई से 13 जून, 2017 के दौरान आईआईएमए समुदाय के बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन कक्षाओं का आयोजन किया जिनमें आर्ट पॉइंट कार्यशाला, स्टॉन आर्ट कार्यशाला, और नृत्य कार्यशाला जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। समिति ने समुदाय के बच्चों को एएमए और वीएएससीएससी में आयोजित ग्रीष्मकालीन कक्षाओं में शामिल होने के लिए भी प्रोत्साहित किया और इन कक्षाओं में भाग लेने वाले प्रत्येक बच्चे को 600 रुपये की प्रतिपूर्ति की गई थी। इन कक्षाओं में समुदाय के सैंतीस बच्चों ने भाग लिया।

प्रोफेसर बी.एच. जाजू कल्याण समिति चिकित्सा योजना

प्रोफ़ेसर बी.एच. जाजू ने संस्थान के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की चिकित्सा आवश्यकताओं के लिए एक फंड स्थापित करने के लिए 25,00,000 रुपए की राशि का दान किया था। प्रोफ़ेसर जाजू द्वारा गठित उपसमिति चिकित्सा आवश्यकताओं की वास्तविकता की जाँच करती है और कल्याण समिति की मदद से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को राशि वितरित करती है। इस वर्ष ग्रुप सी और डी के सेवानिवृत्त कर्मचारी सदस्यों को 1,34,750 रुपए राशि की प्रतिपूर्ति की गई। इस योजना में सेवानिवृत्त ग्रुप सी और डी सीपीएफ कर्मचारियों के लिए वार्षिक सामान्य स्वास्थ्य जाँच भी प्रायोजित की थी। इस पहल से लगभग 17 पूर्व कर्मचारी लाभान्वित हुए।

आईआईएमए समुदाय बच्चों के लिए उच्च शिक्षा ऋण

कल्याण समिति कर्मचारियों के बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने हेतु, 75,000 रुपए तक के ब्याजमुक्त शिक्षा ऋण प्रदान करती आई है। यह ऋण दस बराबर मासिक किस्तों में वसूली योग्य होता है। इस वर्ष, समुदाय के तीन बच्चों ने इस योजना का लाभ उठाया।

शैक्षिक पहल : ट्यूशन कक्षाएँ आयोजित करना

कल्याण समिति ने एक गैर सरकारी संगठन, संवाद के सहयोग से ग्रुप सी और डी के कर्मचारियों के 1 से 8 तक की कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चों के लिए नि:शुल्क कक्षाओं का आयोजन किया। वर्तमान में इस पहल से 25 बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं।

श्री रामकृष्ण - शारदा मेडिकल फ़ंड

कल्याण समिति ने श्री रामकृष्ण शारदा मेडिकल फंड के नाम से एक मेडिकल फंड बनाया है, जिसमें कुल 5,00,000/ रुपए की राशि पीजीपी -1990 बैच के प्रोफ़ेसर शेखर चौधरी और सुश्री सरोजा द्वारा दी गई है। इस फ़ंड से हुई आय से सेवानिवृत्त ग्रुप सी और डी कर्मचारियों एवं उनके जीवनसाथी के लिए चिकित्सा व्यय की ज़रू रतों को पूरा किया जाएगा।

कर्मचारी जन्मदिन समारोह

कल्याण समिति ने कर्मचारियों का जन्मदिन उन्हें ग्रीटिंग कार्ड और छोटा मिठाई का पैकेट देकर शुभकामनाओं के साथ मनाया था।

गुजराती नव वर्ष समारोह

कल्याण समिति गुजराती नव वर्ष का जश्न मनाने के लिए एक मिलन समारोह का आयोजित करती है। इस वर्ष भी 27 अक्टूबर, 2017 को दीप प्राकट्य, फूलों से पूरे प्रांगण को सजाकर, आतिशबाजी करते हुए उपस्थित सदस्यों को मिठाई बाँटकर गुजराती नववर्ष मनाया गया।

संस्थान दिवस समारोह

संस्थान का स्थापना दिवस मनाने के लिए 'इंस्टीट्यूट डे' हर साल 11 दिसंबर को मनाया जाता है। समारोह के दौरान, निदेशक द्वारा मेधावी बच्चों और कर्मचारी सदस्यों को उनकी प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इस वर्ष 64 पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में आईआईएमए समुदाय के बच्चों, कर्मचारियों और संस्थान के छात्रों ने भी प्रदर्शन किया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

कल्याण समिति ने 8 मार्च, 2018 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। समिति ने संस्थान की सभी महिला कर्मचारियों के लिए मजेदार गतिविधियों का आयोजन किया था। संस्थान में कार्यरत सभी 286 महिला कर्मचारियों को मिठाई पैकेट, गुलाब के फूल और महिला दिवस कार्ड बाँटकर तथा विशेष मध्याह्न भोजन का आयोजन करके महिला दिवस मनाया गया।

अन्य गतिविधियाँ

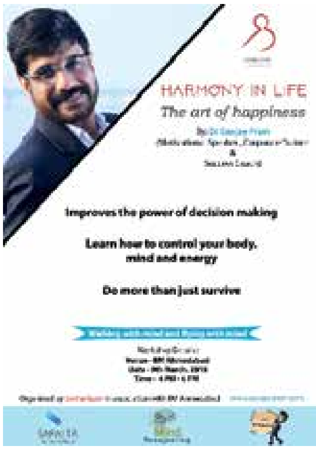

कल्याण समिति द्वारा 9 मार्च, 2018 को 'जीवन में सामंजस्य' विषय पर एक कार्यशाला आयोजन की गई। इस कार्यशाला का आयोजन एक प्रेरक वक्ता और एक जीवन प्रशिक्षक डॉ. संजय प्रेम द्वारा किया गया था। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को जीवन के उतार-चढ़ावों से बाहर निकलने, जीवन को सही ढंग से जीने की कला और किसी व्यक्ति के दिमाग, शरीर तथा आत्मा में प्रामाणिकता, निर्दोषता, शांति और प्रेम को संरक्षित करना सिखाना था। इस कार्यशाला में तैंतालीस प्रतिभागियों ने भाग लिया।

Institute Day
Celebrations
December 11, 2017
WELFARE COMMITTEE
Welcomes You

Institute Day
Celebrations
December 11, 2017
WELFARE COMMITTEE
Welcomes You

WELFARE COMMITTEE
Welcomes You

Celebrations
December 11, 2017
WELFARE COMMITTEE
Welcomes You

परिशिष्ट

क

प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

क 1: पीजीपी छात्र

	पीजीपी 1	पीजीपी 2
कार्यक्रम में शामिल हुए	**395**	**395**
(-) अलग हुए	2	-
(-) 2018 में पुन शामिल करने के लिए कहा / अनुमति	1	-
(+) पुनरावृत्ति करने वाले	-	-
(+) 2017 में पुन शामिल होने की अनुमति दी गई	1	
प्रथम / द्वितीय वर्ष में संख्या	**393**	**395**
(-) जिनसे वापस जाने के लिए कहा गया	-	-
(-) जिनसे पुनरावृत्ति के लिए कहा गया		
(-) शैक्षणिक आवश्यकताएँ (डबल डिग्री और सामान्य) पूरी नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हो सके	-	13
(-) शैक्षणिक आवश्यकताएँ पूरी नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हो सके	-	-
(+) पूर्व वर्ष के स्नातक		
(+) डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र	-	18
कुल प्रोन्नत / स्नातक	**393**	**398**

क 2 : छात्र विनिमय कार्यक्रम में आईआईएमए के छात्र

विनिमय सहभागी का नाम	**वर्ष 2017-18 में जाने वाले**
एशिया	
अंताई अर्थशास्त्र और प्रबंधन कॉलेज, शंघाई जिआओ टोंग विश्वविद्यालय	2
जापान अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, निगाता, जापान	2
कीयो प्रबंधन बिजनेस स्कूल, कीयो विश्वविद्यालय, जापान	2
ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमैंट, क्योटो विश्वविद्यालय, जापान	1
ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमैंट, सेंट पीटर्सबर्ग युनिवर्सिटी, रूस	1
ग्रेजुएट स्कूल ऑफ कॉमर्स (वासेदा बिजनेस स्कूल) वासेदा विश्वविद्यालय जापान	2
यूरोप	
आल्टो स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हेलसिंकी	2
कैटोलिका लिस्बन, लिस्बन	2
कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल, फ्रेडरिकबर्ग	3

विनिमय सहभागी का नाम	**वर्ष 2017-18 में जाने वाले**
ईडीएचईसी, सेडेक्स	7
एमिलियन बिजनेस स्कूल, फ्रांस	5
ईएससी क्लर्मोंट (पुराना नाम फ्रांस बिजनेस स्कूल और ईएससी ब्रेटगेन, फ्रांस)	3
ईएससी रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	5
ईएससीपी-ईएपी, सेडेक्स	11
ईएसएसईसी, सेडेक्स	7
ईएसएसईसी, सेडेक्स, फ्रांस - एमएस, एमआईए (पीजीपी-एबीएम के लिए)	5
यूरोपीय बिजनेस स्कूल (ईबीएस), ओस्ट्रिच-विंकेल, जर्मनी	2
एचईसी लॉज़ेन, स्विट्ज़रलैंड	3
एचईसी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, पेरिस, फ्रांस	4
एचएचएल-लीपजिग ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमैंट, लीपजिग, जर्मनी	2
आईईएसईजी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, फ्रांस	3

परिशिष्ट जारी

क

विनिमय सहभागी का नाम	वर्ष 2017-18 में जाने वाले
इंस्टीट्यूटो डी एंप्रेस्सा, मैड्रिड, स्पेन (आईई बस स्कूल)	2
जोंकोपिंग इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल, जोंकोपिंग, स्वीडन	3
लोवेन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, बेल्जियम	3
मैनचेस्टर बिजनेस स्कूल, मैनचेस्टर, यूके	2
मुन्स्टर स्कूल ऑफ बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स, जर्मनी (एमएसबीई)	2
नॉर्वेजियन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, नॉर्वे	4
एप्लाइड साइंसेज के पोफोर्हेम विश्वविद्यालय, पर्फ़ज़हैम, जर्मनी	4
सोलवे बिजनेस स्कूल, ब्रुसेल्स, बेल्जियम (लिबर डी का विश्वविद्यालय)	4
स्टॉकहोम स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, स्टॉकहोम, स्वीडन	3
टूलूज़ बिजनेस स्कूल, फ्रांस (ईएससी-टूलूज़, सेडेक्स, फ्रांस से नाम बदला गया)	3
बोकोनी विश्वविद्यालय, मिलानो विश्वविद्यालय	5
कोलोन विश्वविद्यालय, कोलन	7
मास्ट्रिच विश्वविद्यालय, मास्ट्रिच, नीदरलैंड्स	5
मैनहेम विश्वविद्यालय, मैनहेम, जर्मनी	2

विनिमय सहभागी का नाम	वर्ष 2017-18 में जाने वाले
सेंट गैलेन विश्वविद्यालय, सेंट गैलेन, स्विट्ज़रलैंड	3
वियना यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिज़नस एडमिनिस्ट्रेशन, वियना	2
वारसॉ स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, पोलैंड	4
डब्ल्यूएचयू कोब्लेंज ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमैंट, जर्मनी	1
उत्तरी अमेरिका	
केनान फ्लैग्लर बिजनेस स्कूल, यूएनसी चैपल हिल, उत्तरी कैरोलिना	1
टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन, टेक्सास (मेककॉम्बस स्कूल ऑफ बिजनेस)	1
वाशिंगटन विश्वविद्यालय (जॉन एम. ओलिन स्कूल ऑफ बिजनेस), सेंट लुइस	1
कुल	**136**
डबल डिग्री कार्यक्रम	
ईएससीपी यूरोप, फ्रांस	2
बोकोनी विश्वविद्यालय, मिलानो,	7
एचईसी स्कूल ऑफ मैनेजमैंट, पेरिस	2
यूरोपीय बिजनेस स्कूल, जर्मनी	2
कुल	**13**

क 3 : छात्र विनिमय कार्यक्रम पर विदेशी छात्र

विनिमय सहभागी का नाम	वर्ष 2017-18 में आने वाले
एशिया	
ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमैंट, क्योटो विश्वविद्यालय, जापान	2
गोंघुआ स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, पेकिंग विश्वविद्यालय, बीजिंग	1
प्रबंधन स्कूल, फूडन विश्वविद्यालय, चीन	1
ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमैंट, सेंट पीटर्सबर्ग युनिवर्सिटी, रूस	3
ऑस्ट्रेलिया	
मेलबर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया	1
यूरोप	
आल्टो स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, हेलसिंकी	1

विनिमय सहभागी का नाम	वर्ष 2017-18 में आने वाले
कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल, फ्रेडरिक्सबर्ग, डेनमार्क	4
ईडीएचईसी, सेडेक्स, फ्रांस	7
एमिलियन बिजनेस स्कूल, फ्रांस	6
ईएससी रेनेस स्कूल ऑफ बिजनेस, फ्रांस	7
ईएससीपी-ईएपी, सेडेक्स	1
ईएसएसईसी, सेडेक्स, फ्रांस	6
ईएसएसईसी, सेडेक्स, फ्रांस - एमएस, एमआईए (पीजीपी-एबीएम के लिए)	5
यूरोपीय बिजनेस स्कूल (ईबीएस), ओस्ट्रिच-विंकेल, जर्मनी	2
एचईसी स्कूल ऑफ मैनेजमैंट, पेरिस	4
एचएचएल-लीपजिग ग्रेजुएट स्कूल ऑफ मैनेजमैंट, लीपजिग	1

परिशिष्ट जारी

विनिमय सहभागी का नाम	वर्ष 2017-18 में आने वाले
इंस्टीट्यूटो डी एंप्रेस्सा, मैड्रिड, स्पेन (आईई बस स्कूल)	2
मुन्स्टर स्कूल ऑफ बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स, जर्मनी (एमएसबीई)	2
नॉर्वेजियन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, नॉर्वे	2
सोलवे बिजनेस स्कूल, ब्रुसेल्स, बेल्जियम (लिबर डी का विश्वविद्यालय)	3
स्टॉकहोम स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, स्टॉकहोम, स्वीडन	3
टूलूज़ बिजनेस स्कूल, फ्रांस (ईएससी-टूलूज़, सेडेक्स, फ्रांस से नाम बदला गया)	1
बोकोनी विश्वविद्यालय, मिलानो विश्वविद्यालय	5
कोलोन विश्वविद्यालय, कोलन	3
सेंट गैलेन विश्वविद्यालय, सेंट गैलेन	2
वियना यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक्स एंड बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन, वियना	3

विनिमय सहभागी का नाम	वर्ष 2017-18 में आने वाले
उत्तरी अमेरिका	
टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन, टेक्सास (मेककॉम्बस स्कूल ऑफ बिजनेस)	1
वाशिंगटन विश्वविद्यालय (जॉन एम. ओलिन स्कूल ऑफ बिजनेस), सेंट लुइस	1
दक्षिण अमेरिका	
केप टाउन विश्वविद्यालय	2
कुल	**83**
डबल डिग्री छात्र विनिमय कार्यक्रम	
बोकोनी विश्वविद्यालय, मिलानो	8
एचईसी स्कूल ऑफ मैनेजमैंट, पेरिस	2
ईएसएसईसी बिजनेस स्कूल, फ्रांस	1
यूरोपीय बिजनेस स्कूल (ईबीएस), ओस्ट्रिच-विंकेल, जर्मनी	1
कुल	**12**

क 4 : छात्रवृत्तियाँ

उद्योग छात्रवृत्तियाँ : बैच 2016-18 (प्रथम वर्ष)

नाम	छात्रवृत्ति
प्रखर बालासुब्रमण्यन	जेट एज फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड
सौम्यो माधब मित्रा	एस.एम. शाह
शत्रुघ्न सिंह भाटी	इंफोसिस
अनुराग पोद्दार	आईसीआईसीआई
मोहित पाहूजा	एसबीआई म्युचुअल फंड
शिवानी गर्ग	आईआईएमए रजत जयंती/पीजीपी-87 बैच/संकाय स्मारक, ऑडको और आईआईएमए

आईआईएमए छात्रवृत्तियाँ

- पटेल विनीत तुषार
- डोर्नदुला रेवंथ रेड्डी
- गौरव स्वरुप
- फार्मन मेमन
- राहुल मित्तल
- ऋषिकेश बागरी
- अक्षय कुमार
- उप्पल श्री मुख बालाजी
- दलाल प्रेरणा जवाहर
- उमंग चंद्रकांत शाह
- प्रियंशी गरोडिया
- विशाख के.
- अभय गोयल
- मुदित रुस्तगी

परिशिष्ट जारी

क

उद्योग छात्रवृत्तियाँ : बैच 2016-18 (द्वितीय वर्ष)

नाम	छात्रवृत्ति
अभय गोयल	श्रीमती शारदा भंडारी एवं श्री पी. के. रथ
हर्ष अरोड़ा	अजय बंगा उद्योग छात्रवृत्ति
प्रखर बालसुब्रमण्यम	रितु बंगा उद्योग छात्रवृत्ति
अनुराग पोद्दार	आलोक मिश्रा
सौमियो माधब मित्रा	जेट एज सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड

नाम	छात्रवृत्ति
फार्मन मेमन	एस.एम. शाह
शोभित शुभंकर	आईएफसीआई लिमिटेड
दलाल प्रेरणा जवाहर	आईएफसीआई लिमिटेड
श्रीकर रमेश	मोनसेंटो और आईआईएमए
पटेल विनीत तुषार	सुरेंद्र पॉल एवं आईआईएमए
उमंग चंद्रकांत शाह	दुन ब्रैडस्ट्रीट एवं आईआईएमए

आईआईएमए छात्रवृत्तियाँ

- श्लोक सत्यम
- सुमित त्रिपाठी
- अक्षय कुमार
- शाह निशांत मनीषभाई
- इशान जैन
- विसाख के.
- कपिल कुमार सिंह
- प्रतीक बाजपाई
- रोहित जायसवाल

आदित्य बिड़ला छात्रवृत्तियाँ

- आयुषी मित्तल
- आयुष गर्ग
- प्रांजल मिश्रा
- रितिका चौधुरी
- विशाल कांसल

क 5 : पीजीपी के लिए प्राप्त आवेदन

चरण	लिंग / कुल	सामान्य वर्ग	आरक्षित वर्ग: नॉन क्रीमी- अन्य पिछड़ा वर्ग	आरक्षित वर्ग: अनुसूचित जाति	आरक्षित वर्ग: अनुसूचित जनजाति	दिव्यांग	जीमैट: प्रवासी भारतीय	जीमैट: अधिसंख्य कोटा	कुल
आईआईएमए के लिए आवेदनकर्ता	पुरुष	93468	19573	8657	2227	593	21	4	124543
	महिला	50693	7614	3600	1085	119	8	2	63121
	विपरीत लिंगी		19						19
	कुल	**144161**	**27206**	**12257**	**3312**	**712**	**29**	**6**	**187683**
साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवार	पुरुष	379	236	114	69	37	11	3	849
	महिला	128	68	37	22	7	2	1	265
	कुल	**507**	**304**	**151**	**91**	**44**	**13**	**4**	**1114**
साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवार	पुरुष	372	230	105	63	35	10	2	817
	महिला	126	64	36	19	7	2	1	255
	कुल	**498**	**294**	**141**	**82**	**42**	**12**	**3**	**1072**

ख

खाद्य एवं कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

ख 1 : पीजीपी-एफ़एबीएम के लिए प्राप्त आवेदन

वर्ग	बैच 2017-19				बैच 2018-20			
	पुरुष	महिला	विपरीत लिंगी	कुल	पुरुष	महिला	विपरीत लिंगी	कुल
सामान्य	66350	31244	0	97594	63381	31981	0	95362
नॉन क्रीमी अन्य पिछड़ा वर्ग	13904	4589	10	18503	14065	5086	13	19164
अनुसूचित जाति	6532	2499	0	9031	5974	2314	0	8288
अनुसूचित जनजाति	1630	677	0	2307	1472	670	0	2142
दिव्यांग	450	81	0	531	422	73	0	495
कुल	**88866**	**39090**	**10**	**127966**	**85314**	**40124**	**13**	**125451**
प्रतिशत	**69.45**	**30.54**	**0.01**	**100**	**68.01**	**31.98**	**0.01**	**100**

ख 2: पीजीपी-एफ़एबीएम प्रवेश 2018-2020

विवरण	लिंग	सामान्य वर्ग	आरक्षित वर्ग					
			नॉन क्रीमी अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	दिव्यांग	जीमैट	कुल
कैट परीक्षा में शामिल	पुरुष	98035	20752	9166	2387	621	-	130961
	महिला	54641	8610	4020	1248	132	-	68651
	विपरीत लिंगी	0	20	0	0	0	-	20
	कुल	**152676**	**29382**	**13186**	**3635**	**753**	**-**	**199632**
पीजीपी-एफ़एबीएम के लिए आवेदकों की संख्या	पुरुष	63381	14065	5974	1472	422	-	85314
	महिला	31981	5086	2314	670	73	-	40124
	विपरीत लिंगी	0	13	0	0	0	-	13
	कुल	**95362**	**19164**	**8288**	**2142**	**495**	**-**	**125451**
साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	281	156	74	75	19	-	605
	महिला	104	44	29	18	5	-	200
	विपरीत लिंगी	0	0	0	0	0	-	0
	कुल	**385**	**200**	**103**	**93**	**24**	**-**	**805**
साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	80	43	20	11	0	-	154
	महिला	44	14	2	2	0	-	62
	कुल	**124**	**57**	**22**	**13**	**0**	**-**	**216**

परिशिष्ट जारी **ख**

ख 3 : पीजीपी-एफ़एबीएम 2017-18 में छात्र

	पीजीपी-एफ़एबीएम I (2017-18)	पीजीपी-एफ़एबीएम II (2017-18)
कार्यक्रम में शामिल हुए	**46**	**46**
(-) अलग हुए	01	
(-) 2017 में पुन शामिल करने के लिए कहा / अनुमति		
(+) पुनरावृत्ति करने वाले	-	02
2017 में पुन शामिल होने की अनुमति दी गई		
प्रथम/ द्वितीय वर्ष में संख्या	**45**	**48**
(-) जिनसे वापस जाने के लिए कहा गया	शून्य	01
(-) जिनसे पुनरावृत्ति के लिए कहा गया	शून्य	शून्य
शैक्षणिक आवश्यकताएँ (डबल डिग्री और सामान्य) पूरी नहीं करने के कारण स्नातक नहीं हो सके	शून्य	
शैक्षणिक अनुशासनहीनता करने के कारण स्नातक नहीं हो सके	शून्य	शून्य
पूर्व वर्ष के स्नातक	शून्य	01
डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र	शून्य	शून्य
कुल प्रोन्नत / स्नातक	**45**	**47**

ग

कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

ग1 : छात्रों की प्रोफाइल

मापदंड	औसत
जीमैट	लगभग 700
कुल कार्यानुभव	8 वर्ष 6 महीने
अंतरराष्ट्रीय कार्यानुभव	1 वर्ष 10 महीने
31 मार्च 2017 को आयु	32 वर्ष 5 महीने

अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन

- 03 (2.61%) अंतरराष्ट्रीय छात्र हैं। (आईटीईसी छात्रवृत्ति के माध्यम से 2 प्रतिभागी) (लेसोथो, पोलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका प्रत्येक से 1)
- 14 (12.17%) भारत से बाहर छह देशों में रह रहे हैं।
- 65 (56.52%) के पास कार्य और अध्ययन के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन है।

शैक्षणिक पृष्ठभूमि

- 18 (15.65%) ने अपने देश के बाहर से उपाधि प्राप्त की है।
- 33 (28.70%) ने स्नातक से ज्यादा उच्च योग्यता (व्यावसायिक, अनुस्नातक) प्राप्त की है।
- 88 (76.52%) इंजीनियर हैं।
- 21 (18.26%) आईआईटी / एनआईटी से स्नातक हैं।

उद्योगों में अकादमिक और शिक्षा, एयरोस्पेस और विमानन, परामर्श और व्यावसायिक सेवाएँ, रक्षा और सुरक्षा, ऊर्जा / विद्युत, वित्तीय सेवाएँ, एफएमसीजी (टिकाऊ और गैर-टिकाऊ), सरकारी सेवा और सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम, स्वास्थ्य देखभाल, इन्फ्रास्ट्रक्चर, आईटी और आईटी सेवाएँ, विनिर्माण (इंजीनियरिंग / प्रक्रिया), मीडिया और मनोरंजन, गैर सरकारी संगठन, खुदरा, शिपिंग, और दूरसंचार शामिल हैं।

- 29 (25.52%) छात्राएँ हैं।

उद्योग विवरण		कार्यात्मक विवरण	
अकादमिक एवं शिक्षा	1	संचालन	18
एयरोस्पेस एवं विमानन	1	आईटी आधारित परियोजना प्रबंधन	16
परामर्श एवं व्यावसायिक सेवाएँ	11	परामर्श	14
रक्षा एवं सुरक्षा	1	बिक्री एवं विपणन	11
ऊर्जा एवं विद्युत	14	सामान्य प्रबंधन	10
वित्तीय सेवाएँ	12	आईटी आधारित संचालन	6
एफएमसीजी (टिकाऊ और गैर-टिकाऊ)	1	इंजीनियरिंग एवं रखरखाव	5
सरकारी सेवा एवं सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम	6	वित्त एवं लेखा	5
स्वास्थ्य देखभाल	4	प्रोग्रामिंग	4
इंफ्रास्ट्रक्चर	2	गैर-आईटी आधारित अनुसंधान एवं विकास	3
आईटी एवं आईटी सेवाएँ	41	सिस्टम डिजाइनिंग	3
विनिर्माण (इंजीनियरिंग / प्रक्रिया)	9	ग्राहक खाता प्रबंधन	2
मीडिया एवं मनोरंजन	2	ईआरपी व्यावसायिक	2

परिशिष्ट जारी

ग

उद्योग विवरण		कार्यात्मक विवरण	
गैर सरकारी संगठन	1	मानव संसाधन	2
खुदरा	5	आईटी आधारित अनुसंधान एवं विकास	2
शिपिंग	2	स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर	2
दूरसंचार	2	गुणवत्ता आश्वासन / गुणवत्ता नियंत्रण	2
		सॉफ्टवेयर का रखरखाव	2
		गैर-आईटी आधारित परियोजना प्रबंधन	1
		खरीद	1
		अन्य	4
कुल	**115**	**कुल**	**115**

ग2 : नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम

- ई-शासन में परामर्श
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर्यावरण और वैश्विक रणनीति
- व्यापक आर्थिक नीति की रूपरेखा और संभावनाएँ
- स्वास्थ्य देखभाल के उत्पादों और सेवाओं का विपणन
- विपणन अनुसंधान
- सत्ता, राजनीति, और सार्वजनिक नीति
- गुणवत्ता प्रबंधन
- सामरिक विपणन प्रबंधन
- भगवद गीता की समझ : प्रबंधकों की दुविधाएँ

ग 3 : वक्ता श्रृंखला

नाम	पदनाम	कंपनी	उद्योग
सुनील हांडा	सीरियल उद्यमी और उद्यम पूंजीपति	पाँचवें वेद उद्यमी	फार्मा एवं एफ़एमसीजी
यशीश दहिया	सह-संस्थापक और सीईओ	पॉलिसी बाज़ार.कॉम	ई-वाणिज्य / बीमा
अक्षय कोठारी	घरेलू कंपनी प्रबंधक	लिंक्ड इन	सामाजिक मीडिया
विश्ववीर आहूजा	एम.डी. और सीईओ	आरबीएल बैंक	बैंकिंग
अप्रमेय राधाकृष्ण	सह-संस्थापक	टैक्सीफ़ॉरश्योर	
जुएर्गेन हास	सीईओ आईओटी बिजनेस, रिलायंस	अनलिमिट	आईओटी
अनंत गोयनका	कार्यकारी निदेशक	इंडियन एक्सप्रेस ग्रुप	मीडिया
शशि कांत शर्मा	भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक	भारत सरकार	सरकार
गुरदीप सिंह	अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक	एनटीपीसी	ऊर्जा/बिजली
रामचंद्रन मुरलीधरन	उपाध्यक्ष और प्रमुख - गुणवत्ता आश्वासन	सिंटेल इंक	आईटी सेवाएँ, आईटी परामर्श
अंबी परमेश्वरन	ब्रांड परामर्शदाता		विपणन
मनीष गुप्ता	निदेशक - डिजिटल परिवर्तन	मास्टर कार्ड	आईटी सेवाएँ, आईटी परामर्श
वीवीएस लक्ष्मण	क्रिकेटर		खेल
साइरस मिस्त्री	पूर्व अध्यक्ष टाटा ग्रुप	पूर्व-टाटा समूह	आधारिक संरचना
अनु आगा	एमडी और अध्यक्ष	थर्मैक्स	विनिर्माण / ऊर्जा

घ

प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम

स्नातक होने वाले एफ पी एम छात्र

नाम	विषय-क्षेत्र	शोध-प्रबंध शीर्षक	शोध-प्रबंध परामर्शन समिति
आशीष अरगडे	वित्त एवं लेखा	चयन निर्धारक और कृषि-उत्पादन विपणन चैनलों का तुलनात्मक मूल्यांकन किसानों का परिप्रेक्ष्य	प्रोफ़ेसर अर्नब के. लाहा (सह-अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर विजय पॉल शर्मा (सह-अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर आनंद के. जायसवाल
अक्षय मिलाप	सार्वजनिक प्रणाली समूह	'निशुल्क' नीति लाभ क्यों रखे जाते हैं? भारत में नीति अग्राह्य पर सूचनात्मक सहायता रणनीतियों की भूमिका और लागत-प्रभावशीलता की जाँच करना	प्रोफ़ेसर अंकुर सरीन (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर नवदीप माथुर प्रोफ़ेसर शेरोन बर्नार्डे प्रोफ़ेसर वैभव कुलकर्णी
अविना जेनिफ़ा मेंडोंका	संगठनात्मक व्यवहार	सौंदर्य सेवा कार्य गंदे काम के रूप में: कर्मचारियों के जीवंत अनुभवों को समझना	प्रोफ़ेसर प्रेमिला डीक्रूज़ (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अर्नेस्टो नोरोन्हा प्रोफ़ेसर परविंदर गुप्ता
बिस्वजीत परीदा	विपणन	विज्ञापन की एक प्रायोगिक जाँच रोडब्लॉक विज्ञापन में प्रभावशीलता	प्रोफ़ेसर अरविंद सहाय (सह-अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अभिषेक (सह-अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अरुणा दिव्या टी.
देबदत्ता मुखर्जी	सार्वजनिक प्रणाली समूह	कॉर्पोरेट सामाजिक प्रदर्शन (सीएसपी) और कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पर निबंध वैश्विक से कंपनी स्तर तक का विश्लेषण	प्रोफ़ेसर अमित गर्ग (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अभिमान दास प्रोफ़ेसर सतीश देवधर प्रोफ़ेसर सुनील माहेश्वरी
दीपक बिष्ट	अर्थशास्त्र	ऊर्जा डेरिवेटिव के मॉडलिंग और पूर्वानुमान आकलन में अन्वेषण	प्रोफ़ेसर अर्नब के. लाहा (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर आर.एच. धोलकिया प्रोफ़ेसर सतीश देवधर
दीपिका सलूजा	सार्वजनिक प्रणाली समूह	राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना (आरएसबीवाई) नामांकन प्रक्रिया का एक प्रक्रिया मूल्यांकन : जवाबदेही की नजर	प्रोफ़ेसर अंकुर सरीन (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर शेरोन बर्नार्ड्ट प्रोफ़ेसर रमेश भट प्रोफ़ेसर राम मोहन तुरागा
जी.वी. राधाकृष्णन	सार्वजनिक प्रणाली समूह	भारत में निजी क्षेत्र की भागीदारी और कंटेनर टर्मिनल दक्षता मुद्दे तथा साक्ष्य	प्रोफ़ेसर जी. रघुराम (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर आर. एच. धोलकिया प्रोफ़ेसर टी. टी. राम मोहन प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय
कविता चेतना डिडुगु	उत्पादन और मात्रात्मक तरीके	ऑनलाइन हाइपरलोकल फूड सर्विस मार्केटप्लेस पर निबंध	प्रोफ़ेसर चेतन सोमन (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर डिर्क पीटर वान डोन्क प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल
पी.के.वी. किशन	अर्थशास्त्र	शिक्षा और असमानता पर एक अनुभवजन्य अन्वेषण - तीन निबंध	प्रोफ़ेसर अभिमान दास (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर आर. एच. धोलकिया प्रोफ़ेसर एर्रोल डिसूजा
पिनाकी रॉय	विपणन	नवीनीकृत सामानों का एक सामरिक दृश्य	प्रोफ़ेसर अर्नब के. लाहा (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर संजीव त्रिपाठी प्रोफ़ेसर निहारीका वोहरा
पूनम राठी	उत्पादन और मात्रात्मक तरीके	कार्यात्मक डेटा के साथ परिवर्तन बिंदु, भविष्यवाणी और वर्गीकरण	प्रोफ़ेसर अर्नब के. लाहा (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर चेतन सोमन प्रोफ़ेसर जोशी जेकब

परिशिष्ट जारी घ

नाम	विषय-क्षेत्र	शोध-प्रबंध शीर्षक	शोध-प्रबंध परामर्शन समिति
प्रसन्ना आर.	उत्पादन और मात्रात्मक तरीके	हब हस्तक्षेप की समस्याएँ : मॉडल और समाधान दृष्टिकोण	प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल (सहअध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अंकुर सिन्हा (सहअध्यक्ष) प्रोफ़ेसर नवनीत विद्यार्थी
सरिता सुधर्मा विश्वनाथन	सार्वजनिक प्रणाली समूह	भारत के लिए जल और ऊर्जा प्रणालियों को एकीकृत करना	प्रोफ़ेसर अमित गर्ग (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर पी. आर. शुक्ला प्रोफ़ेसर आर. एच. धोलकिया
शुचि श्रीनिवासन	सार्वजनिक प्रणाली समूह	सार्वजनिक कार्यक्रमों के तहत सीमावर्ती श्रमिकों की प्रेरणा और प्रदर्शन पर निबंध : एक बहुविधि अध्ययन	प्रोफ़ेसर अंकुर सरीन (सहअध्यक्ष) प्रोफ़ेसर शेरोन बर्नार्ड्ट (सहअध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अजय पांडे प्रोफ़ेसर दिलीप मावलंकर
सुमन सौरभ	वित्त एवं लेखा	शेयर पुनर्खरीद पर निबंध	प्रोफ़ेसर जोशी जेकब (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर अर्नब के. लाहा प्रोफ़ेसर अजय पांडे

ङ

स्नातकोत्तर एवं फेलो कार्यक्रम : छात्र संख्या

	प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	खाद्य और कृषि- व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	कार्यपालकों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	प्रबंधन में फेलो कार्यक्रम	कुल
2008-09	560	44	77	84	765
2009-10	602	54	80	79	815
2010-11	688	77	86	69	920
2011-12	747	78	101	73	999
2012-13	753	78	85	84	1000
2013-14	756	87	85	80	1008
2014-15	773	82	85	75	1015
2015-16	790	92	85	80	1047
2016-17	790	92	90	85	1057
2017-18	**788**	**91**	**115**	**95**	**1089**

च

स्थानन

च 1 : बैच प्रोफ़ाइल

शैक्षिक पृष्ठभूमि	
कार्य	छात्रों का प्रतिशत
इंजीनियरिंग	79
कला	3
वाणिज्य और व्यवसाय प्रशासन	7
विज्ञान और अन्य	11

कार्यानुभव	
अवधि	छात्रों का प्रतिशत
नए	34
0 - 1 वर्ष	25
1 - 2 वर्ष	25
2 - 3 वर्ष	12
3 से अधिक वर्ष	4

च 2 : प्रस्ताव स्वीकृति

समूह	स्वीकृति
समूह 1	63
समूह 2	78
समूह 3	48
पीपीओ	112
पार्श्विक	87
कुल	**388**

च 3 : शीर्ष भर्तीकर्ता

- एबीपी न्यूज़
- एक्सेंचर प्रौद्योगिकी
- एडिडास
- अलफांसो
- एम्प्लस सोलर
- कॉफी डे
- कॉगोपॉर्ट
- कोरोमंडल इंटरनेशनल
- डेलोइट इंडिया
- ड्राइवइज़ी
- इक्वीरस
- इवॉल्युशनरी सिस्टम्स
- फ़्लुतुरा
- गल्फ़टैलेन्ट
- इन्डिगो
- इन्डएक्सएक्स
- एल एंड टी इन्फोटेक
- एलईके कन्सल्टेंसी
- मैजिकपिन
- नाईका
- ऑप्टम
- ओयो रूम्स
- परफ़ियोस
- डीएचएफएल प्रामेरिका
- प्रोटिविटी ग्लोबल
- क्वॉरी
- सैपियंट कन्सल्टिंग
- सीमेंस ग्रुप
- वेक्टर कन्सल्टिंग
- विक्रम सोलर
- वीरिंची

च 4 : क्षेत्र / कार्य अनुसार स्थानन

क्षेत्र	अंतिम प्रस्ताव	प्रतिशत
व्यापार विकास	32	8.25
परामर्श	121	31.19
वित्त	71	18.30
सामान्य प्रबंधन	43	11.08
विपणन	58	14.95

क्षेत्र	अंतिम प्रस्ताव	प्रतिशत
संचालन	21	5.41
सिस्टम्स / आईटी	34	8.76
अन्य	8	2.06
कुल	**388**	**100**

परिशिष्ट जारी च

च 5 : क्षेत्र अनुसार स्थानन

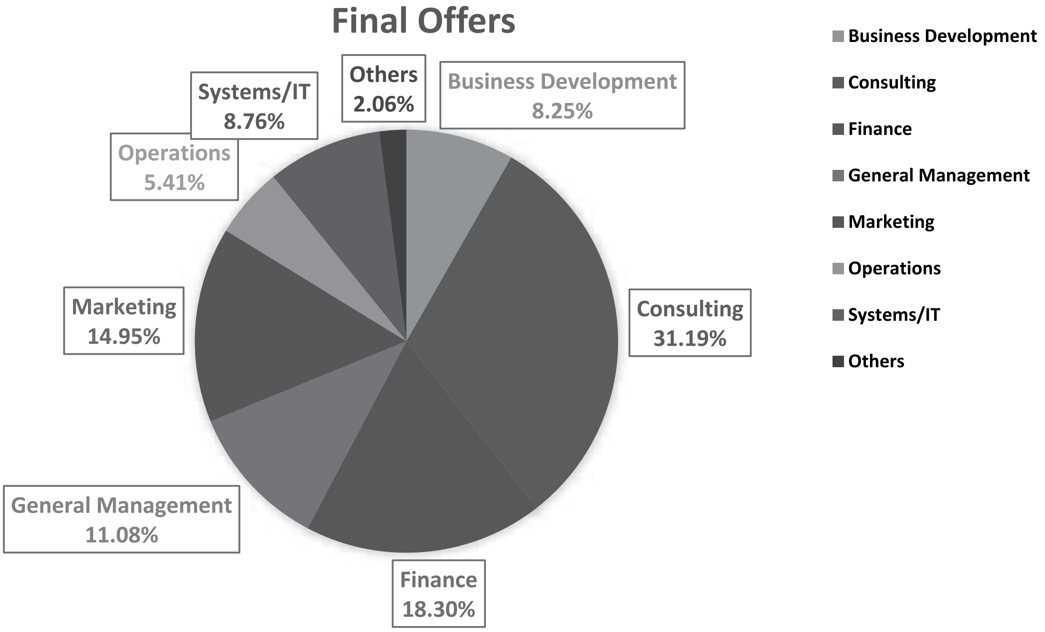

च 6 : क्षेत्र / कार्य अनुसार स्थानन के पिछले वर्षों के रुझान

क्षेत्र	2015		2016		2017		
	संख्या	कुल संख्या का प्रतिशत	संख्या	कुल संख्या का प्रतिशत	क्षेत्र	संख्या	कुल संख्या का प्रतिशत
बिक्री / विपणन (एफ़एमसीजी)	36	9.97	54	14.1	विपणन	63	16.32
वित्त (निवेश बैंकिंग, बाजार, बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाएँ, पी.ई., वी.सी., निवेश प्रबंधन और हेज फ़ंड)	57	15.79	66	17.23	वित्त	66	17.10
सिस्टम्स / आईटी / आईटीईएस	76	21.05	29	7.57	सिस्टम्स / आईटी	42	10.88
संचालन (उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, ऑनलाइन सेवाएँ, फार्मा, मेडिकल और हेल्थकेयर)	23	6.37	10	2.61	संचालन	20	5.18
परामर्श	95	26.32	112	29.24	परामर्श	103	26.68
कंपनियों के संगठन	29	8.03	50	13.06	व्यापार विकास	27	7.00
सामान्य प्रबंधन (विनिर्माण, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी आदि)	35	9.7	27	7.05	सामान्य प्रबंधन	48	12.44
अन्य (मीडिया / संचार, पर्यटन, रसद, रियल एस्टेट, शिक्षा प्रबंधन, पर्यावरण एवं ऊर्जा, तेल एवं गैस, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार)	10	2.77	35	9.14	अन्य	17	4.40
कुल	**361**	**100**	**383**	**100**	**कुल**	**386**	**100**

परिशिष्ट जारी

च

च 7 : क्षेत्र अनुसार शीर्ष भर्तीकर्ता

क्षेत्र	भर्तीकर्त्ता	भर्ती किए गए	कुल स्वीकृति का प्रतिशत (388)
परामर्श	एक्सेंचर स्ट्रेटेजी	18	4.64
	द बोस्टन कन्सल्टिंग ग्रुप	14	3.61
	बैन एंड कंपनी	13	3.35
	मैककिंसे एंड कंपनी	12	3.09
बीएफ़एसआई	अमेरिकन एक्सप्रेस	8	2.06
	फ़िनआईक्यू	6	1.55
	यस बैंक	6	1.55
	एचएसबीसी	5	1.29
	जेपी मोरगन	5	1.29
कंपनियों के संगठन	टीएएस	7	1.80
	आदित्य बिड़ला ग्रुप	3	0.77
आईटी एवं सिस्टम्स	माइक्रोसॉफ्ट	8	2.06
	एल एंड टी इन्फोटेक	5	1.29
	पेटीएम	5	1.29
विपणन	एयरटेल	8	2.06
	हिंदुस्तान यूनिलीवर	5	1.29
	नेसले	4	1.03
व्यापार विकास	डायरेक्टी (मीडिया.नेट)	2	0.52
	चिरीपाल	2	0.52
इंजीनियरिंग / टेक	क्लाउडटेल	2	0.52
	ओला	2	0.52
संचालन	अमेजोन	14	3.61
	लोढा ग्रुप	5	1.29

च 8 : उद्यमिता

विद्यार्थी का नाम	उद्यमशील विचार
गौरव बागडे सोमेश अग्रवाल	मूल उत्पाद एक स्मार्ट चार्जिंग स्टेशन है जो वाहन के साथ प्रमाणित करता है, वाहन की पहचान करता है, परिवर्तनीय वोल्टेज और एम्पीयर रेंज प्रदान करता है, भार संतुलन प्रदान करता है और ग्रिड को प्रतिक्रिया प्रदान करता है।
भानु हरीश गुर्रम पवन कुमार श्रेहित करकेरा	स्टॉक मार्केट से संबंधित जानकारी को सरल और समेकित करना। इसका उद्देश्य एक एकीकृत मंच बनाना है जो स्पष्टता में किसी भी नुकसान के बिना जितना संभव हो उतना शब्दों में स्रोत, विश्लेषण और क्रियाशील अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।
वैभव सुराणा	ऐसा भोजन प्रदान करना जिसमें प्रकृति के शुद्ध तत्व हों और कुरकुरा बनने तक पूरी तक फ़्रीज करके सूखता हो। भारत में खाद्य स्थिरता के लिए एक मॉडल के रूप में फसल के बाद आपूर्ति श्रृंखला को अनुकूलित करते हुए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को लागू करके भी प्रयास किया जा रहा है।

च 9 : ग्रीष्मकालीन स्थानन का क्षेत्र अनुसार वितरण

क्षेत्र	स्थानन की संख्या
ऑटोमोबाइल	3
बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा (बीएफ़एसआई)	64
कंपनियों के संगठन	47
परामर्श	119
उपभोक्ता सामान (एफ़एमसीजी)	56
उपभोक्ता सेवाएँ	10
विकास और सामाजिक क्षेत्र	8
अभियांत्रिकी / प्रौद्योगिकी	4
उद्यमिता क्षेत्र	7
पर्यावरण एवं ऊर्जा	5
सरकारी उद्यम	5
सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)	17
रसद	1
विनिर्माण	6
मीडिया / संचार	2
ऑनलाइन सेवाएँ	28
औषधि / हेल्थकेयर	7
टेलीकॉम	1
दूरसंचार	8
कुल	**398**

च 10 : स्थानन पूल का वर्गीकरण

बैच में छात्रों की कुल संख्या	46
स्थानन अवकाश से लौटने वाले छात्रों की कुल संख्या	0
स्थानन के लिए योग्य छात्रों की कुल संख्या	46
स्थानन से बाहर रहने का विकल्प चुनने वाले छात्रों की कुल संख्या	2
संस्थान के माध्यम से स्थानन की तलाश करने वाले छात्रों की कुल संख्या	44

च 11 : विभिन्न क्षेत्रों में प्रस्ताव

क्षेत्र	छात्रों की संख्या	प्रतिशत
कृषि इनपुट	19	43.18
बीएफ़एसआई	4	9.09
कंपनियों के संगठन	3	6.82
परामर्श	2	4.55
एफ़एमसीजी	5	11.36
खाद्य प्रसंस्करण	3	6.82
रसद	2	4.55
ऑनलाइन सेवाएँ	3	6.82
सामाजिक क्षेत्र	1	2.27
खुदरा	2	4.55

च 12 : क्षेत्रों में प्रस्तावों का सचित्र प्रतिनिधित्व

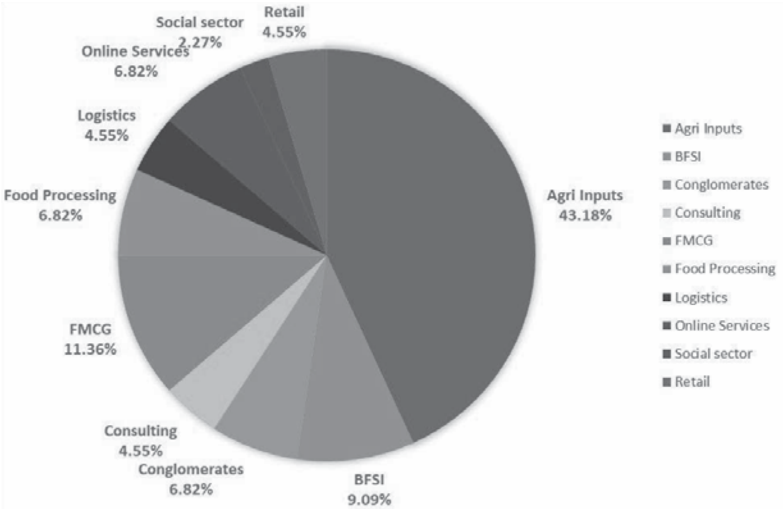

परिशिष्ट जारी

च

च 13 : पीजीपी-एफ़एबीएम स्थानन पूल का वर्गीकरण

श्रेणियाँ	संख्या
बैच की कुल संख्या	45
ग्रीष्मकालीन स्थानन में बैठने के लिए योग्य कुल छात्र	45
ग्रीष्मकालीन स्थानन में बैठने के लिए अयोग्य कुल छात्र	0
ग्रीष्मकालीन स्थानन में बैठने के लिए योग्य कुल छात्र	45
संस्थान के माध्यम से इंटर्नशिप की तलाश	40
संस्थान के माध्यम से इंटर्नशिप की तलाश नहीं करने वाले छात्र	4
ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप से बाहर रहने का विकल्प चुनने वाले छात्र	1

च 14 : पीजीपी-एफ़एबीएम इंटर्नशिप का क्षेत्र अनुसार वर्गीकरण

क्षेत्र	प्रस्तावों की संख्या
कृषि इनपुट	14
बीएफ़एसआई	5
ई-कॉमर्स	1
एफ़एमसीजी	8
खाद्य प्रसंस्करण	5
सरकार	1
सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी)	1
रसद	1
अन्य *	4
कुल	**40**

*अन्य में सामाजिक क्षेत्र से 3 और शैक्षिक प्रौद्योगिकी क्षेत्र से 1 शामिल हैं

च 15 : पीजीपीएक्स स्थानन पूल का वर्गीकरण

छात्रों की कुल संख्या	115
अपना उद्यम शुरू करने के लिए स्थानन छुट्टी का विकल्प चुनने वाले छात्र	1
छात्र स्वयं द्वारा ही नियुक्ति चाहते हैं (स्थानन प्रक्रिया के बाहर)	11
आईटीईसी स्कॉलर (2) / स्व-रोजगार (2)	4
स्थानन प्रक्रिया के माध्यम से अंतिम प्रस्ताव प्राप्त करने वाले छात्र	92
स्थानन प्रक्रिया जारी है	7

च 16 : एफ़पीएम स्थानन पूल का वर्गीकरण

छात्रों की कुल संख्या	7
अपना उद्यम शुरू करने के लिए स्थानन छुट्टी का विकल्प चुनने वाले छात्र	0
अंतिम प्रस्ताव प्राप्त करने वाले छात्र	0
विचाराधीन प्रस्तावों वाले छात्र	0
अभी तक स्थानन शेष है	6
स्वयं प्रस्ताव प्राप्त करने वाले एफ़पीएम छात्र	1

च 17 : वर्ष 2017 की तिथियों एवं शामिल दलों के विवरण

डीब्रीफिंग सत्रों की तिथियाँ	शामिल दल
13 जुलाई, 2017	पीई / वीसी, खुदरा बैंकिंग, फार्मा, सामान्य प्रबंधन, विपणन, डिजिटल विपणन, प्रबंधन परामर्श, आईटी परामर्श, मैवरिक्स, विनिर्माण, सामाजिक क्षेत्र
14 जुलाई, 2017	कॉर्पोरेट वित्त, आईबीडी, बाजार, विश्लेषिकी, मीडिया, बिक्री, सामान्य प्रबंधन, परामर्श, सरकारी क्षेत्र, कार्यक्रम प्रबंधन, श्रेणी प्रबंधन

छ

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

प्रतिभागियों का विभाजन

कार्यक्रम	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
		सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम	3	21	101	72	194
नए कार्यक्रम	8	98	91	3	192
नियमित / दोहराए कार्यक्रम	59	472	1053	46	1571
अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम	2	0	0	58	58
सशस्त्र बल कार्यक्रम	1	60	0	0	60
कुल	**73**	**651**	**1245**	**179**	**2075**

सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
3 टीपी : उभरते अग्रणियों का कार्यक्रम 23 जुलाई - 19 अगस्त, 2017	13	33	28	74
लघु और मझौले उद्यमों का रूपांतरण 1- 14 अक्टूबर, 2017	0	25	0	25
3 टीपी : वरिष्ठ अग्रणियों का कार्यक्रम 21 जनवरी - 10 फरवरी , 2018	8	43	44	95
कुल	**21**	**101**	**72**	**194**

प्रस्तुत किए गए नए कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
संगठनात्मक व्यवहार				
कॉरपोरेट थिएटर : स्टोरीटेलिंग और फिल्म निर्माण के माध्यम से रचनात्मक क्षमता का विकास 24-26 अप्रैल, 2017	2	17	0	19
वित्त एवं लेखा				
सामरिक व्यापार निर्णयों के लिए वाणिज्यिक और वित्तीय कौशल का विकास 12 -16 जून, 2017	7	13	1	21

परिशिष्ट जारी

छ

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
निवेश निर्णय और व्यवहार वित्त 21- 23 जून, 2017	11	25	1	37
कॉर्पोरेट हेजिंग और डेरिवेटिव्स 8 -10 मार्च, 2018	5	9	0	14
अर्थशास्त्र				
पीपीपी अधिकार में बुनियादी ढाँचा प्राप्त करना 03- 07 जुलाई, 2017	32	7	0	39
सूचना प्रणालियाँ				
बिग डेटा एनालिटिक्स 19- 23 फरवरी, 2018	21	8	0	29
उत्पादन और मात्रात्मक तरीके				
निर्णय निर्माण की कला और शिल्प 19 -21 मार्च, 2018	15	10	0	25
सार्वजनिक प्रणाली समूह				
इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम 19- 21 मार्च, 2018	5	2	1	8
कुल	**98**	**91**	**3**	**192**

नियमित / दोहराए गए कार्यक्रमों की पेशकश

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
व्यापार नीति				
परिवर्तनकारी नेतृत्व 29 जून - 01 जुलाई, 2017	13	37	1	51
अंतरराष्ट्रीय बाजार जीतने के लिए रणनीतियाँ 27 - 29 जुलाई, 2017	5	17	1	23
प्राधिकरण, संगठन, रणनीतियाँ और संबंधितता की राजनीति पर कार्य सम्मेलन 18- 24 अगस्त, 2017	2	23	0	25
प्रमुख व्यावसायिक सेवा कंपनियाँ 20 -25 अगस्त, 2017	0	23	0	23
युवा उद्यमी कार्यक्रम मॉड्यूल 1 : 04 -09 सितंबर, 2017 मॉड्यूल 2 : 15 -20 जनवरी, 2018	4	24	2	30

परिशिष्ट जारी

छ

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
विकास के लिए रणनीतियाँ 18 -22 सितंबर, 2017	2	22	0	24
रणनीति निष्पादन का अनुशासन 25 -27 सितंबर, 2017	6	18	0	24
अनुबंध प्रबंधन 09 -13 अक्टूबर, 2017	15	10	0	25
नवप्रवर्तन, कॉर्पोरेट रणनीति और प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन 13- 17 नवंबर, 2017	16	24	0	40
21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व 02 -05 जनवरी, 2018	1	22	0	23
नवप्रवर्तन, कॉर्पोरेट रणनीति और प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन (द्वितीय प्रस्ताव) 08 -12 जनवरी, 2018	2	11	0	13
परिवर्तनकारी नेतृत्व (द्वितीय प्रस्ताव) 22 -24 जनवरी, 2018	12	53	1	66
रणनीति कार्यान्वयन 29 - 31 जनवरी, 2018	8	23	3	34
पारिवारिक व्यवसाय संगठन, रणनीतियाँ, अंतर्राष्ट्रीयकरण और उत्तराधिकार 21 -23 फरवरी, 2018	2	24	0	26
संगठनों में उद्यमिता पैदा करना 12- 14 मार्च, 2018	6	11	0	17
विदेश में व्यवसाय करना 21 -23 मार्च, 2018	1	29	0	30
संचार				
लोगों को साथ लेकर चलना अनुनय द्वारा प्रबंधन 31 जुलाई -05 अगस्त, 2017	12	22	2	36
विजय की कगार अग्रणियों के लिए संचार रणनीतियाँ 18- 23 सितंबर, 2017	14	22	0	36
अर्थशास्त्र				
बैंकों और वित्तीय संस्थानों की अगुवाई आज की चुनौतियाँ 14 -18 नवंबर, 2017	16	3	0	19
वित्त एवं लेखा				
उन्नत व्युत्पन्न विकल्प 09 - 11 जून, 2017	1	12	1	14

परिशिष्ट जारी छ

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
व्यापार का वित्तीय विश्लेषण 28 अगस्त - 01 सितंबर, 2017	10	13	1	24
उन्नत कॉर्पोरेट वित्त 06 -11 नवंबर, 2017	8	7	2	17
विलय, अधिग्रहण और पुनर्गठन 04 09 दिसंबर, 2017	8	13	0	21
सामरिक लागत प्रबंधन 16- 20 जनवरी, 2018	10	16	0	26
सूचना प्रणालियाँ				
आईटी परियोजनाओं का प्रबंधन 28 अगस्त -02 सितंबर, 2017	7	11	0	18
सीआईओ के लिए सामरिक आईटी प्रबंधन 18 -23 सितंबर, 2017	2	11	0	13
दृश्य व्यापार इंटेलिजेंस 27 नवंबर - 01 दिसंबर, 2017	6	15	0	21
विपणन				
ग्राहक आधारित व्यापार रणनीतियाँ 06 - 08 जुलाई, 2017	8	11	1	20
ब्रांडों का विकास और प्रबंधन 14- 18 अगस्त, 2017	5	25	1	31
लाभ के लिए मूल्य निर्धारण 09 -13 अक्टूबर, 2017	6	13	0	19
ग्राहक संबंध प्रबंधन 20 -25 नवंबर, 2017	17	17	0	34
विपणन निर्णय के लिए उन्नत डेटा विश्लेषण 27 नवंबर - 02 दिसंबर, 2017	3	17	0	20
बी 2 बी विपणन 19 -24 फरवरी, 2018	5	9	0	14
बिक्री बल प्रदर्शन में वृद्धि 05 -09 मार्च, 2018	11	29	8	48
संगठनात्मक व्यवहार				
नेतृत्व और परिवर्तन प्रबंधन 11 -15 सितंबर, 2017	14	21	1	36
व्यावसायी महिलाओं में नेतृत्व क्षमताओं और संभावना को बढ़ाना 30 अक्टूबर -02 नवंबर, 2017	14	21	0	35

परिशिष्ट जारी

छ

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
पारस्परिक प्रभावशीलता और टीम निर्माण 08 -11 जनवरी, 2018	17	14	0	31
मानव संसाधन प्रबंधन				
21वीं सदी के लिए प्रतिभा प्रबंधन 29 मई -02 जून, 2017	7	13	0	20
सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन 21 -26 अगस्त, 2017	11	20	2	33
उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन 04- 09 दिसंबर, 2017	27	20	2	49
आंतरिक प्रतिभा और नेतृत्व का विकास 01 -03 फरवरी, 2018	14	24	4	42
उत्पादन और मात्रात्मक तरीके				
सामरिक विश्लेषिकी निर्णय निर्माण में विश्लेषिकी वयन 24-28 अप्रैल, 2017	6	14	1	21
परियोजनाओं में अनिश्चितता, जटिलता और जोखिम 24-28 अप्रैल, 2017	19	3	0	22
राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण 02 - 06 मई, 2017	5	16	0	21
प्रबंधन के लिए उन्नत विश्लेषिकी 17 - 22 जुलाई, 2017	16	27	1	44
रसद प्रबंधन 07 - 11 अगस्त, 2017	4	14	1	19
संचालन प्रबंधन के डिजाइन की बुनियादी बातें 21 -25 अगस्त, 2017	0	13	0	13
परियोजना प्रबंधन 04 - 09 सितंबर, 2017	19	19	1	39
गोदाम डिजाइन और प्रबंधन 11 - 15 सितंबर, 2017	14	10	2	26
विनिर्माण रणनीति 02 - 07 अक्टूबर, 2017	1	20	1	22
आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन 01 - 06 नवंबर, 2017	4	28	0	32
रेस्टोरेंट प्रबंधन 27 नवंबर - 01 दिसंबर, 2017	0	16	1	17
विनिर्माण पर कार्यशाला 07 09 दिसंबर, 2017	2	16	0	18

परिशिष्ट जारी

छ

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक / सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
जोखिम : मॉडलिंग और प्रबंधन 19 - 23 फरवरी, 2018	14	2	0	16
कृषि प्रबंधन केंद्र				
कृषि इनपुट विपणन 15 - 20 जनवरी, 2018	2	6	2	10
स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र				
अस्पताल प्रबंधन 12 - 17 जून, 2017	2	19	1	22
नैदानिक प्रयोगशाला प्रबंधन 11 - 13 अक्टूबर, 2017	3	9	0	12
सार्वजनिक प्रणाली समूह				
नौवहन के लिए सामान्य प्रबंधन 25 फरवरी - 03 मार्च, 2018	1	18	2	21
रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवप्रवर्तन केंद्र (आरजेएमसीईआई)				
बदलते माहौल में स्कूलों के लिए सामरिक नेतृत्व 02 - 07 अक्टूबर, 2017	12	33	0	45
कुल	**472**	**1053**	**46**	**1571**

अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक/सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम - 15, दुबई 04 नवंबर , 2016 - 10 जून, 2017	0	0	33	33
सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम 16, दुबई 31 मार्च , 2017 - 25 नवंबर, 2017	0	0	25	25
कुल	**0**	**0**	**58**	**58**

सशस्त्र बल कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक/सरकारी क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
सशस्त्र बल कार्यक्रम 12 अक्टूबर, 2017 से 21 मार्च, 2018 तक	60	0	0	60
कुल	**60**	**0**	**0**	**60**

ज

अनुसंधान एवं संगोष्ठियाँ

जारी परियोजनाएँ

परियोजना / गतिविधि का प्रकार	स्थिति		
	जारी परियोजनाएँ	शुरू की गई परियोजनाएँ	पूर्ण हुई परियोजनाएँ
लघु अनुसंधान परियोजना	31	13	4
मूलधन परियोजना	16	14	2
पूर्ण हुईं इंटर्नशिप परियोजनाएँ		50	
अनुसंधान एवं प्रकाशन द्वारा आयोजित संगोष्ठियाँ		46	
आधार पत्र		24	

शुरू की गई लघु अनुसंधान परियोजनाएँ

- कॉम्बिनेटोरियल बैंडविड्थ पैकिंग : एक शाखा-और-कीमत एल्गोरिदम (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- पानी का मालिक कौन है जनता या सरकार (प्रोफ़ेसर अजीत एन. माथुर)
- विभिन्न मैपिंग्स के अनुमान के माध्यम से द्विस्तरीय अनुकूलन समस्याओं को हल करना (प्रोफ़ेसर अंकुर सिन्हा)
- भारत के पर्यटन और आतिथ्य में जन प्रबंधन वर्तमान स्थिति और भविष्य की चुनौतियाँ (प्रोफ़ेसर मिगुएल सरियन)
- पैकेज आकारों के लिए बीओपी ग्राहकों की प्राथमिकता को समझना (प्रोफ़ेसर आनंद कुमार जायसवाल)
- भारत के लिए एक मजबूत सार्वजनिक अनुबंध मॉडल की पहचान - परमाणु ऊर्जा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने के साथ (प्रोफ़ेसर एम.पी. राम मोहन)
- प्रतिबंधित जोखिम के तहत हब-एंड-स्पोक नेटवर्क डिज़ाइन (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- एकाधिक ओवरलैपिंग प्रतिस्पर्धी बोलियों के साथ इष्टतम मूल्य निर्धारण का अनुकूलन (प्रोफ़ेसर गौतम दत्ता)
- मजबूती के माध्यम से मांग अनिश्चितता के तहत केंद्रीय हस्तक्षेप को संभालना (प्रोफ़ेसर अंकुर सिन्हा)
- उभरती मशीन अधिगम के तरीकों के माध्यम से मानव निर्णय निर्धारण का मॉडलिंग (प्रोफ़ेसर मनीष अग्रवाल)
- कार्यस्थल पर धमकाना और उम्र (प्रोफ़ेसर प्रेमिला डीक्रूज़ और अर्नेस्टो नोरोन्हा)
- बुरा बनने से दूर रहना विकृत व्यवहार करने वाले कर्मचारियों को उनके पर्यवेक्षकों द्वारा पीड़ित होने से बचने में सामाजिक कौशल कैसे मदद करते हैं (प्रोफ़ेसर अमित नंदकेयोलियार)
- भारत में समुदाय, नेटवर्क और व्यापार प्रदर्शन

शुरू की गई मूलधन परियोजनाएँ

- सामुदायिक स्वास्थ्य कर्मियों पर एम-स्वास्थ्य हस्तक्षेप का प्रभाव (प्रोफ़ेसर राजेश चंदवानी और अंकुर सरीन)
- भारत के राज्यवार और क्षेत्रवार ग्रीनहाउस की एक जाँच (प्रोफ़ेसर राम मोहन तुरागा और अनीश सुगथन)
- एचपीडब्ल्यूएस और संघ प्रतिबद्धता (प्रोफ़ेसर प्रोमिला अग्रवाल)
- उपभोक्ता खोज, खपत और उत्पाद खोज की ऑनलाइन समीक्षा (प्रोफ़ेसर अरुणा दिव्या टी.)
- लेखापरीक्षा समिति के सदस्यों की उपस्थिति और कमाई की गुणवत्ता के बीच संबंध (प्रोफ़ेसर नमन देसाई)
- उद्यमशील अभिविन्यास और फर्म प्रदर्शन के बीच संबंध पर प्रामाणिक नेतृत्व का मध्यम प्रभाव (प्रोफ़ेसर मुकेश सूद और सुनील शर्मा)
- आधारित उत्पादों और सेवाओं का मूल्य निर्धारण (प्रोफ़ेसर अरुणा दिव्या टी.)

परिशिष्ट जारी

ज

- हिंसक-विनोदी विज्ञापन हिंसा प्रमुखता के एक समारोह के रूप में अपील (प्रोफ़ेसर अक्षया विजयलक्ष्मी)
- केरल में सामूहिक खेती वैश्विक पूंजीवाद के लिए एक बंधन-मुक्त विकल्प (प्रोफ़ेसर जॉर्ज कंड़ाथिल)
- महिलाओं के खिलाफ पूर्वाग्रह पर महिलाओं के लिए सकारात्मक कार्रवाई का प्रभाव (प्रोफ़ेसर पृथा देव)
- भंडारण में अनुबंध और अंतिम खरीद इरादे पर सह-दुकानदार के प्रभाव को समझना (प्रोफ़ेसर अक्षया विजयलक्ष्मी)
- उभरते बाजारों के देशों में ऋण वित्तपोषण विकल्प और कंपनी प्रदर्शन का विविधीकरण सिंडिकेटेड ऋण और बॉन्ड बाजारों से साक्ष्य (प्रोफ़ेसर संकेत महापात्रा)
- पंजाब में उपयोग के बाद बिक्री के ट्रैक्टर बाजारों की बदलती गतिशीलता - एक संस्थागत नवाचार परिप्रेक्ष्य (प्रोफ़ेसर सुखपाल सिंह)
- सामाजिक अंतरसंवाद : उत्पादकता में वृद्धि या कमी (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय)

पूर्ण हुई अनुसंधान परियोजनाएँ

- कॉम्बिनेटोरियल बैंडविड्थ पैकिंग समस्या एक शाखा-और-कीमत एल्गोरिदम (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- कार्यस्थल पर साइबर धमकी विभिन्न ऑनलाइन और डिजिटल मीडिया से अंतराफलक से निशाना (प्रोफेसर प्रेमिला डीक्रूज़ और अर्नेस्टो नोरोन्हा)
- कार्यस्थल पर शिक्षक द्वारा संचालित नवाचार के पूर्ववृत्त (प्रोफ़ेसर विजया शेरी चंद)
- सार्वजनिक प्रणाली में बच्चों के बीच शिक्षक का अभिनव व्यवहार और गैर-संज्ञानात्मक कौशल विकास (प्रोफ़ेसर विजया शेरी चंद)

पूर्ण हुई मूलधन परियोजनाएँ

- आर्थिक पाठ के स्वचालित अर्थगत विश्लेषण (प्रोफ़ेसर अंकुर सिन्हा)
- उच्च प्रदर्शन कार्य प्रणाली (एचपीडब्ल्यूएस) और रचनात्मकता (प्रोफ़ेसर प्रोमिला अग्रवाल)

वापस ली गई अनुसंधान परियोजना

- एशिया की सबसे बड़ी वायु यातायात प्रणाली (एटीएस) नेटवर्क संरचना, गतिशीलता और विकास की तुलना (प्रोफ़ेसर हंस ह्यूबर)

पूर्ण हुई इंटर्नशिप परियोजनाएँ

	संकाय मार्गदर्शक
वित्तीय और आर्थिक परिवर्तनों के पूर्वानुमान को पूरा करने के लिए ग्रेटल में नियमित रूप से विकास करना	सेबेस्टियन मॉरिस
भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (कार) पेश करना	अमित गर्ग
आरटीई के कार्यान्वयन में स्कूलों और माता-पिता का अनुभव	अंकुर सरीन
नवाचारों के लिए नेटवर्क, कंपनी की क्षमताओं, बाधाओं और भारत में विनिर्माण एसएमई की नवीन गतिविधि के बीच संबंधों की जाँच करना	विशाल गुप्ता / राम मोहन तुरागा
रचनात्मकता-अभिनव संबंध के लिए पुरस्कार की भूमिका की जाँच करना	विशाल गुप्ता
भारत में मौद्रिक नीति नियम की पहचान करना	अभिमान दास
मौद्रिक नीति और जमा वृद्धि	अभिमान दास

परिशिष्ट जारी

ज

	संकाय मार्गदर्शक
परिवहन प्रणाली	सुंदरवल्ली नारायणस्वामी
टेलर नियम समय-भिन्न गुण	अनिंद्य एस. चक्रवर्ती
20वीं शताब्दी के भारत में प्रवासन	चिन्मय तुम्बे
20वीं शताब्दी के भारत में विपणन	चिन्मय तुम्बे
ऊर्जा विचलन सांख्यिकी का उपयोग कर भारतीय होटल उद्योग में मूल्य उतार-चढावों का एक अन्वेषक अध्ययन	गौतम दत्ता
गैर-रैखिक मांग कार्यों का उपयोग करके बिजली में समय-समय पर मूल्य निर्धारण के लिए गणितीय मॉडलिंग	गौतम दत्ता
सामाजिक पूंजी मूल्यांकन पर साहित्य समीक्षा	राम मोहन आर. तुरागा
मोबाइल क्लाउड सेवा को सक्षम करना एड-हाक डिवाइस-टू-डिवाइस मोबाइल नेटवर्क में डेटा-शेयरिंग	कविता रंगनाथन
1947-2017 के दौरान भारत में विनियमन गवर्निंग निवेश मुद्रास्फीति और बहिर्वाह का विकास सर्वेक्षण	संकेत महापात्र
संस्थागत उद्यमिता और क्षेत्रों की प्रकृति भारत में आधार और डेटा गोपनीयता	मुकेश सुद
अर्ध-शहरी हैदराबाद में डायरी वैल्यू चेन लिंकेज और किसान व्यवहार का आकलन	रंजन कुमार घोष
डेटा एनालिटिक्स के लिए सिमुलेशन बनाना	अंकुर सिन्हा
रूट बीयर गेम में बाजार की हिस्सेदारी निर्धारित करने के लिए विकास विधि	संजय वर्मा
मानसिक मूल्यह्रास टिकाऊ सामान के लिए एक दोहरी प्रणाली दृष्टिकोण	अरुणा दिव्या टी.
प्रमुख परियोजनाओं के न्यायालय और जोखिम मूल्यांकन (कुडनकुलम परमाणु परियोजना, मुलपेरियार बांध और जीएमओ)	एम.पी. राम मोहन
हाल के दिनों में अर्थव्यवस्था के विकास की व्याख्या करने वाले कारक	सेबेस्टियन मॉरिस
शिक्षा नवप्रवर्तन बैंक : सार्वजनिक स्कूली शिक्षा में विकेंद्रीकृत व्यावसायिक विकास और गुणवत्ता में वृद्धि	विजया शेरी चंद
पुस्तक लेखन में सहायता	अरविंद सहाय
संतुलन क्षेत्र : वैश्विक वित्तीय प्रणाली का एक दृश्य	अरविंद सहाय
भारत की गंदी बस्तियों के निवासियों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना में नामांकन के निर्धारक	आनंद कुमार जायसवाल
भारत की शहरी गंदी बस्तियों की बीओपी सेटिंग्स में प्रदाता की पसंद के तहत निर्धारकों को समझना	आनंद कुमार जायसवाल
शिक्षा नवाचार बैंक सार्वजनिक स्कूली शिक्षा में विकेंद्रीकृत व्यावसायिक विकास और गुणवत्ता में वृद्धि	विजया शेरी चंद
अहमदाबाद में प्रौद्योगिकी आधारित अपशिष्ट संग्रह प्रथाओं का अध्ययन लेट्स रीसायकल का केस	वैभवी कुलकर्णी
भारत में कृषि परिवर्तन	पूर्णिमा वर्मा
विज्ञापन का इतिहास	चिन्मय तुम्बे
भारत में पीएलएचआईवी द्वारा सामना किए जाने वाले मुद्दों के लिए एक तकनीकी समाधान का विकास	राजेश चंदवानी
भारत में पीएलएचआईवी द्वारा सामना किए जाने वाले मुद्दों के लिए एक तकनीकी समाधान का विकास	राजेश चंदवानी
शिक्षा नवप्रवर्तन बैंक सार्वजनिक स्कूली शिक्षा में विकेंद्रीकृत व्यावसायिक विकास और गुणवत्ता में वृद्धि	विजया शेरी चंद
सांविधिक व्याख्या के लिए प्रयोजन दृष्टिकोण	एम.पी. राम मोहन

परिशिष्ट जारी

ज

	संकाय मार्गदर्शक
अभ्यास में भूमि अधिग्रहण : राज्यों द्वारा कार्यान्वयन की एक समीक्षा	एम.पी. राम मोहन
घरेलू बिजली के लिए मांग रेखा (ग्राफ) का विकास	गौतम दत्ता
दालों का व्यापार और विपणन चुनौतियाँ	पूर्णिमा वर्मा
व्यक्तित्व कारकों और नेतृत्व प्रभावशीलता के बीच संबंध की जाँच	विशाल गुप्ता
भारत में अद्वितीय पहचान और संस्थानों की भूमिका	मुकेश सूद
माँग अनुमान का एल्गोरिदम	देबजीत रॉय
मोबाइल एड-हॉक नेटवर्क के नेटवर्क सिमुलेशन के लिए कोडिंग	कविता रंगनाथन
ग्रामीण ग्राहकों के लिए मोबाइल एड-हॉक नेटवर्क का सिमुलाटिन अध्ययन	कविता रंगनाथन
भारत में स्टॉक मूल्यों का विकास	चिन्मय तुम्बे
वित्तीय परेशानी के लिए बाजार की प्रतिक्रिया	जयंत आर वर्मा
भारत में स्टार्टअप द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं और रणनीतियों का विश्लेषण	अमित कर्ण
भारतीय पूंजी बाजार की बाजार सूक्ष्म संरचना	सोभेश कुमार अग्रवाल
यह समझना कि परंपरागत स्वच्छता विधियाँ व्यवहार्य विकल्प हैं या नहीं / उनकी पश्चिमी समकक्षों से तुलना की जा सकती है या नहीं	आनंद कुमार जायसवाल
वित्तीय और आर्थिक परिवर्तनों के पूर्वानुमान को पूरा करने के लिए ग्रेटल में नियमित रूप से विकास करना	सेबेस्टियन मॉरिस

अप्रैल 2017 - मार्च 2018 की अवधि के दौरान आधारपत्र

आधारपत्र संख्या	शीर्षक	लेखक(कों)	विषयक्षेत्र
2017.04.01	अंतर-उद्योग व्यापार और श्रम बाजार समायोजन भारतीय विनिर्माण क्षेत्र	पूर्णिमा वर्मा और अकोश इस्सर	अर्थशास्त्र
2017.04.02	स्वर्ण अवसरों में परिवर्तन ? वित्तीय संकट के बाद वैश्विक तरलता और उभरते बाजार में केंद्रीय बैंकों की सोने की माँग	बालागोपाल गोपालकृष्णन और संकेत मोहापात्रा	अर्थशास्त्र
2017.04.03	खाद्य सेवा बाज़ार में वाहन मार्ग	डिडुगु कविता चेतना; सोमन, चेतन	पी एवं क्यूएम
2017.05.01	एक उभरते बाजार में प्रकृति और ब्रांड कथन के मूल्यांकन पर एक अध्ययन	कोशी, अब्राहम; नारायणन, प्रिया	पी एवं क्यूएम
2017.05.02	आपूर्ति में व्यवधान और माँग विकृति के रूप में मुद्रा मूल्य संरचना में संक्रमण क्षमता, प्रभावशीलता और चाबुक प्रभाव	जोशी हरित; मुखर्जी, सरल	पी एवं क्यूएम
2017.06.01	भारत में शहरी विकास का संत्रास वास्तविक मुद्दों की पहचान करना	मॉरिस, सेबेस्टियन	अर्थशास्त्र
2017.07.01	वित्तीयकरण युग के बाद ऊर्जा वस्तुओं के लिए घनत्व पूर्वानुमान का आकलन	बिष्ट दीपक; लाहा ए. के.	अर्थशास्त्र
2017.07.02	स्ट्रिंग शॉक के तहत कमोडिटी फ्यूचर्स पर मूल्य निर्धारण विकल्प	बिष्ट दीपक; लाहा ए. के.	अर्थशास्त्र

परिशिष्ट जारी

आधारपत्र संख्या	शीर्षक	लेखक(कों)	विषयक्षेत्र
2017.07.01	वित्तीयकरण युग के बाद ऊर्जा वस्तुओं के लिए घनत्व पूर्वानुमान का आकलन	बिष्ट दीपक; लाहा ए. के.	अर्थशास्त्र
2017.07.02	स्ट्रिंग शॉक के तहत कमोडिटी फ्यूचर्स पर मूल्य निर्धारण विकल्प	बिष्ट दीपक; लाहा, ए.के.	अर्थशास्त्र
2017.08.01	भारत के अक्षय ऊर्जा लक्ष्यों की सफलता के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करते हुए पावर ग्रिड का प्रबंधन	अन्नालुरू राजीव; गर्ग, अमित	पीएसजी
2017.08.02	कार्यात्मक डेटा विश्लेषण का उपयोग करते हुए भविष्यवाणी के लिए नया दृष्टिकोण	लाहा ए. के.; राठी, पूनम	पी एवं क्यूएम
2017.08.03	क्या भारतीय शहरों का तापमान बढ़ रहा है? कार्यात्मक डेटा के साथ बदलाव बिंदु विश्लेषण का उपयोग करने वाली कुछ अंतर्दृष्टि	लाहा ए. के.; राठी, पूनम	पी एवं क्यूएम
2017.09.01	वैश्वीकरण और असमानता शिक्षा के माध्यम से एक मार्ग	किशन पी.के.वी.	अर्थशास्त्र
2017.09.02	लंबवत एकीकरण, बाजार संरचना और प्रतिस्पर्धा नीति सुधार युगोत्तर के दौरान भारतीय विनिर्माण क्षेत्र के अनुभव	बसंत, राकेश; मिश्रा, पुलक	अर्थशास्त्र
2017.10.01	एकाधिकार और अल्पाधिकार में बिजली की समयसमय पर उपयोग की कीमत के लिए गणितीय मॉडलिंग	कईकर, निधि; दत्ता, गौतम; दास, देबमान्यु; बनर्जी, शुभाश्री	पी एवं क्यूएम
2017.11.01	नवाचार और सार्वजनिक नीति के बीच संबंधों की खोज चुनौतियाँ और अवसर	बसंत, राकेश	अर्थशास्त्र
2017.11.02	मिलान किए गए बैंकफर्म डेटा क्या हमें भारत में राज्यस्वामित्व वाले बैंकों के ऋण निर्णयों के नैतिक खतरे के बारे में बताते हैं?	गोपालकृष्णन, बालागोपाल	वित्त एवं लेखा
2018.01.01	एक उभरती अर्थव्यवस्था में बाजार विकल्प स्थानीय खाद्य विपणन प्रणाली उत्पादकों के विकल्प, विकल्प निर्धारण और आवश्यकताएँ	आशीष अर्गडे; लाहा ए. के.	पी एवं क्यूएम
2018.01.02	आधुनिक आर्थिक विचारों के लिए भारतीय पूर्ववृत्त	देवधर, सतीश वाई.	अर्थशास्त्र
2018.01.03	क्या अतीत अभी भी हमें वापस खींच रहा है? भारत में अंतरपीढ़ीगत शिक्षा गतिशीलता पर एक अध्ययन	किशन पी.के.वी.	अर्थशास्त्र
2018.01.04	एक उभरती अर्थव्यवस्था में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का नेतृत्व और प्रबंधन	गुप्ता, विशाल; कुलकर्णी, स्वानंद; खत्री, नरेश	ओबी
2018.02.01	स्टार्टअप के उद्यमी तर्क क्या स्टार्टअप की फंडिंग के मूल्यांकन पर प्रभाव डालते हैं?	जैन, राजेश; मेंडोंका, वैलेरी; वोहरा, नेहारिका; शर्मा, सुप्रिया	सीआईआईई
2018.03.01	ग्रेपवाइन या सूचित चयन भारत के उभरते शराब बाजार में गुणवत्ता विशेषताओं का महत्व	देवधर, सतीश वाई.; सिंह, स्वाति; टांक, निकिता	अर्थशास्त्र

परिशिष्ट जारी **ज**

2017-2018 के दौरान आयोजित अनुसंधान संगोष्ठियाँ

वक्ता का नाम एवं संबद्धता	संगोष्ठी का शीर्षक	तारीख	आयोजक
प्रोफ़ेसर शबाना मित्रा, आईआईएम बेंगलुरू	सत्ता के पहिये एक बार लक्षित कार्यक्रम के दीर्घकालिक प्रभाव	10 अप्रैल, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर शैलेंद्र सी. जैन पाल्विया, लॉग आईलैंड विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क	सेवाओं का वैश्विक सोर्सिंग : रणनीतियाँ, मुद्दे और चुनौतियाँ	11 अप्रैल, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. लिसा एच. रोहरर, जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय	आधुनिक कानूनी कंपनियों में धन और अर्थ	28 अप्रैल, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. कन्नन श्रीकांत सिंगापुर प्रबंध विश्वविद्यालय	क्या पेटेंट से अलग है? अपतटीय गंतव्यों पर पेटेंट की शक्ति बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा आर एंड डी ऑफशोरिंग की प्रकृति को कैसे प्रभावित करती है	22 जून, 2017	व्यवसाय नीति
प्रोफ़ेसर रिद्धि अरोड़ा एल.एम. थापर प्रबंध स्कूल	व्यक्तित्व और पर्यवेक्षी करियर के संयुक्त प्रभाव व्यावसायिक प्रतिबद्धता की भविष्यवाणी करने में सलाह देते हैं	27 जून, 2017	संगठनात्मक व्यवहार
प्रोफ़ेसर एम.वी. अनुराधा ग्रेट लेक्स प्रबंध संस्थान, चेन्नई	मैं क्या कर सकता हूँ यह जानने तक मैं क्या हूँ यह कैसे जान सकता हूँ : कार्यालय में मेरे कामकाज के मतलब का अन्वेषण करना।	28 जून, 2017	संगठनात्मक व्यवहार
प्रोफ़ेसर शॉन कोल, हार्वर्ड बिजनेस स्कूल	कृषि के लिए आईसीटी के वादे और संकट	14 जुलाई, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर रोमर कोर्रेया (सेवानिवृत्त) मुंबई विश्वविद्यालय	मुंबई विश्वविद्यालय स्टॉकफ्लोलगातार मॉडल और संस्थानगत विविधता	18 जुलाई, 2017	अर्थशास्त्र
प्रोफ़ेसर सुशांत मलिक, क्वीन मैरी विश्वविद्यालय लंदन	क्या वित्तीय समावेश बैंक स्थिरता के लिए अच्छा है? अंतर्राष्ट्रीय साक्ष्य	24 जुलाई, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. राधिका जोशी एफपीएम, आईआईएम बैंगलुरू	शिक्षा में सामाजिक वापसी : इंडोनेशिया में अनुदैर्घ्य डेटा से साक्ष्य	25 जुलाई, 2017	सार्वजनिक प्रणाली समूह
प्रोफ़ेसर पावेल चक्रवर्ती, जेएनयू	बौद्धिक संपदा शासन, प्रौद्योगिकी अभिग्रहण और फर्मों का संगठन	26 जुलाई, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर कनिका महाजन, अशोक विश्वविद्यालय	कार्यबल में शामिल होने वाली ग्रामीण भारत की विवाहित महिलाएँ कम क्यों हैं ? दो दशकों का एक अपघटन विश्लेषण	4 अगस्त, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर भास्कर दत्ता, अशोक विश्वविद्यालय	सोशल नेटवर्क में साझेदारी का गठन	17 अगस्त, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर सीताभ्र सिन्हा, गणितीय विज्ञान संस्थान, चेन्नई	क्या हम बड़े डेटा से वित्त के "नियमों" को देख सकते हैं	24 अगस्त, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. अपूर्व जावड़ेकर, सीएएफ़आरएएल	जब निवेशक निष्क्रिय हो तब म्यूचुअल फंड प्रवाह और फंड का सामरिक व्यवहार	04 सितंबर, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. ज्योत्सना बेलियप्पा, सृष्टि कला, डिजाइन, एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू	व्यापक अध्यापन : लिंग अध्यापन कराने के दौरान महत्वपूर्ण चेतना और हस्तांतरणीय कौशल विकसित करना	7 सितंबर, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर अनिन्दिता चक्रवर्ती, आईआईटी कानपुर	स्वर्णकार (सुनार) कौन हैं? प्रवासी कारीगरों के शिल्पी संघ और भारत में सुनार के कार्य की बदलती रूपरेखा	13 सितंबर, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन

परिशिष्ट जारी

वक्ता का नाम एवं संबद्धता	संगोष्ठी का शीर्षक	तारीख	आयोजक
डॉ. संजय चंद्रशेखरन, एचबीसीएसई, टाटा मौलिक अनुसंधान संस्थान	असंभव अनुकूलन समस्या	15 सितंबर, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
श्री विवेक अष्टवंश डॉक्टरेट प्रत्याशी, आईवी बिजनेस स्कूल, वेस्टर्न यूनिवर्सिटी, कनाडा	ग्राहक केंद्रित वापसी अभियानों की भूमिका और उत्पाद वापसी प्रभावशीलता में चैनल की गुणवत्ता की भूमिका	18 सितंबर, 2017	विपणन
डॉ. सियान लाज़र, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय	अर्जेंटीना में व्यापार संघ राजनीति का सामाजिक जीवन	19 सितंबर, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. प्रणय रंजन, पर्ड्यू यूनिवर्सिटी, यूएसए	कृषि जल प्रबंधन के लिए संस्थान और नवप्रवर्तन : यूएस मिडवेस्ट में नीति शिक्षा के अवसर	20 सितंबर, 2017	कृषि प्रबंध केंद्र
प्रोफ़ेसर अनुभव मिश्रा आईआईएम रांची	मैं साझा करता हूँ इसीलिए मैं ऐसा हूँ : किशोरों के इरादों के अनुरूप मुँह की बात पर प्रकृति बनाम परिप्रेक्ष्य	21 सितंबर, 2017	विपणन
प्रोफ़ेसर अमित नंदकोलीयार भारतीय व्यवसाय स्कूल, मोहाली	बुरे बनने से दूर रहना : सामाजिक कौशल कैसे पथभ्रष्ट कर्मचारियों को उनके पर्यवेक्षकों द्वारा पीड़ित होने से बचने में मदद करते हैं	03 अक्टूबर, 2017	संगठनात्मक व्यवहार
डॉ. हरि के. नागराजन, आईआरएमए, आनंद	लोकतंत्रीकरण, स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता की पसंद, निजी स्वास्थ्य देखभाल व्यय और ग्रामीण भारत में आर्थिक उत्पादकता	10 अक्टूबर, 2017	कृषि प्रबंध केंद्र
प्रोफ़ेसर कुशल किशोर, आईआईएम रोहतक	गतिशील कर प्रतिस्पर्धा, गृह पक्षपात और गैरअधिमानी कराधान से लाभ : एकतरफा प्रतिबद्धता का मामला	27 अक्टूबर, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर गोपाल दास, आईआईएम रोहतक	"मैं" विशिष्टता की तलाश करता हूँ और "हम" जोखिम से बचते हैं : खुदरा खरीदारी में उपभोक्ता प्रेरणा की भूमिका	3 नवंबर, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर आशीष वर्मा, आईआईएससी बेंगलुरू	कुंभ मेला प्रयोग (केएमई) : मानव जाति की सबसे बड़ी भीड़ की गतिशीलता को मापना और समझना - उज्जैन में कुंभ मेला-2016 से अनुभव	7 नवंबर, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर अरुण कुमार, आईएसएस नई दिल्ली	विमुद्रीकरण-2016 और काले धन की अर्थव्यवस्था	7 नवंबर, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर अरिजीत चटर्जी, ईएसएसईसी बिजनेस स्कूल	सकारात्मक अंतर्ध्वंस : राजनीतिक आंदोलन, विज्ञान शिक्षा, और औपनिवेशिक भारत में उद्यमिता	8 नवंबर, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर एस.पी. कोठारी, एमआईटी	उच्च गैर-जीएएपी कमाई असामान्य रूप से उच्च सीईओ वेतन की भविष्यवाणी करती है	9 नवंबर, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर तिज़ियाना डी. मत्तेओ, किंग्स कॉलेज लंदन	वित्त में बहुसंस्कृति	10 नवंबर, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. डवोरा यानो, वैगनिंगन विश्वविद्यालय	वंश और नस्ल का निर्माण : सार्वजनिक नीति और प्रशासन में श्रेणी बनाना - अमेरिका और नीदरलैंड के मामले	16 नवंबर, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन

परिशिष्ट जारी

ज

वक्ता का नाम एवं संबद्धता	संगोष्ठी का शीर्षक	तारीख	आयोजक
प्रोफ़ेसर मनीषा प्रियम, एनयूईपीए	ग्राहकों से नागरिकों तक : दिल्ली के लिए ब्राजील के बोल्सा परिवार से सबक	17 नवंबर, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर प्रीति तिवारी बीआईटीएस, पिलानी	सामाजिक उद्यमी इरादों को प्रभावित करने वाले पूर्ववृत्तों का आकलन : भारत में एक अनुभवजन्य अध्ययन	21 नवंबर, 2017	संगठनात्मक व्यवहार
डॉ. अतनु सिन्हा, एडोब, बेंगलुरू	एक-अपनी-तरह की सेवाओं के लिए ऑनलाइन इन्फोमेडियरी	27 नवंबर, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर मैथियस किपिंग, यॉर्क यूनिवर्सिटी, कनाडा	प्रबंधन परामर्शदाताओं के साथ काम करना - एक स्वास्थ्य चेतावनी	27 नवंबर, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. रीतिका खेरा, आईआईटी दिल्ली	महिलाओं की स्थिति के अंतःक्रियात्मक प्रभाव : संयुक्त भारतीय परिवारों से साक्ष्य	29 नवंबर, 2017	पीएसजी / अर्थशास्त्र
श्री सम्राट गुप्ता आईआईएम लखनऊ में डॉक्टरेट प्रत्याशी (एफपीएम)	जटिल नेटवर्क के लिए एक ऊपरी अनुमान आधारित समुदाय पहचान एल्गोरिदम	04 दिसंबर, 2017	सूचना प्रणाली
श्री स्वानंद देवधर पीएचडी प्रत्याशी, कार्लसन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, मिनेसोटा विश्वविद्यालय	क्या मैंने वास्तव में इसे जीत लिया? ऑनलाइन प्लेटफार्मों में आत्म-प्रभावकारिता, अनिश्चितता और साधक गुत्थी निर्भरता	04 दिसंबर, 2017	सूचना प्रणाली
प्रोफ़ेसर मार्कस ब्रुकनर, ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय	असमानता और आर्थिक विकास : प्रारंभिक आय की भूमिका	15 दिसंबर, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर रॉबर्ट फौरर, अध्यक्ष, एएमपीएल ऑप्टिमाइजेशन इंक. प्रोफ़ेसर एमेरिटस, नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी	संचालन अनुसंधान के लिए अनुकूलन सॉफ्टवेयर और सिस्टम्स : सर्वोत्तम अभ्यास और वर्तमान रुझान	18 दिसंबर, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर शुभदीप रॉय आईआईएम उदयपुर	सेलिब्रिटी प्रचारक जो उत्पाद वे उत्पादित करते हैं उनसे क्या संरेखित, या उपभोक्ताओं को लक्षित किया जा रहा है? उपभोक्ता प्रजातिकेंद्रिकता की मध्यस्थता भूमिका	18 दिसंबर, 2017	विपणन
डॉ. अनुभव आनंद मिश्रा टी.ए. पाई प्रबंध संस्थान, मैंगलोर	ब्रांड हटाने के लिए उपभोक्ता प्रतिक्रियाएँ	20 दिसंबर, 2017	विपणन
प्रोफ़ेसर सुरेश मुथुलिंगम, पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी	निरीक्षण से सीखा हुआ क्या पर्यावरण प्रदर्शन को प्रभावित करता है? - पेंसिल्वेनिया में अपरंपरागत अच्छे विकास से साक्ष्य	22 दिसंबर, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर शैलेंद्र प्रताप जैन, फोस्टर स्कूल ऑफ बिजनेस, वाशिंगटन विश्वविद्यालय	उपभोक्ताओं के निहित सिद्धांत बहु-उत्पाद ब्रांड विस्तार के मूल्यांकन को प्रभावित करते हैं	26 दिसंबर, 2017	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर अमलेश शर्मा, मेज़ बिजनेस स्कूल, टेक्सस ए एंड एम विश्वविद्यालय	फर्म वैल्यू पर नए उत्पाद परिचय (एनपीआई) प्रक्रिया की गति, सामंजस्य और दायरे के प्रभाव की जाँच	3 जनवरी, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन

परिशिष्ट जारी ज

वक्ता का नाम एवं संबद्धता	संगोष्ठी का शीर्षक	तारीख	आयोजक
प्रोफ़ेसर अनुराधा बासु, सैन जोस स्टेट यूनिवर्सिटी	सिलिकॉन वैली में स्टार्टअप के पूर्व अनुभव, सोशल नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय उद्यमिता	4 जनवरी, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर सुभाष सी. रे, कनेक्टिकट विश्वविद्यालय	क्षमता उपयोग के आर्थिक उपाय : एक गैर-पैरामेट्रिक लागत का कार्य विश्लेषण	5 जनवरी, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर गरिमा शर्मा, एंडरसन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, न्यू मैक्सिको विश्वविद्यालय	अलग-अलग दुनिया एक साथ : कैसे शोधकर्ता और व्यवसायी साथसाथ ज्ञान पैदा करते हैं	5 जनवरी, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर प्रसनजीत बनर्जी, मैनचेस्टर विश्वविद्यालय	अनिश्चित दुनिया में राजनेता और उनके वादे : भारत के एक क्षेत्र-में-प्रायोगिक सबूत	9 जनवरी, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर बुद्धादित्य गुप्ता, मेलबर्न विश्वविद्यालय	एक पुनर्संरचनाआधारित अंतर्राष्ट्रीयकरण मॉडल : भारत से केमैन द्वीपसमूह तक नारायण स्वास्थ्य के सफर से निष्कर्ष	11 जनवरी, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर अनिल कुमार बेरा, इलिनोइस विश्वविद्यालय, अर्बाना-शॉम्पेइन (यूआईयूसी)	स्थानिक विश्लेषण : एक हेलीकॉप्टर टूर (शुरुआत से सरहद तक)	12 जनवरी, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
श्री किरीति कानजीलाल वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी	अंतरजनित इक्विटी शेयरों के साथ सामान्य पूल संसाधन	15 जनवरी, 2018	अर्थशास्त्र
डॉ. दीपा राजगोपालन पीएचडी, आईआईटी मद्रास	नियोक्ता ब्रांडिंग में एकीकृत संचार की भूमिका और कर्मचारी आधारित ब्रांड इक्विटी पर इसके प्रभाव (ईबीबीई)	18 जनवरी, 2018	मानव संसाधन प्रबंधन
श्री सौरव बी. बोराह डॉक्टरेट प्रत्याशी, आईआईएम बैंगलुरू	सीमित संसाधन माहौल में सेवा वसूली रणनीतियाँ	18 जनवरी, 2018	विपणन
प्रोफ़ेसर नितिका गर्ग और राहुल गोविंद, यूएनएसडब्ल्यू, सिडनी	आरामदायक और उपयोगी उत्पादों के लिए मौसम, प्रभाव और उपभोग वरीयता : लिंग की मध्यस्थ भूमिका	22 जनवरी, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
श्री समर्पण नॉन डॉक्टरेट प्रत्याशी, आईआईएम कलकत्ता	क्या मालिकाना एल्गोरिदमिक व्यापारी बाजार तनाव के दौरान तरलता वापस लेते हैं?	30 जनवरी, 2018	वित्त एवं लेखा
श्री रितेश जैन पीएच.डी. प्रत्याशी, ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी	सामाजिक पसंद पत्राचार का तर्कसंगत कार्यान्वयन	31 जनवरी, 2018	अर्थशास्त्र
श्री सौरभ कुमार पीएच.डी. प्रत्याशी, आईआईएम लखनऊ	ऑनलाइन सोशल नेटवर्क में संरक्षित ऊपरी अनुमान आधारित गोपनीयता	01 फरवरी, 2018	सूचना प्रणाली
श्री राजेश कुमार सिन्हा डॉक्टरेट प्रत्याशी, आईआईएम कोझिकोड	मूल्य-वृद्धि के लिए एक मौद्रिक आंतरिक संदर्भ बिंदु : गैर-कवक (गैर स्थावर) सूची मूल्य और मूल्य वृद्धि	1 फरवरी, 2018	विपणन
प्रोफ़ेसर क्लाउस उहलेनब्रुक, मोंताना विश्वविद्यालय	क्या पारिवार संस्था संघर्ष को कम करते हैं या बढ़ाते हैं? स्वामित्व के लिए बोर्ड नियंत्रण का अनुपात	08 फरवरी, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन

परिशिष्ट जारी ज

वक्ता का नाम एवं संबद्धता	संगोष्ठी का शीर्षक	तारीख	आयोजक
प्रोफ़ेसर पी. लाहिरी, मैरीलैंड विश्वविद्यालय, कॉलेज पार्क	बड़े डेटा, बड़े वादे, बड़ी चुनौतियाँ : क्या छोटे क्षेत्र के अनुमान बड़े डेटा केंद्रित दुनिया में भूमिका निभा सकते हैं?	09 फरवरी, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
श्री राजकमल वासु, डॉक्टरेट प्रत्याशी, नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी	नीलामी या वार्ता? फर्मों को कैसे बेचा जाता है इसका एक सिद्धांत	9 फरवरी, 2018	वित्त एवं लेखा
प्रोफ़ेसर निधि अग्रवाल, फोस्टर स्कूल ऑफ बिजनेस, वाशिंगटन विश्वविद्यालय	स्वास्थ्य संचार : घृणा से अनुनय तक जाना	13 फरवरी, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर राजीव बैंकर, फॉक्स स्कूल ऑफ बिजनेस, टेम्पल यूनिवर्सिटी	लागत प्रबंधन अनुसंधान	14 फरवरी, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. शालिनी ग्रोवर एडिनबर्ग विश्वविद्यालय	समकालीन भारत में शिक्षित महिला याने घरेलू श्रमिक : नई प्रबंधकीय भूमिकाएँ, सामाजिक गतिशीलता और निरंतर असमानता	14 फरवरी, 2018	संगठनात्मक व्यवहार / सार्वजनिक प्रणाली समूह
प्रोफ़ेसर अनुपमा शर्मा आईआईएम विशाखापट्टनम	काम से जुड़ाव का दूसरा पहलू : नकारात्मक व्यक्तिगत परिणामों पर एक नज़र	15 फरवरी, 2018	संगठनात्मक व्यवहार
डॉ. निशांत चड्ढा, भारतीय विकास फाउंडेशन, गुरुग्राम	शहर की छाया कब तक? स्कूली शिक्षा पर शहरीकरण का प्रभाव	16 फरवरी, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. निशांत चड्ढा, भारतीय विकास फाउंडेशन, गुरुग्राम	महिलाओं के बीच साक्षरता और मोबाइल फोन उपयोग को जोड़ना : भारत में महिलाओं के युवा साक्षरता कार्यक्रम से साक्ष्य	16 फरवरी, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
श्री श्रीनिवासन मुरली स्नातक छात्र, ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी	नौकरी विशेषज्ञता और श्रम बाजार कारोबार	22 फरवरी, 2018	अर्थशास्त्र
डॉ. राजेश आर. आईआईटी मद्रास	स्थायी-प्रतिरोधक्षम्मतापूर्ण आपूर्ती नेटवर्क पर स्थिरता, लचीलापन	27 फरवरी, 2018	पी एवं क्यूएम
डॉ मैथ्यू ए वटनस्टीन रेडलैंड्स विश्वविद्यालय	भारत में शिक्षा के शहरी कॉलेजों में शैक्षिक मूल्य	1 मार्च, 2018	आरजेएमसीईआई
डॉ. मोनोबिना मुखर्जी, वरिष्ठ जल संसाधन विश्लेषक, कैलिफ़ोर्निया	कृषि के लिए भूजल के मूल्य का एक स्थानिक सुखात्मक विश्लेषण	08 मार्च, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर आशू जे. वखारिया, फ्लोरिडा विश्वविद्यालय	बाजार के आर-पार (क्रॉस-मार्केट) एकीकरण और अंतर्ध्वंस	14 मार्च, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. मार्टिन राम, विश्व बैंक	अप्रत्याशित समय पर विकास : अँधेरे में प्रकाश और आर्थिक गतिविधि	14 मार्च, 2018	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ गोपालकृष्णन नारायणमूर्ति स्विट्जरलैंड सेंट गैलेन विश्वविद्यालय	दंड की कठोरता - स्वास्थ्य देखभाल संदर्भ में एक अनुभवजन्य जाँच	20 मार्च, 2018	पी एवं क्यूएम
श्री प्रशांत चिंतापल्ली पीएच.डी. प्रत्याशी, यूसीएलए एंडरसन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट	रणनीतिक किसानों की उपस्थिति में फसल चयन और किसान कल्याण पर फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का प्रभाव	21 मार्च, 2018	पी एवं क्यूएम

झ

प्रकाशन

पुस्तकें

डेस्लर, जी., और वर्की, बी. (2018). मानव संसाधन प्रबंधन 15वाँ संस्करण (संशोधित). नई दिल्ली : पियरसन इंडिया ।

धोलकिया, आर. (2018). भारतीय लोक नीतियों में मुद्दे. नीदरलैंड्स : स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग.

गर्ग, ए., मोहन, पी., शुक्ला, एस., कनकल, बी., और विश्वनाथन, एस.एस. (2017). भारत में ऊर्जा दक्षता के लिए उच्च प्रभाव के अवसर. कोपेनहेगन : यूएनईपी डीटीयू.

कौल, ए., और चौधरी, वी. (2017). सोशल मीडिया के माध्यम से कॉर्पोरेट संचार : प्रतिष्ठा के प्रबंधन के लिए रणनीतियाँ. नई दिल्ली : सेज

नोरोन्हा, ई., और डी'क्रूज़, पी. (2017). भारत के वैश्वीकरण में काम और रोजगार पर महत्वपूर्ण दृष्टिकोण . लंदन स्प्रिंगर

सिंह, एस. (2017). भारत में कृषि सेवाओं के वितरण में संस्थागत नवाचार : एक लघुधारक का परिप्रेक्ष्य. सिंगापुर स्प्रिंगर नेचर

स्मिथ, टी.आर. और राम मोहन, एम.पी. (2018). भारत में परमाणु नियामक ढाँचे पर हैंडबुक. ईस्टर्न बुक कंपनी

विश्वनाथन, एस., गर्ग, ए., तिवारी वी., कनकल, बी., कप्से, एम., और नाग, टी. (2017). भारत में ऊर्जा दक्षता में वृद्धि क्षेत्रीय क्षमताओं का आकलन . कोपेनहेगन : यूएनईपी डीटीयू.

अकादमिक पत्रिकाओं में लेख

अग्रवाल, यू.ए., और गुप्ता, वी. (2018). नौकरी की विशेषताओं, कार्य संलग्नता, ईमानदारी और प्रबंधकों के कारोबार के इरादों के बीच संबंध. पर्सोनेल रीव्यू, 47(2), 353-377. doi: https://doi.org/10.1108/PR-09-2016-0229.

अग्रवाल, एस., देसाई, एन., और त्रिपाठी, ए. (2017). नैतिकता की धारणाओं पर आत्मप्रतारणा और व्यावसायिक संशयवाद का प्रभाव. एड्वांसिज़ इन अकाउंटिंग, 37 (सी), 85-93. doi: https://doi.org/10.1016/j.adiac.2017.04.002

अग्रवाल, एस.के., जैकब, जे., और वर्मा, जे.आर. (2017). भारतीय इक्विटी में आकार, मूल्य एवं गति. विकल्प, 42 (4), 211-219. doi: https://doi.org/10.1177/0256090917733848

अग्रवाल, एम. (2017). बहुमानदंड निर्णय निर्धारण में अनुकूली भाषाई भारित एकत्रीकरण संचालक. एप्लाइड सॉफ्ट कंप्यूटिंग, 58, 690-699. doi: https://doi.org/10.1016/j.asoc.2017.04.063

अग्रवाल, एम. (2018). निर्णय निर्धारण में मनोवृत्तिगत चोक्वेट इंटीग्रल और अनुप्रयोग. इंटेलिजेंट सिस्टम्स अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 33(4), 879-898. doi: https://doi.org/10.1002/int.21972

बाथिनी, आर. और कंडाथिल, जी. (2017). एक लिपिबद्ध वार्ता विनिमय घनिष्ठ काम के लिए घर आधारित टेलीवर्क ट्रेडिंग. बिजनेस एथिक्स जर्नल . doi: DOI 10.1007/s10551-017-3449-y

बत्रा, एस. शर्मा, एस., दीक्षित, एम., और वोहरा, एन. (2017). क्या संगठनों में रणनीतिक योजना नवप्रवर्तन निर्धारित करते हैं? भारतीय एसएमई क्षेत्र का एक अध्ययन. ऑस्ट्रेलियाई जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 43 (3), 493-513. doi: https://doi.org/10.1177/0312896217734893

भास्कर, के., और तुरागा, आर.एम. (2017). ईअपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं पर भारत के ईअपशिष्ट नियम और उनका प्रभाव एक केस अध्ययन. जर्नल ऑफ़ इंडस्ट्रियल इकोलॉजी, 22 (4), 930-942. doi: doi.org/10.1016/j.jedc.2018.01.019

चक्रवर्ती, ए.एस. और घोष, डी. (2017). सामान्यीकृत अल्पमत खेलों में सुदृढ़ीकरण सीखने के माध्यम से समन्वय का उद्भव. जर्नल ऑफ़ इकोनोमिक इंटरेक्शन एंड कोओर्डिनेशन. doi: 10.1007/s11403-017-0204-5

चक्रवर्ती, ए.एस. (2018). अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नेटवर्क के मूल और परिधि के बीच व्यापक आर्थिक अस्थिरता में विस्तार. जर्नल ऑफ़ इकोनॉमिक डायनेमिक्स एंड कंट्रोल, 88, 31-50. doi: doi.org/10.1016/j.jedc.2018.01.019

चक्रवर्ती, ए.एस., लखार, आर. (2017). नकारात्मक बाह्यताओं के साथ विकास और उतार चढ़ाव का एक विकासवादी विश्लेषण. डाइनेमिक गेम्स एंड एप्लिकेशन्स, 8 (4), 733-760. doi: https://doi.org/10.1007/s13235-017-0234-6

चक्रवर्ती, एस. (2018). क्या दूरसंचारण स्थायी यात्रा और शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा देता है? जर्नल ऑफ़ ट्रांसपोर्ट एंड हेल्थ, 9, 19-33. doi: https://doi.org/1 0.1016/j.jth. 2018.03.008

चक्रवर्ती, एस., और शिन, ई.जे. (2017). ऑटोमोबाइल निर्भरता और शारीरिक निष्क्रियता कैलिफ़ोर्निया घरेलू यात्रा सर्वेक्षण से अंतर्दृष्टि. जर्नल ऑफ़ ट्रांस्पॉर्ट एंड हेल्थ, 6, 262-271. doi: https://doi.org/10.1016/j.jth.2017.05.002

चक्रवर्ती, एस. (2017). यह जगह अब वो नहीं रही; अल्पकालिक कर्मचारी आ रहे हैं. बिजनेस रिव्यू इंडिया, 11 (1), 318., https://ssrn.com/abstract=306859 से पुनर्प्राप्त.

परिशिष्ट जारी

झ

चक्रवर्ती, एस. (2017). रचनात्मकता अनुसंधान में कथाओं का उपयोग करना रचनात्मक प्रक्रिया की व्यक्तिपरक प्रकृति को संभालना. द क्वालिटेटिव रिपोर्ट, 22 (11), 2959-2973. https://nsuworks.nova.edu/tqr/vol22/iss11/9 से पुनर्प्राप्त.

चंद, वी.एस., और कुरिल, एस. (2018). भारत में शैक्षणिक विकेन्द्रीकरण नीतियों का संदर्भ. इकोनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली, 53 (12), 107-114. https://www.epw.in/journal/2018/12/special-articles/contextualising-educational-decentralisation-policies-india.html से पुनर्प्राप्त

चंदवानी, आर., डे, आर., और द्विवेदी, वाई.के. (2018). कम संसाधन स्थापन के लिए टेलीमेडिसिन जनरेटिव तंत्र की खोज. ट ेकनोलोजिकल फ़ोरकास्टिंग एडं सोशल चेइंज, 127, 177-187. doi: https://doi.org/10.1016/j.techfore.2017.06.014

चटर्जी, एस., और अरुणा दिव्या, टी. (2017). दिखने के परिपेक्ष्य से विवरणगहन समीक्षाओं पर निर्माण स्तर की भूमिका. एड्वांसिस इन कंजूमर रीसर्च, 45, 1019-1019. http://acrwebsite.org/volumes/1024416/volumes/v45/NA-45 से पुनर्प्राप्त

डीक्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (2018). ऑनलाइन श्रम बाजारों का दुष्प्रयोग लक्ष्यों से निपटना, सत्ता और नियंत्रण. क्वालिटेटिव रीसर्च इन ओर्गेनाइजेशन्स एंड मैनेजमेंट एन इंटरनेशनल जर्नल, 13 (1), 53-78. doi: https://doi.org/10.1108/QROM-10-2016-1426

डीक्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (2018). ऑनलाइन श्रम बाजारों पर कार्यस्थल की धमकी के लक्ष्य अनुभव लचीलेपन की बारीकियों को उजागर करना . एम्पलोई रीलेशन्स, 40 (1), 139-154. ईीनचौहज, 40(1), 139-154. doi: https://doi.org/10.1108/ER-09-2016-0171

डीक्रूज़, पी., नोरोन्हा, ई., और लुटजेनसांडविक, पी. (2018). कार्यस्थल पर धमकाने में, भावनात्मक दुर्व्यवहार और उत्पीड़न में सत्ता, अधीनता और संदर्भ उसके बाद की बातों से अंतर्दृष्टि . क्वालिटेटिव रीसर्च इन ओर्गेनाइजेशन्स एंड मैनेजमेंट एन इंटरनेशनल जर्नल, 13 (1), 2-9. doi: https://doi.org/10.1108/QROM-12-2017-1587.

दे व्रीज़, जे., रॉय, डी., और डे कोस्टर, आर. (2018). इंतजार के लायक? रेस्तरां प्रतीक्षा समय ग्राहक व्यवहार और राजस्व को कैसे प्रभावित करता है. जर्नल ऑफ़ ओपरेशन्स मैनेजमेंट . doi: https://doi.org/10.1016/j.jom.2018.05.001

देसाई, एन., दलाल, एस., रावल, एस. (2018). आत्मप्रतारणा और नियंत्रण के स्थान पर स्वयंसेवीवाद के प्रभाव. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ वॉलंटरी एंड नोनप्रोफ़िट ओर्गेनाइजेशन्स, 29. doi: 10.1007/s11266-017-9857-x

देव, पी. (2018). लागत साझाकरण के साथ एक नेटवर्क गठन खेल में समूह पहचान. जर्नल ऑफ़ पब्लिक इकोनोमिक थ्योरी, 20 (3), 390-415. doi: https://doi.org/10.1111/jpet.12286

देव, पी. (2018). सूचना विनिमय के नेटवर्क क्या लिंक गठन निर्णय रणनीतिक हैं? इकोनोमिक लेटर्स, 162, 86-92. doi: https://doi.org/10.1016/j.econlet.2017.10.020

धींगरा, वी., कुमावत, जी.एल., रॉय, डी., और डे कोस्टर, आर. (2018). समयभिन्न आगमन के साथ सेमीओपन क्यूइंग नेटवर्क को हल करना कंटेनर टर्मिनल भूस्खलन संचालन में एक अनुप्रयोग. यूरोपीय जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च, 267 (3). 855-876. doi: https://doi.org/10.1016/j.ejor.2017.12.020

धोलकिया, आर.एच. (2018). भारत के लिए श्रम गुणवत्ता सूचकांक का अनुमान लगाना. इंडियन जर्नल ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स, 61 (1), 67-85. doi: 10.1007/s41027-018-0120-9

धोलकिया, आर.एच., और विरिन्ची एस.के. (2018). भारत में मुद्रास्फीति की गतिशीलता बदलना. इकोनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली, 53 (9), 65-73. https://www.epw.in/journal/2018/9/special-articles/changing-dynamics-inflation-india.html से पुनर्प्राप्त.

एरिक्सन, एम., घोष, आर.के., हैंनसन, ई., बेसनेट, एस., और लेजरक्विस्ट, सी.जे. (2018). स्वीडन में आनुवंशिक रूप से संशोधित सोया फ़ीड पेश करने के पर्यावरणीय परिणाम. जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, 176, 46-53. doi: https://doi.org/10.1016/j.jclepro.2017.12.113

गर्ग, ए., महेश्वरी, जे., शुक्ला, पी.आर., और रावल, आर. (2017). वैकल्पिक नीति परिदृश्यों के तहत भारत में वाणिज्यिक भवनों में ऊर्जा उपकरण परिवर्तन. एनर्जी, 140 (1), 952-965. doi: https://doi.org/10.1016/j.energy.2017.09.004

गर्ग, ए., शुक्ला, पी.आर., परिहार, एस., सिंह, यू., और कनकल, बी. (2017). भारत में कार्बन कैप्चर और स्टोरेज (सीसीएस) ग्रिड की लागत प्रभावी वास्तुकला. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ग्रीनहाउस गैस कंट्रोल, 66, 129-146. doi: https://doi.org/10.1016/j.ijggc.2017.09.012

गर्ग, ए., तिवारी, वी., और विश्वनाथन, एस. (2017). भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकी की प्रासंगिकता एक नीति परिप्रेक्ष्य. आईओपी कॉन्फ़्रेंस सीरीज़ अर्थ एंड एन्वायर्नमेंटल साइंस, 76 (1). doi: 10.1088/1755-1315/76/1/012001

परिशिष्ट जारी झ

घोष, डी., और चक्रवर्ती, ए.एस. (2017). सीमित जानकारी के साथ कोलकाता पैसे रेस्तरां समस्या में वितरित समन्वय का उद्‌भव. फिजिका ए स्टेटिस्टिकल मैकेनिक्स एंड इट्स एप्लिकेशन्स, 483 (सी), 16-24. doi: 10.1016/j.physa.2017.04.171

घोष, आर.के., गोयल, वाई., रोमेल, जे., और सेजबियल, जे. (2017). क्या छोटी कंपनियाँ बेहतर बिजली आपूर्ति के लिए भुगतान करने को तैयार हैं? भारत में एक आकस्मिक मूल्यांकन अध्ययन से साक्ष्य. एनर्जी पॉलिसी, 109, 659-665. doi: https://doi.org/10.1016/j.enpol.2017.07.046

एरिक्सन, एम., ओसोव्स्की, सी.पी., बोजोरजमानब, जे., हैनसन, ई., मालेफोर्स, सी., एरिक्सन, ई., और घोष, आर.के. (2018). पेड़ संरचना खाद्य सेवाओं में खाद्य अपशिष्ट मात्रा के लिए एक सामान्य ढाँचा. रीसोर्सिज कंजर्वेशन एंड रीसाइक्लिंग, 130, 140-151. doi: https://doi.org/10.1016/j.resconrec.2017.11.030

गोपालकृष्णन, बी., मोहापात्रा, एस. (2017). केंद्रीय बैंकों द्वारा स्वर्ण के लिए वैश्विक जोखिम और मांग. एप्लाइड इकोनॉमिक्स लेटर्स, 25 (12), 835-839. https://doi.org/10.1080/13504851.2017.1371837

गुप्ता, वी., चोपड़ा, एस., और काकानी, आर.के. (2018). प्रभावी लोक प्रशासन के लिए नेतृत्व दक्षता भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों का एक अध्ययन. जर्नल ऑफ़ एशियाई पब्लिक पॉलिसी, 11. doi: http://dx.doi.org/10.1080/17516234.2017.1353942

जयकुमार, एस., और मेंडोंका, ए. (2017). समूह और टीमें एक खराब सेव पूरा टोकरा खराब कर देता है ऐसे व्यवहार की समीक्षा. टीम परफ़ॉर्मेंस मैनेजमेंट एन इंटरनेशनल जर्नल, 23 (5/6), 243-259. doi: https://doi.org/10.1108/TPM-07-2016-0034

जयकुमार, एस., सिंह, आर., और सरीन, ए. (2018). मैं दिखावा करता हूँ, इसलिए मैं ठीक हूँ उभरती हुई अर्थव्यवस्था में विषयगत आर्थिक कल्याण और विशिष्ट खपत. जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च, 86 (सी), 386-393. doi: https://doi.org/10.1016/j.jbusres.2017.05.027

जैन, आर., और दारा, आर. (2017). स्पेक्ट्रम प्रबंधन शासन विकसित करने के लिए ढाँचा भारत से सबक. टेलिकम्युनिकेशन्स पोलिसी, 41 (56), 473-485. doi: https://doi.org/10.1016/j.telpol.2017.04.002

जायसवाल, ए.के., और लेम्मिंक, जे.जी.ए.एम. (2017). निष्ठा समझाते हुए तुलनात्मक मूल्यांकन दृष्टिकोण की जाँच करना. मार्केटिंग इंटेलिजेंस एंड प्लानिंग, 35. doi: https://doi.org/10.1108/MIP-03-2017-0061

जतिन, जे., और वर्की, बी. (2017). भारतीय ट्रेड यूनियनों की गतिशीलता पर धर्म आधारित जाति व्यवस्था का प्रभाव उत्तर भारत में दो राज्यस्वामित्व वाले संगठनों से साक्ष्य. बिज़नस एंड सोसाइटी doi: https://doi.org/10.1177/0007650317745867

झा, जे.के., और सिंह, एम. (2017). एक रणनीतिक कार्य के रूप में मानव संसाधन योजना निर्णय की भविष्यवाणी में पूर्वाग्रह. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ स्ट्रैटेजिक डिसिज़न साइंसेज, 8 (3), 120-131. doi: 10.4018/IJSDS.2017070106

झा, जे.के., और वर्की, बी. (2017). अभिसरण या विचलन भारत और चीन में कर्मचारी संबंधों पर वैश्वीकरण का प्रभाव. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एम्प्लॉयमेंट स्टडीज़, 25 (2), 44-60. https://search.informit.com.au/documentSummary;dn=375838421284615;res=IELBUS से पुनर्प्राप्त.

झा, जे.के., वर्की, बी., अग्रवाल, पी., और सिंह, एन. (2017). कार्यस्थल पर नैतिक माहौल के विकास में एच.आर. सिस्टम का योगदान एक केस अध्ययन. साउथ एशियन जर्नल ऑफ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, 4 (1), 106-129. doi: https://doi.org/10.1177/2322093717705183

कंडाथिल, जी., और जोसेफ, जे. (2017). नैतिक प्रतिबिंबिता विकसित करने के लिए प्रत्यक्ष कर्मचारी भागीदारी अध्ययन और प्रभाव के सामान्य आधार : एक बहुआयामी समीक्षा. बिजनेस एथिक्स जर्नल. doi: 10.1007/s10551-017-3689-x

कंडाथिल, जी., और वाग्नेर, ई. (2017). प्रौद्योगिकी गैरबरदाश्तगी : एक विकासशील देश में डीजाइनरउपयोगकर्ताप्रौद्योगिकी की तिकड़ी में राजनीतिक आपसी संवाद. ह्यूमन फ़ैक्टर्स इन कंप्यूटिंग सिस्टम्सप्रोसीडिंग्स पर सम्मेलन. doi: 10.1145/3025453.3026039

कपूर, ए., और सहाय, ए. (2017). कृपया बाधा डालें, लेकिन अच्छी तरह से! उत्पाद मूल्यांकन और पसंद पर सकारात्मक और नकारात्मक बाधाओं का प्रभाव. एड्वांसिज़ इन कंजूमर रीसर्च, 45, 701-702. http://acrwebsite.org/volumes/1024190/volumes/v45/NA-45 से पुनर्प्राप्त

कौल, ए., और चौधरी, वी. (2017). क्या हस्तियों के पास ये सब हैं? संदर्भ पतन और नेटवर्किंग प्रकाशन. जर्नल ऑफ़ ह्यूमन वैल्यूज़, 24 (1), 1-10. doi:10.1177/0971685817733568

कौल, ए., और चौधरी, वी. (2018). क्या सभी लोग मेट्रो रेल में सवारी करेंगे? हितधारक समर्थन के लिए एलटीएमआरएचएल का अभियान. एशियन केस रिसर्च जर्नल, 22 (1), 147-166. doi: 10.1142/S0218927518500062

परिशिष्ट जारी झ

शर्मा, के., गोपालकृष्णन, बी., चक्रवर्ती, ए.एस., और चक्रवर्ती, ए. (2017). आर्थिक बुनियादी बातों के लिए वित्तीय उतार-चढ़ाव एक मेसोस्कोपिक नेटवर्क दृष्टिकोण. साइंटिफ़िक रिपोर्ट्स, 7 (1). doi: 10.1038/s41598-017-07758-9

कृष्णमूर्ति , एस. (2017). एचमाइनर कुशलता से खनन उच्च उपयोगिता आइटमसेट. एक्सपर्ट सिस्टम्स विथ एप्लिकेशन्स, 90, 168-183. doi: https://doi.org/10.1016/j.eswa.2017.08.028

कृष्णमूर्ति, एस. (2017). कार्यनिष्पादन संकेतकों का उपयोग कर वित्तीय समाचार लेखों का भावनात्मक विश्लेषण . नॉलेज एंड इनफ़ोरमेशन सिस्टम्स, 56 (2), 373-394. doi: https://link.springer.com/article/10.1007/s10115-017-1134-1

कृष्णमूर्ति, एस. (2018). एकाधिक न्यूनतम उपयोगिता शुरूआत के साथ उच्च उपयोगिता आइटम के कुशल खनन आइटमसेट्स. इंजीनियरिंग एप्लिकेशन्स ऑफ़ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 69, 112-126. doi: https://doi.org/10.1016/j.engappai.2017.12.012

कृष्णमूर्ति, एस. (2018). नकारात्मक इकाई लाभ के साथ कुशलतापूर्वक खनन उच्च उपयोगिता आइटमसेट. नॉलेजबेज़्ड सिस्टम्स, 145 (1). doi: https://doi.org/10.1016/j.knosys.2017.12.035

कुलकर्णी, एम., गोपाकुमार, के.वी., और पटेल, एस. (2018). अक्षमता संवेदीकरण कार्यशालाएँ कितनी प्रभावी हैं? पर्सोनेल रीलेशन्स, 40 (1), 58-74. doi: 10.1108/ER-08-2016-0165

कुलकर्णी, एम., गोपाकुमार, के.वी., और विजय, डी. (2017). संस्थागत प्रवचन और उत्तरदायी विकलांगता पहचान. आईआईएमबी मैनेजमेंट रीव्यू, 29 (3), 160-169. doi: doi.org/10.1016/j.iimb.2017.07.002

कुलकर्णी, वी. (2018). क्या यह संदेश है या कोई माध्यम है? ब्लॉग, फेसबुक और कॉर्पोरेट वेबसाइटों के माध्यम से संकट के दौरान संबंध प्रबंधन . ग्लोबल बिज़नस रीव्यू . doi: https://doi.org/10.1177/0972150918761986

लाहा, ए.के., दत्ता, एस., और रॉय, वी. (2017). रैंक डेटा के अनुभवजन्य बेइस विश्लेषण के लिए एक नया सेंडविच एल्गोरिदम. स्ट `टिस्टिक्स एंड इट्स इंटरफेस, 10 (4), 543-556. doi: http://dx.doi.org/10.4310/SII.2017.v10.n4.a2

मालोन, एम., कॉर्नेल, डी., और शुक्ला, के. (2017). 7वीं और 8वीं कक्षा के छात्रों के लिए स्कूली माहौल के साथ श्रेणी विन्यास संधि. स्कूल साइकोलोजी क्वार्टर्ली, 32 (3), 350-366. doi: http://psycnet.apa.org/record/2016-39048-001

मारडिया, के.वी., श्रीराम, के., और डीयेन, सी. (2018). अनुप्रयोगों के साथ हेलिस के लिए एक सांख्यिकीय मॉडल. बॉयोमेट्रिक्स, 74 (3), 845-854. doi: 10.1111/biom.12870

माथुर, एन. (2017). उच्च शिक्षा की निम्न राजनीति भगवा ब्रांडेड नवउदारवाद और भारतीय विश्वविद्यालयों पर हमला. क्रिटिकल पोलिटिकल स्टडीज़, 12 (1), 121-125. doi: https://doi.org/10.1080/19460171.2017.1403343

मित्रा, के., और दत्ता, जी. (2018). कम से कम व्यय के साथ घरेलू बिजली खपत शेड्यूलिंग के लिए दो भाग में गतिशील मूल्य निर्धारण नीति. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रिकल पावर एंड एनर्जी सिस्टम्स, 100, 29-41. doi: https://doi.org/10.1016/j.ijepes.2018.01.028

मोफीदी, एस.एस., पाज़ुर, जे.ए., और रॉय, डी. (2018). समुद्रआधारित रसद के लिए पूर्णसक्रिय बनाम प्रतिक्रियाशील आदेशपूर्ति संसाधन आवंटन. ट्रांसपोर्टेशन रीसर्च पार्ट ई लोजिस्टिक्स एंड ट्रांसपोर्टेशन रीव्यू, 114 (सी), 66-84. doi: 10.1016/j.tre.2018.02.012

मंडल, एस., और पिंगाली, वी. (2017). भारतीय दवा क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा और बौद्धिक संपदा नीतियाँ. विकल्प, 42 (2), 61-79. doi: https://doi.org/10.1177/0256090917704561

मुखर्जी, एस., और सहाय, ए. (2018). नकारात्मक उत्पाद जानकारी से नोसेबो प्रभाव जब जानकारी से दुख होता है, तब पैसों के भुगतान से ठीक हो सकता है. जर्नल ऑफ़ कंज्यूमर मार्केटिंग, 35 (1), 32-39. doi: https://doi.org/10.1108/JCM-11-2015-1609

नारायणस्वामी, एस., और रविचंद्रन, एन. (2017). भारत के आंध्र प्रदेश राज्य में चावल की केसइष्टतम आंदोलन योजना. इनफ़ॉर्म्स ट्रांसेक्शन्स ऑन एजुकेशन, 18 (1), 37-40. doi: https://doi.org/10.1287/ited.2017.0173ca

पजाला, पी., कोरहोनन, पी., मालो, पी., सिन्हा, ए., वेलेनियस, जे., और देहनोखलाजी, ए. (2017). राजनीतिक राय, शक्ति, और प्रभाव के लिए हिसाब लगाना : एक वोटिंग सलाह अनुप्रयोग. यूरोपीय जर्नल ऑफ़ ऑपरेशनल रिसर्च, 266 (2), 702-715. doi: https://doi.org/10.1016/j.ejor.2017.09.031

पांडेय, पी., चंदवानी, आर. और नवरे, ए. (2018). दिमागी तर्क नैतिक तर्क को कैसे बढ़ा सकता है? बिजनेस स्कूल के छात्रों का उपयोग करके एक परीक्षा. बिजनेस एथिक्स ए यूरोपीयन रीव्यू, 27 (1), 56-71. doi: http://dx.doi.org/10.1111/beer.12171

पांडेय, एस., दत्ता, जी., और जोशी, एच. (2017). मीडिया और प्रसारण में राजस्व प्रबंधन पर सर्वेक्षण. इंटरफेस 47 (3), doi: https://doi.org/10.1287/inte.2017.0886

परिदा, बी., और गुप्ता, वी. (2017). कथित स्थिति और योग्यता पर गैरअनुरूपता के प्रभाव शारीरिक आकर्षण की मध्यस्थ भूमिका की जाँच करना. साइकोलोजिकल स्टडीज़, 62 (1). doi: 10.1007/s12646-017-0410-1

पाटिल, वी., और घोष, आर.के. (2017). पुनर्वास मिथक? जमीन अधिग्रहण के बाद कैसे लेनदेन लागत किसान कल्याण को कम करती है. जर्नल ऑफ़ साउथ एशियन डेवेलपमेंट, 12 (1), 1-17. doi: https://doi.org/10.1177/0973174117695984

राजन, बी., और रविचंद्रन, एन. (2017). वस्त्रापुर कार किराए पर लेने की सेवाओं में सामरिक निर्णय. इनफ़ॉर्म्स ट्रांसेक्शन्स ऑन एजुकेशन, 18 (1), 52-55. doi: https://doi.org/10.1287/ited.2017.0183cs

राम मोहन, एम.पी. और यादव, एस. (2018). संविधान, सर्वोच्च न्यायालय और भारत में कोयला क्षेत्र का विनियमन. एनयूजेएस लॉ रिव्यू, 11 (1). http://nujslawreview.org/2018/03/13/constitution-supreme-court-and-regulation-of-coal-sector-in-india/ से पुनर्प्राप्त.

राम मोहन, एम.पी. (2017). परमाणु ऊर्जा एक परमाणु सुरक्षा. ईयरबुक ऑफ़ इंटरनेशनल एनवायरमेंटल लॉ, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 26, 205-211. doi: https://doi.org/10.1093/yiel/yvw011

राम मोहन, एम.पी., और दुलुरी, ए. (2017). भारत में जल, स्वच्छता और स्वास्थ्यरक्षा (डब्ल्यूएएसएच) कार्यक्रमों को प्रभावित करने वाले संवैधानिक जनादेश और न्यायिक पहलें. जर्नल ऑफ़ वॉटर सेनिटेशन एंड हाईजीन फ़ॉर डेवेलपमेंट, 7 (4). doi: 10.2166/washdev.2017.135

राममूर्ति, पी., जायसवाल, एस., सिन्हा, ए., और विद्यार्थी, एन. (2018). एकाधिक आवंटन केंद्र हस्तक्षेप और सुरक्षा समस्याएँ मॉडल फॉर्मूलेशन और समाधान दृष्टिकोण. यूरोपीयन जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च, 270 (1), 230-245. doi: https://doi.org/10.1016/j.ejor.2018.03.031

राममूर्ति, पी., जायसवाल, एस., सिन्हा, ए., और विद्यार्थी, एन. (2018). एकाधिक आवंटन केंद्र हस्तक्षेप और सुरक्षा समस्याएँ मॉडल फॉर्मूलेशन और समाधान दृष्टिकोण. यूरोपीयन जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च, 270 (1), 230-245. . doi: https://doi.org/10.1016/j.ejor.2018.03.031

रविचंद्रन, एन. (2017). भारत में संचालन अनुसंधान अतीत, वर्तमान और भविष्य. आन्नल्स ऑफ़ मैनेजमेंट स्टडीज़, 5 , 95-106. doi: 10.24048/ams5.no2.2017-95

रे, पी., और माहेश्वरी, एस. (2017). आकार कटौती का सार साहित्य की समीक्षा. इंडियन जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल रिलेशंस, 53 (2), 290-301. http://web.a.ebscohost.com/ehost/detail/detail?vid=12&sid=bc062a66-6cd9-4f14-8cf0-7590b0e9eb08%40sessionmgr4009&bdata=JnNpdGU9ZWhvc3QtbGl2ZSZzY29wZT1zaXRl#AN=127278347&db=bth

रॉय, डी., और दे कोस्टर, आर. (2018). स्वतः उठाने वाले वाहनों का उपयोग करके कंटेनर टर्मिनल पर अनलोडिंग और लोडिंग ऑपरेशंस की स्टोकास्टिक मॉडलिंग. यूरोपीयन जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च, 266 (3), 895-910. doi: https://doi.org/10.1016/j.ejor.2017.10.031

सैनी, जी., सहाय, ए., और कल्याणरामन, जी. (2018). एक उभरती अर्थव्यवस्था में मात्रा स्वीकृति के अक्षांश (एलक्यूए) का एक अनुभवजन्य अध्ययन भारत. ग्लोबल मार्केटिंग जर्नल, 31 (2), 111-127. doi: 10.1080/08911762.2017.1413215

सैनी, एस., रॉय, डी., और डे कोस्टर, आर. (2017). दोहरी यार्ड केन गुजरने के प्रवाहक्षम विश्लेषण के लिए एक स्टोकास्टिक मॉडल. कंप्यूटर और ऑपरेशंस रिसर्च, 87, 40-51. doi: 10.1016/j.cor.2017.05.012

सरीन, ए., और रंजन, ए. (2018). शिक्षा का अधिकार लागू करना "जानकारी खाँचों" का निर्माण. एनओआरआरएजी स्पेशल इस्यू, जनवरी. https://resources.norrag.org/resource/124/the-right-to-education-movements-and-policies-promises-and-realities से पुनर्प्राप्त.

सरीन, ए., डोंगरे, ए., खांगता, पी., वार्ष्णेय, एन., गौड़, ए., और सेन्गई, ए. (2018). शिक्षा के अधिकार अधिनियम की धारा 12(1)(सी) का कार्यान्वयन. इकोनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली, 53 (8). http://www.epw.in/journal/2018/8/special-articles/implementation-section-121c-right-education-act.html से पुनर्प्राप्त.

सरीन, ए., डोंगरे, ए., खांगता, पी., वार्ष्णेय, एन., गौड़, ए, और सेन्गई, ए. (2018). शिक्षा के अधिकार अधिनियम की धारा 12(1)(सी) का कार्यान्वयन. इकोनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली, 53 (8). https://www.epw.in/journal/2018/8/special-articles/implementation-section-121c-right-education-act.html

परिशिष्ट जारी

झ

शाह, ए., और गर्ग, ए. (2017). शहरी सामान्य सेवा उत्पादन, वितरण, और प्रबंधन एक वैचारिक ढाँचा. इकोलोजिकल इकोनोमिक्स, 135, 280-287. doi: https://doi.org/10.1016/j.ecolecon.2016.12.017

शेख, ए., शर्मा, डी., विजयालक्ष्मी, ए., और यादव, आर.एस. (2018). फ्रेंचाइज़र फ्रेंचाइजी रिश्ते में निष्पक्षता एक एकीकृत परिप्रेक्ष्य. जर्नल ऑफ बिजनेस एंड इंडस्ट्रियल मार्केटिंग, 33 (4), 550-562. doi: https://doi.org/10.1108/JBIM-04-2017-0093

शर्मा, डी., और परिदा, बी. (2018). चैनल संबंधों में संघर्ष के निर्धारक एक मेटाविश्लेषणात्मक समीक्षा. जर्नल ऑफ बिजनेस एंड इंडस्ट्रियल मार्केटिंग, doi: 10.1108/JBIM-08-2016-0195

शर्मा, जी., और जायसवाल, ए.के. (2017). स्थिरता की अस्थिरता निम्न स्तर की परियोजनाओं के आधार पर संज्ञानात्मक फ्रेम और तनाव. जर्नल ऑफ़ बिजनेस एथिक्स, 148 (2), 291-307. doi: https://doi.org/10.1007/s10551-017-3584-5

शुक्ला, के.डी., वासडॉर्प, टी.ई., लिंडस्ट्रोम जे. एस., ओरोज्को एस.एम.जी., एनगुयेन, ए. जे., रोद्रिगेज़, सी.सी. और ब्रेडशॉ, सी.पी. (2017). क्या मेक्सिको के स्कूल माहौल और संयुक्त राज्य अमेरिका के स्कूल माहौल में समानता है? मापन निश्चरता पर एक फोकस. जर्नल ऑफ़ साइकोएजुकेशनल एसेसमेंट doi: https://doi.org/10.1177/0734282917731459

शुक्ला, के.डी., और कोनोल्ड, टी. (2017). स्वयं रिपोर्ट किए गए सर्वेक्षण डेटा में अमान्य उत्तरदाताओं की पहचान के लिए एक दोचरण वाली गुप्त प्रोफ़ाइल विधि. जर्नल ऑफ एस्परिमेंटल एजुकेशन, 86 (3), 473-488. doi: https://doi.org/10.1080 /00220973.2017.1315713

सिंह, जे.बी., चंदवानी, आर., और कुमार, एम. (2017). वेब 2.0 अभिग्रहण को प्रभावित करने वाले कारक स्वास्थ्य देखभाल व्यवसायियों में ज्ञान साझाकरण तथा ज्ञान की खोज के पहलुओं की तलाश करना. जर्नल ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट, 22 (1), 21-43. doi: https://doi.org/10.1108/JKM-08-2016-0320

सिंगला., सी., जॉर्ज, आर., और वेलियाथ, आर. (2017). भारतीय फर्मों की स्वामित्व संरचना और अंतर्राष्ट्रीयकरण. जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च, 81, 130-143. doi: https://doi.org/10.1016/j.jbusres.2017.08.016

सिन्हा, ए., मालो, पी. और देब, के. (2017). द्विपक्षीय अनुकूलन पर एक समीक्षा शास्त्रीय से विकासवाद तक के दृष्टि कोण और अनुप्रयोग. आईईईई कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस सोसाइटी, 22 (2), 276-295. doi: https://doi.org/10.1109/TEVC.2017.2712906

सिन्हा, ए., मालो, पी., और कालीओ, एम. (2018). कई उद्देश्य अनुकूलन समस्याओं के लिए उत्तल वरीयता शंकु आधारित दृष्टि कोण. कंप्यूटर और ऑपरेशंस रिसर्च, 95, 1-11. doi: https://doi.org/10.1016/j.cor.2018.02.015

सिन्हा, ए., पांडेय, जे., और वर्की, बी. (2017). धार्मिक परिवार के स्वामित्व वाले संगठनों को पेशेवर बनाना मानव संसाधन चुनौतियों की एक परीक्षा. साउथ एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 24 (2), 7-24.

सिन्हा, ए., वर्की, बी., किकानी, आर., और दवे, पी. (2017). कार्यस्थल पर सीखने के माध्यम से एक धर्म केंद्रित फर्म को व्यावसायिक बनाना. विकल्प, 42 (4), 251-260. doi: https://doi.org/10.1177/0256090917734107

सोहानी, एस.एस., और सिंह, एम. (2017). परियोजना आधारित सूचना प्रौद्योगिकी फर्मों में विशेषीकृत परियोजनाओं के उभयहस्त कौशल और टैगिंग का बहुस्तरीय विश्लेषण. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑपरेशंस एंड प्रोडक्शन मैनेजमेंट, 37 (9), 1185-1206. doi: http://dx.doi.org/10.1108/IJOPM-04-2016-0212

स्पेंसर, टी., कोलंबियर, एम., सार्टोर, ओ., गर्ग, ए., तिवारी, वी., बर्टन, जे., कैटानो, टी., ग्रीन, एफ़., टेंग, एफ़., आइकन आई., और वाइज़मैन, जे. (2017). 1.5 डिग्री सेल्सियस लक्ष्य और कोयला क्षेत्र संक्रमण सामाजिक व्यवहार्यता की सीमाओं पर. क्लाइमेट पोलिसी, 18 (3) 335-351. doi: https://doi.org/10.1080/14693062.2017.1386540

स्टॉक, आर., बर्कनहोल्ट्ज़, टी., और गर्ग, ए. (2017). लोगों को बोलने दें गुजरात, भारत में किसानों की भेद्यता धारणाओं के साथ अनुकूली क्षमता आकलन के संयोजन से क्षेत्रीय अनुकूलन नीति में सुधार करना. क्लाइमेट एंड डेवेलपमेंट. doi: 10.1080/17565529.2017.1410089

ठाकुरता आई., और डिसूजा, ई. (2017). विकासशील देशों में बाल श्रम और मानव पूंजी एक बहुअवधि का स्टोकास्टिक मॉडल. इकोनोमिक मॉडलिंग, 69, 67-81. doi: http://dx.doi.org/10.1016/j.econmod.2017.09.006

तुम्बे, सी. (2017). बीसवीं शताब्दी में अंतर्राष्ट्रीय भारतीय व्यापार. बिजनेस हिस्ट्री रिव्यू, 91 (4), 651-679. doi: 10.1080/00220388.2017.1336541

वर्मा, पी. (2017). सूचना बाधाओं के तहत चावल अधिकता की प्रणाली को अपनाना भारत के लिए एक विश्लेषण. जर्नल ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, 4 (10), 1838-1857. doi: 10.1080/00220388.2017.1336541

परिशिष्ट जारी झ

वेंकटेशन, पी., बल्लाऊ आर.एच., माथुर, के. और मारुथसलम, ए.पी.पी. (2017). दोकतारबंद संयुक्त निरंतरअलग स्थान मॉडल. यूरोपीयन जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च, 262 (3), 1028-1039. doi: 10.1016/j.ejor.2017.03.077

वेंकटेशन, पी., बल्लाऊ आर.एच., और माथुर, के. (2017). दोकतारबंद संयुक्त निरंतरअलग स्थान मॉडल. यूरोपीयन जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च, 262 (3), 1028-1039. doi: https://doi.org/10.1016/j.ejor.2017.03.077

विजयालक्ष्मी, ए., लिन, एम.एच., और लाज़नियाक, आर.एन. (2018). बच्चों के इंटरनेट विज्ञापन अनुभवों का प्रबंधन विनियमन के लिए अभिभावकीय प्राथमिकताएँ. जर्नल ऑफ़ कंज़ूमर अफेयर्स, 52 (3). doi: 10.1111/joca.12177

विजयालक्ष्मी, ए., लिन, एम.एच., और कॉर्ड्रोस्टामी, एम. (2017). पीएसए विज्ञापनों की प्रतिक्रियाओं पर कथित तापमान का प्रभाव. एड्वांसिज़ इन कंज़्यूमर रीसर्च, 45, 1064-1064. http://www.acrwebsite.org/volumes/1024191/volumes/v45/NA-45 से पुनर्प्राप्त.

विस्नर, एम., और शुक्ला, के.डी. (2017). पारिवारिक विचलन, आत्मनियंत्रण, विचलित जीवन शैली, और युवा हिंसा के शिकार एक गुप्त अप्रत्यक्ष प्रभाव विश्लेषण. विक्टिम्स एंड ऑफ़ेंडर्स, 13 (4), 504-525. doi: https://doi.org/10.1080/15564886.2017.1381211

पुस्तकों में अध्याय

चंदवानी, आर., और कुलकर्णी, वी. (2018). वित्तीय पहुँच प्रदान करने में मध्यस्थों की भूमिका : वर्तमान और भविष्य के अनुसंधानों का रुझान। वाई.के. द्विवेदी, एन.पी. राणा, ई.एल. स्लेड, एम.ए. शरीफ, एम. क्लेमेंट, ए. सिमिंटिरस, और बी. लाल, एक बहुआयामी परिप्रेक्ष्य से उभरते बाजार। स्प्रिंगर

चौधरी, वी., और कौल, ए. (2018). डिजिटल सक्रियता प्रभावशाली / चुनौतीकारक कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए सामाजिक मीडिया का लाभ उठाने वाले एनजीओ। ए. लिंडग्रीन, जे. वानहैम्म, आर. वाटकिन्स, और एफ़. माओन, डिजिटल युग में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व का संचार। यूके रू टलेज

डीक्रूज़, पी. (2017). आंशिक रूप से सशक्त लेकिन सम्माननीय नहीं? ऑनलाइन श्रम बाजारों के विरोधाभास। ई. नोरोन्हा, और पी. डीक्रूज़, भारत के वैश्वीकरण में काम और रोजगार पर महत्वपूर्ण दृष्टिकोण .

धोलकिया, एच.एच., और गर्ग, ए. (2017). भारत की दिल्ली में जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य। आर. अख्तर, और सी. पलागियानो, जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण । स्प्रिंगर.

गर्ग, ए., जन, सी.एस., जसी, बी., जूलियो, एफ., फ्रैंक, जे., गुन्नार, एल., ...जियानली, ज़ेड. (2017). फासले कम करते हुए चरणबद्ध कोयला निकालना। यू. एन्वायरनमेंट उत्सर्जन गैप रिपोर्ट 2017 में। नैरोबी संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी).

गर्ग, ए., विश्वनाथन, एस., और चोकसी, पी. (2017). जलवायु पर अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं को सूचित करना : सीओपी-21 के बाद भारत के राष्ट्रीय योगदान का बेंचमार्किंग। एच.पी. गर्ग, एस.के. सिंह, और टी.सी. कंडपाल, सौर ऊर्जा विज्ञान और इंजीनियरिंग (वॉल्यूम4) में प्रगति। नई दिल्ली.

कुलकर्णी, वी., और चंदवानी, आर. (2018). वित्तीय पहुँच प्रदान करने में मध्यस्थों की भूमिका वर्तमान और भविष्य के रुझान। वाई. के. द्विवेदी, एन.पी. राणा, ई.एल. स्लेड, एम.ए. शरीफ, एम. क्लेमेंट, ए.सी. सिमिन्तिरास, और बी. लाल, एक बहुआयामी परिप्रेक्ष्य से उभरते बाजार । doi:https://doi.org/10.1007/978-3-319-75013-2_3

मगला, एस., और नोरोन्हा, ई. (2017). डच प्रस्थान, शेष रह गए भारतीय : आईटी प्रवासियों के कार्य अनुभव। ई. नोरोन्हा, और पी. डीक्रूज़, भारत के वैश्वीकरण में काम और रोजगार पर महत्वपूर्ण दृष्टिकोण में.

माथुर, ए.एन. (2018). आध्यात्मिकता में प्रबंधन और प्रबंधन में आध्यात्मिकता : आंतरिक और बाहरी जगत से जुड़ना। ए.एन. माथुर, छठी संवेदना को खुला करना : आध्यात्मिकता और प्रबंधन में अन्वेषण । बेंगलुरू : संपदा प्रकाशन.

माथुर, ए.एन. (2018). दो संस्कृतियाँ? योग और मनोविश्लेषण में विश्वास की सीमाएँ। ए.एन. माथुर, भारतीय टेरोइर से मनोविश्लेषण (पृष्ठ 145-164) में। लंदन : रोमन एंड लिटिलफील्ड

नायर, एन., और वोहरा, एन. (2017). समावेशन हासिल करने के लिए एक साधन के रूप में सलाह कौशल : भारत में महिलाओं पर प्रथाएँ और अनुसंधान पर एक फोकस। ए. जे. मुरेल और टी. ब्लेकबियर्ड, विविध नेताओं को सलाह देना (पृष्ठ 124-144) में। न्यूयॉर्क : रूटलेज.

नोरोन्हा, ई., और डीक्रूज़, पी. (2017). समकालीन भारत में काम की दुनिया : एक महत्वपूर्ण दृष्टि की प्रासंगिकता। ई. नोरोन्हा, और पी. डीक्रूज़, भारत के वैश्वीकरण में काम और रोजगार पर महत्वपूर्ण दृष्टिकोण में।

परिशिष्ट जारी

झ

नोरोन्हा, ई., और डीक्रूज़, पी. (2017). समकालीन भारत में काम की दुनिया। ई. नोरोन्हा, और पी. डीक्रूज़, भारत के वैश्वीकरण में काम और रोजगार पर महत्वपूर्ण दृष्टिकोण में।

राम मोहन, एम.पी. (2017). दक्षिण एशिया में परमाणु ऊर्जा संवर्धन की देयता और नियामक पहलू। एन. जनार्दनन, जी. पंत, और आर.बी. ग्रोवर, रमाणु ऊर्जा का पुनरुत्थान : एशिया के लिए चुनौतियाँ और अवसर । सिंगापुर स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड.

सरीन, ए., और श्रीराम, एम.एस. (2018). वैकल्पिक संगठन : प्रतियोगिता के लिए रिक्त स्थान। डी. विजयन, आर. वर्मन, भारत में वैकल्पिक संगठनों की सीमाएँ पूर्ववत करना.

शाह, पी., कंडाथिल, जी., और कपूर, ए. (2018). परिवर्तन के लिए कार्य करना : एक गैर-अधिसूचित घुमक्कड़ जनजाति और बुद्धान थियेटर के परिवर्तन के लिए संघर्ष के पावर विश्लेषण का एक सर्किट। डी. विजय, और आर. वर्मन, भारत में वैकल्पिक संगठनों की सीमाओं को पूर्ववत करना । कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा संपादित.

सम्मेलन और कार्यशालाएँ

आबिदी, क्यू. (2017, दिसंबर 17-20). गृह संस्था पूर्वाग्रह . यह आधारपत्र 8वें उभरते बाजार वित्त सम्मेलन, 2017 (आईजीआईडीआर), मुंबई, भारत में प्रस्तुत किया गया.

अरगडे, ए., और लाहा, ए.के. (2017, अप्रैल 8-9). कृषि विपणन चैनल विकल्प और इसके निर्धारक एक किसान का परिप्रेक्ष्य . यह आधारपत्र आईआईएम अहमदाबाद में आयोजित उन्नत डेटा विश्लेषण, व्यवसाय विश्लेषिकी और इंटेलिजेंस पर 5वें आईआईएमए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया.

अरगडे, ए., और लाहा, ए.के. (2017, 23-24 नवंबर). लेनदेन लागत और किसानव्यापार संबंधों पर एपीएमसी के इलेक्ट्रॉनिक लिंकिंग का प्रभाव. यह आधारपत्र ग्रामीण प्रबंध जेवियर्स स्कूल, भुवनेश्वर, भारत में आयोजित ग्रामीण प्रबंधन पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया.

अरगडे, ए, और लाहा, ए.के. (2018, फरवरी 22-23) . खाद्य विपणन प्रणाली में विश्लेषिकी - किसान व्यापारी संबंधों का आकलन करना और बाजार के डिजाइन की उत्पादक की पसंद का आकलन करना . यह आधारपत्र डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, एआई, आईओटी, और एनालिटिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पब्लिक एंटरप्राइज संस्थान, हैदराबाद में प्रस्तुत किया गया.

अवशिया, वी., और गर्ग, ए. (2017, 5-7 जुलाई) . '100 स्मार्ट शहरों' को '100 जलवायु परिवर्तन प्रतिरोधक्षम्मतापूर्ण और कम कार्बन स्मार्ट शहरों' में बदलने के लिए एक केस. यह आधारपत्र ऊर्जा, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन (आईसीईईसीसी 2017) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मॉरीशस विश्वविद्यालय, मॉरीशस में प्रस्तुत किया गया.

अवशिया, वी., और गर्ग, ए. (2017, 23 नवंबर). भारतीय शहरों में ऐतिहासिक भूमि उपयोग के रुझानों का परिवर्तन स्वास्थ्य, वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के लिए प्रभाव. यह आधारपत्र भारत (आईएनडीएनओआर) के साथ अनुसंधान सहयोग के लिए नार्वेजियन कार्यक्रम सम्मेलन, ओस्लो, नॉर्वे में प्रस्तुत किया गया.

बाथिनी, डी. और कंडाथिल, जी. (2017, जुलाई 3-5) . टेढ़े कर्मचारियों की कामचोरी से कार्य व्यवस्था सौदों के लागत लाभ विश्लेषण - भारतीय आईटी श्रमिकों का मामला. यह आधारपत्र 10वें अंतर्राष्ट्रीय निर्णायक प्रबंधन अध्ययन सीएमएस 2017 सम्मेलन, लिवरपूल, यूके में प्रस्तुत किया गया.

भद्रा, डी. (2017, जुलाई 16-21) . एक निरंतर परिणाम पर अनुदैर्घ्य सहविविधता प्रोफाइल के प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए एक बेयेसियन अर्द्धपैरामीट्रिक दृष्टिकोण. यह आधारपत्र आईएसआई वर्ल्ड स्टैटिस्टिक्स कांग्रेस, 2017, माराकेच, मोरक्को में प्रस्तुत किया गया.

भद्रा, डी., और घोष, एम., और किम, डी. (2017, दिसंबर 28-31). छोटे क्षेत्रों की औसत आय का अनुमान एक बेयेसियन अर्द्धपैरामीट्रिक दृष्टिकोण. यह आधारपत्र अंतर्राष्ट्रीय भारतीय सांख्यिकी संघ सम्मेलन 2017, हैदराबाद में प्रस्तुत किया गया.

चक्रवर्ती, एस. (2017, सितंबर 8-9) . भारत में असंगठित श्रमिकों की आवाज़ और चिंताएँ, और उन्हें संबोधित करने की संभावनाएँ. यह आधारपत्र प्रबंधन, मानविकी और सामाजिक विज्ञान में हाल के रुझानों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन, एमिटी यूनिवर्सिटी, रांची में प्रस्तुत किया गया.

चक्रवर्ती, एस., और पेंटर, जी. (2018, जनवरी 7-11). क्या आप्रवासियों के अंतरशहरी प्रवास सार्वजनिक पारगमन माँग को प्रभावित करते हैं? राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, इंजीनियरिंग और चिकित्सा, वाशिंगटन, डीसी के परिवहन अनुसंधान बोर्ड (टीआरबी) की 97वीं वार्षिक बैठक में यह आधारपत्र प्रस्तुत किया गया.

चटर्जी, एस., और अरुणा दिव्या, टी. (2017, दिसंबर 22-23). अनपेक्षित अपरिचित के माध्यम से : विवरण-गहन समीक्षाओं पर निर्माण स्तर की भूमिका . ग्रेट लेक्स एनएएसएमईआई विपणन सम्मेलन, चेन्नई.

परिशिष्ट जारी झ

डीक्रूज़, पी., मुलडर, आर., नोरोन्हा, ई., बीरेपूट, एन., और मगला, एस. (2017, मई 17-20). बदमाशीभरे कार्यस्थल पर समस्याकेंद्रित मुकाबले के रूप में नीति निर्माण : इंडो-डच परिप्रेक्ष्य। ईएडब्ल्यूओपी सम्मेलन, 17-20 मई 2017, डबलिन, आयरलैंड में प्रस्तुत आधारपत्र.

देवधर, एस.वाई. (2017, 22 अगस्त). क्या भारत का अनिवार्य सीएसआर स्थायी है ? 'कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) : चुनौतियाँ और अवसर' पर गोल मेज सम्मेलन, बड़ौदा में आधारपत्र प्रस्तुत किया गया.

देसाई, एन., गुप्ता, एम., जैकब, जे., पांडेय, ए. (2017, अप्रैल 6-8). भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में ऑडिटर नियुक्ति प्राधिकरण और कमाई की गुणवत्ता के बीच संबंध. यह आधारपत्र अमेरिकन एकाउंटिंग एसोसिएशन, वेस्टर्न रीजन मीटिंग, सैन फ्रांसिस्को, कैलिफ़ोर्निया में प्रस्तुत किया गया.

देसाई, एन., जैकब, जे., और नागर, एन. (2017, अप्रैल 20-21). वर्गीकरण स्थानांतरण और बिग 4 ऑडिट शुल्क प्रीमियम. यह आधारपत्र 2017 वित्तीय बाजारों और कॉर्पोरेट प्रशासन सम्मेलन, वेलिंगटन में प्रस्तुत किया गया.

देसाई, एन., जैकब, जे., सिंह, पी.डी., और त्रिपाठी, ए. (2017, अप्रैल 6-8). लेखापरीक्षा समिति के सदस्यों की उपस्थिति और कमाई की गुणवत्ता के बीच संबंध . यह आधारपत्र अमेरिकन एकाउंटिंग एसोसिएशन, वेस्टर्न रीजन मीटिंग, सैन फ्रांसिस्को, कैलिफ़ोर्निया में प्रस्तुत किया गया.

दीक्षित, ए. (2017, नवंबर 18-19). भागीदारी आधारित विकास और सामाजिक उद्यम . यह आधारपत्र अंतरराष्ट्रीय नवप्रवर्तन एवं उद्यमिता अनुसंधान कंसोर्टियम (आईसीआईईआर), बैंगलुरू, भारत में प्रस्तुत किया गया.

दीक्षित, ए. (2018, फरवरी 7-9). यौन उत्पीड़न को संबोधित करने वाली नीतियों और कार्यक्रमों का मूल्यांकन करना भारतीय संदर्भ के लिए नारीवादी निर्णायक ढाँचे का प्रस्ताव देना . आधारपत्र इवलफेस्ट 2018, नई दिल्ली, भारत में प्रस्तुत किया गया.

दत्ता, जी. (2017, दिसंबर 9-10). स्वास्थ्य देखभाल उद्योग में गणितीय मॉडलिंग का उपयोग. स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की बढ़ती माँग पर तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईएम अहमदाबाद, भारत में उद्घाटन भाषण में प्रस्तुत.

दत्ता, जी. (2018, 13 फरवरी). प्रक्रिया उद्योगों में योजना के लिए स्टोकास्टिक ऑप्टिमाइज़ेशन आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली . विनिर्माण उत्कृष्टता और उत्पादकता में वृद्धि के लिए अनुकरण तथा अनुकूलन तकनीकों का लाभ उठाने की तकनीकें पर टाटा स्टील, जमशेदपुर में प्रस्तुत आधारपत्र (मुख्य भाषण).

दत्ता, जी. (2018, 18 जनवरी). परियोजना विफलता क्यों नवीनता, जटिलता, प्रौद्योगिकी और गति परियोजना प्रबंधन का डायमंड मॉडल. यह आधारपत्र (मुख्य भाषण) बुनियादी ढाँचा परियोजना प्रबंधन, पीडीपीयू, गांधीनगर, गुजरात में नवीनतम रूझानों पर प्रस्तुत किया गया.

दत्ता, जी., राव, एच., बसु, एस., और तिवारी, एम.के. (2017, 21 दिसंबर). जीवन बीमा कंपनियों के लिए निर्णय समर्थन प्रणाली के साथ नई संपत्ति देयता प्रबंधन मॉडल : कम्प्यूटेशनल परिणाम . अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और भारतीय परिचालन अनुसंधान सोसाइटी की वार्षिक बैठक, (सोसाइटी के 60 वर्ष) कोलकाता में पूर्ण चर्चा.

द्विबेदी, पी. (2018, फरवरी 17-18). उभरते बाजारों में अनौपचारिक प्रतिस्पर्धा और दृढ़ नवप्रवर्तन. यह आधारपत्र अकादमी ऑफ मैनेजमेंट जर्नल आइडिया और पेपर डेवलपमेंट वर्कशॉप, बैंगलोर, भारत में प्रस्तुत किया गया.

द्विबेदी, पी., देब, आर., और सामलिया, एच.वी. (2018, मार्च 15-17). उद्यमी अभिविन्यास, नेटवर्क क्षमता और स्टार्टअप में उद्यम पूँजी तक पहुँच की गति. यह आधारपत्र सामरिक प्रबंधन सोसाइटी सम्मेलन, साओ पाउलो, ब्राजील में प्रस्तुत किया गया.

जॉर्ज, एन., कर्ण, ए., और सुद, एम. (2017, अगस्त 4-9). प्रबंधकीय दृष्टि से उद्यमशीलता में गतिशील क्षमताओं की समीक्षा : एक संदर्भसूचीबद्ध विश्लेषण . यह आधारपत्र प्रबंधन अकादमी 2017, अटलांटा, अमेरिका में प्रस्तुत किया गया.

गोपाकुमार, के.वी. (2017, 4-8 अगस्त). मिश्रित संगठनों का आंदोलन एक पुनरावर्ती परिप्रेक्ष्य. यह आधारपत्र प्रबंधन अकादमी (एओएम) बैठक 2017, अटलांटा, जॉर्जिया, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रस्तुत किया गया.

गोपालकृष्णन, बी., और महापात्रा, एस. (2017, जून 11-12). एक सुनहरा अवसर बदलना? वित्तीय संकट के बाद वैश्विक छूट और उभरते बाजार केंद्रीय बैंकों की स्वर्ण के लिए मांग . यह आधारपत्र अंतरराष्ट्रीय वित्त पर इन्फ़िनिटी सम्मेलन, वैलेंसिया, स्पेन में प्रस्तुत किया गया.

गोपालकृष्णन, बी., और महापात्रा, एस. (2018, 12 जनवरी). केंद्रीय बैंक रिजर्व में स्वर्ण : वैश्विक जोखिम और तरलता की भूमिका . यह आधारपत्र स्वर्ण और स्वर्ण बाजार सम्मेलन, आईआईएम अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत किया गया.

गुप्ता, पी. (2017, मई 17-20). किस बात से टीमों में नवप्रवर्तन आता है : एक गुणात्मक अध्ययन. यह आधारपत्र यूरोपीय संघ संघ और संगठनात्मक मनोविज्ञान 2017, डबलिन, आयरलैंड में प्रस्तुत किया गया.

हर्षा, एस.एस., जैकब, जे., और वर्मा, जे.आर. (2018, 12 जनवरी). स्वर्ण व्युत्पन्न बाजारों पर सीटीटी का प्रभाव : अति उच्च आवृत्ति आदेश प्रवाह और व्यापार डेटा के आधार पर विश्लेषण . यह आधारपत्र आईआईएमए, अहमदाबाद में आईजीपीसी द्वारा स्वर्ण और स्वर्ण बाजार 2018 पर सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया.

परिशिष्ट जारी झ

ईश्वरदत, एस.टी., एंजेली, एफ़., और जायसवाल, ए.के. (2017, 5-6 दिसंबर). शहरी गरीब उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य देखभाल के लिए प्रदाता के विकल्प निर्णयों की परीक्षा . यह आधारपत्र गरीबी और सतत विकास पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कोलंबो, श्रीलंका में प्रस्तुत किया गया.

ईश्वरदत, एस.टी., एंजेली, एफ़., और जायसवाल, ए.के. (2018, 9-10 फरवरी). बीओपी उपभोक्ताओं में निजी और सार्वजनिक अस्पतालों के बीच रोगियों की पसंद के निर्धारकों की जाँच करना . यह आधारपत्र सिद्धांत और अभ्यास पर चौथे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, एडीलेड, ऑस्ट्रेलिया में प्रस्तुत किया गया.

जैन, आर. (2017 सितंबर 27-29). इंटरनेट शासन निशुल्क खुला, सार्वभौमिक और सम्बद्ध इंटरनेट. यह आधारपत्र भारत मोबाइल कांग्रेस, नई दिल्ली में प्रस्तुत किया गया.

जैन, आर. (2017, सितंबर 8-9). आगे आगे देखिए होता है क्या भारतीय स्पेक्ट्रम नीलामी से सबक. टीपीआरसी45 संचार, सूचना और इंटरनेट नीति (टीपीआरसी) पर 45वाँ सम्मेलन, जॉर्ज मेसन विश्वविद्यालय, आर्लिंगटन, वर्जीनिया में प्रस्तुत आधारपत्र.

कालुबंदी, एस.सी. (2017, 4-9 अगस्त). व्यवसाय समूह उधार, अनुसंधान एवं विकास, और अंतर्राष्ट्रीयकरण में सहयोग देते हैं : भारत से अनुभवजन्य सबूत . प्रबंधन अकादमी 2017, अटलांटा, अमेरिका में प्रस्तुत आधारपत्र.

कालुबंदी, एस.सी. (2017, दिसंबर 17-19). क्या अतीत भविष्य को सूचित करता है? बिजनेस ग्रुप संबद्धता और नए उद्यम सहयोगियों का अंतर्राष्ट्रीयकरण. यह आधारपत्र 7वें इज़राइल रणनीति सम्मेलन, हाइफा, इज़राइल में प्रस्तुत किया गया.

कपूर, ए. (2017, अक्टूबर 26-29). कृपया बाधा डालें, लेकिन अच्छी तरह से! उत्पाद मूल्यांकन और पसंद पर सकारात्मक और नकारात्मक बाधा का प्रभाव. उपभोक्ता अनुसंधान एसोसिएशन 2017, सैन डिएगो, कैलिफ़ोर्निया, यूएसए में प्रस्तुत आधारपत्र.

केराई, ए. (2017, नवंबर 6-7). वैधता प्राप्त करने और फंड तक पहुँचने में 'यूनिकॉर्न' टैग की भूमिका. यह आधारपत्र 8वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार और अकादमिक अनुसंधान सम्मेलन, लंदन, ब्रिटेन में प्रस्तुत किया गया.

किशन, पी.के.वी. (2017, दिसंबर 17-18). वैश्वीकरण और शिक्षा के परिणाम : सिद्धांत की समीक्षा और एक अनुभवजन्य परीक्षा. यह आधारपत्र अंतरराष्ट्रीय लेखाकरण, वित्त, अर्थशास्त्र और बैंकिंग सम्मेलन, फ्लेम यूनिवर्सिटी, पुणे में प्रस्तुत किया गया.

किशन, पी.के.वी. (2017, दिसंबर 27-30). वैश्वीकरण और असमानता : शिक्षा के माध्यम से एक मार्ग . यह आधारपत्र 11वें आईएसडीएसआई सम्मेलन, आईआईएम त्रिची में प्रस्तुत किया गया.

किशन, पी.के.वी. (2018, फरवरी 14-15). वैश्वीकरण और शिक्षा के परिणाम : सिद्धांत की समीक्षा और एक अनुभवजन्य परीक्षा. शोध विद्वान कार्यशाला, कलकत्ता विश्वविद्यालय में प्रस्तुत आधारपत्र.

कोनोल्ड, टी., शुक्ला, के., कॉर्नेल, डी., और हुआंग, एफ़. (2017, 27 अप्रैल 1 मई). स्कूल जलवायु की धारणाएँ और छात्रों के परिणामों के साथ उनकी संधि में नस्लीय मतभेद. अमेरिकन शैक्षणिक अनुसंधान एसोसिएशन, टेक्सास, यूएसए में प्रस्तुत आधारपत्र.

कुलकर्णी, वी., और शर्मा, सुप्रिया (2017, नवंबर 16-19). वैसे भी हम कौन हैं? नए उद्यमी साहसों में पहचान छवि के विरोधाभास. यह आधारपत्र राष्ट्रीय संचार एसोसिएशन वार्षिक कन्वेंशन, डलास, टेक्सास, यूएसए में प्रस्तुत किया गया.

कुमावत, जी.एल., और रॉय, डी. (2017, अक्टूबर 22-25). समानांतर प्रक्रिया प्रवाह की स्टोकास्टिक मॉडलिंग . यह आधारपत्र इनफॉर्म (आईएनएफ़आरएम) वार्षिक बैठक, ह्यूस्टन, टेक्सास यूएसए में प्रस्तुत किया गया.

कुम्बर्गरी, ए. (2017, दिसंबर 22-23). हरित चेतना का उदय और अभिव्यक्ति तथा अच्छी खपत के व्यवहार पर इसका प्रभाव. यह आधारपत्र 11वें ग्रेट लेक्स नास्मेई मार्केटिंग सम्मेलन, ग्रेट लेक्स, चेन्नई में प्रस्तुत किया गया.

कुम्बर्गरी, ए. (2018, जनवरी 11-13). मन धारणा सक्रियण : ब्रांड या उत्पाद ट्रस्ट पर सगुणवाद के प्रभाव के लिए सीमा की स्थिति. युवा अनुसंधानकर्त्ता कंसोर्टियम आईसीएमसी 2018, एमआईसीए अहमदाबाद में प्रस्तुत आधारपत्र.

कुम्बर्गरी, ए., और सिन्हा, पी.के. (2017, दिसंबर 18-21). उपभोक्ता व्यवहार पर सामाजिक प्रथाओं का प्रभाव उपभोक्ता शोध में इसके बड़े समामेलन के लिए तर्क देना . यह आधारपत्र भारतीय प्रबंध अकादमी 2017, आईआईएम इंदौर में प्रस्तुत किया गया.

कुरिल, एस., चंद, वी.एस., शुक्ला, के., और गुप्ता, वी. (2018, फरवरी 16-18). क्या प्रेरणा और नवाचार शिक्षकशिक्षकों की संभावित क्षमता उनके नीति उद्यमिता परिणामों को प्रभावित करते हैं? यह आधारपत्र शिक्षा 2018 पर आईएएफ़ओआर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में प्रस्तुत किया गया.

कुरिल, एस., चंद, वी.एस., शुक्ला, के., और गुप्ता, वी. (2018, फरवरी 16-18). स्कूल प्रिंसिपल के नेतृत्व व्यवहार पर ऑनलाइन व्यवसाय विकास कार्यक्रमों का प्रभाव - यादृच्छिक क्षेत्र परीक्षण से निष्कर्ष. यह आधारपत्र शिक्षा 2018 पर आईएएफ़ओआर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में प्रस्तुत किया गया.

कुरिल, एस., चंद, वी.एस., शुक्ला, के., और गुप्ता, वी. (2018, मार्च 25-29). क्या प्रेरणा और नवाचार शिक्षकशिक्षकों की संभावित क्षमता उनके नीति उद्यमिता परिणामों को प्रभावित करते हैं? यह आधारपत्र तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सोसाइटी (सीआईईएस) 2018, मेक्सिको सिटी में प्रस्तुत किया गया.

कुरिल, एस., चंद, वी.एस., शुक्ला, के., और गुप्ता, वी. (2018, मार्च 25-29). स्कूल प्रिंसिपल के नेतृत्व व्यवहार पर ऑनलाइन व्यावसायी विकास कार्यक्रमों का प्रभाव यादृच्छिक क्षेत्र परीक्षण से निष्कर्ष. यह आधारपत्र तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सोसाइटी (सीआईईएस) 2018, मेक्सिको सिटी में प्रस्तुत किया गया.

लुथुफी, एम., वर्की, बी., और सोहनी, एस.एस. (2017, 14-16 दिसंबर). भारत में टेलीविजन समाचार पत्रकारों के कामकाजी जीवन की गुणवत्ता . 5वें अखिल आईआईएम विश्व प्रबंधन सम्मेलन, आईआईएम लखनऊ में प्रस्तुत आधारपत्र.

लुथुफी, एम., वर्की, बी., और सोहनी, एस.एस. (2017, 17-20 दिसंबर). डिजिटल न्यूज़रू म परिवर्तन के इस युग में टीवी पत्रकारों की धारणा और एचआरएम के बारे में उम्मीद एक गुणात्मक जाँच. यह आधारपत्र 5वें द्विवार्षिक भारतीय प्रबंधन अकादमी 2017 सम्मेलन, इंदौर में प्रस्तुत किया गया.

माथुर, ए.एन., और मटिला, एस. (2017, जुलाई 6-8). सबके भले के लिए? लोगों के बारे में निर्णय में संगठनात्मक प्रक्रियाओं की गोपनीयता. यह आधारपत्र 33वें ईजीओएस कोलोक्वियम, कोपेनहेगन में प्रस्तुत किया गया.

माथुर, ए.एन., और मटिला, एस. (2017, 20 अक्टूबर). शुरूआत से पहले और अंत के बाद . टेविस्टॉक 70वीं वर्षगांठ स्मारक समारोह, लंदन में प्रस्तुत आधारपत्र.

माथुर, ए.एन. (2017, 3-9 जुलाई). साधारण दृष्टि में छिपे डिजाइन रहस्य हमारे भीतर की दुनिया के अंदर बाहरी रिक्त स्थान के पैटर्न से अनुनाद की खोज. यह आधारपत्र आईएसपीएसओ 34वीं वार्षिक बैठक, कोपेनहेगन में प्रस्तुत किया गया.

माथुर, ए.एन. (2018, जनवरी 15-17). सीखने के तरीकों के डिजिटलीकरण में प्रचंड समस्याएँ. फ्यूचर ऑफ लर्निंग कॉन्फ्रेंस, आईआईएम बैंगलुरू में प्रस्तुत आधारपत्र.

माथुर, एन., और मित्तल, एच. (2017, अक्टूबर 9-11). भारत की शहरी नीति में नवउदार शासन गुजरात के परिदृश्य में समकालीन परिवर्तन. नवउदार भारत में आधारभूत प्रश्नों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान, शिमला में प्रस्तुत आधारपत्र.

मेंडोंज़ा, ए., डीक्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (2017, 13 जून). सौंदर्य सेवा के काम में ग्राहक से दुर्व्यवहार. यह आधारपत्र कार्यालय में बदमाशी और उपद्रव करने पर भारतीय परिप्रेक्ष्य, आईआईएम अहमदाबाद में प्रस्तुत किया.

मिश्रा, एन., डीक्रूज़, पी., और नोरोन्हा, ई. (2017, 13 जून). वैयक्तिकरणकृत धमकाने में प्रतिरोध. यह आधारपत्र कार्यालय में बदमाशी और उपद्रव करने पर भारतीय परिप्रेक्ष्य, आईआईएम अहमदाबाद में प्रस्तुत किया.

मित्तल, एच. (2017, जून 28-30). स्मार्ट शहरों के मिशन में शासन प्रभाव को समझना. सार्वजनिक नीति (आईसीपीपी-3) पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत आधारपत्र. एनयूएस, सिंगापुर.

मित्तल, एच., और मौन, डी., और माथुर, एन. (2017, जून 28-30). नवउदारवाद, खेल और बचपन शहरी भारत में सार्वजनिक स्थानों पर राजनीति . सार्वजनिक नीति पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एनयूएस, सिंगापुर में प्रस्तुत आधारपत्र.

मुखर्जी, डी. (2017, जुलाई 21-23). समावेशी शिक्षा भारत में निरंतर और व्यापक मूल्यांकन लागू करना. यह आधारपत्र 2017 आईएबीआर / अकादमिक ओएएसआईएस पेरिस अंतरराष्ट्रीय अकादमिक सम्मेलन, पेरिस, फ्रांस में प्रस्तुत किया गया.

मुखर्जी, डी., दास, ए., और गर्ग, ए. (2017, जनवरी 18-19). फर्मों के कॉर्पोरेट सामाजिक प्रदर्शन पर राष्ट्रीय संस्थागत प्रभाव. आईसीसीएसआरएसडी 2018 कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व एवं स्थिर विकास पर 20वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, लंदन, यूके में प्रस्तुत आधारपत्र.

मुखर्जी, डी., दास, ए., और गर्ग, ए. (2018, जनवरी 23-24). फर्मों के कॉर्पोरेट सामाजिक प्रदर्शन पर राष्ट्रीय संस्थागत प्रभाव. एसआरओआई प्रैक्टिशनर ट्रेनिंग 2018, लंदन, यूके में प्रस्तुत आधारपत्र.

नागर, एन. (2017, दिसंबर 18-19). (चर्चाकर्ता) 11वें आईएसबी लेखाकरण शोध सम्मेलन, हैदराबाद में प्रस्तुत.

नायर, एन., और वोहरा, एन. (2017, जुलाई 3-5). संगठनात्मक व्यवहार का काला पक्ष . (स्ट्रीम समन्वयक) गंभीर प्रबंधन अध्ययन 2017, लिवरपूल.

नारायणन, पी., गोपालकृष्णन, बी., और सहाय, ए. (2017, जून 28-30). एक परिवर्तनीय नीति के रूप में भारत में स्वर्ण का मुद्रीकरण एक मिश्रित विधि विश्लेषण . सार्वजनिक नीति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ली कुआन य्यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, सिंगापुर में प्रस्तुत आधारपत्र.

नारायणन, पी., गोपालकृष्णन, बी., और सहाय, ए. (2018, 12 जनवरी). एक परिवर्तनीय नीति के रूप में भारत में स्वर्ण का मुद्रीकरण एक मिश्रित विधि विश्लेषण. स्वर्ण और स्वर्ण बाजार पर सम्मेलन, आईआईएम अहमदाबाद में प्रस्तुत आधारपत्र.

नारायणस्वामी, एस. (2017, मई 18-19). कार्यबल भागीदारी में वृद्धि ज्ञान और योग्यता मानचित्रण. आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन पर तीसरा विश्व सम्मेलन 2017, कोलंबो, श्रीलंका.

परिशिष्ट जारी

झ

नारायणस्वामी, एस. (2017, 3 जुलाई). बुद्धियुक्त परिवहन प्रणाली पहलुएँ और संभावनाएँ . शहरी परिवहन प्रणाली पर संगोष्ठी, भारतीय राष्ट्रीय रेल अकादमी, वडोदरा में प्रस्तुत आधारपत्र.

नारायणस्वामी, एस. (2017, 5-7 सितंबर). वृद्धि माँगों के दौरान गतिशील मूल्य निर्धारण शहरी कैब एकीकरणकर्ता. यह आधारपत्र शहरी परिवहन और पर्यावरण पर 23वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, रोम, इटली में प्रस्तुत किया गया.

नारायणस्वामी, एस. (2017, अक्टूबर 22-25). पटरियों पर भोजन भारतीय रेलवे खानपान सेवाएँ. यह आधारपत्र आईएनएफ़ओआरएमएस वार्षिक बैठक, ह्यूस्टन, टेक्सास, अमेरिका में प्रस्तुत किया गया.

नोरोन्हा, ई., और डीक्रूज़, पी. (2017, जुलाई 3-5). ऑनलाइन श्रम बाजारों में उचित काम की कमी फ्रीलांसरों की नकार को सशक्तिकरण माना जाता है. उचित काम का विनियमन, जुलाई 2017, जिनेवा में प्रस्तुत किया गया आधारपत्र.

नोरोन्हा, ई., और डीक्रूज़, पी. (2017, जुलाई 3-5). अदृश्य काम और अदृश्य श्रमिक अहमदाबाद में कचरा उठानेवाले. ऑनलाइन श्रम बाजारों में उचित कार्य घाटा फ्रीलांसरों की नकार का सशक्तिकरण, आईएलओ, जिनेवा में प्रस्तुत आधारपत्र.

नोरोन्हा, ई., और डीक्रूज़, पी. (2017, अगस्त 16-18). अदृश्य काम और अदृश्य श्रमिक अहमदाबाद में कचरा उठानेवाले अंतरराष्ट्रीय दृश्य तरीके सम्मेलन, सिंगापुर में प्रस्तुत आधारपत्र.

नोरोन्हा, ई., और डीक्रूज़, पी. (2017, अक्टूबर 4-6). कर्मचारी पहचान और आयोजन रणनीतियाँ भारतीय आईटी उद्योग का केस. यह आधारपत्र जेएनयू, दिल्ली में 12वें वैश्विक श्रम विश्वविद्यालय सम्मेलन में पुनर्जन्म या नवउदारवाद की मौत? पर प्रस्तुत किया गया.

नोरोन्हा, ई., और डीक्रूज़, पी. (2017, दिसंबर 6-8). वैश्विक कानूनी नेटवर्क के दो पक्ष भारतीय वकीलों के अनुभव. वैश्विक उत्पादन पर सम्मेलन, एनयूएस, सिंगापुर में प्रस्तुत आधारपत्र.

नोरोन्हा, ई., और डीक्रूज़, पी. (2018, फरवरी 1-3). वैश्विक मूल्य श्रृंखला और भारतीय आईटी क्षेत्र . वैश्विक मूल्य श्रृंखला आर्थिक एवं सामाजिक उन्नयन पर कार्यशाला, बर्लिन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड लॉ, जर्मनी में प्रस्तुत आधारपत्र.

परिदा, बी. (2017, जून 7-10). कैदी बनाम गैरकैदी ग्राहक खरीद पश्र्चात् व्यवहार और संतुष्टि के वाहक . यह आधारपत्र 39वें वार्षिक विपणन विज्ञान सम्मेलन (आईएनएफ़ओआरएमएस), कैलिफ़ोर्निया, यूएसए में प्रस्तुत किया गया.

पूनावाला, एस., और नागर, एन. (2017, दिसंबर 20-22). वर्गीकरण स्थानांतरण के माध्यम से सकल लाभ की जोड़तोड़ . भारत वित्त सम्मेलन, आईआईएम बैंगलोर में प्रस्तुत आधारपत्र.

पूनावाला, एस., और नागर, एन. (2017, नवंबर 8-10). वर्गीकरण स्थानांतरण के माध्यम से सकल लाभ की जोड़तोड़ . यह आधारपत्र एसीए अनुसंधान संगोष्ठी, सेंट गैलेन विश्वविद्यालय, सेंट गैलेन, स्विट्ज़रलैंड में प्रस्तुत किया गया.

राज, पी., और रंगनाथन, के. (2017, अक्टूबर 22-24). मोबाइल तदर्थ नेटवर्क में समुदाय आधारित डेटा साझा करने के लिए एक गेम सैद्धांतिक दृष्टिकोण . यह आधारपत्र आईसीटीसीई 2017, जापान में प्रस्तुत किया गया.

राजन, बी., और रविचंद्रन, एन. (2017, अक्टूबर 22-25). असेंबली लाइन डिजाइन सीखने के अवसर. वार्षिक बैठक 2017, ह्यूस्ट न में प्रस्तुत किया गया आधारपत्र.

राजन, बी., और रविचंद्रन, एन. (2017, अक्टूबर 22-25). भारतीय रेलवे में लिनन के प्रबंधन में संचालन अनुसंधान. वार्षिक बैठक 2017, ह्यूस्टन में प्रस्तुत किया गया आधारपत्र.

राम मोहन, एम.पी. (2017, नवंबर 13-15). अदालतों द्वारा जोखिम निर्णय भारत में कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना का मामला. यह आधारपत्र जोखिम आकलन और प्रबंधन (एएसआरएएम 2017) पर एशियाई संगोष्ठी, योकोहामा, जापान में प्रस्तुत किया गया.

राम मोहन, एम.पी. (2017, नवंबर, 13-15). भारतीय परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में संभाव्य जोखिम मूल्यांकन. यह आधारपत्र जोखिम आकलन और प्रबंधन (एएसआरएएम-2017) पर एशियाई संगोष्ठी, योकोहामा, जापान में प्रस्तुत किया गया.

रामपाल, जे. (2017, 19 दिसंबर). सीमित दूरदर्शिता संतुलन . यह आधारपत्र आर्थिक वृद्धि एवं विकास पर 13वें वार्षिक सम्मेलन, आईएसआई, नई दिल्ली में प्रस्तुत किया गया.

रामपाल, जे. (2017, 14 जून). सीमित दूरदर्शिता संतुलन . बार्सिलोना ग्रेजुएट स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स ग्रीष्मकालीन फोरम, यूनिवर्सिटीट पॉम्पउ फ़ाबरा, बार्सिलोना में प्रस्तुत आधारपत्र.

रविचंद्रन, एन. (2017, दिसंबर 14-16). डिजिटल इंडिया पर विशेष सत्र ईपीएफ़ओ केस अध्ययन . 5वें अखिल आईआईएम सम्मेलन, आईआईएम लखनऊ में प्रस्तुत आधारपत्र.

रविचंद्रन, एन. (2017, दिसंबर 18-20). पंचतंत्र से प्रबंधकों के लिए सबक. यह आधारपत्र 5वें द्विवार्षिक सम्मेलन (भारतीय प्रबंधन अकादमी), आईआईएम इंदौर में प्रस्तुत किया गया.

परिशिष्ट जारी झ

रविचंद्रन, एन. (2017, दिसंबर 21-23). विनिर्माण के माध्यम से प्रतिस्पर्धा केस अध्ययनों से अंतर्दृष्टि . यह आधारपत्र संचालन प्रबंधन सोसाइटी के 21वें वार्षिक सम्मेलन, अहमदाबाद विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में प्रस्तुत किया गया.

रविचंद्रन, एन. (2017, जुलाई 17-21). दुनिया के सबसे बड़े नृत्य महोत्सव का प्रबंधन एक संचालन अनुसंधान परिप्रेक्ष्य पर यह आधारपत्र आईएफ़ओआरएस (इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ ऑपरेशंस रिसर्च सोसाइटीज), क्यूबेक में प्रस्तुत किया गया.

रविचंद्रन, एन. (2018, 17 फरवरी). सहसमन्वयक नवप्रवर्तन और परिवर्तन प्रबंधन (नवप्रवर्तन पर 23वाँ एएमए सम्मेलन), एएमए अहमदाबाद.

रविचंद्रन, एन. (2018, फरवरी 23-24). पंचतंत्र से सबक पर कार्यशाला . यह आधारपत्र राष्ट्रीय युवा सम्मेलन 2018 (9वाँ संस्करण), ईडीआई, अहमदाबाद में प्रस्तुत किया गया.

सलूजा, डी. (2017, अक्टूबर 29-30). यूएचसी की ओर भारत के प्रयास में सीएचडब्लू की भूमिका भारत के राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम के कार्यान्वयन से साक्ष्य . यह आधारपत्र वैश्विक स्वास्थ्य पर आयोजित 23वें कनाडाई सम्मेलन, ओटावा, कनाडा में प्रस्तुत किया गया.

सराफ, ए. (2017, नवंबर 16-18). कहानी सुधार और शिक्षा सुधार स्केलिंग . यह आधारपत्र जम्मू विश्वविद्यालय में प्रस्तुत किया गया.

सौरभ, एस., और जैकब, जे. (2017, अप्रैल 8-9). बाजार की अखंडता और शेयर पुनर्खरीद . यह आधारपत्र उन्नत डेटा विश्लेषण, व्यापार विश्लेषिकी और आसूचना पर आयोजित 5वें आईआईएमए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, अहमदाबाद, भारत में प्रस्तुत किया गया.

सौरभ, एस., और जैकब, जे. (2017, 7-8 जुलाई). बाजार की अखंडता और शेयर पुनर्खरीद . यह आधारपत्र वित्तीय बाजार और कोरपोरेट वित्त पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, ख़ड़गपुर, भारत में प्रस्तुत किया गया.

सेन, एस. (2017, 27 दिसंबर). भारतीय न्यायपालिका कैद में न्यायिक उत्पादकता के लिए एक एकीकृत एएचपीटोप्सिस दृष्टि कोण. यह आधारपत्र 11वें आईएसडीएसआई सम्मेलन, आईआईएम त्रिची में प्रस्तुत किया गया.

सेन, एस. (2017, नवंबर 18-19). भारतीय न्यायपालिका कैद में न्यायिक उत्पादकता के लिए एक एकीकृत एएचपीटोप्सिस दृष्टि कोण. यह आधारपत्र कानून और अर्थशास्त्र पर आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईएम अहमदाबाद में प्रस्तुत किया गया.

सेन, एस. (2017, अक्टूबर 5-6). भारत में संपत्ति कराधान मुद्दे और उपचार. यह आधारपत्र विकास एवं स्थिरता के लिए नवप्रवर्तन पर आयोजित दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन, नवरचना विश्वविद्यालय, वडोदरा में प्रस्तुत किया गया.

सेन, एस. (2018, जनवरी 13-14). सभी के लिए शिक्षा इरादे बनाम वास्तविकता. यह आधारपत्र स्थायित्व और व्यापार पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईएम कलकत्ता में प्रस्तुत किया गया.

सेन, और गर्ग, ए. (2017, दिसंबर 18-20). केंद्रीय वेतन आयोग और लोक प्रशासन में सुधार सिफारिशों से कार्यान्वयन तक. यह आधारपत्र आईआईएम इंदौर के 5वें भारतीय प्रबंधन अकादमी सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया.

शाह, ए. (2017, जुलाई 12-14). शहरी रूप और शहरी गर्मी द्वीप प्रभाव को जोड़ना . यह आधारपत्र इकोसिटी वर्ल्ड समिट 2017, मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलिया में प्रस्तुत किया गया.

सिंह, एस. (2018, मार्च 15-16). भारत में चौथी औद्योगिक क्रांति और कृषि व्यवसाय क्षेत्र भविष्य के लिए तैयारी . यह आधारपत्र चौथी औद्योगिक क्रांति के युग में नवप्रवर्तन, ज्ञान संचय तथा विकास पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब में प्रस्तुत किया गया.

सिंह, एस. (2018, 10 मार्च). पंजाब में कृषि संकट और किसान / खेतीहर मजदूरों की आत्महत्या संकट की प्रकृति और आगे का पथ . यह आधारपत्र (विदाई भाषण) कृषि संकट और पंजाब में किसानों की आत्महत्या सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और पर्यावरण दृष्टिकोण पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, पंजाबी विश्वविद्यालय कॉलेज, मूनक, पंजाब में प्रस्तुत किया गया.

सिन्हा, पी. (2018, जनवरी 15-17). क्या वेब एक्सेसिबिलिटी एक नया डिजिटल विभाजन बना रही है? भारत में शीर्ष प्रबंध संस्थानों की वेबसाइटों का एक अध्ययन. यह आधारपत्र संचार, कंप्यूटिंग, स्टोरेज तथा ऊर्जा (आईसी3एसइर्-8) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पुणे, भारत में प्रस्तुत किया गया.

सिन्हा, पी. (2018, मार्च 26-27). भारत में सरकारी पर्यटन वेबसाइटों का वेब अभिगम्यता विश्लेषण. यह आधारपत्र हर बात में इंटरनेट और कनेक्टेड टेक्नोलॉजीज (आईसीआईओटीसीटी 2018) विषय पर आयोजित तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, जयपुर, भारत में प्रस्तुत किया गया.

श्रीनिवासन, एस. (2017, जून 27-30). व्यावसायिक व्यवहार होने की प्रवृत्ति सार्वजनिक नीति नजर से सड़कस्तर के नौकरशाहों के प्रदर्शन को समझना. यह आधारपत्र आईसीपीपी-3 ली कुआन यू स्कूल ऑफ पब्लिक पॉलिसी, सिंगापुर में प्रस्तुत किया गया.

परिशिष्ट जारी झ

श्रीनिवासन, एस. (2017, 30-31 मार्च). व्यावसायिक व्यवहार होने की प्रवृत्ति सार्वजनिक नीति नजर से सड़कस्तर के नौकरशाहों के प्रदर्शन को समझना . यह आधारपत्र नद्जेथॉन 2017, वारविक स्कूल ऑफ बिजनेस, यूके में प्रस्तुत किया गया.

टंडन, ए. (2017, दिसंबर 8-9). कोहेलो ! स्वास्थ्य देखभाल उद्योग में अर्थव्यवस्था निर्धारकों को साझा करना . व्यवसाय, शासन और सामाजिक मूल्यों में प्रवाह यह आधारपत्र संघर्ष और चुनौतियाँ, 2017 विषय पर आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, अंतर्राष्ट्रीय प्रबंध संस्थान (आईएमआई), भुवनेश्वर में प्रस्तुत किया गया.

टंडन, ए. (2018, जनवरी 19-25). स्पेक्ट्रम शेयरिंग पर सामरिक प्रबंधन सिद्धांत भारतीय स्पेक्ट्रम बाजार का केस . यह आधारपत्र पीटीसी18, हवाई में प्रस्तुत किया गया.

टंडन, ए., गुप्ता, वी., और गुहा, ए. (2017, 14-16 नवंबर). ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर अभिग्रहण का व्यवहार भारत में सामाजिक विज्ञान शोधकर्ताओं का एक अनुभवजन्य अध्ययन . यह आधारपत्र 5वें अखिलआईआईएम विश्व प्रबंधन सम्मेलन, लखनऊ में प्रस्तुत किया गया.

तुम्बे, सी. (2017, 14 जुलाई). मौखिक इतिहास के साथ मेरे प्रयोग. यह आधारपत्र मुंबई में मौखिक इतिहास, व्यवसाय इतिहास एवं व्यवसाय अभिलेखागार में प्रस्तुत किया गया.

तुम्बे, सी. (2017, 5 दिसंबर). भारत में व्यापार इतिहास . यह आधारपत्र आईसीए, गोदरेज, मुंबई के बिजनेस आर्काइव्स (एसबीए) की शाखा में वार्षिक सम्मेलन 2017 में प्रस्तुत किया गया.

वर्की बी., कॉर्डे, आर., और परीख, डी. (2017, जुलाई 3-5). भारतीय श्रम बाजार और महिलाओं की स्थिति भारतीय औपचारिक क्षेत्र में लिंग वेतन अंतर . यह आधारपत्र नौकरी का भविष्य विषय पर आयोजित, आईएलओ जिनेवा में प्रस्तुत किया गया.

वर्की बी., कॉर्डे, आर., और वाधवानिया, एस. (2017, दिसंबर 16-18). भारत में न्यूनतम मजदूरी कृषि एमडब्लू और मनरेगा योजना के संबंध में नीति, अभ्यास और कार्यान्वयन अंतर का विश्लेषण . यह आधारपत्र भारतीय श्रम अर्थशास्त्र सोसाइटी (आईएसएलई), टीवीएम, तिरुवनंतपुरम, केरल के 59वें वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया.

वर्की बी., कॉर्डे, आर., और वाधवानिया, एस. (2017, दिसंबर 17-18). भारत में एमडब्लू के उचित काम और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने में एमजीएनआरईजीएस की भूमिका. यह आधारपत्र अंतर्राष्ट्रीय लेखांकन, वित्त, अर्थशास्त्र और बैंकिंग सम्मेलन, पुणे, भारत में प्रस्तुत किया गया.

वर्की बी., कॉर्डे, आर., और वाधवानिया, एस. (2017, नवंबर 18-19). न्यूनतम मजदूरी कानून और लाइटहाउस प्रभाव भारतीय श्रम बाजार से साक्ष्य . यह आधारपत्र कानून और अर्थशास्त्र पर आयोजित तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईआईएम अहमदाबाद में प्रस्तुत किया गया.

वर्की बी., कॉर्डे, आर., और वाधवानिया, एस. (2017, 1 सितंबर). न्यूनतम मजदूरी और मजदूरी संकेतक फाउंडेशन की भूमिका. यह आधारपत्र एआईएएस वार्षिक सम्मेलन वैश्विक परिप्रेक्ष्य में मजदूरी, एम्स्टर्डम में प्रस्तुत किया गया.

विजयालक्ष्मी, ए., लिन, एम.एच., और कॉर्ड्रोस्टामी, एम. (2017, मई 23-26). स्पर्श की सनसनी मुझे बेहतर महसूस करती है पीएसए विज्ञापनों के लिए मारक औषध के रूप में स्पर्श. यह आधारपत्र यूरोपीय विपणन एसोसिएशन सम्मेलन, ग्रोनिंगेन, नीदरलैंड्स में प्रस्तुत किया गया.

विजयालक्ष्मी, ए., लिन, एम.एच., और कॉर्ड्रोस्टामी, एम. (2017, अक्टूबर 26-29). पीएसए विज्ञापनों की प्रतिक्रियाओं पर कथित तापमान का प्रभाव . यह आधारपत्र उपभोक्ता अनुसंधान एसोसिएशन वार्षिक सम्मेलन, सैन डिएगो, यूएसए में प्रस्तुत किया गया.

विश्वनाथन, एस.एस., और गर्ग, ए., और अवशिया, वी. (2017, नवंबर 20-24). भारत में विद्युत उत्पादन कोयले आधारित संयंत्रों को खत्म करने के लिए चुनौतियाँ और रणनीतियाँ. यह आधारपत्र पर्यावरणीय एशिया सम्मेलन, ओस्लो, नॉर्वे में प्रस्तुत किया गया.

यादव, एस.के. (2018, 2-4 जनवरी). गलटनवाटसन शाखा प्रक्रिया के एक संस्करण में गंभीरता और पूर्वजों का वितरण. यह आधारपत्र पीसीएम 125 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सांख्यिकी और संभाव्यता, आईएसआई कोलकाता में प्रस्तुत किया गया.

यादव, एस.के. (2017, दिसंबर 27-30). गलटनवाटसन शाखा प्रक्रिया के एक संस्करण में गंभीरता और पूर्वजों का वितरण. यह आधारपत्र सांख्यिकी, हैदराबाद पर आईआईएसए 2017 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति में प्रस्तुत किया गया.

यादव, एस.के. (2017, 24-28 जुलाई). जनसंख्या में आयु निर्भर संरचना के साथ गलटन वाटसन प्रक्रियाओं में पूर्वजों का वितरण . यह आधारपत्र स्टोकास्टिक प्रक्रियाएँ और उनके अनुप्रयोग विषय पर आयोजित 39वें सम्मेलन, मॉस्को, रू स में प्रस्तुत किया गया.

अ

केस, अनुसंधान, और परामर्श

वर्ष	पूर्ण हुए केस (संचयी)	पूर्ण हुई अनुसंधान परियोजनाएँ (संचयी)	पूर्ण हुई परामर्श परियोजनाएँ (संचयी)
2008-09	3037	749	2272
2009-10	3050	791	2405
2010-11	3062	792	2510
2011-12	3068	793	2634
2012-13	3080	797	2708
2013-14	3169	814	2823
2014-15	3210	889	3356
2015-16	3849	889	3438
2016-17	3891	894	3492
2017-18	3918	901	3528

ट

भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र

Post GST, Customs duty on gold should go or be reduced substantially: Arvind Sahay

Arvind Sahay — professor of marketing and international business at the Indian Institute of Management, Ahmedabad puts forth his thoughts on the way the potentially volatile issue can be handled.

By: Jyotsna Bhatnagar | Published: May 31, 2017 5:39 AM

15 SHARES

The GST Council will meet in Ahmedabad on June 3 to ... including gold.

The Hindu Business Line, Ahmedabad, 13 January 2018, p. 16

Gold imports may drop to 650 tonnes this fiscal

Investors' shift to other asset classes reason for the dip

GOLD IMPORTS

Year	Imports tonne	Avg price $/oz	Exch rate ₹
2013-14	665	1,411	60.77
2014-15	915	1,266	61.27
2015-16	968	1,160	65.68
2016-17*	660	1,250	66.90
2017-18*	650	1,257	64.40

Source: IIB, Kitco, Market estimates *Estimated

Embedding 'OECD Due Diligence Guidelines for Responsible Supply Chains of Minerals in India's Gold ecosystem'-Policy Perspective

...ssor Arvind Sahay, Head, India Gold Policy Centre, IIMA

Ruchi Agarwal, Manager, IGPC, IIMA

www.bullionbulletin.in

Relevance and Impact of Global Gold Policies on India's Gold Industry

Ruchi Agarwal, Manager India Gold Policy Centre (IGPC), IIMA

Times of India, 16 May 2017, p. 1

Post-2008, emerging markets go for gold

Only A Modest Rise In Reserves In India: Study

Times News Network

IN RESERVE

Fool'sGOLD

For gold monetisation schemes, poor marketing is a smaller problem than poor structure

THE INDIA GOLD Policy Centre, housed at the Indian Institute of Management, Ahmedabad, says poor marketing by the government was the reason behind the lack-lustre performance of the gold monetisation and gold coin schemes. The schemes were launched in November 2015 to capture that part of gold bought for investment purposes, and thereby cause a reduction in demand for physical holdings. But after poor response, the government significantly scaled back its target for gold bonds this year. The IIM-A centre surveyed 1,000 individuals and found that just five knew about the government-sponsored gold schemes. While poor awareness is a problem, the larger one is that the scheme continues to be unattractive in many ways, and this is a problem even a marketing blitzkrieg can't solve.

Even though there was a 2.75% interest on the bonds in the first five tranches of issue and 2.5% in the subsequent two, sovereign gold bonds are handicapped by the fact they are, as structured at present, not liquid in the manner physical holdings are. The ease of holding gold, and anonymously, will fade with the limits on cash payments and inclusion of gold in GST, but the bonds scheme remains stilted in comparison. It is difficult to get investors interested given there is an eight-year lock-in—premature redemption is permitted from the fifth year, but intent to redeem has to be notified a month before actual redemption. This means paper gold can't be sold in emergencies like physical gold often is. Besides, though these are tradeable if held in the demat form, given there is almost no secondary market at the moment, bond-buyers are stuck with these till they get them redeemed. And then, purchase/redemption is not at spot-price—price is fixed on the basis of the average of the past five days. This means the seller can't capture the gains from a sudden price-rise. With their sheen thus dulled, it is unlikely greater awareness can do the schemes much good.

ठ

वैश्विक रैंकिंग्स

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग्स : फ़ाइनेंसियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2017 (मुक्त कार्यक्रम)

FT.com FINANCIAL TIMES

Executive Education - Open - 2017

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

2017	2016	3-year average	School	Country
1	1	1	IMD	Switzerland / Singapore
2	2	2	Iese Business School	Spain
3	3	3	Harvard Business School	US
4	9	8	University of Oxford: Said	UK
5	4	7	University of Virginia: Darden	US
6	6	6	Center for Creative Leadership	Americas / APAC / EMEA
7	11	8	Insead	France / Singapore / UAE
8	13	11	ESMT Berlin	Germany
9	5	8	University of Michigan: Ross	US
10	12	13	London Business School	UK
11	7	8	Esade Business School	Spain
12	8	7	HEC Paris	France
13	15	14	Stanford Graduate School of Business	US
14	17	18	University of Pennsylvania: Wharton	US
15	10	12	Fundação Dom Cabral	Brazil
16	20	18	University of Toronto: Rotman	Canada
17	24	20	Columbia Business School	US
18	16	20	MIT: Sloan	US
19	14	13	University of Chicago: Booth	US / UK / Singapore
20	18	23	UCLA: Anderson	US
21	22	22	Ceibs	China
22	27	26	IE Business School	Spain
23	22	26	Henley Business School	UK
24	18	19	Essec Business School	France / Singapore
25	32	36	University of Cambridge: Judge	UK
26	25	24	Western University: Ivey	Canada / China
27	28	28	ESCP Europe	France / UK / Germany / Spain / Italy
28	38	31	University of St Gallen	Switzerland
29	31	32	Stockholm School of Economics	Sweden / Russia / Latvia
29	35	42	Boston University: Questrom	US
31	30	29	Thunderbird School of Global Management at ASU	US
32	-	-	Shanghai Jiao Tong University: Antai	China
33	39	37	SDA Bocconi	Italy
34	26	29	Queen's University: Smith	Canada
35	21	25	Kaist College of Business	South Korea
36	40	39	Incae Business School	Costa Rica / Nicaragua
37	29	33	Vlerick Business School	Belgium
38	-	-	Peking University: Guanghua	China
39	34	35	Cranfield School of Management	UK
39	52	53	Ipade Business School	Mexico
41	48	46	Edhec Business School	France
42	37	41	Aalto University	Finland / Singapore
43	36	38	Ashridge Executive Education at Hult	UK
44	42	41	Católica Lisbon School of Business and Economics	Portugal
44	46	44	University of British Columbia: Sauder	Canada
46	49	47	AGSM at UNSW Business School	Australia
47	44	49	Eada Business School Barcelona	Spain
48	69	-	University College Dublin: Smurfit	Ireland
48	32	38	York University: Schulich	Canada
48	44	48	NHH	Norway
48	50	50	Nyenrode Business Universiteit	Netherlands
52	46	49	University of Pretoria, Gibs	South Africa
53	41	46	Melbourne Business School	Australia
54	54	51	Insper	Brazil
55	43	46	EMLyon Business School	France
56	53	58	National University of Singapore Business School	Singapore
57	63	60	Nova School of Business and Economics	Portugal
58	72	-	Rotterdam School of Management, Erasmus University	Netherlands
59	51	50	Universidad de los Andes	Colombia
60	59	61	University of Alberta	Canada
61	62	60	USB Executive Development	South Africa
62	66	66	Tias Business School	Netherlands
63	56	59	Grenoble Ecole de Management	France
64	57	58	Indian Institute of Management Bangalore	India
65	65	64	Solvay Brussels School of Economics and Management	Belgium
66	67	-	Indian Institute of Management Ahmedabad	India
67	61	61	IAE Business School	Argentina

परिशिष्ट जारी ठ

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग्स : फ़ाइनेंसियल टाइम्स कार्यकारी शिक्षा रैंकिंग 2017 (अनुकूलित कार्यक्रम)

FT.com FINANCIAL TIMES **Executive Education - Customised - 2017**

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

2017	2016	3-year average	School	Country
1	1	1	Iese Business School	Spain
2	4	4	IMD	Switzerland / Singapore
3	3	3	Duke Corporate Education	US / UK / South Africa
4	6	6	SDA Bocconi	Italy
5	14	12	Harvard Business School	US
6	5	5	London Business School	UK
7	2	4	HEC Paris	France
8	9	11	Shanghai Jiao Tong University: Antai	China
9	8	9	Insead	France / Singapore / UAE
10	7	8	Center for Creative Leadership	Americas / APAC / EMEA
11	20	19	ESMT Berlin	Germany
12	13	11	University of North Carolina: Kenan-Flagler	US
13	16	-	Stanford Graduate School of Business	US
14	12	14	National University of Singapore Business School	Singapore
15	-	-	Georgetown University: McDonough	US
16	28	26	Fundação Dom Cabral	Brazil
17	15	19	Essec Business School	France / Singapore
18	11	11	Mannheim Business School	Germany
19	20	17	Ipade Business School	Mexico
20	26	26	University of Michigan: Ross	US
21	10	14	Cranfield School of Management	UK
22	29	23	Edhec Business School	France
23	19	21	Ashridge Executive Education at Hult	UK
24	27	26	ESCP Europe	France / UK / Germany / Spain / Italy
25	32	32	Incae Business School	Costa Rica / Nicaragua
26	17	20	MIT: Sloan	US
26	23	24	University of Oxford: Saïd	UK
28	31	32	Universidad de los Andes	Colombia
29	18	20	Esade Business School	Spain
30	-	-	Emory University: Goizueta	US
31	40	36	University of Virginia: Darden	US
32	24	25	Thunderbird School of Global Management at ASU	US
33	33	36	Vlerick Business School	Belgium
34	22	23	University of Chicago: Booth	US / UK / Singapore
35	33	32	Henley Business School	UK
36	45	-	University of Tennessee: Haslam	US
36	25	28	Babson Executive Education	US
38	30	33	Stockholm School of Economics	Sweden / Russia / Latvia
39	51	-	York University: Schulich	Canada
40	39	42	University of Pennsylvania: Wharton	US
41	45	46	University of Pretoria, Gibs	South Africa
42	37	39	University of St Gallen	Switzerland
43	42	43	Peking University: Guanghua	China
44	42	45	EMLyon Business School	France
45	41	46	Católica Lisbon School of Business and Economics	Portugal
46	36	43	Alliance Manchester Business School	UK
47	35	36	Melbourne Business School	Australia
48	38	40	Ceibs	China
49	58	-	Fundação Getulio Vargas - EAESP	Brazil
50	-	-	Warwick Business School	UK
51	52	51	Insper	Brazil
52	55	58	University of Cambridge: Judge	UK
53	49	49	Western University: Ivey	Canada / China
54	52	57	Irish Management Institute	Ireland
55	61	58	Aalto University	Finland / Singapore
56	47	53	Indian Institute of Management Bangalore	India
57	56	59	BI Norwegian Business School	Norway
58	54	58	Eada Business School Barcelona	Spain
59	48	48	UCLA: Anderson	US
60	-	-	City University: Cass	UK
61	50	51	Columbia Business School	US
62	63	65	Nova School of Business and Economics	Portugal
63	74	73	Indian Institute of Management Ahmedabad	India
64	59	63	Tias Business School	Netherlands

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग्स : फ़ाइनेंसियल टाइम्स प्रबंधन मास्टर्स रैंकिंग 2017

FT.com
FINANCIAL TIMES

Masters in Management 2017

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

2017	2016	School name	Country	Programme name	Weighted salary (US$)
1	1	University of St Gallen	Switzerland	MA in Strategy and International Management	114,449
2	2	HEC Paris	France	HEC MSc in Management	99,145
3	7	IE Business School	Spain	Master in Management	91,189
4	6	London Business School	UK	Masters in Management	85,262
5	3	Essec Business School	France / Singapore	MSc in Management	89,067
6	4	ESCP Europe	FR / UK / DE / ES / IT	ESCP Europe Master in Management	78,215
7	9	WHU Beisheim	Germany	MSc in Management	106,172
8	9	Esade Business School	Spain	MSc in International Management	74,869
9	-	Cems	See table note	Cems Masters in International Management	76,333
10	11	Università Bocconi	Italy	MSc in International Management	75,423
11	5	Rotterdam School of Management, Erasmus University	Netherlands	MSc in International Management	79,248
12	14	University of Mannheim	Germany	Mannheim Master in Management	93,478
13	8	WU (Vienna University of Economics and Business)	Austria	Master in International Management	71,005
14	20	Imperial College Business School	UK	MSc in Management	66,276
15	22	University College Dublin: Smurfit	Ireland	MSc in International Management	68,905
16	15	Edhec Business School	France	Edhec Master in Management	68,708
17	17	Nova School of Business and Economics	Portugal	International Masters in Management	56,067
18	38	City University: Cass	UK	MSc in Management	71,201
19	30	HEC Lausanne	Switzerland	MSc in Management	74,710
20	21	HHL Leipzig Graduate School of Management	Germany	MSc in Management	99,047
21	16	Indian Institute of Management Ahmedabad	India	Post Graduate Programme in Management	116,476

परिशिष्ट जारी ठ

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग्स : फ़ाइनेंसियल टाइम्स वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2018

FT.com FINANCIAL TIMES **Global MBA Ranking 2018**

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

Rank in 2018	3 year average rank	School name	Country	Weighted salary (US$)	Salary percentage increase
1	3	Stanford Graduate School of Business	US	214,742	114
2	1	Insead	France / Singapore	177,157	105
3	3	University of Pennsylvania: Wharton	US	190,826	96
4	4	London Business School	UK	167,897	109
5	4	Harvard Business School	US	192,133	102
6	8	University of Chicago: Booth	US	174,153	118
7	7	Columbia Business School	US	177,680	103
8	12	Ceibs	China	162,858	168
9	10	MIT: Sloan	US	173,095	98
10	10	University of California at Berkeley: Haas	US	176,167	104
11	12	Iese Business School	Spain	148,480	126
12	12	Northwestern University: Kellogg	US	168,608	103
13	9	University of Cambridge: Judge	UK	162,143	100
14	14	HKUST Business School	China	158,119	112
15	16	Yale School of Management	US	166,458	114
16	19	Dartmouth College: Tuck	US	170,706	110
17	25	Cornell University: Johnson	US	161,029	123
18	25	National University of Singapore Business School	Singapore	143,917	134
19	21	Duke University: Fuqua	US	156,876	101
20	20	Esade Business School	Spain	143,542	119
21	19	HEC Paris	France	135,858	105
22	25	Nanyang Business School	Singapore	132,288	125
23	20	New York University: Stern	US	153,182	107
24	19	IMD	Switzerland	156,908	79
25	30	UCLA: Anderson	US	160,487	107
26	23	University of Michigan: Ross	US	153,938	114
27	29	University of Oxford: Saïd	UK	145,537	99
28	28	Indian School of Business	India	148,974	164
29	25	SDA Bocconi	Italy	120,151	117
30	38	Georgetown University: McDonough	US	141,008	113
31	28	Indian Institute of Management Ahmedabad	India	175,801	101

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग्स : क्यूएस वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2018

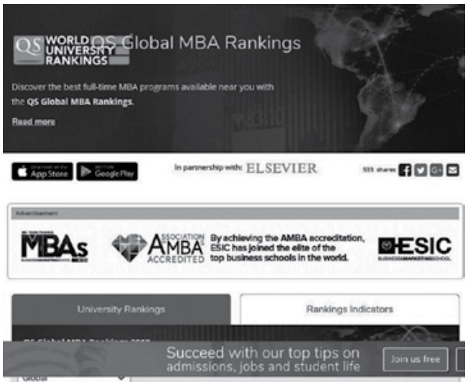

# RANK	UNIVERSITY	CITY
1	Harvard	Boston (MA)
2	INSEAD	Fontainebleau Singapore
3	HEC Paris	Jouy-en-Josas
4	Stanford	Stanford (CA)
5	London Business School	London
6	Penn (Wharton)	Philadelphia (PA)
7	MIT (Sloan)	Cambridge (MA)
8	Columbia	New York (NY)
9	Oxford (Said)	Oxford
10	IE Business School	Madrid
11	UC Berkeley (Haas)	Berkeley (CA)
12	Chicago (Booth)	Chicago (IL)
13	UCLA (Anderson)	Los Angeles (CA)
14	Northwestern (Kellogg)	Evanston (IL)
15	Michigan (Ross)	Ann Arbor (MI)
16	Imperial	London
17	ESADE	Barcelona
18	Yale	New Haven (CT)
=19	Cambridge (Judge)	Cambridge
=19	NYU (Stern)	New York (NY)
21	IMD	Lausanne
22	SDA Bocconi	Milan
23	Duke (Fuqua)	Durham (NC)
24	IESE Business School	Barcelona
25	Erasmus (RSM)	Rotterdam
26	Copenhagen Business School	Copenhagen
27	ESSEC	Paris Singapore
28	CEIBS	Shanghai
29	EDHEC	Nice
30	Texas (McCombs)	Austin (TX)
31	Vlerick	Brussels
32	Boston (Questrom)	Boston (MA)
33	Indiana (Kelley)	Bloomington (IN)
34	Melbourne Business School	Melbourne
35	Carnegie Mellon (Tepper)	Pittsburgh (PA)
36	Cornell (Johnson)	Ithaca (NY)
37	USC (Marshall)	Los Angeles (CA)
38	University of Hong Kong	Hong Kong SAR
39	AGSM at UNSW	Sydney
40	Cranfield	Cranfield
41	Warwick	Coventry
42	NUS	Singapore
43	Toronto (Rotman)	Toronto (ON)
=44	Dartmouth (Tuck)	Hanover (NH)
=44	Mannheim	Mannheim
46	Virginia (Darden)	Charlottesville (VA)
47	Michigan State (Eli Broad)	East Lansing (MI)
48	Western (Ivey)	London (ON)
49	IIM Ahmedabad	Ahmedabad
50	Illinois (Urbana-Champaign)	Champaign (IL)

Ranking 50 of 232 · 1 ... 2 3 4 ... 5 · Results per page: 50

परिशिष्ट जारी ठ

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग्स : क्यूएस प्रबंधन मास्टर्स रैंकिंग 2018

QS World University Rankings: Masters in Management Rankings 2018

Discover the best masters programs in management with the **QS World University Rankings: Masters in Management Rankings 2018.**

Read more

In partnership with: ELSEVIER

Advertisement
EDHEC BUSINESS SCHOOL #1 MASTER IN FINANCE*
*Financial Times Ranking 2017

University Rankings | Rankings Indicators

QS Management Masters Rankings

Choose a subject: Masters in Management

# RANK	UNIVERSITY	CITY	LOCATION
1	**HEC Paris** MSc Strategic Management	Jouy-en-Josas	
2	**London Business School** Masters in Management	London	
3	**ESADE** MSc in International Management	Barcelona	
4	**ESSEC** Strategy & Management of International Business	Paris Singapore	
5	**Imperial** MSc in Management	London	
6	**IE Business School** Master in Management	Madrid	
7	**London School of Economics** MSc Management and Strategy	London	
8	**CEMS** Master's in International Management	30 cities	
9	**Copenhagen** Master's in International Management	Copenhagen	
10	**St. Gallen** Business Management (MUG)	St. Gallen	
11	**ESCP Europe** Master in Management	Berlin London Madrid Paris Torino Warsaw	
11*	**Bocconi** Master of Science in International Management	Milan	
12	**EMLyon** MSc in Management (Grande Ecole)	Lyon	
13	**Erasmus (RSM)** MSc International Management	Rotterdam	
14	**EDHEC** MSc in Global Business	Lille	
15	**WHU (Otto Beisheim)** Master of Science in Management	Vallendar	
16	**Michigan (Ross)** Master of Management	Ann Arbor (MI)	
17	**WU Vienna** Master in International Management	Vienna	
19	**Duke (Fuqua)** Master of Management Studies	Durham (NC)	
20	**Manchester (Alliance)** MSc International Business & Management	Manchester	
21	**Warwick** MSc International Business	Coventry	
22	**IIM Bangalore** PGP in Management	Bangalore	
23	**IIM Ahmedabad** PGP in Management	Ahmedabad	
24	**University of Sydney Business School** Master of Management	Sydney	
25	**Politecnico di Milano School of Management** Master in Strategic Project Management (European)	Milan	

Ranking 25 of 120 — 1 ... 2 3 4 ... 5 — Results per page: 25

*Notes

ड

पूर्वछात्र शाखा गतिविधियाँ

तारीख	शाखा	आयोजन	उपस्थित पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणी
24 अप्रैल, 2017	चेन्नई	लक्ष्मी नारायण के साथ बातचीत	50	मारुति राज, पीजीपी 2013 और केसी जॉन, पीजीपी 1988 ने चेन्नई शाखा का अपना विवरण प्रस्तुत किया, जिसमें किरण कर्णिक पीजीपी 1968 द्वारा मेजबानी की गई, और कॉगनीजेंट टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस के संस्थापक और उपाध्यक्ष लक्ष्मी नारायणन के साथ 24 अप्रैल, 2017 को बातचीत की गई, जो मद्रास मैनेजमेंट एसोसिएशन के साथ भागीदारी में स्थितिगत और / या परिस्थिति संबंधी कारणों से उत्पन्न मौजूदा संसाधनों के नवप्रवर्तन उपयोगों के बारे में थी।
28 अप्रैल, 2017	सिंगापुर	सिंगापुर गणराज्य के लिए भारत के उच्चायुक्त के साथ कॉकटेल	50	वर्ष के पहले समारोह को महामहिम जावेद अशरफ (पीजीपी 1986) ने संबोधित किया, जो प्रधान मंत्री कार्यालय (पीएमओ) से सिंगापुर चले गए, और जिन्होंने भारत में सत्ता के गलियारे से एक ताजा और आक्रामक अंतर्दृष्टि दी।
6 मई, 2017	भुवनेश्वर	चुनाव	16	नए पदाधिकारियों को सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया। नियमित रूप से त्रैमासिक शाखा बैठकें करने और रामदेवी वीमेन्स में आईआईएम में प्रबंधन शिक्षा विषय पर एक संगोष्ठी करने का निर्णय लिया गया।
13 मई, 2017	जयपुर	सिंक्रोनी 2017	10	जयपुर शाखा ने सिंक्रोनी 2017 का आयोजन किया और उसमें हिस्सा लिया, जिसने नए भर्ती नवांगतुकों को वरिष्ठ छात्रों, पूर्वछात्रों और संकायों के साथ समान रूप से बातचीत करने की अनुमति दी।
13 मई, 2017	मुंबई	सिंक्रोनी 2017	160	सिंक्रोनी का यह हिस्सा युवा जोश से भरपूर सबसे अच्छा और उत्साही ऊर्जा स्तर का है और यह दुनिया का पता लगाने के लिए उत्साहित है।
26 मई, 2017	सिंगापुर	सिंक्रोनी 2017	65अ	सिंक्रोनी समारोह को पब-नाइट और क्विज़ प्रतियोगिता के साथ जोड़ा गया था।
27 मई, 2017	चेन्नई	सिंक्रोनी 2017	120	चेन्नई में आईआईएमए की पूर्वछात्र शाखा ने आईआईएमए के निदेशक आशीष नंदा, राकेश बसंत, डीन पूर्वछात्र और बाहरी संबंध और अजीत मोटवानी, प्रमुख विकास कार्यालय को हेरिटेज कैंपस की बहाली के नेतृत्व में जिम्मेदारी निभाने के लिए सम्मानित किया। उनके साथ जुड़ने में उनकी पूरी ईमानदारी और वास्तविक रुचि, प्रत्येक सफर के साथ स्पष्ट है जिसकी बहुत सराहना की जाती है। निदेशक श्री आशीष नंदा ने कहा कि वे रवि जे. मथाई, सैमुअल पॉल, आई.जी. पटेल और प्रेरणादायक शिक्षकों की कतार में ऐसे दिग्गजों के कंधों

परिशिष्ट जारी ड

तारीख	शाखा	आयोजन	उपस्थित पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणी
				पर ख़डे होने का मौका पाने के लिए आतुर थे और आईआईएमए में उनकी परख के तहत वे प्रगति प्रक्षेप पथ से खुश थे। वे मातृसंस्था के लिए उपलब्धियों और चुनौतियों का आकलन करने के लिए आगे बढ़े। उनमें संबंध, अनुसंधान, अभ्यास, नीति, पूर्वछात्र, समुदाय, पोषण और विकास हैं। श्री आशीष नंदा ने एक ऐसा मुकाम बनाया और अपने बैच के लिए बड़े रोमांच और प्रसन्नता के साथ बहुत कुछ दिया है।
28 जून, 2017	सिंगापुर	भारत और चीन की भूगर्भीय वास्तविकताएँ	लागू नहीं	प्रथम वक्ता, जावेद अशरफ ने इस क्षेत्र में चीन और भारत के बीच, विशेष रूप से आर्थिक और सैन्य बातचीत की सीमा को शामिल किया। अस्थिर दीर्घकालिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आर्थिक और सैन्य शक्ति का उपयोग कैसे किया जा सकता है, इस बारे में वास्तविक राजनीति पर आकर्षक चर्चा हुई।
1 जुलाई, 2017	चेन्नई	वकील वी बी आर मेनन (पीजीपी 1982) के साथ चर्चा	10	कानून के शासन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सार्वजनिक हित मुकदमे के उपयोग पर वी.बी.आर. मेनन के साथ चर्चा हुई। समाज के लिए अपनी सामान्य-जन सेवा और प्रशासन तथा उत्तरदायित्व में सुधार के लिए पीआईएल के उपयोग के बारे में सदस्यों को प्रबुद्ध करने के लिए चर्चा का यह और अधिक सुगठित हिस्सा रहा।
6 जुलाई, 2017	लंदन	फायरसाइड चैट	40	आईआईएमए पूर्वछात्रों की लंदन शाखा ने 6 जुलाई, 2017 को भारत के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. एस.वाई. कुरैशी के साथ एक फायरसाइड चैट की मेजबानी की। डॉ. कुरैशी ने दुनिया के सबसे बड़े आयोजन भारतीय आम चुनावों की मेजबानी में अविश्वसनीय चुनौतियों का खुलासा किया, और इस देश को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बनाए रखने में क्या बाधा है यह बताया। उन्होंने ब्रिटेन और यूएसए के वैश्विक मामलों और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर अपने विचार व्यक्त किए, और यह भी बताया कि भारत अन्य लोकतंत्रों से कैसे अलग है।
24 जुलाई, 2017	चेन्नई	नेतृत्व व्याख्यान	45	आईआईएमए पूर्वछात्र एसोसिएशन चेन्नई शाखा ने डॉ. गोपीचंद कटरागड्डा, ग्रुप चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर, टाटा सन्स को नवप्रवर्तन के माध्यम से अन्वेषण एक उद्योग परिप्रेक्ष्य पर नेतृत्व व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया।
25 जुलाई, 2017	लंदन	भारत में मानवाधिकारों पर बातचीत	25	संगठन महासचिव सलिल शेट्टी की अगुवाई में पीजीपी 1983 के पत्रकार और लेखक सिडिन वडुकुट (पीजीपी 2005) के बीच चर्चा आयोजित की गई थी। मंच पर दोनों पूर्वछात्रों को छलजाल को हटाते देखा गया। यह समारोह उत्तेजक, मनोरंजक रहा था और अंततः इसने शाम को यादगार बना दिया था। सलिल शेट्टी जैसे पूर्वछात्र चीजों को बेहतर बनाने में मदद कर रहे हैं।

परिशिष्ट जारी

तारीख	शाखा	आयोजन	उपस्थित पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणी
21 अगस्त, 2017	चेन्नई	चर्चा और बुक लॉन्च	40	चेन्नई शाखा ने मद्रास मैनेजमेंट एसोसिएशन के सहयोग से नए उत्पादों के विकास पर एक पैनल चर्चा आयोजित की।
24 अगस्त, 2017	मुंबई	डॉ. शुभा नंदा और प्रोफ़ेसर आशीष नंदा के लिए विदाई समारोह	75	इस कार्यक्रम में पूर्वछात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया जिसमें 50 वर्षों के अनुभवी और कॉर्पोरेट दुनिया के अग्रणी शामिल थे। कल्पेन शुक्ला ने प्रोफ़ेसर आशीष नंदा को अपने करीबी सहयोग के बारे में याद दिलाया। श्री अजीत मोटवानी, प्रमुख विकास कार्यालय ने संस्थान में और दुनिया भर की पूर्वछात्र शाखाओं में उनके सराहनीय योगदान के बारे में बात की।
28 अगस्त, 2017	अहमदाबाद	डॉ. शुभा नंदा और प्रोफ़ेसर आशीष नंदा के लिए विदाई समारोह	40	प्रोफ़ेसर आशीष नंदा ने आईआईएमए पूर्वछात्र एसोसिएशन अहमदाबाद के साथ घनिष्ठ संबंध और नियमित बातचीत को बनाए रखा था। यह सभी के लिए बहुत गर्वपूर्ण और यादगार कार्यक्रम था। प्रोफ़ेसर नंदा ने आईआईएमए में अपने बीते छात्रजीवन की यादें साझा की। डॉ. शुभा नंदा ने भी परिसर की अपनी सुखद यादें साझा की।
लागू नहीं	पुणे	पुणे नगर आयुक्त के साथ मिलन समारोह	30	आईआईएमए पूर्वछात्र एसोसिएशन पुणे शाखा सामान्य मासिक नेटवर्किंग कार्यक्रमों के साथ बाहरी वक्ताओं के सत्र आयोजित करने पर काम कर रही है। एक्सीकॉम द्वारा पुणे नगर आयुक्त श्री कुणाल कुमार के साथ बातचीत का आयोजन एक ऐसा ही कार्यक्रम था। नगर आयुक्त ने पुणे स्मार्ट सिटी परियोजना के बारे में बात की और पूर्वछात्रों ने इन परियोजनाओं में से कुछ को प्रायोजित करके तथा स्वयंसेवकों / अन्य स्वयंसेवकों के प्रबंधन के कार्यक्रम में वास्तविक परिवर्तन देखने के लिए कैसे योगदान दिया उस पर चर्चा की।
13 अक्टूबर, 2017	चेन्नई	सतत वित्तीय प्रणाली	70	चेन्नई शाखा ने सुचारिता मुखर्जी पीजीपी 2001 को आमंत्रित किया, जो यूएनईपी जाँच चुनौतियों पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए भारत में एक सतत वित्तीय प्रणाली का डिजाइन की एक प्रमुख योगदानकर्ता हैं। वे कालीडोफिन की सहसंस्थापक है, जो एक फिनटेक मंच है जो अंतर्निहित और अनुरूप वित्तीय समाधान प्रदान करके अंडर बैंकिंग ग्राहकों को अपने वास्तविक जीवन लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में प्रेरित करता है। आईआईएमए पूर्वछात्र एसोसिएशन चेन्नई शाखा ने चर्चा की मेजबानी के लिए एमएमए के साथ भागीदारी की।

परिशिष्ट जारी

ड

तारीख	शाखा	आयोजन	उपस्थित पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणी
5 नवंबर, 2017	सिंगापुर	चाइनाटाउन वॉक	लागू नहीं	अनु राजू (पीजीपी 1989) ने ऐतिहासिक चाइनाटाउन जिले का गाइड के साथ एक व्यक्तिगत और उपाख्यान वाले एक दौरे आयोजित किया।
8 नवंबर, 2017	दुबई	दुनिया द्वारा आईआईएमए पूर्वछात्रों की बैठक का आयोजन	लागू नहीं	इस कार्यक्रम ने संयुक्त अरब अमीरात में पूर्वछात्रों के लिए एक मंच प्रदान किया, जिससे वे संस्थान में चल रही पहलों के बारे में अद्यतन रहें तथा आईआईएमए के उस समय के कार्यकारी निदेशक प्रोफ़ेसर एर्रोल डिसूजा से मिलने का मौका मिला। इसमें उपस्थित पूर्वछात्र 1981 से 2017 तक के बैचों से थे और साथसाथ विभिन्न एमडीपी कार्यक्रमों के पूर्वछात्र भी थे, जिन्होंने संस्थान के विभिन्न मुद्दों और विकास पर प्रोफ़ेसर डिसूजा के साथ एक आकर्षक और सूचनात्मक चर्चा की थी।
11 नवंबर, 2017	चेन्नई	चेन्नई में अनुगामीपीढ़ी के पूर्वछात्रों के साथ जुड़ना	12	चेन्नई शाखा ने आईआईएमए से हाल ही में स्नातक हुए 2010 तक के सबसे नए बैचों पर ध्यान आकर्षित किया। वरिष्ठ लेखक ने अपने निवास पर एक कनेक्ट कार्यक्रम की मेजबानी की जो कि दूसरे लेखक द्वारा समर्थित था। उन्होंने शाखा गतिविधियों के बारे में अगलीपीढ़ी के पूर्वछात्रों को बताया और उन्हें सहयोग को मजबूत करने के लिए आमंत्रित किया।
16 नवंबर, 2017	चेन्नई	प्रचंड रणनीतियाँ कंपनियाँ जटिल और उलझाने वाले प्रतिस्पर्धियों से कैसे जीतती हैं	100	डॉ. जॉन सी. कैमिलस पीजीपी 1968 स्वर्ण पदक विजेता, सामरिक प्रबंधन के प्रोफ़ेसर डोनाल्ड आर. बीयल, काट्ज़ ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस, पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय ने प्रचंड रणनीतियाँ कंपनियाँ जटिल और उलझाने वाले प्रतिस्पर्धियों से कैसे जीतती हैं पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में आईआईएमए, आईआईटीएम और मद्रास मैनेजमेंट एसोसिएशन के पूर्वछात्र एमएमए सदस्यों ने भाग लिया।
26 नवंबर, 2017	चेन्नई	वृक्षारोपण द्वारा अरासंकझानी झील की बहाली	39	आईआईएमए की पूर्वछात्र एसोसिएशन चेन्नई शाखा ने चेन्नई और उसके आसपास के प्राकृतिक जल निकायों की बहाली को मजबूत करने के लिए भारतीय पर्यावरण फाउंडेशन ईएफ़आई के साथ हाथ मिलाया। आईआईएमए के पूर्वछात्रों और उनके परिवारों ने अरासंकाझानी झील की बहाली के लिए उसके चारों तरफ पेड़ लगाए तथा चेन्नई में पारंपरिक जल निकायों के पारिस्थितिक संरक्षण की एक अनुभवी शिक्षा प्रदान की।

परिशिष्ट जारी **ड**

तारीख	शाखा	आयोजन	उपस्थित पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणी
1 दिसंबर, 2017	मुंबई	मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की तीसरी बैठक	20	इस मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की बैठक में निदेशक प्रभारी (प्रोफ़ेसर एर्रोल डिसूजा), डीन (प्रोफ़ेसर राकेश बसंत) और विकास कार्यालय के प्रमुख (अजीत मोटवानी) उपस्थित रहे थे। मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की बैठक समकालीन विषयों की एक श्रृंखला पर चर्चा करने के लिए संस्थान के मेहमानों और कॉर्पोरेट दुनिया के वरिष्ठ पूर्वछात्रों के बीच सीधी बातचीत के लिए एक शानदार अवसर प्रदान करती है। इस समूह में कई विषयों पर बहुत सार्थक चर्चाएँ हुई जिनमें नए युग कौशल के लिए पाठ्यक्रमों का परिचय, पाठ्यक्रम में संशोधन, केसलेखन के लिए कंपनियों से विश्वसनीय डेटा सोर्सिंग, पूर्व छात्रों को अतिथि संकायों के लिए प्रोत्साहित करना, फंड जुटाना आदि विषय शामिल थे।
दिसंबर, 2017	सिंगापुर	अखिल आईआईएम महिला पूर्वछात्रा समूह	30	नयनतारा बाली (पीजीपी 1988), अनु राजू (पीजीपी 1989), विद्या वासनिया (पीजीपी 1994) और पार्वती बनाती (आईआएमएल 1991) के नेतृत्व में, इस समूह का लक्ष्य, नेटवर्किंग को बढ़ावा देना, परामर्श प्रदान करना और एक दूसरे की मदद करने के लिए किया गया था।
11 दिसंबर, 2017	सिंगापुर	प्रौद्योगिकी और बैंकिंग	लागू नहीं	डीबीएस बैंक ग्रुप के सीईओ पीयूष गुप्ता (पीजीपी 1982) ने उदारतापूर्वक डीबीएस के बदलावों के बारे में अपने अनुभव साझा किए। यह एक विचारशील चर्चा थी जो प्रौद्योगिकी के सामाजिक पहलू नौकरियों को खत्म करना और अपनी प्रतिभा को बढ़ाने के महत्व पर केंद्रित थी।
13 जनवरी, 2018	मुंबई	चौथा वार्षिक पारिवारिक मिलन समारोह	लागू नहीं	इंडसइंड बैंक द्वारा प्रायोजित यह कार्यक्रम आईआईएम के पूर्वछात्रों के लिए उनके परिवारों के साथ एक अच्छी तरह से प्रबंधित और पूरी तरह संगठित बैठक थी। गेमहोस्ट ने सुनिश्चित किया कि मातापिता बच्चों की हर कार्रवाई में समान रूप से शामिल हैं। पूर्वछात्रों से उत्साही भागीदारी और ऊर्जावान समर्थन प्राप्त हुआ। इसके अलावा, उन्होंने आईआईएमए पूर्वछात्रों के जीवनसाथी एसोसिएशन मुंबई की पहल करने की भी योजना बनाई।

परिशिष्ट जारी ड

तारीख	शाखा	आयोजन	उपस्थित पूर्वछात्रों की संख्या	टिप्पणी
20 जनवरी, 2018	हैदराबाद	आरबीएल बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अपनी 3 बिलियन डॉलर मूल्य वर्धन की यात्रा साझा की	लागू नहीं	उस दिन का मुख्य इवेंट मुख्य कार्यक्रम अधिकारी आरबीएल बैंक लिमिटेड, श्री विश्ववीर आहूजा (1981) का व्याख्यान था जिन्होंने 50 वर्ष की आयु में अपने उद्यमी जीवन की यात्रा शुरू की थी। वे आईआईएमए पूर्वछात्र एसोसिएशन, हैदराबाद शाखा द्वारा आयोजित छठा रवि मथाई मेमोरियल व्याख्यान देने के लिए शहर में आए थे। व्याख्यान के बाद, प्रोफ़ेसर राकेश बसंत, डीन, पूर्वछात्र मामले ने सभा को संबोधित किया और संस्थान द्वारा समाज तथा पूर्वछात्रों तक पहुँचने के प्रयासों के बारे में बताया।
23 जनवरी, 2018	सिंगापुर	सतत विकास और कॉर्पोरेट क्षेत्र	लागू नहीं	सनी वर्गीस (पीजीपी 1982), ओलम इंटरनेशनल के सहसंस्थापक और सीईओ एवं सतत विकास विश्व व्यापार परिषद (डब्लूबीसीएसडी) की अध्यक्ष हैं। उन्होंने संस्कृति और दीर्घकालिक मूल्य निर्माण के महत्व पर जोर दिया। आकर्षक चर्चा में कई अन्य कारकों के साथ पूरक स्थिरता, जो निगमों को इसे गले लगाने में लाभ देती है सही काम करना रही।
23 जनवरी, 2018	लंदन	पैनल चर्चा - ब्रेक्सिट ब्रिटेन और भारत चुनौतियाँ और अवसर	120	भारत के उच्चायोग और भारतीय व्यावसायी फोरम, यूके के सहयोग से प्रतिष्ठित पैनल में ब्रिटेन के भारतीय उप उच्चायुक्त राजदूत दिनेश पटनायक, लॉर्ड जीतेश गढ़िया, हाउस ऑफ लॉर्ड्स में कंज़र्वेटिव पीयर और लंदन स्टॉक एक्सचेंज के सीईओ निखिल राठी शामिल थे। इस पैनल की अध्यक्षता भारतीय व्यावसायी फोरम के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. मोहन कौल और आईआईएमए के पूर्व डीन द्वारा की गई थी।
3 फरवरी, 2018	हैदराबाद	पीजीपीएक्स नाइट	60	हैदराबाद शाखा ने साइबर कन्वेंशन सेंटर में अपनी मासिक बैठक की मेजबानी की और इसका विषय थीम पीजीपीएक्स नाइट था। यह कार्यक्रम पीजीपीएक्स पूर्वछात्रों द्वारा आयोजित और संगठित किया गया था। लगभग 10 अन्य पीजीपीएक्स पूर्वछात्रों और उनके परिवारों ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई थी। अमेरिका के 1984 पीजीपी बैच के पूर्वछात्र संजय रंजनदास ने भी इस अवसर की शोभा बढ़ाई थी, जो पहले हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में एसोसिएट प्रोफ़ेसर के रूप में कार्यतर थे और अब सांता क्लारा विश्वविद्यालय के लिए वित्त में प्रोफ़ेसर के रूप में कार्यरत हैं और आईएसबी, हैदराबाद में भी अतिथि प्रोफ़ेसर हैं। वार्षिक आय से लेकर राजनीति तक के विभिन्न विषयों पर चर्चाएँ हुई थी।

ढ

कार्मिक

परिशिष्ट ढ1

नई नियुक्तियाँ

संकाय

• प्रोफेसर एमपी राम मोहन	व्यापार नीति
• प्रोफेसर जीवंत रामपाल	अर्थशास्त्र
• प्रोफेसर वेगार्ड इवर्सन	अर्थशास्त्र
• प्रोफेसर संदीप चक्रवर्ती	सार्वजनिक प्रणाली समूह
• प्रोफेसर अम्ब्रिश डोंगरे	आरजेएमसीईआई
• प्रोफेसर अमित नंदकोलीयार	संगठनात्मक व्यवहार
• प्रोफेसर सम्राट गुप्ता	सूचना प्रणाली

स्टाफ

• श्री संतोष परब	प्रमुख -आई टी
• कर्नल बिश्वजीत मंडल	प्रमुख - इंजीनियरिंग एवं परियोजनाएँ
• श्री अनुराग चौधरी	प्रमुख - पूर्वछात्र एवं बाह्य साझेदारी
• श्री नवीनचंद्र पटेल	मुख्य प्रबंधक - वित्त एवं लेखा
• श्री अभिजीत जगम	प्रबंधक - ईआरपी
• सुश्री हिरल टी. पटेल	उप पुस्तकालयाध्यक्ष
• श्रीनिवास संधिकर	प्रबंधक - एस्टेट
• श्री अंशुल मेहता	अधिकारी -मानव संसाधन
• श्री विजयकुमार पाटिल	सर्वर प्रशासक
• श्री राजपाल सिंह	बागवान
• श्री पांडु रंगा स्वामी	पुस्तकालय पेशेवर सहायक
• सुश्री हेतल सिंधव	डिजाइन कार्यकारी, संचार विभाग
• सुश्री निधि दत्ता	कार्यकारी - दाता संबंध
• सुश्री प्रियंशा वाशी	केस सेंटर कार्यकारी
• सुश्री मानसी वी. देव	कार्यकारी, संचार विभाग
• श्री जैनम पी. शाह	लिपिकीय सहायक
• श्री मनन एन. खंबोलिया	लिपिकीय सहायक
• सुश्री जाह्नवी त्रिवेदी	लिपिक सहायक
• श्री अशोक सारदा	कार्यक्रम एसोसिएट, ईईपी
• श्री आशुतोष सीतारामसिंह राजपूत	कार्यक्रम एसोसिएट, ईईपी
• श्री तुषार पटेल	कार्यक्रम एसोसिएट, पीजीपीएक्स

परिशिष्ट जारी ढ

परिशिष्ट ढ2

त्यागपत्र / समयावधि पूर्ण

संकाय

• प्रोफेसर आशीष नंदा	01 सितंबर, 2017 को त्यागपत्र
• प्रोफेसर श्रुति शर्मा	15 सितंबर, 2017 को समय अवधि पूर्ण
• प्रोफेसर हंस ह्यूबर	31 जनवरी, 2018 को त्यागपत्र
• प्रोफेसर पियुष कुमार सिन्हा	11 मार्च, 2018 को त्यागपत्र

स्टाफ

• श्री पंकज गुप्ता	28 अप्रैल, 2017 को त्यागपत्र
• श्री इंद्रराज डोडिया	30 जून, 2017 से काम बंद किया गया
• श्री मौलेश कंथरिया	31 जुलाई, 2017 को त्यागपत्र
• श्री अमित कुमार घोषाल	20 सितंबर, 2017 को त्यागपत्र
• श्री अशोक सारदा	24 अक्टूबर, 2017 को त्यागपत्र
• श्री हेमल ठक्कर	3 नवंबर, 2017 को त्यागपत्र
• श्री खुशबू बी. मेहता	22 जनवरी, 2017 को त्यागपत्र
• सुश्री माधवी पाठक	08 जनवरी, 2017 को त्यागपत्र

संस्थान सभी उपरोक्त सदस्यों को अपनी शुभकामनाएँ प्रदान करता है।

परिशिष्ट ढ3

सेवानिवृत्ति

इस वर्ष के दौरान निम्नलिखित संकाय सदस्य सेवानिवृत्त हुए :

• प्रोफेसर अनिल गुप्ता	30 अप्रैल, 2017 को सेवानिवृत्त
• प्रोफेसर राजीव शर्मा	30 नवंबर, 2017 को सेवानिवृत्त
• प्रोफेसर अब्राहम कोशी	31 जनवरी, 2018 को सेवानिवृत्त

निम्नलिखित कर्मचारी वर्ष के दौरान सेवानिवृत्त हुए :

• श्री मोहन संतपुरकर	30 अप्रैल, 2017 को सेवानिवृत्त
• श्री भरत ए. पटेल	31 मई, 2017 को सेवानिवृत्त
• श्री रामसिंह आर. पटेल	31 मई, 2017 को सेवानिवृत्त
• श्री एम.ए. मिसरवाला	30 जून, 2017 को सेवानिवृत्त
• सुश्री हिमा बी. सोनी	31 जुलाई, 2017 को सेवानिवृत्त
• श्री बचुभाई जेड. परमार	31 जुलाई, 2017 को सेवानिवृत्त
• श्री ओमप्रकाश आर. अहलूवालिया	30 नवंबर, 2017 को सेवानिवृत्त
• श्री पी.वी. वेंकटकृष्णन अय्यर	30 नवंबर, 2017 को सेवानिवृत्त
• सुश्री नीना बदलानी	31 दिसंबर, 2017 को सेवानिवृत्त
• श्री पन्नीरसेल्वन एस.	31 जनवरी, 2018 को सेवानिवृत्त
• श्री बोरीकर सी.बी.	28 फरवरी, 2018 को सेवानिवृत्त
• श्री रमेशचंद्र एल. सोलंकी	28 फरवरी, 2018 को सेवानिवृत्त

संस्थान उन्हें उनके चिरकालीन समर्पित और विशिष्ट सेवा के लिए धन्यवाद देता है।

परिशिष्ट ढ4

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति
स्टाफ

- श्री के टी. पॉली — स्वेच्छा से 31 जुलाई, 2017 को सेवानिवृत्त
- सुश्री सरला नायर — स्वेच्छा से 31 अक्टूबर, 2017 को सेवानिवृत्त

परिशिष्ट ढ5

स्वर्गवास

- श्री लक्ष्मण सी. बारोट — 06 जुलाई, 2017 को स्वर्गवास
- श्री प्रमोदराय आर. जोशी — 24 नवंबर, 2017 को स्वर्गवास
- श्री रामकिशोर आर. पासी — 07 फरवरी, 2018 को स्वर्गवास

संस्थान इनकी असामयिक मृत्यु पर गहरी सहानुभूति व्यक्त करता है।

परिशिष्ट ढ6

अनुपस्थिति की स्वीकृति
- प्रोफेसर विजय पॉल शर्मा को 01 जून, 2016 से 31 मई, 2021 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।
- प्रोफेसर हंस ह्यूबर को 18 जून, 2016 से 08 अगस्त, 2017 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।
- प्रोफेसर विश्वनाथ पिंगली को 22 अगस्त, 2016 से 6 जून, 2017 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई ।
- प्रोफेसर प्रहलाद वेंकटेशन को 01 जनवरी, 2017 से 31 दिसंबर, 2017 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।
- प्रोफेसर नमन देसाई को 10 फरवरी, 2017 से 31 अगस्त, 2017 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।
- प्रोफेसर जी रघुराम को 22 फरवरी, 2017 से 21 फरवरी, 2020 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।
- प्रोफेसर सुखपाल सिंह को 27 फरवरी, 2017 से 26 फरवरी, 2018 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई है।
- प्रोफेसर धीरज शर्मा को 01 मार्च, 2017 से वेतन के बिना छुट्टी दी गई।
- प्रोफेसर देबजीत रॉय को 01 मई, 2017 से 30 जून, 2017 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।
- प्रोफेसर कीर्ति शारदा को 01 जुलाई, 2017 से 30 जून, 2018 तक वेतन के बिना छुट्टी दी गई।

परिशिष्ट ढ7

फिर से शामिल हुए

संस्थान के निम्नलिखित संकाय सदस्य वेतन के बिना छुट्टी का लाभ लेने के बाद फिर से शामिल हुए :

- प्रोफेसर देबजीत रॉय
- प्रोफेसर हंस ह्यूबर
- प्रोफेसर नमन देसाई
- प्रोफेसर विश्वनाथ पिंगली
- प्रोफेसर प्रहलाद वेंकटेशन
- प्रोफेसर सुखपाल सिंह

परिशिष्ट जारी ढ

परिशिष्ट ढ8

पदोन्नति

संकाय

- प्रोफेसर अर्नेस्टो नोरोन्हा को एचएजी स्केल में प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।
- प्रोफेसर श्रीकुमार कृष्णामूर्थी को एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया।

स्टाफ

- सुश्री इशिता नीलेश सोलंकी
- श्री सुनील गर्ग
- श्री नीरज जैन
- श्री जयंत भट्ट
- श्री पंकज भट्ट
- श्री आर. एन. पंड्या
- श्री के.वी. रामचंद्रन
- श्री मोहन पालीवाल
- श्री प्रवीणचंद्र वी. राज
- श्री महेंद्रसिंह आर. चौहान
- सुश्री जे.एस. विजयप्रिया
- श्री जॉर्ज पी. मैथ्यू
- सुश्री शैलजा एच. नायर
- श्री शोएबमोहम्मद एफ. चोबदार
- सुश्री लथा पनिकर
- श्री रविंद्र वाघेला
- सुश्री हेतल जे. शाह
- सुश्री शैलजा दीपक
- सुश्री हेमल जी. पटेल
- सुश्री नीलम वी. वाढ़ेर
- श्री डेनिस एस. सुवेरा
- सुश्री रोशीता वी.सी.
- श्री अब्दुलरजाक मुंशी
- सुश्री अंजनाकुमार बी.वी.एन.
- श्री धर्मेश रावल
- श्री गिरीश मकवाना
- सुश्री मैरी माजो
- सुश्री गोमती कन्नन
- सुश्री झलक डी. जर्दोश
- श्री ललित रामस्वरुप शर्मा
- श्री मोहम्मदइशाक एफ. शेख
- सुश्री विजिता गंगाधरन नायर
- सुश्री दिव्या बीजू
- सुश्री अरुण्या एम. पिल्लई
- सुश्री सीना नायर
- सुश्री संध्या ससेन्द्रन
- श्री पाला वी. देथारिया
- सुश्री प्रीती राजीव उन्नीथन
- सुश्री रेश्मी सदानंदन
- श्री राकेश कुमार चौहान
- सुश्री मोनिका रामकुमार अग्रवाल
- श्री धर्मेंद्र सोलंकी
- श्री चेरियन मैथ्यू
- श्री अमित त्रिवेदी
- सुश्री शिखा जैन
- श्री अशोक बोरिचा
- श्री दीपाली चौहान
- श्री कोरी रामकेवल
- श्री भद्राकिया भाविन बी.
- श्री सोलंकी गणपत एस.
- श्री वाघेला हीरभाई एम.
- श्री वाघेला राजूभाई आर.
- श्री कोसाम्बिया गिरीश पी.
- श्री सोलंकी भरत मगनभाई
- श्री वाघेला सतीशभाई सी.
- श्री वसाडिया मनोजभाई जे.
- श्री पासी बब्बन
- श्री वाघेला कांतीभाई डी.
- श्री परमार दिलीप मणिलाल
- श्री वाघेला गणपतभाई के.

परिशिष्ट ढ9

कार्मिक संख्या

वर्ष	संकाय	अनुसंधान कार्मिक	प्रशासनिक कर्मचारी	कुल
2008-09	94	79	319	492
2009-10	92	68	329	489
2010-11	88	71	327	486
2011-12	88	66	316	470
2012-13	85	70	291	446
2013-14	90	65	269	424
2014-15	95	72	286	453
2015-16	98	68	289	391
2016-17	94	64	293	451
2017-18	**98**	**75**	**289**	**462**

परिशिष्ट ढ10:

संस्थान की विभिन्न गतिविधियों में उच्चतम पारिश्रमिक के साथ संकायों का योगदान

प्रोफ़ेसर सुनील माहेश्वरी

1. निम्नलिखित दीर्घकालिक कार्यक्रमों में अध्यापन किया :

1. पीजीपी - 4 पाठ्यक्रम
2. पीजीपीएक्स - 4 पाठ्यक्रम
3. एफ़पीएम - 2 पाठ्यक्रम
4. ईपीजीपी - 1 पाठ्यक्रम

2. निम्नलिखित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में अध्यापन किया :

1. 1 मुक्त नामांकन कार्यक्रम (ओईपी) और 1 मिश्रित शिक्षण कार्यक्रम के लिए संकाय अध्यक्ष / सहअध्यक्ष।
2. 18 ओईपी के संकाय सदस्य।
3. 15 अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) के लिए संकाय अध्यक्ष / सहअध्यक्ष।
4. 27 सीईपी के संकाय सदस्य।

3. एफ़पीएम में योगदान :

1. एक छात्र के लिए टीएसी सदस्य

4. अनुसंधान और प्रकाशन :

1. 2017-18 में चार केसों का पंजीकरण हुआ था उनमें सहलेखन किया।
2. दी इंडियन जर्नल ऑफ़ इंडस्ट्रियल रिलेशंस में सहलेखित पेपर प्रकाशित हुआ।

5. सलाहकार सेवाएँ :

1. विभिन्न मामलों पर तीन कॉर्पोरेट्स / व्यापारिक समूहों को सलाह दी।

6. अन्य :

1. दो कॉर्पोरेटों के बोर्ड में सेवा की।
2. एनटीपीसी बिजनेस स्कूल में ऊर्जा क्षेत्र उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने में मदद की।

प्रोफ़ेसर नेहारिका वोहरा

1. निम्नलिखित दीर्घकालिक कार्यक्रमों में अध्यापन किया :

1. पीजीपी - 5 पाठ्यक्रम
2. पीजीपीएक्स - 1 पाठ्यक्रम
3. एफ़पीएम - 2 पाठ्यक्रम
4. ईपीजीपी - 1 पाठ्यक्रम

2. निम्नलिखित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में अध्यापन किया :

1. 2 मुक्त नामांकन कार्यक्रमों (ओईपी) के लिए संकाय अध्यक्ष / सहअध्यक्ष।

परिशिष्ट जारी ढ

2. 10 ओईपी की संकाय सदस्य।
3. 13 स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों (सीईपी) के लिए संकाय अध्यक्ष / सहअध्यक्ष।
4. 26 सीईपी की संकाय सदस्य।

3. एफ़पीएम में योगदान :

1. एक छात्र के लिए टीएसी सदस्य
2. एफ़पीएम के लिए विषयक्षेत्र व्यापक परीक्षा के लिए परीक्षक

4. अनुसंधान और प्रकाशन :

1. 2017-18 में पंजीकृत दो केसों का सहलेखन किया
2. सहलेखित पेपर ऑस्ट्रेलियाई जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट में प्रकाशित हुआ था
3. सहलिखित पुस्तक अध्याय रूटलेज द्वारा प्रकाशित किया गया।
4. यूके के लिवरपूल में आयोजित क्रिटिकल मैनेजमेंट स्ट डीज़ में ऑर्गेनाइज़ेशन बिहेवियर के डार्क साइड विषय पर सहअध्यक्षता की

5. सलाहकार सेवाएँ :

1. शैक्षणिक सलाहकार बोर्ड में :
2. जेवियर एचआर स्कूल,
3. टीआईएसएस एचआर स्कूल
4. आईआईएम सिरमौर

6. अन्य

1. आईआईएमए में एसपीसीडीसी के लिए मेंटर (संरक्षक)
2. सीआईआईई पहलों की अध्यक्ष
3. जर्मनी के एरलांगेन विश्वविद्यालय, नूरमबर्ग में डॉक्टरेट स्तर के पाठ्यक्रम के अध्यापन के लिए आमंत्रित किया गया
4. अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं से पाँच पत्रों की समीक्षा की
5. आईआईएम कलकत्ता, आईआईएम इंदौर, आईआईएम बैंगलोर में संकाय पदवृद्धि के लिए समीक्षक
6. दो थीसिस का परीक्षण किया - आईआईटी दिल्ली, गोवा विश्वविद्यालय
7. बोर्ड की सदस्यताएँ - ज़ी, एसयूडी, सीआईआईई पहलें
8. आईएनएफ़यूएसई, भारत कोष की निवेश समिति की सदस्य

प्रोफ़ेसर संजय वर्मा

1. निम्नलिखित दीर्घकालिक कार्यक्रमों में अध्यापन किया :

1. पीजीपी - 4 पाठ्यक्रम
2. एफ़पीएम - 2 पाठ्यक्रम
3. ईपीजीपी - 1 पाठ्यक्रम
4. एएफ़पी - 2 पाठ्यक्रम

2. निम्नलिखित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में अध्यापन किया :

1. 4 मुक्त नामांकन कार्यक्रम (ओईपी) और 1 मिश्रित शिक्षण कार्यक्रम के लिए संकाय अध्यक्ष / सहअध्यक्ष।
2. 15 ओईपी के संकाय सदस्य।
3. 11 अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों (सीईपी) के लिए संकाय अध्यक्ष / सहअध्यक्ष।
4. 34 सीईपी के संकाय सदस्य।

3. अनुसंधान और प्रकाशन

1. 2017-18 में पंजीकृत एक केस के सहलेखक

4. सलाहकार सेवाएँ

1. एनटीपीसी बिजनेस स्कूल पर काम करने वाली टीम के सदस्य

5. अन्य

1. पीएनबी में शेयरधारक निदेशक : पंजाब नेशनल बैंक में शेयरधारक निदेशक। बोर्ड के सदस्य के रूप में, बोर्ड की विभिन्न उपसमितियों का नेतृत्व और सहायता करना।
2. निरमा विश्वविद्यालय : अकादमिक समिति के सदस्य, अनुसंधान और प्रकाशन समिति के सदस्य, और निरमा प्रबंध संस्थान की आईटी विषयक्षेत्र समिति के सदस्य
3. आईआईएम अहमदाबाद में एक एफ़पीएम थीसिस का मार्गदर्शन करना और निरमा प्रबंध संस्थान में एक पीएचडी छात्र की सलाहकार समिति के सदस्य।

प्रोफ़ेसर बीजू वर्की

1. निम्नलिखित दीर्घकालिक कार्यक्रमों में अध्यापन किया :

1. पीजीपी - 4 पाठ्यक्रम
2. पीजीपीएक्स - 2 पाठ्यक्रम
3. एफ़पीएम - 2 पाठ्यक्रम

4. ईपीजीपी - 1 पाठ्यक्रम
5. एएफ़पी - 2 पाठ्यक्रम
6. एफ़डीपी - 1 पाठ्यक्रम

2. निम्नलिखित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में अध्यापन किया :

1. 3 मुक्त नामांकन कार्यक्रम (ओईपी) के लिए संकाय अध्यक्ष / सहअध्यक्ष।
2. 16 ओईपी के संकाय सदस्य।
3. 12 स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों (सीईपी) के लिए संकाय अध्यक्ष / सहअध्यक्ष।
4. 28 सीईपी के संकाय सदस्य।

3. अनुसंधान और प्रकाशन

1. 2017-18 में पंजीकृत दो केसों का सहलेखन किया।
   - i. सहलिखित पेपर निम्नलिखित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए
   - ii. बिज़नेस एंड सोसाइटी
   - iii. साउथ एशियन जर्नल ऑफ़ ह्यूमन रिसोर्स मेनेजमेंट
   - iv. साउथ एशियन जर्नल ऑफ़ मेनेजमेंट
   - v. विकल्प
2. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एम्प्लॉयमेंट स्टडीज

पीयरसन इंडिया द्वारा प्रकाशित सहलिखित पुस्तक (संशोधन)

4. सलाहकार सेवाएँ

1. कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड के लिए मेंटरिंग सिस्टम की समीक्षा और पुनर्निर्धारण
2. बीबीएनएल की संगठनात्मक समीक्षा और एचआरएम।
3. आईपीए के लिए बंदरगाह क्षेत्र की क्षतिपूर्ति प्रणाली का अध्ययन

5. अन्य

स्वतंत्र निदेशक - पीजीवीसीएल (गुजरात सरकार की कंपनी)

अध्यक्ष - बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति

सदस्य - कार्मिक समिति

स्वतंत्र निदेशक - एचयूएसवाईएस

अध्यक्ष - बोर्ड की लेखा परीक्षा समिति

स्वतंत्र निदेशक - बैंक ऑफ बड़ौदा

अध्यक्ष - बोर्ड की रणनीतिक एचआर समिति

सदस्य - नामांकन समिति

सदस्य - बोर्ड की प्रबंधन समिति

सदस्य - हितधारकों की समिति

सदस्य - ग्राहक सेवा समिति

शासी बोर्ड और ट्रस्ट के सदस्य - सेंट पीटर्स स्कूल, पंचगनी

आमंत्रित सदस्य - रणनीतिक एचआर समिति, धन फाउंडेशन, मदुराई।

प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय

1. निम्नलिखित दीर्घकालिक कार्यक्रमों में अध्यापन किया

1. पीजीपी - 1 पाठ्यक्रम
2. पीजीपीएक्स - 2 पाठ्यक्रम
3. एफ़पीएम - 2 पाठ्यक्रम

2. निम्नलिखित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों में अध्यापन किया

1. 4 मुक्त नामांकन कार्यक्रम (ओईपी) के लिए संकाय अध्यक्ष / सहअध्यक्ष।
2. 7 ओईपी के संकाय सदस्य।
3. 4 स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रमों (सीईपी) के लिए संकाय अध्यक्ष / सहअध्यक्ष।
4. 9 सीईपी के संकाय सदस्य।

3. एफ़पीएम में योगदान

1. एक छात्र के लिए टीएसी सदस्य

4. अनुसंधान और प्रकाशन

1. एक केस का लेखन किया और 2017-18 में पंजीकृत दो केसों का सहलेखन किया।
2. सहलिखित पेपर निम्नलिखित पत्रिकाओं में प्रकाशित हुएः
   - i. यूरोपीयन जर्नल ऑफ़ ऑपरेशनल रिसर्च (2)
   - ii. ट्रांसपोर्टेशन रीसर्च पार्ट ई लॉजिस्टिक्स एंड ट्रांसपोर्टेशन रीव्यू
   - iii. जर्नल ऑफ़ ऑपरेशन्स मैनेजमेंट

ण

शासक मंडल

अध्यक्ष
श्री कुमार मंगलम बिड़ला
अध्यक्ष, आदित्य बिड़ला समूह, मुंबई

सदस्य

केवल कुमार शर्मा
सचिव
उच्च शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली (28 फरवरी, 2018 तक)

पंकज आर. पटेल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड, अहमदाबाद

आर. सुब्रमण्यम
सचिव, उच्च शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली (01 मार्च, 2018 से प्रभावी)

टी. वी. राव
अध्यक्ष, टीवीआरएलएस
अहमदाबाद

दर्शाना एम. डबराल
संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
उच्च शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली

डी. शिवकुमार
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी - भारत क्षेत्र
पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड
गुडगाँव
(29 जून, 2017 तक)

अंजू शर्मा
प्रमुख सचिव
(उच्च एवं तकनीकी शिक्षा) शिक्षा विभाग
गुजरात सरकार, गाँधीनगर

सुनील कांत मुंजाल
अध्यक्ष
हीरो एंटरप्राइज़
नई दिल्ली (30 जून, 2017 से)

डॉ. एम.एन. पटेल
कुलपति
गुजरात विश्वविद्यालय अहमदाबाद
(08 मई, 2017 तक)

अनिल गुप्ता
प्रोफ़ेसर
भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद
(30 अप्रैल, 2017 तक)

डॉ. नवीनचंद्र शेठ
कुलपति
गुजरात प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अहमदाबाद
(09 मई, 2017 से प्रभावी)

विजया शेरी चंद
प्रोफ़ेसर
भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद
(24 मई, 2017 से)

अशांक देसाई
संस्थापक एवं पूर्व-अध्यक्ष
मास्टेक लिमिटेड, मुंबई

निहारिका वोहरा
भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद
(31 अक्टूबर, 2017 तक)

डॉ. हसित जोशीपुरा
सदस्य-कार्यकारी प्रबंधन समिति एवं प्रमुख - कॉर्पोरेट केंद्र
लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड
मुंबई

तथागत बंद्योपाध्याय
प्रोफ़ेसर
भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद
(24 नवंबर, 2017 से)

किरण कर्णिक
पूर्व अध्यक्ष, नैसकॉम
नई दिल्ली

डॉ श्रीकांत एम. दातार
लेखांकन के आर्थर लोव्स डिकिंसन प्रोफेसर
हार्वर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए

आशीष नंदा
निदेशक
भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद
(01 सितंबर, 2017 तक)

एर्रोल डिसूज़ा
निदेशक
भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद
(02 सितंबर, 2017 से 31 जनवरी, 2018 तक प्रभारी निदेशक के रूप में और 01 फरवरी, 2018 के बाद निदेशक के रूप में

सचिव
कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त)
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद

त

भा. प्र. सं. समिति के सदस्य

संजीव शर्मा
प्रबंध निदेशक
एबीबी लिमिटेड
बेंगलुरु

बेहरम शेरडीवाला
प्रमुख - मानव संसाधन
एसीसी लिमिटेड
मुंबई

हिरेन एस. महादेविया
निदेशक (वित्त एवं कॉर्पोरेट मामले)
एवं कंपनी सचिव
अहमदाबाद न्यू कॉटन मिल्स कंपनी
लिमिटेड
आशिमा लिमिटेड की इकाई
अहमदाबाद

प्रहर्ष मेहता
वरिष्ठ उपाध्यक्ष (एचआर)
एलेम्बिक लिमिटेड
वडोदरा

मोहल के. साराभाई
प्रमुख (कॉर्पोरेट योजना)
अंबलाल साराभाई एंटरप्राइजेज
लिमिटेड
अहमदाबाद

नितिन जे. नानावटी
प्रबंध निदेशक
अपूर्व कंटेनर्स प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

अमोल शेठ
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अनिल लिमिटेड
अहमदाबाद

प्रफुल्ल अनूभाई
मुख्य कार्यकारी
अरोही कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

संजय एस. लालभाई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अरविंद लिमिटेड
अहमदाबाद

अनंग ए. लालभाई
प्रबंध निदेशक
अरविंद प्रॉडक्ट्स लिमिटेड
अहमदाबाद

जलज दानी
प्रमुख - अंतर्राष्ट्रीय
एशियन पेंट्स लिमिटेड
मुंबई

चिंतन परीख
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
आशिमा लिमिटेड
अहमदाबाद

सुनील एस. लालभाई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अतुल लिमिटेड
अतुल

रवि कैरन आर.
अध्यक्ष (मानव संसाधन)
बजाज ऑटो लिमिटेड
पुणे

जॉयदीप दत्ता रॉय
प्रमुख - स्ट्रेटेजिक एचआर एंड ओडी
बैंक ऑफ बड़ौदा
मुंबई

कमलेश पटेल
महाप्रबंधक एवं प्रमुख
बड़ौदा अपेक्स अकादमी
गांधीनगर

परशुराम पांडा
क्षेत्रीय प्रबंधक
बैंक ऑफ इंडिया
अहमदाबाद

पी. द्वारकानाथ
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
बीईएमएल लिमिटेड
बेंगलुरु

बी. प्रसाद राव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
नई दिल्ली

दुर्गेश मेहता
संयुक्त प्रबंध निदेशक
बॉम्बे डाइंग एवं एमएफजी कंपनी
लिमिटेड, मुंबई

पंकज आर. पटेल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड
अहमदाबाद

एम.एम. मुरू गप्पन
अध्यक्ष
कार्बोरंडम यूनिवर्सल लिमिटेड
चेन्नई

प्रमित झावेरी
भारत के सीईओ
सिटी बैंक
मुंबई

आर. क्रिपलानी
निदेशक - मोटर वाहन एवं मुख्य
परिचालन अधिकारी
कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड
मुंबई

एस. दास गुप्ता
महाप्रबंधक (संचालन)
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
मुंबई

अनंग के. शाह
प्रबंध निदेशक
क्रिस्टल क्विनोन प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

डॉ. विनय भरत-राम
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीसीएम लिमिटेड
नई दिल्ली

सुनील अग्रवाल
निदेशक
देवीदयाल रोलिंग एंड रिफाइनरीज प्रा.
लिमिटेड
मुंबई

सी. भास्कर
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी
अधिकारी
दिगजम लिमिटेड
नई दिल्ली

भरतभाई यू. पटेल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
श्री दिनेश मिल्स लिमिटेड
वडोदरा

संजय गुप्ता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड
नई दिल्ली

परिशिष्ट जारी

त

निखिल नंदा
प्रबंध निदेशक
एस्कॉर्ट्स लिमिटेड
फरीदाबाद

गीता मुरलीधर
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
ईसीजीसी लिमिटेड
मुंबई

जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया
मुंबई

अन्नास्वामी वैदेश
उप प्रमुख, दक्षिण एशिया और
प्रबंध निदेशक, भारत
ग्लैक्सो स्मिथक्लाइन फार्मास्युटिकल्स
लिमिटेड
मुंबई

समीर एस. सोमैया
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
गोदावरी बायोरिफ़नीरीज लिमिटेड
मुंबई

आनंद मोहन तिवारी, आईएएस
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स एंड
केमिकल्स लिमिटेड
वडोदरा

अरविंद अग्रवाल
प्रबंध निदेशक
गुजरात राज्य वित्तीय निगम
गांधीनगर

पियूष ओ. देसाई
अध्यक्ष
गुजरात टी प्रोसेसर एंड पैकर्स
लिमिटेड
अहमदाबाद

बी.पी. बिडप्पा
कार्यकारी निदेशक - मानव संसाधन
हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड
मुंबई

अखिलेश जोशी
सीओओ एवं पूर्णकालिक निदेशक
हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड
उदयपुर

मुकेश डी. अंबानी
अध्यक्ष
भारतीय पेट्रोकेमिकल्स कॉर्प. लिमिटेड
वडोदरा

टी.के. श्रीरंग
वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं प्रमुख - मानव
संसाधन
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
मुंबई

राहुल एन. अमीन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
ज्योति लिमिटेड
वडोदरा

राजेश खंडेलवाल
खंडेलवाल ब्रदर्स लिमिटेड
मुंबई

हसित जोशीपुरा
सदस्य-कार्यकारी प्रबंधन समिति और
प्रमुख - कॉर्पोरेट केंद्र
लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड
मुंबई

एस.एन. सुब्रमन्यन
बोर्ड के सदस्य और
वरिष्ठ कार्यकारी उपाध्यक्ष
बुनियादी ढांचा और निर्माण
लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड
चेन्नई

एस.आर. सुब्रमण्यम
बोर्ड के सदस्य
एल एंड टी कटिंग टूल्स लिमिटेड
मुंबई

एन वी. वेंकटसुब्रामणियन
मुख्य कार्यकारी
एल एंड टी वाल्व्स लिमिटेड
चेन्नई

अध्यक्ष
भारतीय जीवन बीमा निगम
मुंबई

प्रबंध निदेशक
लिंडे इंडिया लिमिटेड
कोलकाता

हृषिकेश ए. मफतलाल
अध्यक्ष
मफतलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
मुंबई

राजीव दयाल
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी
अधिकारी
मफतलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
मुंबई

राजीव दुबे
अध्यक्ष (मा.सं. कॉर्पोरेट सेवाएँ तथा
बाजार अनुसरण)
एवं कार्यकारी बोर्ड के सदस्य
महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड
मुंबई

अशांक देसाई
संस्थापक एवं पूर्व अध्यक्ष
मास्टेक लिमिटेड
मुंबई

ए.के. त्यागी
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
मेकॉन लिमिटेड
झारखंड

वेद प्रकाश
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
एम.एम.टी.सी. लिमिटेड
नई दिल्ली

नीरज बजाज
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
मुकंद लिमिटेड
मुंबई

सुहास आर. लोहकारे
प्रबंध निदेशक
राष्ट्रीय पेरोक्साइड लिमिटेड
मुंबई

जी. श्रीनिवासन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
मुंबई

अरुण जैन
प्रबंध निदेशक
एन.आर.सी. लिमिटेड
मुंबई

हिमांशु जोशी
सर्किल हेड
पंजाब नेशनल बैंक
अहमदाबाद

परिशिष्ट जारी

त

संजय सावरकर
रैलीवॉल्फ लिमिटेड
मुंबई

राजेश आर. मेहता
उपाध्यक्ष
रोहित समूह उद्यम
अहमदाबाद

अनुज आर. मेहता
निदेशक
रोहित समूह उद्यम
अहमदाबाद

सौरभ एन. शोधन
निदेशक
साकरलाल बालाभाई एंड कंपनी लिमिटेड
अहमदाबाद

सुहृद एस. साराभाई
निदेशक
साराभाई होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

कार्तिकेय वी. साराभाई
साराभाई मैनेजमेंट कॉर्प. प्रा. लिमिटेड
अहमदाबाद

तपन हरेश चोकशी
सौरभ निगम
अहमदाबाद

प्रियम बी. मेहता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
सयाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड
अहमदाबाद

प्रदीप आर. मफतलाल
अध्यक्ष
शानुदीप प्राइवेट लिमिटेड
मुंबई

एस.के. लुहारूका
श्री राम शहरी इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड
श्री राम मिल्स परिसर
मुंबई

अमित डी. पटेल
समूह प्रबंध निदेशक
सिन्टेक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड
कलोल

रवि मल्होत्रा
प्रबंध निदेशक
सरहिन्द स्टील लिमिटेड
अहमदाबाद

एस.ए. रमेश रंगन
मुख्य महाप्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक
अहमदाबाद

बलदेव सिंह, आईएएस
प्रबंध निदेशक
सिकोम लिमिटेड
मुंबई

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
स्टेट ट्रेडिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
नई दिल्ली

बी.बी. कठपालिया
उपप्रमुख-विनिर्माण
टाटा केमिकल्स लिमिटेड
मीठापुर

एच.एम. नेरुरकर
प्रबंध निदेशक
टाटा स्टील लिमिटेड
जमशेदपुर

प्रबीर झा
वरिष्ठ उपाध्यक्ष - मानव संसाधन
टाटा मोटर्स लिमिटेड
मुंबई

डॉ. जयंत कुमार
मुख्य - मानव संसाधन
टाटा पावर कंपनी लिमिटेड
मुंबई

टी.पी. विजय सारथी
निदेशक
टोरेंट पावर लिमिटेड
अहमदाबाद

आर. हरेश
सचिव एवं कोषाध्यक्ष
टी वी एस चैरीटीज
मदुरै

आर. हरेश
प्रबंध निदेशक
टी.वी. सुंदरम अय्यंगार एंड सन्स लिमिटेड
मदुरै

नरेंद्र नायर
ईवीपी और सीएचआरओ
वोल्टास लिमिटेड
मुंबई

चाकोर दोशी
अध्यक्ष
वालचंदनगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड
मुंबई

एस.चौधरी
विष्णु फार्म
जिला हरिद्वार

महिपाल दलाल
अहमदाबाद

गोकुल एम. जयकृष्ण
अहमदाबाद

डॉ. बिहारीलाल कन्हैयालाल
अहमदाबाद

राजीव सी. लालभाई
अहमदाबाद

ज्योतीन्द्र एन. मेहता
अहमदाबाद

श्रेणी : व्यक्तिगत / सेवानिवृत्त संकाय / पूर्वछात्र

प्रोफेसर सुभाष चंद्र भटनागर
अहमदाबाद

वरुण आर्य
संस्थापक एवं निदेशक
मारवाड शिक्षा फाउंडेशन
जोधपुर

प्रोफेसर टी.वी. राव
अध्यक्ष, टीवीआरएलएस
अहमदाबाद

प्रमोद अग्रवाल
नई दिल्ली

अनुपम मार्टिंस
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
न्यू चैप्टर इंक
अमेरीका

थ

प्रशासन, संकाय, अधिकारी एवं अनुसंधान स्टाफ

प्रशासन

निदेशक

आशीष नंदा
पीएच.डी. (हार्वर्ड)
(01 सितंबर, 2017 तक)

एर्रोल डिसूज़ा
पीएच.डी. (जे.एन.यू.)
(02 सितंबर, 2017 से 31 जनवरी, 2018 तक प्रभारी निदेशक के रूप में और 01 फरवरी, 2018 के बाद निदेशक के रूप में)

डीन (संकाय)

एर्रोल डिसूजा
पीएच.डी. (जे.एन.यू.)
(08 फरवरी 2018 तक)

तथागत बंद्योपाध्याय
पीएच.डी. (कोलकाता)
(09 फरवरी, 2018 से)

डीन (कार्यक्रम)

शैलेश गाँधी
फेलो (आईआईएमए)

डीन (पूर्व छात्र एवं बाह्य संबंध)

राकेश बसंत
पीएच.डी. (गुजरात)

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त)
एम.ई. (पुणे), वित्त प्रबंधन में स्नातकोत्तर (मुंबई विश्वविद्यालय),
व्यवसाय प्रशासन में कार्यक्रम (आईआईएमए),
पीएमआई का व्यवसायिक परियोजना प्रबंधन (पीएमपी),
संकाय सदस्य

पुस्तकालयाध्यक्ष

अनिल कुमार एच.
पीएच.डी. (म.स.विश्वविद्यालय)
संकाय सदस्य

संकाय

व्यापार नीति

अजीत नारायण माथुर
पीएच.डी. (आईआईएससी, बैंगलोर)

अखिलेश्वर पाठक
पीएच.डी. (एडिनबर्ग)

अमित कर्णा
फेलो (आईआईएमए)

अनीश शुगथन
फेलो (आईआईएमबी)

अनुराग के. अग्रवाल
एल.एल.एम. (हार्वर्ड),
एल.एल.डी. (लखनऊ)

आशीष जलोटे परमार
पोस्ट डॉक्टरल
(डेल्फ़्ट यूनि., नीदरलैंड्स)
पीएचडी (डेल्फ़्ट यूनि., नीदरलैंड्स)

आशीष नंदा
पीएच.डी. (हार्वर्ड)

चित्रा सिंगला
फेलो (आईआईएमबी)

एम. पी. राम मोहन
पीएच.डी. (आईआईटी, ख़डगपुर)

मुकेश सूद
फेलो (आईआईएमबी)

सुनील शर्मा
फेलो (आईआईएमए)

कृषि प्रबंधन केंद्र

अनिल के गुप्ता
पीएच.डी. (कुरुक्षेत्र)
फेलो, विश्व कला एवं विज्ञान अकादमी
फेलो, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी
सदस्य, राष्ट्रीय नवाचार परिषद

पूर्णिमा वर्मा
पीएच.डी. (जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)

रंजन कुमार घोष
पीएच.डी. (हंबोल्ट, जर्मनी)

सुखपाल सिंह
पीएच.डी. (आईएसईसी, बैंगलोर)

वसंत पी. गाँधी
पीएच.डी. (स्टैनफोर्ड)

विजय पाल शर्मा
पीएच.डी. (एनडीआरआई करनाल)

परिशिष्ट जारी **थ**

संचार

आशा कौल
पीएच.डी.
(आईआईटी कानपुर)

मीनाक्षी शर्मा
पीएच.डी. (क्वींसलैंड)

वैभवी कुलकर्णी
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया)

अर्थशास्त्र

अभिमान दास
पोस्ट-डॉक्टरल रिसर्च फेलो (एमआईटी)
पीएच.डी. (आईआईपीएस, मुंबई)

अनिन्दय चक्रवर्ती
पीएच.डी. (बोस्टन यूनिवर्सिटी)

चिन्मय तुम्बे
फेलो (आईआईएम बैंगलोर)

एर्रोल डिसूजा
पीएच.डी. (जे.एन.यू.)

जीवंत रामपाल
पीएच.डी. (ओहायो स्टेट)

पृथा देव
पीएच.डी. (न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय)

राकेश बसंत
पीएच.डी. (गुजरात)

रवींद्र एच. ढोलकिया
पीएच.डी. (म.स.वि.)

संकेत मोहपात्रा
पीएचडी (कोलंबिया)

सतीश देवधर
पीएच.डी. (ओहायो स्टेट)

सेबस्टियन मॉरिस
फेलो (आईआईएमसी)

श्रुति शर्मा
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया)

वेगार्ड इवर्सन
पीएच.डी. (कैम्ब्रिज)

विश्वनाथ पिंगाली
पीएचडी (नॉर्थवेस्टर्न)

वित्त एवं लेखा

अजय पांडेय
फेलो (आईआईएमए)

जयंत आर. वर्मा
फेलो (आईआईएमए)

जोशी जेकब
फेलो (आईआईएमएल)

नमन देसाई
पीएच.डी. (फ्लोरिडा)

नीरव नागर
फेलो (आईआईएमसी)

शैलेश गाँधी
फेलो (आईआईएमए)

सिद्धार्थ सिन्हा
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया)

सोभेश कुमार अगरवाला
फेलो (आईआईएमए)

टी.टी. राम मोहन
पीएच.डी. (स्टर्न स्कूल)

विनीत विरमानी
फेलो (आईआईएमए)

मानव संसाधन प्रबंधन

बीजू वर्की
फेलो (एनआईबीएम, पुणे)

मंजरी सिंह
फेलो (आईआईएमसी)

मिगुएल सर्रियन
पीएचडी (स्ट्रैथक्लाइड बिजनेस स्कूल)

प्रोमिला अग्रवाल
पीएच.डी. (दिल्ली)

राजेश चंदवानी
फेलो (आईआईएमबी)

सुनील कुमार माहेश्वरी
फेलो (आईआईएमए)

सूचना प्रणालियाँ

कविता रंगनाथन
पीएच.डी. (शिकागो)

मनीष अग्रवाल
पीएच.डी. (आईआईटी, दिल्ली)

रेखा जैन
पीएच.डी. (आईआईटी, दिल्ली)

सम्राट गुप्ता
फेलो (आईआईएमएल)

संजय वर्मा
फेलो (आईआईएमसी)

श्रीकुमार कृष्णमूर्ति
फेलो (आईआईएमएल)

परिशिष्ट जारी थ

विपणन

अब्राहम कोशी
फेलो (आईआईएमए)

अक्षय विजयालक्ष्मी
पीएच.डी. (आयोवा)

आनंद कुमार जायसवाल
फेलो (एक्सएलआरआई)

अरिंदम बनर्जी
पीएच.डी. (स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयोर्क)

अरुणा दिव्या टी.
फेलो (आईआईएम बैंगलोर)

अरविंद सहाय
पीएच.डी. (टेक्सस)

धीरज शर्मा
पीएच.डी. (लुइसियाना तकनीकी विश्वविद्यालय)

पीयूष कुमार सिन्हा
पीएच.डी. (सरदार पटेल विश्वविद्यालय)

सौम्या मुखोपाध्याय
पीएचडी (एनटीयू, सिंगापुर)

संगठनात्मक व्यवहार

अमित नंदकियोलयार
पीएच.डी. (आयोवा)

अर्नेस्टो नोरोन्हा
पीएच.डी. (टीआईएसएस)

जॉर्ज कंडाथिल
पीएच.डी. (कॉर्नेल)

के. वी. गोपाकुमार
फेलो (आईआईएम बैंगलोर)

कीर्ति शारदा
फेलो (आईआईएमसी)

निहारिका वोहरा
पीएच.डी. (मनिटोबा)

परविंदर गुप्ता
पीएच.डी. (आईआईटी कानपुर)

प्रद्युमन खोखले
फेलो (आईआईएमए)

प्रेमिला डीक्रूज़
पीएच.डी. (टीआईएसएस)

विशाल गुप्ता
फेलो (आईआईएमएल)

उत्पादन एवं मात्रात्मक विधियाँ

ए.के. लाहा
पीएच.डी. (आईएसआई)

अंकुर सिन्हा
पीएच.डी. (आल्टो विश्वविद्यालय)

अप्रतीम गुहा
पीएच.डी. (कैलिफ़ोर्निया)

चेतन सोमन
पीएच.डी. (ग्रोनिंगन)

देबजित रॉय
पीएच.डी. (विस्कॉन्सिन)

धीमन भद्रा
पीएच.डी. (फ्लोरिडा)

दीप्तेश घोष
फेलो (आईआईएमसी)

गौतम दत्ता
पीएच.डी. (नार्थवेस्टन)

कार्तिक श्रीराम
फेलो (आईआईएमबी)

एन. रविचंद्रन
पीएच.डी. (आईआईटी, मद्रास)

प्रहलाद वेंकटेशन
पीएच.डी. (केस वेस्टर्न रिजर्व)

सचिन जायसवाल
पीएच.डी. (वाटरलू)

सरल मुखर्जी
फेलो (आईआईएमसी)

तथागत बंद्योपाध्याय
पीएच.डी. (कोलकाता)

सार्वजनिक प्रणाली समूह

अमित गर्ग
फेलो (आईआईएमए)

अंकुर सरीन
पीएच.डी.(शिकागो)

जी. रघुराम
पीएच.डी. (नार्थवेस्टन)

हंस ह्यूबर
पीएच.डी. (यूनिवर्सिटी डी जिनेवे)

नवदीप माथुर
पीएच.डी. (रट्गेर्स)

राम मोहन तुरागा
पीएच.डी. (जॉर्जिया तकनीकी संस्थान)

संदीप चक्रवर्ती
पीएच.डी. (दक्षिणी कैलिफ़िर्निया)

सुंदरवल्ली नारायणस्वामी
पीएच.डी. (आईआईटी, बॉम्बे)

रवि मथाई शैक्षिक नवाचार केंद्र

अंबरीश डोंगरे
पीएच.डी. (कैलिफोर्निया)

पी.जी. विजय शेरी चंद
पीएच.डी. (गुजरात)

राजीव शर्मा
पीएच.डी. (इलाहाबाद)

कथन शुक्ला
पीएच.डी. (वर्जीनिया)

सहायक संकाय

ए.के. जैन

बृज कोठारी

बी.एच. जाजू

दीप्ति भटनागर

के.वी. रमणी

लील मोहन

मुकुल वसावड़ा

पी.आर. शुक्ला

एस.सी. भटनागर

वी. वेंकट राव

अधिकारी

अभिजीत जगम
बी.टेक., मार्केटिंग एवं एचआरएम में स्नातकोत्तर
प्रबंधक - ईआरपी

अजीत मोटवानी
बी.टेक. (आईआईटी कानपुर), एमबीए
प्रमुख - विकास

अल्बर्ट जेवियर
बी.एससी./एमएलएम/पीजीडी आईआरपीएम/एमबीए
प्रबंधक - विकास - कार्यकारी शिक्षा

अमित कुमार घोषाल
बी.कॉम., एमबीए, पीजीडीबीएल, आईसीडब्ल्यूए (इंटर)
प्रबंधक - संविदा एवं अनुपालन

अंशुल महेता
बी.ई., एम.बी.ए., एल.एल.बी.
अधिकारी - मानव संसाधन

अनुराग चौधरी
बी.ए., प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, एमबीए
प्रमुख - पूर्वछात्र एवं बाहरी साझेदारी

अविनाश जी. लाड
एमबीए (गुजरात)
बीई (इलेक्ट्रिकल) (सौराष्ट्र)
प्रबंधक विद्युत

भास्करन आर.
एम.ए.
कार्यक्रम अधिकारी,
छात्र गतिविधि कार्यालय

कर्नल विश्वजीत मंडल
बी.टेक./एम.ई./उन्नत विद्युत/मेकेनिकल इंजीनियरिंग
प्रमुख - इंजीनियरिंग एवं परियोजनाएँ

दीपक भट्ट
पीजीडीएम, एचआरएम में डिप्लोमा, विदेश व्यापार में डिप्लोमा, ईपीएचआरएम, पीजीडीटी एंड डी
प्रबंधक - संचार

दीपक मोतीरमानी
बी.ई., एमबीए
प्रबंधक - केस केंद्र

दिनेशकुमार डी. जोशी
मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा
व्यवसाय प्रबंधन में डिप्लोमा
बी. ए.
गृह प्रबंधन अधिकारी

इशिता निलेश सोलंकी
सामाजिक संप्रेषण एवं जनसंचार में डिप्लोमा (महाराष्ट्र)
ग्रामीण विकास प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (आईआरएमए)
एचआरएम में विशेषज्ञता डिप्लोमा (इग्नू)
मुख्य प्रबंधक - प्रत्यायन एवं रैंकिंग

जतिन एम. नागोरी
एम.कॉम, एल.एल.बी. (गुजरात)
निर्यात विपणन प्रबंधन में डिप्लोमा (आईआईई, बड़ौदा)
प्रबंधक - पीजीपीएक्स

जयंत भट्ट
एम.एससी. (गुजरात)
कंप्यूटर विज्ञान में डिप्लोमा (एस.पी.यू.)
प्रबंधक आईटी - वेब सेवाएँ

कलापी चेतनभाई शाह
सनदी लेखाकार
अधिकारी - वित्त

कमलेश गाँधी
बी.ई. (सिविल) (गुजरात)
प्रबंधक - परियोजनाएँ, संपत्ति एवं रखरखाव

कौशिक डी. भट्ट
एम.कॉम, एल.एल.बी. द्वितीय
लेखा अधिकारी

लक्ष्मणदेव बी. गोहिल
बी. कॉम., एसीएस
मुख्य प्रबंधक, लेखा

मौलेश कंथारिया
बी.कॉम., सीएस, सीए
प्रमुख - वित्त

मोहन पालीवाल
एम.कॉम, (गुजरात)
कंप्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (गुजरात विद्यापीठ)
प्रबंधक - आईटी (शैक्षणिक सेवाएँ)

लेफ्टिनेंट कमांडर मोनिका दत्ता
एम.एससी. (भौतिक विज्ञान)
प्रबंधक - निदेशक कार्यालय

परिशिष्ट जारी

थ

डॉ. मुकेश शर्मा
एम.ए. (लोक प्रशासन) (राजस्थान)
एम.ए. (हिंदी) (उस्मानिया)
एम.फिल. (कुरूक्षेत्र)
पीएच.डी. (सरदार पटेल)
हिंदी अधिकारी

एन. भास्करन
बी.टेक., प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा, एमबीए
अधिकारी - कार्यकारी शिक्षा

नवीनचंद्र पटेल
बी.कॉम., सी.ए.
मुख्य प्रबंधक - वित्त एवं लेखा

नीरज जैन
बी.ई. (आईआईटी रूड़की)
मुख्य प्रबंधक - सीआईआईई

नीना बदलानी
एम.बी.ए. (वित्त) (गुजरात)
आईसीडब्ल्यूए (इंटर)
मुख्य प्रबंधक (भंडार एवं क्रय)

पंकज गुप्ता
बी.ए., एमबीए
प्रबंधक - भंडार एवं क्रय

पंकजकुमार के. भट्ट
एम.कॉम.
प्रबंधक - लेखा

प्रदोष वी. थिया
बी. ए.
सुविधा अधिकारी

प्रणय श्रीवास्तव
बी.टेक. (सिविल) (अवध)
एमबीए (निरमा)
मुख्य प्रबंधक - परियोजना, संपत्ति एवं रखरखाव

प्रवीण जी. क्रिश्चियन
एम.कॉम, एल.एल.बी. (द्वितीय)
कार्यक्रम अधिकारी, पीजीपी - एफएबीएम

पुष्पा हरिहरन
एम.ए.
मा.सं.प्र. / डीएमएस डिप्लोमा
सामग्री प्रतिकृति अधिकारी

रामचंद्रन के.वी.
बी.कॉम. (मद्रास)
पी.जी. डिप्लोमा एचआरएम और कार्मिक (एम्स, चेन्नई)
कंप्यूटर एपलीकेशन में डिप्लोमा (अहमदाबाद)
प्रबंधक - मानव संसाधन

रंगनाथन सौरीराजन
बी.ई., पीजीडीएम
प्रमुख - कार्यकारी शिक्षा

रवींद्रनाथ एन. पंड्या
बीएससी (भौतिक विज्ञान),
ईडीपी और कंप्यूटर प्रबंधन में डिप्लोमा
व्यवसाय उद्यमिता में डिप्लोमा
प्रबंधक - भंडार एवं क्रय

रुची अग्रवाल
बी.ए., पीजीडीआरएम
प्रबंधक - भारतीय स्वर्ण नीति केंद्र

एस. भट्टाचार्य
बी.एससी. (कोलकाता)
संबंध प्रबंधक

एस.एन. राव
एम.एससी. (सांख्यिकी)
एडवांस कंप्यूटिंग में डिप्लोमा
प्रमुख - मानव संसाधन

समीर शेठ
सनदी लेखाकार
प्रबंधक - पीजीपी

संतोष परब
बी.ई. (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग)
प्रमुख - आईटी

सुदर्शनन एम.एस.
एम.ए.(लोक प्रशासन) (अन्नामलाई)
प्रवेश अधिकारी

श्रीनिवास संधिकर
बी. टेक.
प्रबंधक - एस्टेट

सुनील कुमार गर्ग
एम.एससी. (उदयपुर)
एमबीए (इग्नू)
मुख्य प्रबंधक - आईटी सेवाएँ

सुनील के. शाह
बी. कॉम.
लेखा अधिकारी

यू.बी. भावसार
एम.कॉम, इंटर सीए ग्रुप-1
कार्यक्रम अधिकारी - कार्यकारी शिक्षा

वाढेर हरेंद्र जे.
बी.ई. (सिविल) (एस.पी.यू.)
एमबीए (गुजरात)
मुख्य प्रबंधक - इंजीनियरिंग सेवाएँ एवं संपदा

विक्टर परेरा
एम.ए.
प्रबंधक - पूर्वछात्र संबंध

पुस्तकालय

हिमा बी. सोनी
बीए, एम. लिब. एससी. (सागर)
उप पुस्तकालयाध्यक्ष

हीरल टी. पटेल
पुस्तकालय विज्ञान में स्नातकोत्तर (गुजरात)
उप पुस्तकालयाध्यक्ष

मुरलीधरन के.एन.
एम. लिब. एससी. (इग्नू)
बी.कॉम. (गुजरात)
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

डॉ. यू.पी. पंड्या
बी.एससी. (सौराष्ट्र)
एल.एल.बी (गुजरात)
डी.एल.पी. (गुजरात)
एम. लिब.एससी. (इग्नू)
पीएच.डी. (उत्तर गुजरात)
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

स्थायी अनुसंधान कर्मचारी

श्रुति दवे
पीएच.डी. (एस.पी.विश्वविद्यालय)

सोनल कुरैशी
एम.बी.ए., एल.एल.बी. (गुजरात)
पीएच.डी. (एस.पी. विश्वविद्यालय)

सत्यमेव जयते

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग **INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT**

कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) **Office of the Principal Director of Audit (Central)**

लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद - ३८० ००९ **Audit Bhavan, Navrangpura, Ahmedabad - 380 009**

संख्या के.ले.प. (व्यय)/एसएआर/आईआईएम/अहमदाबाद/2017-18/716
दिनांक 19/12/2018

सेवा में,
भारत सरकार के सचिव,
मानव संसाधन विकास विभाग मंत्रालय,
माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग,
कमरा नंबर 529 शास्त्री भवन, सी विंग,
नई दिल्ली 110001

विषय : भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के वर्ष 2017-18 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

महोदय,

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2017-18 के लिए वार्षिक खातों की लेखा परीक्षा 13.08.2018 से 29.08.2018 के दौरान भारत के लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (डीपीसी) के अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अधीन की गई।

1) निम्नलिखित दस्तावेजों को इसके साथ भेजा जा रहा है

2) वर्ष 2017-18 के लिए पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं अनुलग्नक-क।

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2017-18 के वार्षिक लेखाओं की प्रमाणित प्रतिलिपि।

कृपया लेखा परीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत करने की व्यवस्था की जाए एवं जिस दिनांक को यह प्रतिवेदन लोकसभा एवं राज्यसभा के समक्ष प्रस्तुत किया जाए, उसकी सूचना इस कार्यालय को लेखा परीक्षा प्रतिवेदन की मुद्रित प्रति के साथ दी जाए, तथा उसकी एक प्रति, भारत के लेखानियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक, नई दिल्ली को पृष्ठांकित की जाए।

कृपया इस प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किए जाने से पहले तक गोपनीय समझा जाए।

हस्ताक्षरित/
उप निदेशक/आ.रा.ले.प. एवं के.ले.प. (व्यय)

संलग्नक : उपर्युक्त

प्रतिलिपि प्रेषित : निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान, वस्त्रापुर, अहमदाबाद-380015

वार्षिक लेखाओं एवं पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की प्रमाणित प्रति संलग्न है, जिसे संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखने तक गोपनीय समझा जाए।

जिस दिन, लेखा परीक्षा प्रतिवेदन की मुद्रित प्रति के साथ, यह पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन, संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखी जाए, उस दिनांक की सूचना, लेखापरीक्षा कार्यालय को दी जाए। मुद्रित प्रतिवेदन में प्रधान निदेशक, लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) का नाम उनके पदनाम के साथ अंकित किया जाए।

हस्ताक्षरित/
उप निदेशक/आ.रा.ले.प. एवं के.ले.प. (व्यय)

फोन / Phone : 079-26561282, 26561382, 26405882, फैक्स / Fax : 079-26560134, E-mail : pdacahmedabad@cag.gov.in

31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के लेखाओं पर भारतीय लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

हमने भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के संघ ज्ञापन एवं नियमावली के नियम 18 के साथ पठित लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अधीन 31 मार्च 2018 के अनुसार, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के संलग्न तुलन पत्र और 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के आय और व्यय तथा प्राप्ति एवं भुगतान के खातों की लेखापरीक्षा की है। यह लेखापरीक्षा वर्ष 2017-18 तक की अवधि के लिए सौंपी गई है। भारत सरकार ने भारतीय प्रबंध संस्थान अधिनियम, 2017 पारित किया है जो 31 जनवरी 2018 को लागू है। इसलिए इस संस्थान की लेखा परीक्षा लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के तहत 31 जनवरी 2018 से प्रभावी की गई है। इन वित्तीय विवरणों के प्रति उत्तरदायित्व, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के प्रबंधवर्ग का है। हमारा उत्तरदायित्व, हमारे द्वारा की गई लेखापरीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2. वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखाकरण विधियों के साथ अनुरूपता, लेखाकरण के मानदंडों तथा प्रकटीकरण मानकों, आदि के संबंध में, इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में, केवल लेखाकरण समाधान पर महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ समाविष्ट हैं। कानून, नियम एवं विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) तथा दक्षता-सह-कार्यनिष्पादन, आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेनों पर लेखापरीक्षा टिप्पणियाँ, यदि कोई हैं, तो उन्हें निरीक्षण प्रतिवेदनों / लेखा नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों के माध्यम से, पृथक रूप से दर्शाया गया है।

3. हमने यह लेखापरीक्षा, भारत के सामान्यतः स्वीकृत लेखापरीक्षा के मानकों के अनुसार की है। इन मानकों की अपेक्षा होती है कि हम यह तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाएँ और लेखापरीक्षा करें कि ये वित्तीय विवरण, गलत बयानी से मुक्त हैं। किसी भी लेखापरीक्षा के अंतर्गत, जाँच के आधार पर, धनराशियों का समर्थन करने वाले साक्ष्य और वित्तीय विवरणों में प्रकटन शामिल होते हैं। प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों का मूल्यांकन तथा प्रबंधवर्ग द्वारा लगाए गए महत्त्वपूर्ण अनुमानों के साथसाथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी लेखापरीक्षा में शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा की गई लेखापरीक्षा, हमारी राय को तर्कसंगत आधार प्रदान करती है।

4. हमारे लेखापरीक्षण के आधार पर, हम प्रतिवेदित करते हैं कि :-

   i. हमने वे सभी सूचनाएँ एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो लेखापरीक्षा के प्रयोजन के लिए हमारे संपूर्ण ज्ञान और विश्वास के लिए आवश्यक थे।

   ii. इस प्रतिवेदन में वर्णित तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खाते मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में तैयार किए गए हैं।

   iii. हमारी राय में, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद द्वारा समुचित लेखा बहियाँ और अन्य प्रासंगिक अभिलेख अनुरक्षित किए गए हैं, जहाँ तक हमारे द्वारा इन बहियों की जाँच करने से प्रतीत हुआ है।

टिप्पणियाँ

क. आय एवं व्यय खाते

क.1 व्यय

अकादमिक व्यय (अनुसूची-14) 56.01 करोड़ रुपए

इसमें वर्ष 2017-18 में आईआईएमए के पुस्तकालय के लिए खरीदे गए सामयिक पत्रों और डेटाबेस की लागत 6.90 करोड़ रुपये शामिल हैं। नोट 4.2 के अनुसार, अनुसूची-23 महत्त्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ, केन्द्रीय उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए वित्तीय विवरणों के प्रारूपों के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक जर्नल्स (ई-जर्नल) पुस्तकायल पुस्तकों से अलग रखे हैं क्योंकि इनकी पहुँच ऑनलाइन सुविधा से प्राप्त की जा सकती है। ई-पत्रिका मूर्त रूप में नहीं हैं, लेकिन अस्थायी रूप से पूँजीकृत और व्यय के महत्व को देखते हुए तथा अकादमिक और अनुसंधान कर्मचारियों द्वारा अर्जित सतत ज्ञान से प्राप्त लाभ के संदर्भ में हैं। पुस्तकालय की पुस्तकों के संबंध में प्रदान 10% मूल्यह्रास के मुकाबले ई-पत्रिकाओं के संबंध में मूल्यह्रास 40% की उच्च दर पर प्रदान किया गया है।

यह देखा गया कि इस वर्ष सामयिक पत्रों और डेटाबेस (ई-सामग्री के रूप में प्राप्त) की खरीद पर खर्च किए गए 6.90 करोड़ रुपए को पूंजीगत व्यय के तहत दर्शाने के बजाय राजस्व व्यय के रूप में दर्शाया गया है।

इसके परिणामस्वरूप अचल संपत्तियों के तहत 4.14 करोड़ रुपये की कमी आई है तथा व्यय में 4.14 करोड़ रुपये अधिक व्यय के रूप में दर्शाए गए हैं और इसके परिणामस्वरूप 4.14 करोड़ रुपये का अधिशेष रहा है।

क.2 मूल्यह्रास / परिशोधन (अनुसूची-18) 4.04 करोड़ रुपये

इसमें आईआईएम अहमदाबाद (संस्थान) में लुई काह्न भवन की पुस्तकालय इमारत के संरक्षण, मरम्मत और पुनर्स्थापन के अपूर्ण काम पर लगाए गए 46.41 लाख रुपये का अतिरिक्त मूल्यह्रास भी शामिल है। इसके परिणामस्वरूप मूल्यह्रास में 46.41 लाख रुपये अधिक दर्शाए गए हैं और इसीलिए इतनी ही राशि की अधिशेष में कमी हुई है।

ख. सामान्य

संस्थान द्वारा अपनाई गई अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास की विधि और दर मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निर्धारित मूल्यह्रास की दरों और विधि से अलग थी।

ग. सहायता अनुदानः

पिछले वर्ष के अव्ययित सहायता अनुदान में शेष राशि 66.43 लाख रुपए थी। वर्ष 2017-18 के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान की राशि 206.34 लाख रुपए (मार्च 2018 में 20.00 लाख रुपए की राशि प्राप्त हुई) थी। यह संस्थान 370.96 लाख रुपए की धनराशि का उपयोग कर सकता है। सहायता अनुदान की वर्ष के अंत में शेष राशि (-) 98.19 लाख रुपए थी।

घ. मैनेजमेंट लेटरः

इस लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में जिन कमियों को शामिल नहीं किया गया है उन्हें सुधारात्मक / संशोधनात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी किए गए एक मैनेजमेंट लेटर के माध्यम से निदेशक, आईआईएम अहमदाबाद के ध्यान में लाया गया है।

लेखापरीक्षा का कुल प्रभावः

इस लेखापरीक्षा का कुल प्रभाव यह है कि देनदारियाँ 4.60 करोड़ रुपये दर्शाई गई हैं, संपत्ति में 4.14 करोड़ रुपये दर्शाए गए हैं और अधिशेष में 0.46 करोड़ रुपये दर्शाए गए हैं।

iv. पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम सूचना देते हैं कि इस प्रतिवेदन में दर्शाए गए तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खाते लेखा-बहियों के अनुरूप हैं।

v. हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी में एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार कथित वित्तीय विवरण लेखांकन नीतियों और लेखाओं पर टिप्पणियों के अनुसार तथा उपरोक्त महत्तवपूर्श मामलों के संदर्भ से और इस लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के अनुलग्नक में दर्शाए गए अन्य मामलों के अधीन सामान्यतः भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं

अ. जहाँ तक यह भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के मामलों की स्थिति से संबंधित 31 मार्च 2018 के तुलन पत्र से संबंधित हैं और

आ. जहाँ तक यह इस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते के अधिशेष से संबंधित हैं।

भारत के लेखा नियंत्रक व महालेखा परीक्षक की ओर से एवं कृते

हस्ताक्षरित/

प्रधान निदेशक, लेखा परीक्षा (केन्द्रीय)

स्थानः अहमदाबाद
दिनांक : 11.12.2018

अनुलग्नक-क (लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के लिए)

1. **आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की उपयुक्तता :** संस्थान में कोई आंतरिक लेखापरीक्षा अनुभाग नहीं है। हालाँकि, संस्थान की आंतरिक लेखापरीक्षा धीरूभाई शाह एंड कंपनी, सनदी लेखाकार द्वारा की जाती है और यह आंतरिक लेखापरीक्षक प्रबंधन को अपनी त्रिमासिक आंतरिक लेखापरीक्षा रिपोर्ट उनके अवलोकलन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रस्तुत करता है। इसलिए, आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली पर्याप्त है तथा संस्थान के आकार और प्रकृति के अनुरूप है।

2. **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता :-** आंतरिक नियंत्रण प्रणाली निम्नलिखित के संदर्भ में पर्याप्त है :

   (क) संस्थान ने कर्मचारियों के रोटेशन के लिए कोई भी नीति नहीं अपनाई है।

   (ख) एनपीएस के लिए नियोक्ता और कर्मचारी का योगदान उसी महीने के वेतन से नहीं काटा गया जिस महीने से कर्मचारी सेवा में शामिल हुए हैं।

3. **अचल सम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली :** भौतिक सत्यापन नियमित अंतराल पर किया जाता है। अंतिम भौतिक सत्यापन अगस्त 2018 में किया गया था।

4. **वस्तुसूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली :** भौतिक सत्यापन नियमित अंतराल पर किया जा रहा है। अंतिम भौतिक सत्यापन अगस्त 2018 में किया गया था।

5. **वैधानिक देय राशियों के भुगतान में नियमितता :** संस्थान वैधानिक देय राशियों को जमा कराने में नियमित रहा है।

हस्ताक्षरित/

वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी/सीए (ई)

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

31 मार्च 2018 के अनुसार तुलन पत्र

(रु. लाखों में)

	अनुसूची	31.03.2018 को शेष राशि	31.03.2017 को शेष राशि
निधियों का स्रोत			
कॉर्पस / पूंजीगत राशि	1	16,674.73	13,889.57
निर्दिष्ट / निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	2	57,391.74	44,686.88
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	3	44,073.13	39,641.13
कुल		**1,18,139.60**	**98,217.57**
अचल संपत्तियाँ			
वास्तविक संपत्तियाँ	4	4,209.24	4,020.36
अमूर्त संपत्तियाँ	4	51.15	47.84
पूंजीगत कार्य प्रगति पर	4	700.72	326.36
निवेश			
दीर्घकालिक	5	82,458.86	73,444.05
वर्तमान संपत्तियाँ	6	20,587.81	11,989.79
ऋण, अग्रिम एवं जमा	7	10,131.82	8,389.17
कुल		**1,18,139.60**	**98,217.57**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	20		
खातों के नोट्स	21		

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण नं. 006711एन / एन 500028

एर्रोल डीसूज़ा
निदेशक

अरविंद मोदी
सहभागी
सदस्यता संख्या 112929

मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

लक्ष्मणदेव बी. गोहिल
मुख्य प्रबंधक - लेखा

दिनांक : 25-06-2018
स्थान :अहमदाबाद

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

31 मार्च, 2018 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते

(रु. लाखों में)

विवरण	अनुसूची	2017 - 2018	2016 - 2017
आय			
अकादमिक प्राप्तियाँ	8	20,958.75	18,593.83
अनुदान / सब्सिडी	9	250.97	193.58
निवेश से आय	10	483.12	1,118.83
अर्जित ब्याज	11	165.34	133.68
अन्य आय	12	2,471.74	2,405.92
कुल (क)		**24,329.92**	**22,445.83**
व्यय			
कार्मिक भुगतान एवं लाभ (प्रतिष्ठान व्यय)	13	7,650.94	15,449.44
अकादमिक व्यय	14	5,601.16	5,224.12
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	15	1,555.08	1,152.17
यातायात खर्चे	16	2.94	2.90
मरम्मत एवं रखरखाव	17	950.11	907.72
अवमूल्यन / परिशोधन	18	403.96	578.72
कुल (ख)		**16,164.18**	**23,315.06**
शेषराशि (लघु) / व्यय से अधिक आय (क-ख)		**8,165.74**	**-869.23**
निर्दिष्ट निधि में हस्तांतरण	19	7,100.00	-
शेष के नाते अधिशेष / (कमी) पूंजीगत निधि में लाया गया		**1,065.74**	**-869.23**
महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	20		
खातों के नोट्स	21		

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी
फर्म पंजीकरण नं. 006711एन / एन 500028
सनदी लेखाकार

एर्रोल डीसूजा
निदेशक

अरविंद मोदी
सहभागी
सदस्यता संख्या 112929

मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

लक्ष्मणदेव बी. गोहिल
मुख्य प्रबंधक - लेखा

दिनांक : 25-06-2018
स्थान :अहमदाबाद

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 1 - कॉर्पस / पूंजीगत निधि

(रु. लाखों में)

क्रम संख्या	विवरण	01.04.2017 को शेष राशि	खरीदी गई संपत्तियाँ / प्राप्त दान							31.03.2018 को शेष राशि
			अनुदान में से (भारत सरकार / राज्य सरकार)	निर्धारित निधि में से	प्रायोजित परियोजनाओं में से	दान / उपहार	ब्याज	अन्य	वर्ष के दौरान (चुकाए गए) / जमा किए	
1	कॉर्पस निधि	10,802.52	-	-	-	-	960.34	-	500.00 (क)	12,262.87
2	पूंजीगत निधि	3,784.83	0.07	315.32	28.77	438.56		0.02	-527.71 (ख)	4,039.82
3	आय और व्यय खाता	-743.78							1,065.74 (ग)	321.96
4	आईआईएमए सोसाइटी सदस्यता निधि	46.00					4.09		-	50.09
	कुल	**13,889.57**	**0.07**	**315.32**	**28.77**	**438.56**	**964.43**	**0.02**	**1,038.03**	**16,674.73**
	पिछले वर्ष	**14,925.27**	**4.20**	**81.44**	**16.10**	**225.58**		**-938.74**	**424.27**	**13,889.57**

(क) आय एवं व्यय खाते से स्वीकृत

(ख) अवमूल्यन की सीमा तक आय और व्यय खाते में हस्तांतरित

(ग) अधिशेष आय एवं व्यय खाते से स्थानांतरित किया गया

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 2 - निर्धारित कोष

(रु. लाखों में)

क्रमांक	विवरण	01.04.2017 को शेष राशि	प्राप्त योगदान	अन्य अर्जित आय	निवेश पर ब्याज आवंटन	निधि खातों के भीतर आंतरिक अंतरण	अन्य समायोजन	आय एवं व्यय खाते से स्वीकृत	पूंजीगत व्यय	राजस्व व्यय / मंजूर की गई परियोजनाएँ	31.03.2018 को शेष राशि
1	सीएमए कार्यक्रम के लिए निधि	585.68		6.99	51.35					104.07	539.95
2	पूर्वछात्र गतिविधियों के लिए निधि	488.31		133.84	46.67					47.42	621.39
3	कंप्यूटर पर खर्च के लिए निधि	1,365.58			119.81			2,000.00	315.32		3,170.07
4	छात्र कल्याण कोष	339.85	95.35	1.24	30.83					71.42	395.85
5	परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि	25,820.47			2,294.64	-9.01		1,500.00			29,606.10
6	नवप्रवर्तन एवं उष्मायन केंद्र	106.89		6.31	6.22					3.01	116.41
7	अनुसंधान, प्रकाशन और प्रमुख क्षेत्र निधि	3,948.04	30.91	181.28	330.66	-0.97		1,000.00		224.21	5,265.72
8	परिवहन अग्रिम निधि	72.07		1.06	6.46						79.59
9	मकान निर्माण अग्रिम	646.66		4.69	57.75						709.10
10	संकाय, अधिकारी एवं कर्मचारी विकास एवं कल्याण	1,027.21		211.25	70.64			2,100.00		162.30	3,246.80
11	अध्यक्ष निधि	633.82	38.00		55.57		-3.79		(क)	76.08	647.52
12	बंदोबस्ती निधि (अनुसूची 2क)	4,857.00	7.29		417.26	9.01			0.10	63.77	5,226.69
13	दान निधि										
	परिसर एवं अवसंरचना विकास	2,145.11	2,274.90		334.14	-4.83			438.11	43.74	4,267.47
	अनुसंधान एवं प्रकाशन	323.02			27.94					8.85	342.11
	छात्र सहायता	1,678.44	16.57		142.74	5.71				71.92	1,771.54
	कर्मचारी कल्याण	103.17	30.40		9.30				0.35	4.56	137.95
	संकाय पुरस्कार, अध्येतावृत्ति		51.00		1.11					1.00	51.11
	अन्य	545.57	594.68		56.01	0.09					1,196.35
	कुल	**44,686.88**	**3,139.11**	**546.67**	**4,059.09**	**-0.00**	**-3.79**	**6,600.00**	**753.88**	**882.35**	**57,391.74**
	पिछले वर्ष	**39,051.46**	**1,445.81**	**1,581.58**	**3,777.53**		**-129.88**		**307.01**	**732.60**	**44,686.88**

द्वारा प्रस्तुत	01.04.2017 को शेष राशि	31.03.2018 को शेष राशि
नकद एवं बैंक शेष	-	-
निवेश	44,686.88	57,391.74
ब्याज अर्जित किया परंतु देय नहीं है	-	-

नोट (क) पिछले वर्षों में आवंटित अतिरिक्त ब्याज को कोष से वापस ले लिया गया

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 2क - बंदोबस्ती निधि

अध्यक्ष निधि

(रु. लाखों में)

क्रमांक	बंदोबस्ती का नाम	01.04.2017 को शेष राशि		वर्ष के दौरान प्राप्त			कुल		वर्ष के दौरान वस्तु पर व्यय	31.03.2018 को शेष राशि		
		बंदोबस्त	संचित ब्याज	बंदोबस्त		ब्याज	बंदोबस्त	संचित ब्याज		बंदोबस्त	संचित ब्याज	कुल
1	अध्यक्ष निधि	2,330.62	586.06		(क)	246.25	2,330.62	841.32	21.24	2,330.62	820.08	3,150.70
					(ख)	9.01						
	कुल	**2,330.62**	**586.06**			**255.26**	**2,330.62**	**841.32**	**21.24**	**2,330.62**	**820.08**	**3,150.70**

दान निधि

क्रमांक	नाम	प्रारंभिक शेष		वर्ष के दौरान प्राप्त		वर्ष के दौरान व्यय		हस्तांतरण		समापन		कुल
		दान	ब्याज	दान	ब्याज	दान	ब्याज	दान	ब्याज	दान	ब्याज	
1	दान - रघुनंदन एवं अप्रमेय का वर्गखंड-2 आईएमडीसी	500.00	31.20		47.22	-	-	-	-	500.00	78.42	578.42
2	एंडोमेंट - पीजीपी 1992 बैचवर्गखंड हैरिटेज परिसर वर्गखंड-4	255.07	8.85	2.12	23.09	-	-	-	-	257.19	31.94	289.13
3	डॉर्म -1 के लिए प्रोफ़ेसर कमला चौधरी डॉर्म दान	350.00	37.67	-	34.46	0.10				349.90	72.13	422.03
4	आईआईएमेवरिक्स कॉर्पस - उद्यमशीलता को समर्थन करने के लिए आईआईएमए को दान	475.64	39.13	-	44.95	34.49	-	-	-	441.15	84.07	525.22
5	आईआईएमए एवं एसआरके व्याख्यान श्रृंखला के लिए दान	146.45	17.38	-	14.55	2.59	-	-	-	143.87	31.93	175.79
6	एसआरके विशिष्ट पीजीपीएक्स संकाय पुरस्कार के लिए दान	30.00	1.51	-	2.79	2.00			-	28.00	4.30	32.30
7	बंदोबस्ती निधि पीजीपी 1991 चिकित्सा समर्थन सेवानिवृत्ति समूह सी एवं डी - सीपीएफ़	28.54	0.59	5.17	2.34	2.45	-	-	-	31.25	2.93	34.18
8	एंडोमेंट - मदन मोहनका अनुसंधान एवं प्रकाशन पुरस्कार -संकाय एवं एफ़पीएम	18.00	0.30		1.62	1.00	-	-	-	17.00	1.91	18.91
	कुल	**1,803.70**	**136.63**	**7.29**	**171.01**	**42.63**				**1,768.36**	**307.64**	**2,075.99**
	कुल योग	**4,134.32**	**722.68**	**7.29**	**426.27**	**63.87**				**4,098.98**	**1,127.72**	**5,226.69**

नोट (क) वर्ष के दौरान बंदोबस्ती निधि पर अर्जित ब्याज

(ख) पिछले वर्षों से संबंधित ब्याज की बकाया राशि को निधि में जमा किया गया

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 3 - वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान

(रु. लाखों में)

विवरण		31.03.2018 को शेष राशि	31.03.2017 को शेष राशि
क.	**वर्तमान देनदारियाँ**		
1	कर्मचारियों से जमा राशि	2.00	3.70
2	छात्रों से जमा राशि	198.05	196.93
3	जमाअन्य (ईएमडी, सुरक्षा जमा सहित)	369.83	303.83
4	विविध लेनदार	-	
	सामान एवं सेवाओं के लिए	1,248.53	417.43
	अन्य (पूंजीगत कार्यों के लिए)	514.38	58.33
5	अग्रिम में प्राप्त शुल्क	3,979.78	2,999.81
6	वैधानिक देयताएँ	-	
	अतिदेय	-	
	अन्य	816.86	183.37
7	अन्य वर्तमान देयताएँ	-	
	वेतन	267.49	237.51
	पेंशन	93.01	83.51
	प्रायोजित परियोजनाओं / कार्यक्रमों (अनुसूची 3क) के लिए प्राप्तियाँ	3,295.03	2,193.22
	प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति (अनुसूची 3ख) के लिए प्राप्तियाँ	92.93	79.22
	अनुपयुक्त अनुदान (अनुसूची 9)	193.15	228.35
	कैट 2017	-	103.46
	छात्रों को वापसी योग्य सेवा कर / जीएसटी (पीजीपीएक्स)	936.20	727.59
	छात्र लेखा	105.08	101.51
	छात्र समारोह	233.06	295.21
	अन्य देनदारियाँ	584.82	479.69
	कुल क	**12,930.20**	**8,692.69**
ख	**प्रावधान**		
1	सेवानिवृत्ति पेंशन	24,246.43	24,180.85
2	संचित छुट्टी नकदीकरण	2,205.48	2,093.18
3	ग्रेच्युइटी	2,088.28	1,894.77
4	7वें केंद्रीय वेतन आयोग का बकाया भुगतान	1,459.86	1,363.62
5	अन्य	1,142.87	1,416.01
	कुल ख	**31,142.93**	**30,948.44**
	कुल (क + ख)	**44,073.13**	**39,641.13**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 3क - प्रायोजित परियोजनाएँ / कार्यक्रम

(रु. लाखों में)

क्रमांक	विवरण	01.04.2017 को शेष राशि		वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ / वसूलियाँ	वर्ष के दौरान व्यय	31.03.2018 को शेष राशि	
		जमा	नामे			जमा	नामे
1	मुक्त नामांकन कार्यक्रम	25.63	9.44	4,423.30	3,769.21	686.76	16.48
2	अनुकूलित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	501.13	0.13	5,279.23	5,158.69	626.49	4.95
3	परामर्शी परियोजनाएँ	1,066.22	36.92	1,561.35	1,156.04	1,474.51	39.89
4	अनुसंधान परियोजनाएँ	424.50	11.89	320.09	440.64	319.69	27.63
5	कार्यशाला, संगोष्ठी, सम्मेलन	131.43	7.87	677.77	655.80	150.03	4.51
6	अन्य परियोजनाएँ / कार्यक्रम	44.30	0.03	64.75	71.69	49.26	11.92
	कुल	**2,193.22**	**66.27**	**12,326.48**	**11,252.06**	**3,306.74**	**105.37**
	घटाया : अग्रिम रसीदों पर एकत्रित जीएसटी जिसके लिए चालान अभी तक नहीं लिया गया हैं			-	-	11.71	-
	कुल योग	**2,193.22**	**66.27**	**12,326.48**	**11,252.06**	**3,295.03**	**105.37**

अनुसूची 3ख - प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्तियाँ

(रु. लाखों में)

क्रमांक	प्रायोजक का नाम	01.04.2017 को शेष राशि		वर्ष के दौरान लेनदेन		31.03.2018 को शेष राशि	
		जमा	नामे	जमा	नामे	जमा	नामे
1	आईआईएम छात्रवृत्ति	7.28	-	17.64	16.88	8.04	-
2	केंद्र सरकार	71.94	-	75.93	62.97	84.90	-
3	उद्योगों से छात्रवृत्ति	-	-	-	-	-	-
	कुल	**79.22**	**-**	**93.57**	**79.85**	**92.93**	**-**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
अनुसूची 4 - अचल संपत्तियाँ

(रु. लाखों में)

		कुल संपत्ति				मूल्यह्रास				कुल संपत्तियाँ	
क्रमांक	संपत्ति के नाम	01.04.2017 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31.03.2018 के अनुसार	01.04.2017 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31.03.2018 के अनुसार	31.03.2018 के अनुसार	31.03.2017 के अनुसार
1	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	107.00			107.00					107.00	107.00
2	इमारतें	12,336.31	679.22		13,015.53	10,195.93	582.41		10,778.35	2,237.18	2,140.38
3	विद्युत स्थापना और उपकरण	883.64	13.40		897.04	584.76	40.65		625.41	271.63	298.88
4	संयंत्र और मशीनरी	14.98			14.98	3.73	1.69		5.42	9.56	11.25
5	कार्यालय उपकरण	1,812.72	51.51	22.46	1,841.78	1,361.48	71.35	15.49	1,417.34	424.44	451.24
6	श्रव्य दृश्य उपकरण	104.19	12.69		116.89	11.43	14.87		26.29	90.59	92.77
7	कंप्यूटर और पेरिफेरल्स	1,689.62	227.05	45.50	1,871.17	1,610.54	86.68	45.48	1,651.74	219.43	79.07
8	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	2,149.47	56.94	0.72	2,205.68	1,327.79	87.23	0.72	1,414.30	791.38	821.68
9	वाहन	37.71	11.73		49.43	19.61	3.59		23.21	26.23	18.09
10	पुस्तकालय की पुस्तकें	1,427.98	45.19	0.23	1,472.95	1,427.98	13.17		1,441.15	31.80	0.00
	कुल (क)	**20,563.62**	**1097.73**	**68.90**	**21,592.46**	**16,543.26**	**901.65**	**61.70**	**17,383.21**	**4,209.24**	**4,020.36**
	पिछले वर्ष	20,067.82	502.64	6.84	20,563.62	15,575.02	972.85	4.61	16,543.26	4,020.36	4,492.80
11	पूंजीगत कार्य प्रगति में (ख)	326.36	1027.01	652.64	700.72					700.72	326.36
	पिछले वर्ष	130.48	517.27	321.40	326.36					326.36	130.48

		कुल संपत्ति				ऋण परिशोधन				कुल संपत्तियाँ	
क्रमांक	अमूर्त संपत्ति	01.04.2017 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31.03.2018 के अनुसार	01.04.2017 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	1.03.2018 के अनुसार	31.03.2018 के अनुसार	31.03.2017 के अनुसार
12	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	87.44	33.33		120.76	39.59	30.02		69.62	51.15	47.84
	कुल (ग)	**87.44**	**33.33**		**120.76**	**39.59**	**30.02**		**69.62**	**51.15**	**47.84**
	पिछले वर्ष	24.76	62.67		87.44	9.46	30.14		39.59	47.84	15.31
	कुल योग (क+ख+ग)	**20,977.41**	**2158.07**	**721.55**	**22,413.94**	**16,582.86**	**931.67**	**61.70**	**17,452.83**	**4,961.10**	**4,394.56**
	पिछले वर्ष	20,223.07	1,082.59	328.24	20,977.41	15,584.48	1,002.99	4.61	16,582.86	4,394.56	4,638.59

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 4क - अचल संपत्तियाँ - योजना

(रु. लाखों में)

क्रमांक	संपत्ति के नाम	कुल संपत्ति				मूल्यह्रास				कुल संपत्तियाँ	
		01.04.2017 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31.03.2018 के अनुसार	01.04.2017 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	1.03.2018 के अनुसार	31.03.2018 के अनुसार	31.03.2017 के अनुसार
1	इमारतें	2,789.61			2,789.61	1,711.41	261.57		1,972.98	816.63	1,078.20
2	विद्युत स्थापना और उपकरण	275.44			275.44	134.77	14.07		148.84	126.60	140.67
3	कार्यालय उपकरण	365.96	0.07	3.28	362.75	310.98	8.17	2.73	316.42	46.33	54.98
4	कंप्यूटर और पेरिफेरल्स	155.86		0.84	155.02	154.91	0.38	0.84	154.45	0.57	0.95
5	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	547.32		0.37	546.95	312.09	23.52	0.37	335.24	211.71	235.23
6	पुस्तकालय की पुस्तकें	582.83			582.83	582.83			583.01	-0.18	
	कुल	**4,717.02**	**0.07**	**4.49**	**4,712.61**	**3,207.00**	**307.71**	**3.94**	**3,510.77**	**1,201.84**	**1,510.02**
	पिछले वर्ष	4,713.11	4.20	0.28	4,717.02	2,875.26	332.01	0.28	3,207.00	1,510.02	1,837.84

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 4 क - अचल संपत्तियाँ - अन्य

(रु. लाखों में)

		कुल संपत्ति				मूल्यह्रास				कुल संपत्तियाँ	
क्रमांक	संपत्ति के नाम	01.04.2017 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31.03.2018 के अनुसार	01.04.2017 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31.03.2018 के अनुसार	31.03.2018 के अनुसार	31.03.2017 के अनुसार
1	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	107.00			107.00					107.00	107.00
2	इमारतें	9,546.70	679.22		10,225.92	8,484.52	320.85		8,805.37	1,420.55	1,062.18
3	विद्युत स्थापना और उपकरण	608.20	13.40		621.60	449.99	26.59		476.57	145.03	158.21
4	संयंत्र और मशीनरी	14.98			14.98	3.73	1.69		5.42	9.56	11.25
5	कार्यालय उपकरण	1,446.76	51.43	19.17	1,479.02	1,050.49	63.19	12.76	1,100.92	378.11	396.27
6	श्रव्य दृश्य उपकरण	104.19	12.69		116.89	11.43	14.87		26.29	90.59	92.77
7	कंप्यूटर और पेरिफेरल्स	1,533.76	227.05	44.66	1,716.15	1,455.64	86.30	44.64	1,497.29	218.86	78.12
8	फर्नीचर, फिक्स्चर और फिटिंग	1,602.15	56.94	0.35	1,658.73	1,015.70	63.71	0.35	1,079.06	579.67	586.45
9	वाहन	37.71	11.73		49.43	19.61	3.59		23.21	26.23	18.09
10	पुस्तकालय की पुस्तकें	845.15	45.19	0.23	890.12	845.15	13.17		858.32	31.80	0.00
	कुल (क)	**15,846.60**	**1,097.66**	**64.41**	**16,879.85**	**13,336.26**	**593.94**	**57.76**	**13,872.45**	**3,007.40**	**2,510.34**
	पिछले वर्ष	15,354.71	498.45	6.56	15,846.60	12,699.76	640.84	4.33	13,336.26	2,510.34	2,654.96
11	**पूंजीगत कार्य प्रगति में (ख)**	**326.36**	**1,027.01**	**652.64**	**700.72**					**700.72**	**326.36**
	पिछले वर्ष	130.48	517.27	321.40	326.36					326.36	130.48

		कुल संपत्ति				ऋण परिशोधन				कुल संपत्तियाँ	
क्रमांक	अमूर्त संपत्ति	01.04.2017 के अनुसार	वृद्धि	कटौती	31.03.2018 के अनुसार	01.04.2017 के अनुसार	इस वर्ष के लिए	कटौती	31.03.2018 के अनुसार	31.03.2018 के अनुसार	31.03.2017 के अनुसार
12	कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	87.44	33.33		120.76	39.59	30.02		69.62	51.15	47.84
	कुल (ग)	**87.44**	**33.33**		**120.76**	**39.59**	**30.02**		**69.62**	**51.15**	**47.84**
	पिछले वर्ष	24.76	62.67		87.44	9.46	30.14		39.59	47.84	15.31
	कुल योग (क+ख+ग)	**16,260**	**2,158**	**717**	**17,701**	**13,376**	**624**	**58**	**13,942**	**3,759**	**2,885**
	पिछले वर्ष	15,510	1,078	328	16,260	12,709	671	4	13,376	2,885	2,801

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 5 - पूर्वनिर्धारित / बंदोबस्ती निधि से निवेश

(रु. लाखों में)

क्रमांक	विवरण	31.03.2018 के अनुसार	31.03.2017 के अनुसार
	दीर्घकालिक		
1	केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में	58,129.88	55,338.38
2	राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	1,779.04	1,779.04
3	बॉन्ड्स	12,903.73	8,445.48
4	बैंकों एवं एनबीएफ़सी के साथ सावधि जमा	9,646.21	7,881.09
		82,458.86	73,443.99
	प्रीमियम के लिए प्रावधान / (छूट) निवेश की ऋणमुक्ति पर		0.06
	कुल	**82,458.86**	**73,444.05**

अनुसूची 6 - मौजूदा संपत्तियाँ

(रु. लाखों में)

क्रमांक	विवरण	31.03.2018 के अनुसार	31.03.2017 के अनुसार
1	**स्टॉक**		
	क) विद्युत सामग्री	12.83	12.80
	ख) साहित्य सामग्री	23.72	38.19
	ग) अन्य	6.55	4.48
		43.10	55.48
2	**नकद और बैंक शेष**		
	क) अनुसूचित बैंकों के साथ		
	चालू खातों में		
	रुपया खाता	2,908.88	479.63
	एफसी खाते	12.29	0.13
	सावधि जमा खातों में	11,925.99	9,743.69
	बचत खातों में	5,695.32	1,705.88
	बचत खातों में (आईआईएम नागपुर)	-	
		20,542.47	11,929.33
	ख) हस्तगत नकद	0.16	0.25
	ग) हस्तगत स्टेम्प	2.07	4.72
	कुल	**20,587.81**	**11,989.79**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 7 - ऋण, अग्रिम एवं जमा

(रु. लाखों में)

क्रमांक	विवरण		31.03.2018 के अनुसार		31.03.2017 के अनुसार	
1	**कर्मचारियों को अग्रिम(ब्याज रहित व्यवहार)**					
	क)	त्यौहार	1.43		0.49	
	ख)	अन्य	28.33	29.76	26.95	27.44
2	**अग्रिम एवं नकद या प्रकार की अन्य वसूली योग्य राशि या मूल्य प्राप्त करने वाली राशि**					
	क)	अन्य को अग्रिम	133.14		122.47	
	ख)	छात्र	8.01		10.01	
	ग)	आईआईएम नागपुर	0.25		45.66	
	घ)	पेंशन वसूली	30.55		30.55	
	ङ)	अग्रिम में भुगतान किया गया सेवा कर	-		3.76	
	च)	जीएसटी / सेवा कर निविष्ट जमा प्राप्य	80.83		54.56	
	छ)	विरोध के तहत भुगतान किया सेवा कर (पीजीपीएक्स)	936.20		727.59	
	ज)	टीडीएस प्राप्य	1,905.10		1,987.67	
	झ)	मांग आदेशों के लिए सेवा कर भुगतान (पिछले वर्षो के लिए)	402.59	3,496.69	-	2,982.29
3	**पूर्व भुगतान व्यय**					
	क)	बीमा	10.94		6.97	
	ख)	अन्य खर्च	172.05	183.00	157.35	164.33
4	**जमा**					
	क)	टेलीफोन	0.21		0.21	
	ख)	बिजली	65.49		54.99	
	ग)	गैस जमा	22.88		22.88	
	घ)	अन्य सुरक्षा जमा	3.19	91.76	1.50	79.58
5	**उपार्जित आय**					
	क)	निवेश पर	3,878.89		3,589.08	
	ख)	अन्य (अवास्तविक आय शामिल है)	2,346.34	6,225.23	1,480.19	5,069.27
6	**अनुदान / प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त अन्य मौजूदा परिसंपत्तियाँ**					
	क)	प्रायोजित परियोजनाओं में नामे शेष	105.37		66.27	
	ख)	प्राप्य अनुदान	-	105.37	-	66.27
		कुल		**10,131.82**		**8,389.17**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 8 - अकादमिक प्राप्तियाँ

(रु. लाखों में)

विवरण		2017-2018	2016-2017
छात्रों से फीस			
अकादमिक			
1. शिक्षण शुल्क		8,823.69	7,922.45
2. प्रवेश शुल्क		92.85	48.68
3. नामांकन फीस		6.43	3.96
4. शैक्षणिक सहायता		2,406.39	2,064.03
5. अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम		199.81	147.45
	कुल (क)	**11,529.17**	**10,186.57**
परीक्षाएँ			
1. प्रवेश परीक्षा शुल्ककैट (कुल)		357.24	559.09
2. मार्क शीट, सर्टिफिकेट फीस		30.87	43.45
	कुल (ख)	**388.11**	**602.54**
अन्य शुल्क			
1. जुर्माना / विविध फीस		21.81	52.41
2. चिकित्सा शुल्क		25.27	25.12
3. छात्रावास शुल्क		884.32	791.61
4. भोजनालय प्रभार		84.29	69.03
	कुल (ग)	**1,015.68**	**938.16**
अन्य शैक्षणिक प्राप्तियाँ			
(क) कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम			
1. कार्यशालाओं, कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क		3,556.56	3,282.60
2. स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम के लिए पंजीकरण शुल्क		4,423.24	3,526.68
		7,979.80	**6,809.29**
(ख) पंजीकरण शुल्क (शैक्षणिक कर्मचारी)		45.99	57.27
	कुल (घ)	**8,025.78**	**6,866.56**
	कुल योग (क + ख + ग + घ)	**20,958.75**	**18,593.83**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 9 - अनुदान / सबसिडियाँ (प्राप्त किए गए स्थिर अनुदान)

(रु. लाखों में)

विवरण	भारत सरकार		कुल	भारत सरकार		कुल
	एफ़पीएम	सीएमए	2017-2018	एफ़पीएम	सीएमए	2016-2017
शेष अग्रेनित	177.38	50.97	228.35	161.47	57.62	219.09
जुड़े : वर्ष के दौरान प्राप्त / प्राप्य अनुदान		200.00	200.00		191.12	191.12
जुड़े : वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	15.77		15.77	15.91		15.91
कुल	**193.15**	**250.97**	**444.12**	**177.38**	**248.74**	**426.12**
घटाया : धनवापसी						
शेष	**193.15**	**250.97**	**444.12**	**177.38**	**248.74**	**426.12**
घटाया : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग में लिया					4.20	4.20
शेष	**193.15**	**250.97**	**444.12**	**177.38**	**244.55**	**421.92**
घटाया : राजस्व व्यय के लिए उपयोग (क)		250.97	250.97		193.58	193.58
अग्रेनित शेष (ख)	**193.15**		**193.15**	**177.38**	**50.97**	**228.35**

क - आय और व्यय खाते में अनुदान आय के रूप में दिखाया गया।

ख - अनुसूची 3 में तुलन पत्र में वर्तमान देयताओं के तहत दिखाया गया।

अनुसूची 10 - निवेश से आय

(रु. लाखों में)

विवरण		2017-2018	2016-2017
1. ब्याज			
क. सरकारी प्रतिभूतियों पर		4,496.43	4,097.84
ख. अन्य बॉन्ड		1,091.43	1,009.35
2. सावधि जमा पर ब्याज		2,305.83	1,823.34
	कुल	**7,893.69**	**6,930.53**
घटाया			
1. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि पर हस्तांतरित किया गया		4,059.09	3,777.53
2. परियोजना खाते में हस्तांतरित		14.00	20.11
3. अनुदान खाते में हस्तांतरित		15.77	15.91
4. कॉर्पस निधि में हस्तांतरित		964.43	
5. सेवानिवृत्ति लाभ खाते के लिए प्रावधान में हस्तांतरित		2,357.28	1,998.16
	कुल	**7,410.57**	**5,811.70**
	कुल	**483.12**	**1,118.83**

अनुसूची 11 - अर्जित ब्याज

(रु. लाखों में)

विवरण		2017-2018	2016-2017
1. अनुसूचित बैंकों के साथ बचत खातों पर		165.34	133.68
	कुल	**165.34**	**133.68**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 12 - अन्य आय

(रु. लाखों में)

विवरण		2017-2018	2016-2017
क. भूमि एवं भवनों से आय			
1. छात्रावास कक्ष किराया		41.66	13.03
2. लाइसेंस शुल्क		22.89	17.50
3. सभागार / खेल मैदान / कन्वेंशन सेंटर, आदि का किराया शुल्क		120.83	116.20
4. सुविधाएँ (एमडीसी / आईएमडीसी / नव परिसर आदि)		268.46	291.69
	कुल क	**453.84**	**438.42**
ख. संस्थान के प्रकाशनों की बिक्री		-	-
	कुल ख	-	-
ग. अन्य			
1. परामर्शन से आय		771.81	755.40
2. परामर्शन परियोजनाओं से शेष वापसी		-	-
3. अनुसंधान परियोजनाओं से आय		258.67	340.34
4. स्थानन शुल्क		450.29	476.40
5. छात्रवृत्तियाँ		-	-
6. आरटीआई शुल्क		0.00	0.01
7. रॉयल्टी से आय		-	-
8. निवेश पर ब्रोकरेज		138.03	213.71
9. संपत्तियों की बिक्री / निपटान पर लाभखुद की परिसंपत्तियाँ		-	-
10. विविध प्राप्तियाँ (निविदा फार्म, वेस्ट कागज की बिक्री, जुर्माना आदि)		212.28	131.67
11. संपत्ति की बिक्री की सीमा तक वापसी मूल्यह्रास निधि		-	-
12. स्टेंसिल सामग्री की बिक्री		57.48	49.97
13. टीडीएस वापसी पर ब्याज		129.33	-
	कुल ग	**2,017.91**	**1,967.50**
	कुल (क+ख+ग)	**2,471.74**	**2,405.92**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 13 - कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना खर्च)

(रु. लाखों में)

विवरण	शैक्षिक	अशैक्षिक	अविभाज्य	2017-2018	2016-2017
योजनेतर					
क) वेतन एवं मजदूरी	2,218.84	1,726.00	-	3,944.84	3,973.58
ख) भत्ते एवं बोनस	-	11.12	-	11.12	20.19
ग) भविष्य निधि में योगदान	33.57	26.11	-	59.68	31.60
घ) कर्मचारी कल्याण व्यय	-	-	83.55	83.55	71.79
ङ) सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ (देखें अनुसूची 13क)	76.71	59.67	-	136.38	6,914.18
च) एलटीसी सुविधा	15.60	20.52	-	36.12	70.50
छ) चिकित्सा सुविधा	18.86	63.55	-	82.41	93.24
ज) बाल शिक्षा भत्ता	7.09	15.89	-	22.98	26.20
झ) 7वें केंद्रीय वेतन आयोग का बकाया	7.19	-	-	7.19	1,333.07
कुल क	**2,377.85**	**1,922.87**	**83.55**	**4,384.27**	**12,534.35**
अन्य स्थापना खर्च					
क) सीएमए प्रोजेक्ट	115.31	109.00	-	224.31	171.62
ख) परामर्श परियोजनाएँ	431.51	83.10	-	514.62	469.96
ग) अनुसंधान परियोजनाएँ	15.78	100.87	-	116.65	195.89
घ) केंद्र गतिविधियाँ	-	6.20	-	6.20	0.30
ङ) स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	1,439.79	117.14	-	1,556.93	1,289.74
च) मुक्त नामांकन कार्यक्रम	747.79	100.17	-	847.96	787.58
कुल ख	**2,750.18**	**516.48**	-	**3,266.67**	**2,915.09**
कुल	**5,128.04**	**2,439.35**	**83.55**	**7,650.94**	**15,449.44**

अनुसूची 13क - कर्मचारी सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ

(रु. लाखों में)

विवरण	पेंशन	ग्रेचुइटी	छुट्टी नकदीकरण	2017-2018	2016-2017
1.04.2017 को अथशेष	24,180.85	1,894.77	2,093.18	28,168.80	20,839.41
जोड़े :निधि में जमा ब्याज	2,023.55	158.56	175.17	2,357.28	1,998.16
कुल (क)	**26,204.40**	**2,053.33**	**2,268.35**	**30,526.08**	**22,837.56**
घटाया :वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ख)	1,595.40	230.70	129.36	1,955.46	1,445.59
31.03.2018 को उपलब्ध शेष राशि ग (क - ख)	24,609.00	1,822.63	2,138.99	28,570.62	21,391.97
बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2018 को आवश्यक प्रावधान (घ)	**24,246.43**	**2,088.28**	**2,205.48**	**28,540.19**	**28,168.80**
क. चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान (घ - ग)	**-362.57**	**265.65**	**66.49**	**-30.43**	**6,776.83**
ख. नई पेंशन योजना के लिए योगदान				163.27	134.55
ग. सेवानिवृत्ति पर गृहनगर यात्रा				3.54	2.81
कुल(क+ख+ग)				**136.38**	**6,914.18**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 14 - अकादमी खर्च

(रु. लाखों में)

	विवरण	2017-2018	2016-2017
	योजनेतर		
	क - शैक्षणिक व्यय		
क)	सम्मेलनों में क्षेत्र कार्य / भागीदारी	28.39	31.77
ख)	अभ्यागत संकायों को भुगतान	317.78	228.13
ग)	प्रवेश व्यय	132.57	134.93
घ)	दीक्षांत व्यय	42.39	10.68
ङ)	स्टाइपेंड / मीन्स-कम-मेरिट छात्रवृत्ति	1,122.54	1,119.76
च)	पुस्तकें और केस सामग्री	327.99	267.20
छ)	बिजली - छात्र	91.32	97.07
ज)	चिकित्सा खर्च	28.66	16.79
झ)	विविध व्यय	161.61	129.77
ञ)	स्थानन व्यय	87.69	66.30
ट)	छात्र विनिमय कार्यक्रम	2.71	3.35
ठ)	अंतर्राष्ट्रीय निमज्जन	101.40	104.11
ड)	भोजनालय व्यय	25.75	22.06
ढ)	कमरों का किराया	58.53	46.97
ण)	पुस्तकालय खर्च	711.73	661.44
त)	विपणन, संवर्धन एवं विकास व्यय	26.46	22.22
	कुल क	**3,267.53**	**2,962.57**
	ख - अन्य परियोजनाएँ / कार्यक्रम व्यय		
क)	मुक्त नामांकन कार्यक्रम	617.99	644.01
ख)	कार्यशालाएँ, सम्मेलन आदि	135.42	180.74
ग)	स्वनिर्धारित कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम	475.51	321.52
घ)	परामर्श परियोजनाएँ	78.94	99.63
ङ)	संकाय विकास कार्यक्रम	22.72	28.59
च)	अनुसंधान परियोजनाएँ	79.64	119.75
छ)	सीएमए अन्य व्यय	26.66	21.96
ज)	केंद्र गतिविधियाँ	6.17	3.10
झ)	संकाय एवं व्यावसायिक विकास व्यय	55.73	51.80
	कुल ख	**1,498.78**	**1,471.10**
	ग - सामान्य व्यय - उपयोग में ली गई सुविधाएँ		
क)	गृह व्यवस्थापन शुल्क	371.98	364.71
ख)	भोजनालय शुल्क	324.71	293.32
ग)	बिजली शुल्क	96.92	99.19
घ)	मरम्मत एवं रखरखाव (भवन, फर्नीचर एवं उपकरणों से संबंधित)	18.90	14.74
ङ)	विविध व्यय	22.35	18.47
	कुल ग	**834.85**	**790.44**
	कुल (क+ख+ग)	**5,601.16**	**5,224.12**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 15 - प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय

(रु. लाखों में)

विवरण		2017-2018	2016-2017
योजनेतर			
क बुनियादी ढाँचा			
क) बिजली और पावर		159.25	152.81
ख) जल प्रभार		82.84	76.10
ग) बीमा		11.57	14.50
घ) किराया, दरें और कर (संपत्ति कर सहित)		59.35	66.10
	कुल क	**313.01**	**309.51**
ख संचार			
क) डाक और स्टेशनरी		1.36	-0.61
ख) टेलीफोन, फैक्स और इंटरनेट शुल्क		66.11	68.88
	कुल ख	**67.46**	**68.28**
ग अन्य			
क) मुद्रण और स्टेशनरी		21.66	63.25
ख) यात्रा और परिवहन व्यय		189.39	87.59
ग) आतिथ्य		48.72	46.33
घ) लेखा परीक्षक पारिश्रमिक		6.53	6.15
ङ) व्यावसायिक / कानूनी शुल्क		47.39	44.15
च) विज्ञापन और प्रचार		26.93	15.84
छ) सुरक्षा प्रभार		227.93	208.94
ज) संस्थान द्वारा वहन किया जाने वाला सेवा कर		377.48	208.38
झ) कार्मिक भोजनालय व्यय		20.03	21.00
ञ) विविध व्यय		201.14	68.27
ट) संपत्तियों की बिक्री पर नुकसान		3.63	1.74
ठ) बैंक कमिशन		3.77	2.76
	कुल ग	**1,174.61**	**774.38**
	कुल (क+ख+ग)	**1,555.08**	**1,152.17**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 16 - परिवहन व्यय

(रु. लाखों में)

विवरण		2017-2018	2016-2017
योजनेतर			
1 वाहन (संस्थान के स्वामित्व वाले)			
क) चालू खर्च		1.83	1.68
ख) मरम्मत और रखरखाव		0.57	0.65
ग) बीमा खर्च		0.54	0.57
	कुल	**2.94**	**2.90**

अनुसूची 17 - मरम्मत एवं रखरखाव

(रु. लाखों में)

विवरण		2017-2018	2016-2017
योजनेतर			
क) इमारतें		175.49	151.35
ख) फर्नीचर एवं फिक्स्चर		26.20	39.67
ग) कार्यालय उपकरण		48.90	39.60
घ) कंप्यूटर		103.96	102.31
ङ) संपत्ति रखरखाव		595.56	574.80
	कुल	**950.11**	**907.72**

अनुसूची 18 - मूल्यह्रास / परिशोधन

(रु. लाखों में)

विवरण		2017-2018	2016-2017
मूर्त परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास		901.65	972.85
अमूर्त संपत्तियों का परिशोधन		30.02	30.14
		931.67	1,002.99
घटाया :पूंजी निधि से हस्तांतरित		527.71	424.27
	कुल	**403.96**	**578.72**

अनुसूची 19 - नामित निधि में हस्तांतरण

(रु. लाखों में)

विवरण		2017-2018	2016-2017
क) आईआईएमए कॉर्पस निधि		500.00	-
ख) परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि		1,500.00	-
ग) ग्रुप मेडिक्लेम तथा सावधि बीमा निधि		2,100.00	-
घ) अनुसंधान, प्रकाशन और प्रमुख क्षेत्र निधि		1,000.00	-
ङ) कंप्यूटर व्ययों के लिए निधि		2,000.00	-
	कुल	**7,100.00**	**-**

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 20 : महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1. लेखा परंपरा

जर्नलों तथा सामयिकी पत्रिकाओं और कर्मचारियों के विकास भत्ते के लिए अपनाई जाने वाली लेखांकन परंपराओं को छोड़कर ऐतिहासिक लागत प्रथा, तथा लेखांकन प्रोद्भवन विधि के तहत सामान्यतः भारतीय स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के अनुसार और भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा अधिसूचित लेखांकन मानकों के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार किए गए हैं।

वित्तीय विवरण, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए बृहत् रूप से निर्धारित प्रारूप के आधार पर व्यापक रूप से तैयार किए गए हैं।

2. अनुमानों का उपयोग

प्रतिवेदन अवधि के दौरान वित्तीय विवरणों को तैयार करने में आय और व्यय की तारीख के अनुरूप भारतीय जीएएपी के अनुसार प्रबंधकों को समीक्षाधीन अवधि के दौरान संपत्ति और देनदारियों (आकस्मिक देयताओं सहित) की प्रतिवेदित मात्रा में अनुमानों और मान्यताओं के लिए प्रबंधन की आवश्यकता है।

प्रबंधन का मानना है कि वित्तीय विवरणों की तैयारी में प्रयुक्त अनुमान विवेकपूर्ण और उचित हैं। लेखा के अनुमान प्रत्येक अवधि में परिवर्तनशील हो सकते हैं। वास्तविक परिणाम उन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं। अनुमानों के आस-पास की परिस्थितियों में बदलाव के बारे में संचालनकर्ता जागरू क बन जाते हैं इसलिए अनुमानों में उचित परिवर्तन किए जाते हैं। अनुमान में परिवर्तन वित्तीय विवरणों में उस अवधि के दौरान प्रतिबिंबित होता है, जिसमें परिवर्तन किए जाते हैं और यदि सामग्री है, तो उनके प्रभाव वित्तीय विवरणों के नोट्स में प्रकट होता है।

3. वस्तुसूची मूल्यांकन

वस्तुसूची में भंडार, लेखन-सामग्री और उपभोग्य वस्तुएँ शामिल हैं और लागत के निचले स्तर या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर मूल्यांकित हैं। लागत में खरीद की लागत और संबंधित प्रत्यक्ष लागत शामिल है। भारित औसत विधि का उपयोग करने पर वस्तुसूची की लागत लाई गई है।

4. अचल संपत्तियाँ

मूर्त संपत्तियाँ

मूर्त अचल संपत्ति कम लागत संचित मूल्यह्रास पर दर्शायी गई हैं और क्षतियाँ, यदि कोई हैं तो, उन पर दर्शायी गई हैं। अचल संपत्तियों के अधिग्रहण की लागत में भाड़ा, शुल्क और कर तथा परिसंपत्ति के अधिग्रहण से संबंधित अन्य आकस्मिक और प्रत्यक्ष व्यय और अपेक्षित उपयोग के लिए अपनी कार्यशील स्थिति में लाने के लिए व्यय शामिल हैं।

निर्माणाधीन परियोजनाओं के संबंध में, संबंधित पूर्व-परिचालन व्यय, पूंजीगत परिसंपत्तियों के मूल्य का हिस्सा हैं।

उपहार / दान के माध्यम से प्राप्त मूर्त परिसंपत्तियों का मूल्यांकन इसी रूप में पूंजीगत निधि में किया जाता है।

निर्धारित निधियों और प्रायोजित परियोजनाओं की निधियों से बनी परिसंपत्तियाँ, जहाँ संस्थान में निहित ऐसी संपत्तियों का स्वामित्व, पूंजीगत निधि के लिए क्रेडिट द्वारा स्थापित किया गया है और उन्हें संस्थान की मूर्त संपत्ति के साथ विलय कर दिया गया है।

अमूर्त संपत्तियाँ

अमूर्त संपत्तियाँ अधिग्रहण की उनकी लागत, कम संचित ऋण मुक्ति और हानि नुकसान को घटाकर बताई गई हैं। अमूर्त संपत्ति वहाँ समझना है, जहाँ यह संभव है कि भविष्य में आर्थिक लाभ संपत्ति के कारण उद्यम बनेंगे और जहाँ इसका मूल्य / लागत विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।

संस्थान सॉफ्टवेयर निधि बनाता है और संबंधित कार्यान्वयन लागत को बढ़ाता है जहाँ इसके यथोचित अनुमान हैं कि सॉफ्टवेयर में एक स्थायी उपयोगी जीवन का फायदा मिल सके।

5. मूल्यह्रास

मूर्त परिसंपत्तियों पर

भवनों पर मूल्यह्रास, सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया गया है, जबकि अन्य परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास, ह्रासित मूल्य पद्धति पर प्रदान किया गया है। मूल्यह्रास की दरें, मुख्य परिसर के भवनों के अलावा, आयकर अधिनियम, 1961 में निर्दिष्ट के अनुसार हैं। इस मामले में, जहाँ आवासीय और गैर आवासीय भवनों के अलगअलग आँकड़े उपलब्ध नहीं हैं और भवन का बड़ा हिस्सा आवासीय प्रयोजन के लिए है,

वहाँ मूल्यह्रास की दर 5% लागू की गई है, जबकि गैर आवासीय भवनों के लिए आयकर अधिनियम द्वारा नियत दर 10% है।

परिसंपत्ति पर मूल्यह्रास जहाँ मदवार वास्तविक लागत 5,000/ रु. के बराबर या उससे कम हैं, वहाँ उसे कम मूल्य की संपत्ति माना गया है और यह 100% की दर से प्रदान की गई है।

अचल परिसंपत्तियों से संबंधित पूंजी अनुदानों / निधियों (सरकारी और गैर-सरकारी) को आस्थगित आय के रूप में मान्यता दी गई है और इसे आय एवं व्यय खाते में लिया गया है। अर्थात् दीर्घ अवधियों में पूंजीगत अनुदानों / निधियों को उसी अनुपात में आवंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास लगाया गया है।

अमूर्त आस्तियों की ऋणमुक्ति

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को 40% की दर से परिशोधित किया गया है (पिछले वर्ष 60% थी)।

6. निवेश

'दीर्घकालिक निवेश' के रूप में वर्गीकृत निवेशों को लागत पर लगाया गया है। अस्थायी के अलावा, ह्रास के प्रावधान, ऐसे निवेशों को लागत में लाने के लिए किए हैं।

निवेश के अधिग्रहण पर प्रीमियम परिपक्वता की तारीख तक यथानुपात परिशोधन किया गया है।

7. निर्धारित / बंदोबस्ती निधियाँ

निर्धारित

दीर्घ अवधि की निधियों को विशिष्ट उद्देश्य के लिए निर्धारित किया गया है और इन्हीं को बैंकों के साथ सरकारी प्रतिभूतियों, बांड और सावधि जमा में निवेश किया गया है। निवेशों से आय निवेश पर अर्जित ब्याज की औसत दर के आधार पर संबंधित निधियों में जमा की जाती है क्योंकि संस्थान के पास निवेशों का एक बड़ा समूह है। व्यय और अग्रिम को इन निधि में नामे किया जाता है। परिसंपत्तियाँ निर्धारित निधियों से बनाई गई हैं जहाँ संस्थान का स्वामित्व निहित है, और इन्हें पूंजीगत निधि के बराबर राशि जमा करके संस्थान की संपत्तियों के साथ विलय कर दिया जाता है। संबंधित निधियों में शेष राशि को आगे बढ़ाया गया है और निवेशों तथा उपार्जित ब्याज द्वारा परिसंपत्तियों का प्रतिनिधित्व किया गया है।

बंदोबस्ती निधि

विभिन्न व्यक्तिगत दाताओं, ट्रस्टों एवं अन्य संगठनों से प्राप्त वित्तपोषण ही बंदोबस्ती निधि है, जो अध्यक्षनिधि और पदकों एवं पुरस्कार के लिए स्थापित किया जाता है। इसी को बैंकों के साथ सरकारी प्रतिभूतियों, बॉन्ड और सावधि जमाओं में निवेश किया गया है।

निवेश से प्राप्त आय औसत मासिक निवेश पर अर्जित ब्याज की औसत दर के आधार पर संबंधित निधियों में जमा की जाती है क्योंकि संस्थान के पास निवेश का एक समूह है और प्रत्येक कोष में औसत मासिक अंतः शेष के अनुपात में इन्हें आवंटित किया जाता है। संबंधित बंदोबस्ती निधियों के निवेश पर अर्जित ब्याज से पदकों और पुरस्कारों पर व्यय किया जाता है और शेष राशि को आगे बढ़ाया गया है।

अध्यक्ष-निधि के संबंध में, ब्याज आय की कमी के मामले में बंदोबस्ती निधि का कार्पस इस्तेमाल किया जा सकता है। शेष राशियों को निवेश और उपार्जित ब्याज के रूप में दर्शाया जाता है।

8. राजस्व मान्यता

नामांकन फीस को छोड़कर 'कार्यकारी पाठ्यक्रम के लिए पीजीपी' छात्रों की फीस जो रसीद के आधार पर प्राप्त होती है उसे प्रोद्भवन के आधार पर मान्यता प्राप्त है।

आजीवन सदस्यता शुल्क पूंजीगत प्राप्ति के रूप में माने गए हैं और कॉर्पस / पूंजीगत निधि के तहत दर्शाए गए हैं।

भूमि और भवन, स्थानन शुल्क, अन्य विविध प्राप्तियाँ और निवेश पर ब्याज से प्राप्त आय को प्रोद्भवन आधार पर गिना गया है।

वर्ष के अंत में चालू अनुसंधान, परामर्शन, सीईई और ओईपी परियोजनाओं से आय को संबंधित परियोजना के तहत वर्ष के दौरान किए गए खर्च की सीमा तक आय एवं व्यय खाते में मान्यता दी गई है, क्योंकि संस्थान के शेयर और परियोजना से आय के संकायों के शेयर परियोजना बंद होने तक निश्चित नहीं होते हैं।

दान, बीमा दावे से प्राप्तियाँ और कैट फीस से अंशदान, प्राप्ति के आधार पर गिना गया है।

9. निवेश पर ब्याज

निधि के प्रशासन के लिए वर्ष के दौरान अर्जित कुल ब्याज का 1% समायोजित करने के बाद वर्ष के दौरान औसत मासिक निवेश पर अर्जित औसत ब्याज की औसत दर के आधार पर निर्धारित, बंदोबस्ती तथा अन्य निधियों में निवेश पर ब्याज को संबंधित निधि खाते में आवंटित किया जाता है। ऐसी राशि को आय एवं व्यय खाते में ब्याज से आय के रूप में दर्शाया गया है।

संबंधित निर्धारित, बंदोबस्ती, कॉर्पस और अन्य निधियों को आबँटन के बाद कोई अधिशेष ब्याज आय और व्यय खाते में 'ब्याज से आय' के रूप में पहचाना गया है।

10. विदेशी मुद्रा लेन-देन

विदेशी मुद्रा में किए गए लेन-देनों की गणना, लेन-देन की नियत तिथि पर प्रचलित विनिमय दर पर की गई है। इस अवधि के दौरान अदा की गई विदेशी मुद्रा के लेनदेन के संबंध में होने वाले कुल विनिमय लाभ या हानि को आय एवं व्यय खाते में दर्शाया गया है।

11. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों की गणना, सरकारी विभागों से प्राप्त मंजूरी के आधार पर की गई है।

विशिष्ट स्थाई परिसंपत्तियों के संबंध में अनुदान को पूंजी अनुदान माना गया है।

नियत परिसंपत्तियों के संबंध में अनुदानों को पूंजी अनुदान के रूप में माना गया है और निर्धारित निधि शीर्ष के तहत दिखाया गया है।

नियत परिसंपत्तियों के संबंध में अनुदानों को, आस्थगित आय के रूप में माना गया है तथा आय एवं व्यय खाते में परिसंपत्तियों को उपयोगी जीवनकाल पर एक व्यवस्थित और तर्कसंगत आधार पर लिया गया है अर्थात् पूंजीगत अनुदान को आय में उसी अनुपात में आवंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास हुआ है।

राजस्व व्यय (प्रोद्भवन आधार पर) को पूरा करने के लिए सरकारी अनुदानों को अधिकतम उपयोग किया गया है, जैसे उन्हें वर्ष की आय के रूप में माना गया है।

अप्रयुक्त अनुदानों को आगे बढ़ाया गया है और तुलन पत्र में देयता के रूप में दर्शाया गया है।

12. प्रायोजित परियोजनाएँ

जारी प्रायोजित परियोजनाओं के संबंध में, प्रायोजकों से प्राप्त राशि को अन्य देयताएँ - वर्तमान देयताएँ शीर्षक के तहत जारी प्रायोजित परियोजनाओं के सामने प्राप्तियाँ शीर्षक में दर्शाया गया है। ऐसी परियोजनाओं के लिए जब भी व्यय किया जाता है / ऐसी परियोजनाओं के लिए अग्रिम भुगतान किया जाता है, तब ये व्यय/अग्रिम भुगतान संबंधित परियोजना खाते के खर्चे में लिखा जाता है।

13. सेवानिवृत्ति लाभ

परिभाषित लाभ योजना के तहत सभी पात्र कर्मचारियों को भविष्य निधि (प्रोविडेंट फंड), एक परिभाषित योगदान योजना और ग्रेच्युटी एवं सेवानिवृत्ति पेंशन से लाभ प्राप्त हुआ। कर्मचारियों को छुट्टी नकदीकरण के रूप में अनुपस्थिति की भरपाई करने का भी अधिकार है।

नियत दरों पर नियमित योगदान भविष्य निधि में किया जाता है। ग्रेचुइटी, सेवानिवृत्ति पेंशन और कर्मचारियों के लिए संचित छुट्टी का प्रावधान अनुमानित लाभ दायित्व विधि (पीबीओ विधि) का उपयोग करके किया गया है।

आय एवं व्यय खाते में दिखाए गए सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभों पर व्यय सेवानिवृत्ति लाभ के लिए विशिष्ट निवेश पर अर्जित ब्याज की निवल राशि है।

14. आय कर

आयकर अधिनियम की धारा 10(23सी)(vi) के तहत इस संस्थान की आय आयकर से मुक्त है, इसीलिए खातों में कर का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

आयकर पुनर्प्राप्ति योग्य निवेश, व्यावसायिक शुल्क और प्लेसमेंट आय पर ब्याज से कटौती करने से संबंधित है।

15. प्रावधान, आकस्मिक देयताएँ और आकस्मिक संपत्तियाँ

माप में पर्याप्त अनुमानित आकलन से संबंधित प्रावधानों को मान्यता प्राप्त है, जब पिछली घटनाओं के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व होते हैं और यह संभावित है कि संसाधनों का उत्प्रवाह होगा। जिन प्रावधानों के भुगतान करना जरू री था उन्हें नियमित रूपसे समीक्षित किया गया है और दायित्व के मौजूदा सर्वोत्तम अनुमानों को प्रतिबिंबित करने के लिए जहाँ आवश्यक रहा वहाँ उन्हें समायोजित किया गया है।

जहाँ कोई विश्वसनीय अनुमान नहीं बनाया जा सकता है, वहाँ आकस्मिक दायित्व के रूप में प्रकटीकरण किया गया है। जहाँ एक संभावित दायित्व या वर्तमान दायित्व है जिसके संबंध में संसाधनों के उत्प्रवाह की संभावना बहुत कम है, वहाँ कोई प्रावधान या प्रकटीकरण नहीं किया गया है। आकस्मिक देनदारियों को मान्यता नहीं दी गई है लेकिन एक नोट के माध्यम से खातों में उनका खुलासा किया गया है।

वित्तीय विवरणों में आकस्मिक संपत्तियों को न तो मान्यता प्राप्त है और न ही स्पष्ट किया गया है।

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

अनुसूची 21 - खातों के लिए अन्य नोट

1. आकस्मिक देयताएँ

(क) सेवा कर की मांग विवाद में है (ब्याज सहित)

11,305.73 लाख रुपए (पिछले वर्ष 145.84 लाख रुपए)।

(ख) संस्थान के खिलाफ दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है

शून्य रुपए (पिछले वर्ष शून्य रुपए)

(ग) विद्युत ड्यूटी

34.69 लाख रुपए (पिछले वर्ष 34.69 लाख रुपए)

2. अनिष्पादित पूंजीगत अनुबंध

अनिष्पादित पूंजीगत अनुबंध (अग्रिम का कुल) 675.12 लाख रुपए (पिछले वर्ष 879.42 लाख रुपए) है, जिसका उपयोग परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि से किया जाएगा।

3. वर्तमान परिसंपत्तियाँ, ऋण और अग्रिम

प्रबंधन की राय में, मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का सामान्य कार्य व्यापार के दौरान वसूली पर मूल्य, कम से कम तुलन पत्र में दर्शायी गई कुल राशि के बराबर है। मौजूदा परिसंपत्तियों, वर्तमान देनदारियों, ऋणों और अग्रिमों में शेष राशि पुष्टि के अधीन हैं।

4. कराधान

संस्थान ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10(23सी) (पै) के अधीन, आयकर मुख्य आयुक्त, अहमदाबाद कार्यालय से पत्र संख्या CC-IV/ABD/10 (23C) cell/10 (23C) (vi) IIM/2010-11/1305 दिनांक 31.01.2011 के अनुसार आयकर में छूट प्राप्त कर ली है। यह जब तक प्रभावी रहेगी तब तक किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा वापस नहीं ली जाती है।

संस्थान को पूरी तरह धर्मार्थ मंडल के रूप में मान्यता प्राप्त है और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 12ए(ए) के तहत संस्थान का पंजीकरण किया गया है।

5. विदेशी मुद्रा में व्यय

(रुपये लाखों में)

विवरण	2017-2018 रुपये	2016-2017रुपये
क) विदेशी यात्रा	59.13	59.32
ख) पुस्तकें और मामले सामग्री	317.42	336.91
ग) अन्य	185.24	140.22

6. विदेशी मुद्रा में आय

(रुपये लाखों में)

विवरण	2017-2018 रुपये	2016-2017 रुपये
क) परियोजना, कार्यक्रम, दान और फ़ीस से आय	932.15	663.62
ख) स्थानन आय	23.02	36.57

7. संस्थान ने पीजीपीएक्स पाठ्यक्रम के लिए छात्रों से एकत्र किए सेवा कर/जीएसटी के खिलाफ 208.60 लाख (पिछले वर्ष 727.59 लाख रुपए) रुपए सेवा कर/ जीएसटी विभाग के विरोध के तहत वर्ष के दौरान जमा किए हैं। 936.19 लाख रुपए का कुल भुगतान 31 मार्च, 2018 को बकाया है जिसे अनुसूची 7 में विरोध के तहत भुगतानकृत (पीजीपीएक्स) सेवा कर/जीएसटी के रूप में प्रकट किया गया है और तदनुसार अनुसूची 3 में छात्रों को (पीजीपीएक्स) सेवा कर प्रतिदेय के रूप में प्रकट किया गया है। जब यह विवाद सुलझाया जाएगा तब इसी को समायोजित धनवापसी की जाएगी।

8. मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा दिए गए लेखांकन और प्रस्तुतीकरण मानदंडों के आधार पर वर्तमान वर्ष की प्रस्तुति की पुष्टि के लिए पिछले वर्ष के आँकड़ों को पुनःगठित/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी
फर्म पंजीकरण नं. 006711एन / एन 500028
सनदी लेखाकार

एर्रोल डीसूजा
निदेशक

अरविंद मोदी
सहभागी
सदस्यता संख्या 112929

मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

लक्ष्मणदेव बी. गोहिल
मुख्य प्रबंधक - लेखा

दिनांक : 25-06-2018
स्थान :अहमदाबाद

31 मार्च 2018 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता

(रु. लाखों में)

प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
1. अथ शेष			1. व्यय		
क) नकद शेष	0.25	0.25	क) स्थापना व्यय	6,643.79	5,735.01
ख) बैंक में शेष			ख) अकादमिक व्यय	3,265.53	3,234.17
1. रुपये खातों में	479.63	529.70	ग) प्रशासनिक व्यय	1,576.81	1,042.49
2.जमा खातों में	9,743.69	18,935.71	घ) परिवहन व्यय	2.94	2.90
3.बचत खाते	1,705.88	1,919.37	ङ) मरम्मत एवं रखरखाव	954.08	904.77
4.एफ़सी खातों में	0.13	5.64	च) पूर्व अवधि व्यय	-	-
ग) हस्तगत स्टेम्प	4.72	0.06			
2. प्राप्त अनुदान			2. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि के लिए भुगतान	882.29	732.46
क) भारत सरकार से	200.00	191.12			
ख) राज्य सरकार से					
ग) अन्य स्रोतों से					
3. अकादमिक प्राप्तियाँ	13,889.52	12,123.49	3. प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के लिए भुगतान	5,435.33	5,272.96
4. निर्धारित / बंदोबस्ती निधि से प्राप्तियाँ	3,685.78	3,027.39	4. प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति के लिए भुगतान	79.85	125.36
5. प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं से प्राप्तियाँ	9,262.25	8,001.86	5. निवेश एवं जमा किए गए		
			क) निर्धारित / बंदोबस्ती निधि के अलावा	26,321.92	25,262.08
			ख) अपने स्वयं की निधि के अलावा (अन्य निवेश)	-	-
6. प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति से प्राप्तियाँ	93.57	189.96	6. अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमाराशि	-	-
7. निवेशों से आय			7. अचल परिसंपत्तियों एवं जारी पूंजीगत कार्यों पर व्यय		
क) निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	5,826.96	4,430.05	क) अचल संपत्तियाँ	478.42	243.92
ख) अन्य निवेश	-	-	ख) पूंजीकार्य प्रगति में (पूंजीगत अग्रिम सहित)	1,027.01	517.27
8. ब्याज प्राप्त हुआ			8. वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान		
क) बैंक जमा	1,773.13	1,723.12	क) दी गई जमाराशियाँ	402.59	-
ख) ऋण एवं अग्रिम			ख) जमा राशि का पुनर्भुगतान	1.70	4.21
ग) बचत बैंक खाते	165.34	133.68	ग) वैधानिक देयताओं में वृद्धि	-610.99	207.41
9. निवेश नकदीकरण	17,307.11	5,525.00	9. अनुदान की धनवापसी	-	-

(रु. लाखों में)

प्राप्तियाँ	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	वर्तमान वर्ष	पिछला वर्ष
10. अनुसूचित बैंकों के साथ सावधि जमा			10. जमा एवं अग्रिम		
			क) सुरक्षा जमा	12.19	-
11. अन्य आय			11. अन्य भुगतान		
क) भूमि एवं इमारतों से आय	453.84	973.38	क) व्यापक ऋणदाता और ऋण एवं अग्रिम	-	-
ख) अन्य	987.42	821.79	ख) कर्मचारियों को अग्रिम (कुल)	2.33	7.80
			ग) स्टॉक में परिवर्तन	-12.38	23.27
			घ) टीडीएस प्राप्य	-82.57	700.50
12. जमा एवं अग्रिम			12. अन्य भुगतान		
क) प्राप्त जमानती धन राशि	67.12	90.26	क) विविध लेनदारों एवं अन्य देयताओं में वृद्धि	-1,275.63	2,672.21
ख) सुरक्षा जमा		0.74			
ग) कर्मचारियों को ऋण					
13. विविध प्राप्तियाँ (वैधानिक प्राप्तियाँ)					
14. अन्य प्राप्तियाँ			13. समापन शेष		
क) प्रावधानों में परिवर्तन			क) नकद शेष	0.16	0.25
ख) विविध लेनदार एवं अन्य देयताएँ			ख) बैंक शेष		
ग) संपत्ति की बिक्री	3.57	0.49	1. रुपये खातों में	2,908.88	479.63
			2.जमा खातों में	11,925.99	9,743.69
			3.बचत खाते	5,695.32	1,705.88
			4.एफ़सी खातों में	12.29	0.13
			ग) हस्तगत स्टेम्प	2.07	4.72
कुल	**65,649.92**	**58,623.08**	**कुल**	**65,649.92**	**58,623.08**

इस तारीख तक हमारी रिपोर्ट के अनुसार

कृते टी. आर. चड्ढा एंड कंपनी एलएलपी
फर्म पंजीकरण नं. 006711एन / एन 500028
सनदी लेखाकार

एर्रोल डीसूज़ा
निदेशक

अरविंद मोदी
सहभागी
सदस्यता संख्या 112929

मनोज भट्ट
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

लक्ष्मणदेव बी. गोहिल
मुख्य प्रबंधक - लेखा

दिनांक : 25-06-2018
स्थान :अहमदाबाद

स्वर्ण पदक विजेता 1966 से 2018 तक

1966
- दिवान अरुण नंदा
- सी. के. प्रह्लाद
- लक्ष्मी प्रसाद वेपा

1967
- विजय भार्गव
- जयंत कुमार डे

1968
- जोह्न सायस केमिलस
- ग्रेम्मा कस्तूरी जयरामन
- बीजी के. कुरियन
- रवि वी. सारथी

1969
- पृथ्वी नाथ शेठ
- एम. जी. सुब्रामणियम
- वीरराघवन वी.
- वेणुगोपाल एस.

1970
- टी. के. बालाजी
- भरतकुमार जे. मेहता
- पॉल माम्पिल्ली
- अशोक केवलचन्द वोरा

1971
- हर किशन लाल अग्रवाल
- प्रदीप कुमार भार्गव
- अरुण पी. पांडे
- ऑड्री इग्नेशियस रेबेलो

1972
- वेनबक्कम एस. कृष्णन
- एस. रामकृष्णन
- एस. उमापति
- विजय सागर

1973
- सुदिप्तो भट्टाचार्य
- कृष्णास्वामी मोहन
- विलास के. रजवाड़े
- उत्पल सेन गुप्ता

1974
- राजीव बर्मन
- जनार्दनमोहन जी. राव
- रवि आर.
- एस. रविचन्द्रन

1975
- आर. बालगंगाधरन
- एस. बालासुब्रामणियन
- राज कुमार साह
- श्रीधर एस.

1976
- गौतम चक्रवर्ती
- श्रीकान्त पी. पांडे
- रीटा मोहन
- सुधर कृष्णमूर्ति

1977
- मनविन्दर सिंह बंगा
- लक्ष्मी चंद भंडारी
- हेमन्त शाह
- बी. रामास्वामी (एसपीए)

1978
- बी. अनन्तराम
- श्रीकान्त माधव दातार
- संदीप माथुर
- वसन्त प्रकाश गाँधी (एसपीए)

1979
- श्री के. चन्द्रशेखर
- मेहर करण सिंह
- विजय श्रीरंगन

1980
- संजय भार्गव
- विपुल प्रसाद जैन
- श्रीधर शेषाद्री

1981
- आलोक अग्रवाल
- राजीव कपूर
- विजय महाजन
- वी. एस. सीताराम

1982
- जगमोहन सिंह राजू
- शशि कान्त सचदेवा
- जयन्त राम वर्मा

1983
- प्रकाश मिरचन्दानी
- आशिष नन्दा
- रामकुमार एस.
- सुरेश मदान (एसपीए)

1984
- सुनील गुलाटी
- पप्पू जगदीश राव

1985
- हर्ष लाल
- कादम्बी पी. जनार्दन
- श्रीनाथ मुखर्जी

1986
- अनिल आहूजा
- राजीव आहूजा
- देविना मेहरा

1987
- हरीश आर. भाट
- वेंकटेश नरसियाह
- रघुराम जी. राजन

1988
- राजीव अग्रवाल
- संजय गुप्ता
- सौरभ गर्ग

1989
- आर. सुब्रामणियन
- के. आर. एस. जामवाल
- सचित जैन

1990
- विपिन गुप्ता
- मोनिष कुमार
- मिलिंद शहाणे

1991
- अग्रवाल विजय
- एस. नागराजन

1992
- चेतनकुमार बी. शाह
- संजीव छाबरा
- विवेक रस्तोगी

1993
- संजय कुमार जैन
- गौतम कुमरा
- रोहित चटर्जी

1994
- हृषिकेश बी. परान्देकर
- एस. रमेश
- आनंद संघी

1995
- आशुतोष पाढ़ी
- नितिन मल्हान
- संजय पुरोहित

1996
- समित ए. पारेख
- भुपेन्दर सिंह
- पूर्वा इन्दुरकर

1997
- राजीव ई. के.
- रजत भार्गव
- संदीप गुप्ता

1998
- सुमत राजपाल
- अविनाश अग्रवाल
- विपुल बंसल

1999
- अमित बोरडिया
- अनुपम मोर्टिन्स
- प्रशांत

2000
- प्रियंका अरोडा
- सुरेन्द्र कुमार जैन
- शिशिर आर. मांकड

2001
- कृष्णा वाय. एस. आर.
- भारद्वाज वी. टी.
- आनंद श्रीधरन

2002
- विकास गुप्ता
- मणिकन्दन नटराजन
- मोहित खुराना
- सुमन एन थॉमस (पीजीपी-एबीएम)

2003
- अमर मखीजा
- रामनाथ बालासुब्रामणियन
- नितिन दहिया
- रामप्रसाद बी. के. (पीजीपी-एबीएम)

2004
- मुकुंदन डी.
- जी. वी. रविशंकर
- के. एन. रामगणेश
- ध्रुव ज्योति बनर्जी (पीजीपी-एबीएम)

2005
- फिलिप टी. जेकब
- मनोज गुप्ता
- गौरव सहगल

2006
- कनिष सरीन
- विषय ग्रोवर
- अंकुर साबू
- अमित जानी (पीजीपी-एबीएम)

2007
- मयंक रावत
- सुमित कुमार
- बाला वामसी ततवर्ती
- जेम्स बीसोन (पीजीपीएक्स)

2008
- कपिल मोदी
- जी. अर्जुन
- प्रतीक जैन
- सहलीन गर्ग (पीजीपीएक्स)
- सैयद अली मुर्तज़ा रिज़वी (पीजीपी-पीएमपी)

2009
- गगनदीप सिंह
- अभिषेक वर्मा
- इशांत गोयल
- सौरी गुदलावालेत्ती (पीजीपीएक्स)
- राकेश रंजन (पीएमपी)

2010
- सम्राट अशोक लाल
- रोहन चौधरी
- हिमांशु शर्मा
- विनोद कुमार रामचन्द्रन (पीजीपीएक्स)
- संजीत कुमार पांडे (पीजीपी-पीएमपी)

2011
- श्री जयदीप शंकर जगन्नाथन
- श्री मयंक कुकरेजा
- श्री मोहित गर्ग
- श्री राहुल (पीजीपीएक्स)

2012
- श्री गौरव जगदीश सिंघल
- श्री नेहुल मल्होत्रा
- श्री आदित्य खंडेलिया
- श्री शिवराम रामाकृष्णन (पीजीपीएक्स)

2013
- निखिल अग्रवाल
- अनिकेत तलवाई
- सुमित सोमानी
- शशांक राठी (पीजीपी-एबीएम)
- आदित्य बंसल (पीजीपीएक्स)

2014
- हेमंत ओमप्रकाश मूंदड़ा
- संचित बंसल
- प्रशांत सरकार
- आदित्य किरण परांजपे (पीजीपीएक्स)

2015
- अग्रवाल राहुल सतीश
- रक्षित यू. अग्रवाल
- अभिनव गुप्ता
- सिद्धार्थ अग्रवाल (पीजीपी-एबीएम)
- अंशुल श्रीवास्तव (पीजीपीएक्स)

2016
- आयुष अग्रवाल
- शाह आशय सुभाष
- अनुराग अग्रवाल
- प्रसन्ना वेंकटेशन श्रीनिवासन अय्यंगर (पीजीपीएक्स)

2017
- आशीष खुल्लर
- आकाश गुप्ता
- सम्यक डागा
- मिहिर पारेख (पीजीपीएक्स)

2018
- प्रखर बालासुब्रमण्यन
- अनुराग पोद्दार
- सौम्यो माधब मित्रा
- श्रीहरि सुमाइथंगी जानकीराम (पीजीपीएक्स)

दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथिगण

1966 श्री एम. सी. चागला
1967 डॉ. विक्रम साराभाई
1968 श्रीमती इन्दिरा गाँधी
1969 डॉ. करन सिंह
1970 श्री एल. के. झा
1971 श्री धर्म वीर
1972 श्री सी. सुब्रामणियम
1973 श्री डी.पी. धर
1974 प्रोफेसर नुरुल हसन
1975 श्री टी.ए. पाई
1976 डॉ. वी. एम. दंडेकर
1977 श्री एम.एस. स्वामीनाथन
1978 श्री एच. एम. पटेल
1979 श्री वी. जी. राजाध्यक्ष
1980 जस्टिस श्री एम. हिदायतुल्लाह
1981 श्री केशुब महिन्द्रा
1982 श्रीमती शारदा मुखर्जी
1983 श्री नानी पालखीवाला
1984 श्री पी.एल. टंडन
1985 श्री के. सी. पंत
1986 श्री हितेन भाया
1987 डॉ. राजा रमन्ना
1988 श्री वी. कुरियन
1989 श्री ए.एस. गांगुली
1990 श्री रुसी मोदी
1991 श्री सरुप सिंह
1992 श्री राजमोहन गाँधी
1993 श्री पी. वी. नरसिम्हा राव
1994 डॉ. मनमोहन सिंह
1995 श्री सेम पित्रोडा
1996 श्री ए. एम. एहमदी
1997 श्री अदी गोदरेज
1998 श्री विक्रम लाल
1999 श्री के. बी. दादीशेठ
2000 श्री आर. के. लक्ष्मण
2001 डॉ. देश देशपांडे
2002 श्री अज़ीम प्रेमजी
2003 डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम
2004 डॉ. बिमल जालान
2005 श्री रघुराम राजन
2006 श्री एम. एस. बंगा
2007 श्री पी. चिदम्बरम्
2008 श्री मोंटेक सिंह अहलुवालिया
2009 श्री दीपक पारेख
2010 डॉ. सी. रंगराजन
2011 डॉ. मनमोहन सिंह
2012 श्री के. वी. कामथ
2013 श्री एल. एन. मित्तल
2014 श्री आनंद महिन्द्रा
2015 श्री अजय बंगा
2016 श्रीमती अरुंधती भट्टाचार्य
2017 सुश्री शिखा शर्मा
2018 डॉ. जन्मेजय सिन्हा